राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) द्वारा श्रेणी 'बी' प्रत्यायित

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय

जंगल धूसड़, गोरखपुर-273 014 (उ.प्र.)

Web : www.mpm.edu.in I e-mail : mpmpg5@gmail.com I Phone : 7897475917, 9794299451

हमारे आदर्श

स्वदेश, स्वधर्म, स्वतंत्रता और स्वाभिमान के लिये सर्वस्व निछावर करने वाले राष्ट्रनायक परमवीर महाराणा प्रताप का उज्ज्वल प्रदीप्त चरित्र हमारा आदर्श है। मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान् श्रीराम के श्रीमुख से निःसृत–

'जननी जन्म भूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी'

और पुण्य प्रताप महाराणा प्रताप का यह उद्घोष कि–

'जो हठि राखे धर्म को तिहि राखै करतार'

हमारे सदा स्मरणीय बोधवाक्य हैं। शिक्षा परिषद् और महाविद्यालय को राष्ट्रनायक महाराणा प्रताप के नाम पर स्थापित करने के पीछे यही स्पष्ट उद्देश्य और प्रयोजन है कि इन संस्थाओं में अध्ययन–अध्यापन करने वाला युवा आधुनिक ज्ञान–विज्ञान एवं कला की कालोचित शिक्षा ग्रहण करने के साथ–साथ अपने देश और समाज के प्रति सहज निष्ठा और अटूट श्रद्धा का पाठ भी पढ़े।

समावर्तन–2020

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के संस्थापक

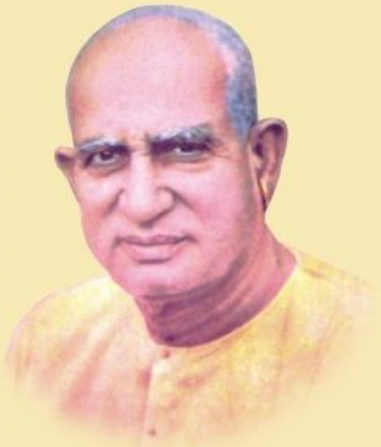

शिक्षा के प्रसार को लोक-जागरण और राष्ट्रीय पुनर्निर्माण का सशक्त माध्यम स्वीकार करते हुए युगपुरुष ब्रह्मलीन पूज्य महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने शैक्षिक दृष्टि से अत्यन्त पिछड़े पूर्वी उत्तर प्रदेश के केन्द्र एवं अपनी कर्मस्थली गोरखपुर में प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक की शिक्षण संस्थाओं को संचालित करने हेतु महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की 1932 ई. में स्थापना कर शिक्षा क्षेत्र में अविस्मरणीय भूमिका की नींव रखी। वर्तमान में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत संचालित चार दर्जन से भी अधिक शिक्षण-प्रशिक्षण एवं चिकित्सा-शिक्षा संस्थाओं में 50 हजार से भी अधिक छात्र-छात्रायें कला, विज्ञान, वाणिज्य, साहित्य, चिकित्सा और प्राविधिक विषयों में परम्परागत तथा आधुनिक विषयों की शिक्षा ले रहे हैं।

महाविद्यालय के संस्थापक

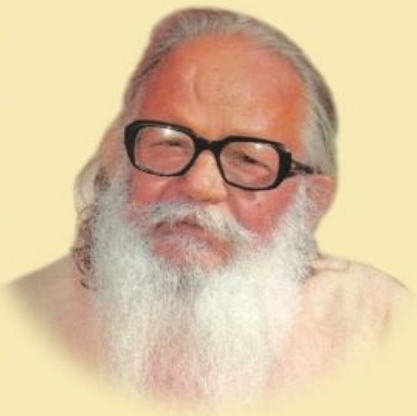

अपने वरेण्य गुरुदेव युगपुरुष महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज के बहुआयामी सपनों को साकार करने में निरन्तर संलग्न सामाजिक समरसता के उद्गाता, राष्ट्रवादी राजनीति के पुरोधा और अप्रतिम धर्मयोद्धा राष्ट्र-संत ब्रह्मलीन पूज्य महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज ने सन् 1932 ई. में गुरुदेव द्वारा स्थापित 'महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद' को अपनी निष्ठा, सुदीर्घकालीन तपस्या और अनुभव की पूँजी से उत्तरोत्तर समृद्ध, समुन्नत और प्रगतिशील रखते हुए 1957-58 ई. में गोरखपुर में वर्तमान विश्वविद्यालय की स्थापना के लिये उदारतापूर्वक विलीनीकृत तत्कालीन महाराणा प्रताप महाविद्यालय को नये रंग-रूप में पुनर्जीवित करते हुये उच्च शिक्षा से वंचित ग्रामीण अंचल जंगल धूसड़ में महाराणा प्रताप महाविद्यालय की स्थापना की, जिसने शैक्षणिक गुणवत्ता, संस्कारयुक्त एवं अनुशासित परिसर की स्थापना कर अपनी बेहतरीन साख बनायी है।

महाविद्यालय के प्रबन्धक

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के मंत्री एवं महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़ के प्रबंधक गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज, माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश, की स्पष्ट दृष्टि है कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद एवं महाराणा प्रताप महाविद्यालय की स्थापना लोक कल्याणार्थ शिक्षा को सेवा एवं साधना का माध्यम बनाने के लिए की गई। इस संस्था का दर्शन एवं लक्ष्य है कि इस संस्था से अध्ययन करने वाला युवा अत्याधुनिक ज्ञान-विज्ञान तथा कला की कालोचित शिक्षा ग्रहण करने के साथ-साथ राष्ट्र एवं समाज के प्रति सहज निष्ठा और श्रद्धा का पाठ पढ़े। भारतीय जीवन दर्शन का वह अनुगामी बनें। उनका कहना है कि प्रगति और परम्परा राष्ट्रीय-सामाजिक विकास रथ के दो पहिये हैं, ऐसे में अत्याधुनिक संसाधनों, सूचना एवं संचार माध्यमों के उपयोग के साथ अध्यापन तथा भारतीय जीवन दर्शन के प्रति श्रद्धा भाव पैदा करना इस महाविद्यालय का मिशन है।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्

भारत के स्वाधीनता संग्राम में बालगंगाधर तिलक का युग समाप्त होते-होते कांग्रेस के नेतृत्व पर प्रश्न चिह्न खड़ा होने लगा था। 1920 ई. के बाद क्रान्तिकारी आन्दोलन ने अलग राह पकड़ी और 1930-31 ई. तक आते-आते कांग्रेस के स्पष्ट सहयोग के अभाव में क्रान्तिकारियों का दमन करने में ब्रिटिश हुकूमत सफल रही। 1915-16 ई. के बाद इसी काल खण्ड में स्वाधीनता संग्राम की अगुवा कांग्रेस मुस्लिम तुष्टीकरण की भी शिकार हुई। इस युग तक अंग्रेजों द्वारा भारत में अंग्रेजियत में रमे बाबुओं की फौज खड़ी करने की शिक्षा नीति का प्रभाव भी दिखने लगा था। देश के समक्ष एक चुनौती थी कि भारत की नयी पीढ़ी भारतीयता के साँचे में कैसे ढले। अपनी संस्कृति और स्वदेशी दृष्टि की शिक्षा प्रणाली और शिक्षा नीति ही एक मात्र इस चुनौती का समाधान था। इस चुनौती को भी भारतीय मनीषियों ने स्वीकार किया।

महामना मदन मोहन मालवीय के अथक प्रयास से 4 फरवरी 1916 ई. को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय लोकार्पित हो गया। भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार हेतु स्थापित यह विश्वविद्यालय पूरे देश में भारतीय संस्कृति पर आधारित शिक्षा पद्धति का एक नया मानक बना और इसी धारा को तत्कालीन युगपुरुष गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने आगे बढ़ाते हुए 1932 ई.में गोरखपुर में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की नींव रखी। ब्रिटिश हुकूमत को शिक्षा के भी क्षेत्र में भारतीय मनीषियों द्वारा यह कड़ी चुनौती थी, कि भारत अपने पैरों पर खड़ा होने में समर्थ है, वह अपना तंत्र, अपनी शिक्षा, अपनी संस्कृति और अपने मूल्यों की पुनः स्थापना अपनी योजनानुसार करेगा। यह दूर दृष्टि थी कि देश जब आजाद होगा तब देश की व्यवस्था चलाने हेतु भारतीय पद्धति के शिक्षा संस्थानों से निकले युवाओं की फौज तैयार मिलेगी।

देश पराधीन था। जनता विपन्न थी। ज्ञान कौशल के अभाव में स्वाभिमान और राष्ट्रीय पुनर्निर्माण की चेतना का जागरण दुष्कर था। स्वतंत्रता संग्राम के एक सशक्त सिपाही महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज अपनी संकल्प शक्ति के बल पर आजादी की लड़ाई के एक प्रमुख शस्त्र के रूप में शैक्षिक क्रान्ति के पथ पर भी आगे बढ़े। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत 1932 ई. में बक्शीपुर में किराये के एक मकान में 'महाराणा प्रताप क्षत्रिय स्कूल' प्रारम्भ हुआ। 1935 ई. में इसे जूनियर हाईस्कूल की मान्यता मिल गयी और 1936 ई. में यहाँ हाईस्कूल की पढ़ाई प्रारम्भ की गयी तथा इसका नाम 'महाराणा प्रताप हाई स्कूल' हो गया। इसी बीच महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज के अथक प्रयास से गोरखपुर के सिविल लाइन्स में पाँच एकड़ भूमि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् को प्राप्त हो गयी और महाराणा प्रताप हाईस्कूल का केन्द्र सिविल लाइन्स हो गया तथा देश के आजाद होते समय यह विद्यालय महाराणा प्रताप इण्टरमीडिएट कालेज के रूप में प्रतिष्ठित हुआ।

समावर्तन–2020

1949–50 ई. में महाराणा प्रताप डिग्री कालेज की स्थापना महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् का अगला पड़ाव था। अगस्त 1958 ई. में महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने महाराणा प्रताप डिग्री कालेज को गोरखपुर विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु समर्पित किया और विश्वविद्यालय की स्थापना के आधार स्तम्भ बने। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय का परिसर आज भी 'महाराणा प्रताप परिसर' के नाम से जाना जाता है। तत्पश्चात् महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् ने ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज के नाम से वर्तमान दिग्विजनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय की स्थापना की, सम्प्रति यह विश्वविद्यालय परिसर से सटे महानगर का एक अति प्रतिष्ठित महाविद्यालय है।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा वर्तमान में चार दर्जन से अधिक शिक्षण-प्रशिक्षण, चिकित्सा, तकनीकी तथा सेवा संस्थाएँ संचालित हो रहीं हैं। इनमें महाराणा प्रताप इण्टर कालेज सिविल लाइन्स, दिग्विजयनाथ पी.जी. कालेज सिविल लाइन्स, महाराणा प्रताप महिला महाविद्यालय रामदत्तपुर, श्री गोरक्षनाथ संस्कृत महाविद्यालय गोरखनाथ, दिग्विजयनाथ एल.टी. प्रशिक्षण महाविद्यालय सिविल लाइन्स, महाराणा प्रताप बालिका इण्टर कालेज सिविल लाइन्स, महाराणा प्रताप पॉलिटेक्निक गोरखनाथ, महाराणा प्रताप मंगला देवी सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल बेतियाहाता, महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कालेज जंगल धूसड़, श्री गोरक्षनाथ संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोरखनाथ, महाराणा प्रताप कन्या इण्टर कालेज रामदत्तपुर, महाराणा प्रताप जूनियर हाईस्कूल लालडिग्गी, दिग्विजयनाथ इण्टर कालेज चौक माफी पीपीगंज, गुरु गोरखनाथ विद्यापीठ पितेश्वरनाथ मन्दिर भरोहिया पीपीगंज, महायोगी गुरु गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र चौक माफी पीपीगंज, प्रताप आश्रम गोलघर, महाराणा प्रताप मीराबाई महिला छात्रावास सिविल लाइन्स, महन्त दिग्विजयनाथ महिला छात्रावास सिविल लाइन्स, गुरुगोरक्षनाथ संस्कृत छात्रावास गोरखनाथ, महाराणा प्रताप टेलरिंग स्कूल सिविल लाइन्स, गुरु श्रीगोरक्षनाथ कालेज आफ नर्सिंग गोरखनाथ, महायोगी गुरु गोरक्षनाथ योग संस्थान गोरखनाथ मन्दिर, श्री गोरखनाथ आधुनिक व्यायामशाला गोरखनाथ मन्दिर, योगिराज बाबा गम्भीरनाथ नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र जंगल धूसड़, हिन्दू विद्यापीठ जंगल तिनकोनिया, महायोगी गुरु श्री गोरक्षनाथ गौ सेवा केन्द्र गोरखनाथ, गुरु श्री गोरक्षनाथ सेवा संस्थान गोरखनाथ योगिराज बाबा गम्भीरनाथ सेवाश्रम (छात्रावास) जंगल धूसड़, गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त अवेद्यनाथ महाविद्यालय चौक बाजार, दिग्विजयनाथ इण्टर कालेज चौक बाजार, दिग्विजयनाथ पूर्व माध्यमिक विद्यालय चौक बाजार, दिग्विजयनाथ प्राथमिक विद्यालय चौक बाजार, आदि शक्ति माँ पाटेश्वरी पब्लिक स्कूल देवीपाटन तुलसीपुर, बलरामपुर आदि प्रमुख शिक्षण संस्थाएँ हैं। शिक्षा परिषद् की एक महत्वपूर्ण संस्था गुरु गोरक्षनाथ संस्कृत विद्यालय मैदागिन, वाराणसी में स्थित है। चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में गुरु श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय, महन्त दिग्विजयनाथ आयुर्वेदिक चिकित्सालय एवं आदि शक्ति माँ पाटेश्वरी चिकित्सालय देवीपाटन, गोरखनाथ मन्दिर द्वारा महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत ही संचालित है। महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़ इसी महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित संस्था है।

योगी आदित्यनाथ

मुख्य मंत्री
उत्तर प्रदेश

लोक भवन
लखनऊ–226001

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है कि महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर का तेरहवां समावर्तन संस्कार समारोह फाल्गुन कृष्ण अमावस्या, तद्नुसार दिनांक 23 फरवरी, 2020 को आयोजित किया जा रहा है।

श्री गोरक्षपीठ गोरक्षनाथ मन्दिर ने धर्म-आध्यात्म के साथ ही लोक-कल्याण को शिक्षा एवं स्वास्थ्य के माध्यम से जन सेवा का साधन बनाया है। ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज द्वारा सन् 1932 में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना की गई थी। परिषद द्वारा महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय सहित प्रत्येक स्तर की शिक्षा के लिए अनेक शिक्षण-प्रशिक्षण एवं स्वास्थ्य सम्बन्धी संस्थाएं संचालित किए जा रहे हैं।

महाराणा प्रताप स्वतंत्रता और स्वाभिमान के प्रतीक हैं। ऐसे राष्ट्रनायक के आदर्शों को युवा पीढ़ी में रोपित करने के उद्देश्य से ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज ने महाराणा प्रताप महाविद्यालय को नये रंग-रूप में पुनर्जीवित करते हुए ग्रामीण अंचल जंगल धूसड़ में महाराणा प्रताप महाविद्यालय की स्थापना सन् 2005 में की।

अनुशासित वातावरण में गुणवत्तापरक एवं संस्कारयुक्त शिक्षा प्रदान करते हुए महाविद्यालय ने अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा जारी रपट 'स्वच्छ परिसर 2020' में देश भर के 6920 उच्च शिक्षण संस्थाओं में से महाविद्यालय ने श्रेष्ठतम 69 कालेजों में स्थान प्राप्त कर एक कीर्तिमान स्थापित किया है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि भविष्य में भी यह संस्थान गोरखपुर एवं समीपवर्ती जनपदों के छात्र-छात्राओं को उत्कृष्ट श्रेणी की शिक्षा एवं भारतीय संस्कृति के अनुरूप संस्कार प्रदान करता रहेगा।

समावर्तन संस्कार समारोह की सफलता हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

(योगी आदित्यनाथ)

दूरभाष : 0522-2236181/2239296 फैक्स : 0522-2239224 ईमेल : cmup@nic.in

प्रो. यू. पी. सिंह
पूर्व कुलपति

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय
जौनपुर (उ.प्र.)

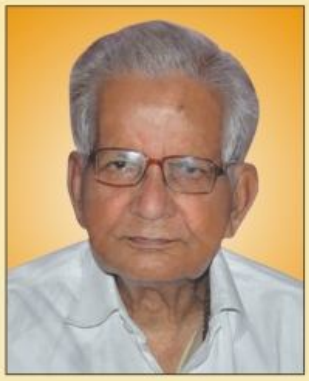

शुभकामना संदेश

श्रीगोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर युगपुरुष ब्रह्मलीन पूज्य महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने 1932 ई. में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना की। शिक्षा के प्रसार को लोक जागरण और राष्ट्रीय पुनर्निर्माण का सशक्त माध्यम स्वीकार करते हुए दिग्विजयनाथ जी महाराज ने शैक्षिक दृष्टि से अत्यन्त पिछड़े पूर्वी उत्तर प्रदेश में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत प्राथमिक से लेकर उच्च एवं प्राविधिक शिक्षण संस्थानों की शृंखला खड़ी की। तत्पश्चात् गोरक्षपीठाधीश्वर पूज्य महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज की देख-रेख में शिक्षा के क्षेत्र में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा स्थापित तत्कालीन महाराणा प्रताप डिग्री कालेज में 1955 से 1958 ई. तक कार्य करने का मुझे सुअवसर मिला, उसी भूमि भवन पर गोरखपुर विश्वविद्यालय की स्थापना हुई। महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ की स्थापना शिक्षा परिषद् के इसी बढ़ते क्रम में हुई।

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में इस महाविद्यालय को पर्याप्त यश मिला है। नित नये प्रयोगों, अनुशासन, गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करने के कारण यह महाविद्यालय प्रशंसित हुआ है, तथा इस समय दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर से सम्बद्ध शीर्ष के महाविद्यालयों में अपने को स्थापित कर रखा है। हमें विश्वास है कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय भारतीय संस्कृति के विकास का प्रयास जारी रखेगा। महाविद्यालय के 13वें 'समावर्तन संस्कार' समारोह के आयोजन पर महाविद्यालय परिवार को हमारी हार्दिक शुभकामना।

यू॰ प्र॰ सिंह

(यू.पी. सिंह)
अध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्, अध्यक्ष-प्रबन्ध समिति,
महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

निवेदिता भिड़े

उपाध्यक्ष
स्वामी विवेकान्द केन्द्र
कन्याकुमारी, केरल

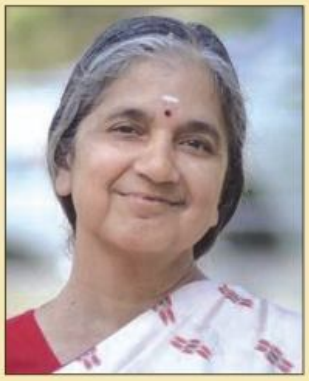

शुभकामना संदेश

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय के समावर्तन संस्कार समारोह में सहभागी होने का सौभाग्य मिला है। यह दीक्षान्त समारोह, समावर्तन संस्कार समारोह के सार्थक सनातन नाम से हो रहा है, इससे ही इस महाविद्यालय की विशेषता की पहचान होती है।

समार्वतन संस्कार समारोह में विद्यार्थी स्नातक-स्नातकोत्तर की शिक्षा पूर्ण कर इस अवसर पर दीक्षा प्राप्त कर रहा है। इसका अर्थ ही ऐसा है कि शिक्षा प्राप्त करते-करते विद्यार्थी ने जीवन को प्रयोजनपूर्ण बनाने के लिये आवश्यक इन्द्रिय संयम प्राप्त किया है। इन्द्रिय संयम एवं अनुशासन जीवन में साध्यपूर्ति के लिये आवश्यक है।

उपनिषदों में बताया है - 'सा विद्या या विमुक्तये'। अर्थात् विद्या वही है जो हमें मुक्त करती है। मुक्ति का व्यावहारिक अर्थ यदि हम अपने स्तर पर देखें तो हम राग-द्वेष से मुक्ति पाकर कर्तव्य पूर्ति आनन्द से कर सकते हैं। बहुत बार हम जानते है कि हमारा कर्तव्य क्या है, हमें क्या करना चाहिये लेकिन हमारे राग, द्वेष, क्रोध, आलस्य, भय, अहंकार इत्यादि हमें बाँध कर रखते हैं। स्वयं की इच्छा होने के बावजूद भी हमें जो करना चाहिए वह नहीं करते हैं। इसलिये इन्द्रियसंयम तथा अनुशासन आवश्यक है।

हमारा कर्तव्य क्या है? हर व्यक्ति परिवार, समाज, राष्ट्र और सृष्टि का अंग है। अंग होने के नाते परिवार, समाज, राष्ट्र और सृष्टि की समृद्धि और उन्नति के लिये कार्य करना ही हमारा कर्त्तव्य है। सामान्यतया हम अपने परिवार के लिये और थोड़ा बहुत समाज के लिये कार्य करते हैं लेकिन वह कार्य भी

राष्ट्रबोध से कम होता है। प्रत्यक्ष रूप से राष्ट्र और सृष्टि के लिये किया गया कार्य बहुत ही कम होता है या होता ही नहीं है। समावर्तन संस्कार समारोह में इन चारों के प्रति कर्त्तव्य का संकल्प होता है।

यह हमारा बहुत बड़ा सौभाग्य हैं कि हमारा जन्म भारत देश में हुआ है। जिस जीवन–दर्शन और जीवन–पद्धति से भारत की पहचान है, उसके पोषण और संरक्षण के लिये हमें कार्य करना है। भारत राष्ट्र के पुनरुत्थान के लिये कार्य करना है।

भारत का जीवनदर्शन एकात्म जीवन दर्शन है। अर्थात् ईश्वर के अनेक नाम, रूप, अनेक भाषा, अनेक परम्परा, उत्सव होने के बावजूद पूर्ण भारत में हमारा जीवन को देखने का भाव, दृष्टिकोण एक है। हम विश्व के सम्पूर्ण अस्तित्व को ईश्वर के आत्मतत्व का प्रकटीकरण मानते हैं इसलिये यह विश्व परस्पर जुड़ा हुआ, परस्पर सम्बन्धित और परस्परावलंबी है। आज पर्यावरण का विषय हो या क्वांटम फिजिक्स हो या विज्ञान की अनेक शाखाएँ हो, इस चैतन्य से आप्लावित अस्तित्व की एकात्मकता को वे मान्य कर रहे हैं। स्वामी विवेकानन्द ने कहा था, ''सत्य समाज के अनुसार नहीं बदलता है। समाज को सत्य के अनुसार अपने जीवन को ढालना पड़ता है नहीं तो समाज का, चाहे वह प्राचीन हो या आधुनिक, विनाश निश्चित है।''

अस्तित्व की एकात्मता का बोध और उनके अनुसार जीवन पद्धति मानव समाज की आवश्यकता है। आज पूरा विश्व व्यक्तिवाद, आतंकवाद इत्यादि के कारण होने वाली परिवारिक विघटन, तनावपूर्ण जीवन, पर्यावरण असंतुलन, शोषण इत्यादि समस्याओं से जूझ रहा है। इन समस्याओं का समाधान भारत का जीवनदर्शन और जीवनपद्धति है। इसलिये भारत राष्ट्र के पुनरुत्थान के लिये कार्य करना, विश्व कल्याण का ही कार्य है।

शिक्षा–दीक्षा प्राप्त कर यहाँ से जाते समय कुछ संकल्प और उसके अनुसार कार्य हम करते हैं, तो यहाँ प्राप्त की गई शिक्षा की परिपूर्णता और गरिमा हमें प्राप्त होगी।

1. शिक्षा का औपचारिक पाठ्यक्रम पुरा हुआ लेकिन जीवनभर स्वाध्याय नियमित करना है।
2. प्रत्येक कार्य विचारपूर्वक और उत्कृष्टता से कर हमें अपनी दिव्यता का, ईश्वरत्व का प्रकटीकरण करना है।
3. नियमितता से राष्ट्र के लिये, समाज के लिये निरपेक्ष भाव से कार्य करना है।
4. हर कार्य में राष्ट्रहित को ही प्राथमिकता देनी है।

हम ये चार संकल्प लेते हैं, तो माननीय पूज्य महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज द्वारा स्थापित एवं पूज्य महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज द्वारा पुष्पित–पल्लवित 'महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद' द्वारा संचालित महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय से जो प्रथम शिक्षा प्राप्त हुई वह सार्थक होगी। हम सबका जीवन राष्ट्रकार्य में समर्पित हो, सफल हो, यही ईश्वरचरणी प्रार्थना है।

निवेदिता भिड़े

समावर्तन–2020

समावर्तन अतिथि

समावर्तन 2008

अध्यक्षता : **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज**
उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद, गोरखपुर

मुख्य अतिथि : **कर्नल बी.पी. शाही**
ग्रुप कमाण्डर, एन.सी.सी. ग्रुप मुख्यालय, गोरखपुर

समावर्तन 2009

अध्यक्षता : **प्रो. एन.एस. गजभिए**
कुलपति, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

मुख्य अतिथि : **न्यायमूर्ति श्री गिरधर मालवीय**
उच्च न्यायालय, इलाहाबाद, उ.प्र.

समावर्तन 2010

अध्यक्षता : **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज**
उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद, गोरखपुर

मुख्य अतिथि : **श्री बसवराज पाटिल**
पूर्व सांसद, प्रख्यात शिक्षाविद् एवं सा. कार्यकर्ता, गुलवर्ग कनार्टक

समावर्तन 2011

अध्यक्षता : **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज**
उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद, गोरखपुर

मुख्य अतिथि : **श्री प्रकाश सिंह** (पद्मश्री)
पूर्व महानिरीक्षक, सीमा सुरक्षा बल, उत्तर प्रदेश

समावर्तन 2012

अध्यक्षता : **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज**
उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद, गोरखपुर

मुख्य अतिथि : **श्री आशीष जी**
अध्यक्ष, दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार

समावर्तन 2013

अध्यक्षता : **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज**
उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद गोरखपुर

मुख्य अतिथि : **डॉ. कृष्ण गोपाल जी**
सहसर कार्यवाह, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, नई दिल्ली

समावर्तन 2014

अध्यक्षता : **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज**
उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद, गोरखपुर

मुख्य अतिथि : **न्यायमूर्ति कलाधर शाही**
अ.प्रा. न्यायाधीश, उच्च न्यायालय, इलाहाबाद, उ.प्र.

समावर्तन–2020

समावर्तन अतिथि

समावर्तन 2015

अध्यक्षता : **गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज**
सांसद, गोरखपुर

मुख्य अतिथि : **प्रो. राम शंकर कठेरिया**
राज्य मंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार

विशिष्ट अतिथि : **मा. श्री नरेन्द्र कुमार सिंह गौर**
पूर्व मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार

समावर्तन 2016

अध्यक्षता : **गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज**
सांसद, गोरखपुर

मुख्य अतिथि : **प्रो. गिरीश चन्द्र त्रिपाठी**
कुलपति, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उ.प्र.

विशिष्ट अतिथि : **डॉ. बालमुकुन्द पाण्डेय**
राष्ट्रीय संगठन मंत्री, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना

समावर्तन 2017

अध्यक्षता : **डॉ. भोलेन्द्र सिंह**
पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर

मुख्य अतिथि : **प्रो. रमाशंकर दूबे**
कुलपति, टी.एम. भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर, बिहार

विशिष्ट अतिथि : **प्रो. उदय प्रताप सिंह**
पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर

समावर्तन 2018

अध्यक्षता : **प्रो. उदय प्रताप सिंह**
पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर

मुख्य अतिथि : **न्यायमूर्ति श्री रण विजय सिंह**
माननीय न्यायाधीश, उच्च न्यायालय, इलाहाबाद, उ.प्र.

विशिष्ट अतिथि : **डॉ. विवेक कुमार निगम**
यूइंग क्रिश्चियन कालेज, इलाहाबाद

समावर्तन 2019

अध्यक्षता : **गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज**
प्रबन्धक एवं माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

मुख्य अतिथि : **श्री जे.पी. नड्डा**
माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, भारत सरकार

विशिष्ट अतिथि : **श्री आशुतोष टण्डन**
माननीय स्वास्थ्य मंत्री, उत्तर प्रदेश

समावर्तन 2020

सानिध्य : **प्रो. उदय प्रताप सिंह**
पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर

मुख्य अतिथि : **सुश्री निवेदिता भिड़े** (पद्मश्री)
उपाध्यक्ष, स्वामी विवेकानन्द केन्द्र, कन्याकुमारी, केरल

अध्यक्षता : **प्रो. विजय कृष्ण सिंह**
कुलपति, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

दो शब्द...

श्रीगोरक्षपीठ द्वारा संचालित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् जैसे वटवृक्ष की एक छोटी सी शाखा के रूप में गोरखपुर महानगर के पूर्वी-उत्तरी छोर पर ग्रामीण परिवेश में स्थित महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय अपनी यात्रा के पन्द्रह वर्ष पूर्ण कर रहा है। महाविद्यालय का तेरहवाँ बैच स्नातक एवं सातवाँ बैच परास्नातक तथा बी.एड्. का चौथा बैच इस वर्ष विश्वविद्यालयी परीक्षा उत्तीर्ण कर अपनी जीवन यात्रा के अगले पड़ाव पर जाने हेतु तैयार है। भारत के लगभग एक सौ तीस करोड़ लोगों में हमारे महाविद्यालय के स्नातक-स्नातकोत्तर एवं बी.एड्. की शिक्षा प्राप्त अब कुछ और ऐसे नागरिक होंगे जिनकी जीवन-दृष्टि की रचना में हमारे महाविद्यालय का भी किंचित योगदान है। हमारे इन विद्यार्थियों के जीवन के दो, तीन अथवा पाँच वर्ष का एक चौथाई समय हमारे महाविद्यालय परिसर में गुजरा है। महाविद्यालय परिसर में बीते इन क्षणों का हमारे इन विद्यार्थियों के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा, यह तो विद्यार्थी स्वयं एवं समय बतायेगा और वही हमारी उपलब्धि होगी।

आज का समावर्तन संस्कार समारोह इस बात का सूचक है कि हम अपने विद्यार्थियों का एक योग्य नागरिक के रूप में कैसा विकास चाहते हैं। वर्तमान में भारत की शिक्षित युवा पीढ़ी का अधिकांश हिस्सा भौतिकवादी पाश्चात्य संस्कृति के आकर्षण के दिवास्वप्न में डूबा हुआ है। आजादी से लेकर कुछ वर्ष पूर्व तक सत्तावादी भारतीय राजनीति ने भारती धर्म-संस्कृति को साम्प्रदायिकता का चोला पहनाकर उसके वास्तविक स्वरूप पर भ्रम का आवरण चढ़ा दिया था। परिणामतः सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की डोर कमजोर हुई। परिवार संस्था भी कमजोर होती गयी। गाँव विरान होते गये। महानगरीकरण के रूप में असन्तुलित विकास का भयावह चित्र सामने आया। आजादी के बाद के पिछले साढ़े छः दशक में भ्रष्टाचार, आतंकवाद, अपराध का बढ़ता ग्राफ तथा कुछ विश्वविद्यालय परिसरों में राष्ट्र विरोधी तत्त्वों का संरक्षण निरन्तर प्रभावहीन होते भारतीय जीवन-मूल्य के ही सूचक रहा है।

किसी भी राष्ट्र का वर्तमान और भविष्य उस देश की शिक्षा प्रणाली और उसके स्वरूप पर निर्भर करता है। डी.एस. कोठारी इसी बात को कह रहे थे कि 'भारत का भविष्य कक्षाओं में पलता है।' किन्तु भारत का दुर्भाग्य है कि आजादी के लगभग सात दशक बाद भी हम मैकाले के भूत से

शिक्षा को आजाद नहीं करा पाये। आजादी के बाद लगभग साढ़े छः दशक तक 'धर्मनिरपेक्षता' और 'समाजवाद' के नाम पर भारत की सत्ता देश की युवा पीढ़ी को गुमराह करने वाली शिक्षा पद्धति की ही प्रतिष्ठापक रही। किन्तु मैकाले की शिक्षा नीति और स्वतन्त्र भारत के उसके मानस-पुत्रों द्वारा शिक्षा के माध्यम से भारतीय संस्कृति एवं जीवन मूल्यों की अर्थी सजाने पर छाती पीटते रहने से क्या होने वाला है? यद्यपि कि अब देश एवं प्रदेश की राजनीति ने करवट ली है और सत्ता प्रतिष्ठानों द्वारा भी इस दिशा में प्रयत्न प्रारम्भ हुए हैं। हम भी अपने प्रयासों से, जितना सम्भव है कुछ शिक्षण संस्थानों में भारतीय संस्कृति एवं जीवन-मूल्य के प्रति थोड़े ही समूह में सही, युवाओं में आत्म सम्मान एवं भारतीय जीवन मूल्यों के प्रति श्रद्धा जागृत कर सकते हैं।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना परतन्त्र भारत में (1932 ई.) तत्कालीन गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने उपर्युक्त उद्देश्यों से ही की थी। भारतीय संस्कृति और उसके जीवन मूल्यों तथा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रति भारत की युवा पीढ़ी को आकर्षित करने के प्रयास के साथ प्रतिष्ठित एवं विकसित होता हुआ महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं उनकी यशस्वी महन्त परम्परा के सपनों को पूरा करने में कहाँ तक सफल है, इसका मूल्यांकन भी श्रीगोरक्षपीठ और समाज करेगा तथापि 'समावर्तन संस्कार समारोह' हमारे वैचारिक अधिष्ठान का ही हिस्सा है। हिन्दू जीवन दर्शन के षोडश संस्कारों में 'समावर्तन संस्कार' का मानव जीवन के संस्कारों में महत्वपूर्ण स्थान है। आज के अवसर पर अपने विद्यार्थियों के यशस्वी जीवन की हार्दिक शुभकामना। मुझे विश्वास है कि हमारे विद्यार्थियों की जीवनयात्रा में महाविद्यालय परिसर का अल्पकालिक यथार्थ किसी न किसी रूप में अवश्य झलकता रहेगा।

(प्रदीप कुमार राव)
प्राचार्य

तिथि - फाल्गुन कृष्ण अमावस्या, वि.सं. 2076, युगाब्द 5121
(23 फरवरी 2020 ई., रविवार)

समावर्तन 2019 से ग्रीष्मावकाश तक के प्रमुख कार्यक्रम

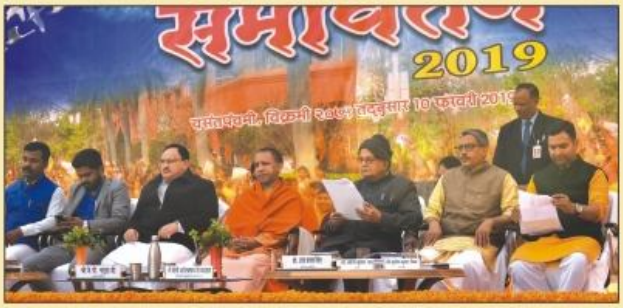

समावर्तन 2019 के अवसर पर उपस्थित मंचस्थ अतिथिगण

10 फरवरी को स्नातक एवं स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूर्ण कर चुके विद्यार्थियों का 12वाँ समावर्तन संस्कार सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, भारत सरकार माननीय श्री जे.पी. नड्डा जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री तथा महाविद्यालय के प्रबन्धक गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज ने की। कार्यक्रम में अभिभावक संघ के अध्यक्ष श्री विपिन कुमार यादव एवं पुरातन छात्र परिषद के सदस्य श्री दीपेन्द्र प्रताप सिंह भी उपस्थित रहे। इस समारोह पर महाविद्यालय के प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष एवं बीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के पूर्व कुलपति प्रो. उदय प्रताप सिंह ने छात्र-छात्राओं को दीक्षान्त उपदेश के साथ-साथ शुचिता एवं ईमानदारी से जीवन निर्वाह, पारिवारिक उत्तरदायित्वों की पूर्ति, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, भारतीय संस्कृति के प्रति निष्ठावान बने रहने तथा भारतीय जीवन मूल्यों के सम्मान एवं संवर्धन करने का संकल्प दिलाया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव द्वारा अतिथियों का स्वागत एवं कार्यक्रम की प्रस्ताविकी प्रस्तुत की गयी। संचालन श्री सुबोध कुमार मिश्र ने किया।

समावर्तन समारोह में उद्‌बोधन देते उ.प्र. के मुख्यमंत्री पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज

समावर्तन समारोह में उद्‌बोधन देते मुख्य अतिथि भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मा. जे.पी. नड्डा जी

इस अवसर पर डॉ. आरती सिंह की पुस्तक ''आधुनिकता से उत्तर आधुनिकता'', महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित ''लोक भाषा संवर्धन में नाथ पंथ की भूमिका'' तथा समार्वतन पत्रिका का लोकार्पण मुख्य अतिथि श्री जे.पी. नड्डा एवं कार्यक्रम अध्यक्ष श्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज ने किया। मुख्य अतिथि द्वारा महाविद्यालय में वर्ष भर की गतिविधियों के आधार पर श्रेष्ठतम् शिक्षक श्री श्रीकान्त मणि त्रिपाठी को सरस्वती सम्मान, श्रेष्ठतम् कर्मचारी श्री विजय कुमार मिश्र को महाराणा प्रताप सम्मान तथा श्रेष्ठतम् चतुर्थ

समावर्तन संस्कार समारोह के अवसर पर पुस्तक विमोचन करते मंचस्थ अतिथिगण

श्रेणी कर्मचारी श्री विश्वनाथ को महायोगी गुरु गोरक्षनाथ सम्मान से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही साथ महाविद्यालय के आस-पास के ग्रामीण महिलाओं एवं महाविद्यालय की छात्राओं के स्वावलम्बन के लिए महाविद्यालय में संचालित योगिराज बाबा गम्भीरनाथ नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई एवं पेंटिंग प्रशिक्षण केन्द्र से 6 माह का प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके प्रशिक्षुओं एवं महाविद्यालय में संचालित राष्ट्रसंत महंत अवेद्यनाथ नि:शुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र से प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके महाविद्यालय के आस-पास के छोटे बच्चों को प्रमाण-पत्र मुख्य अतिथि के कर कमलों द्वारा प्रदान किया गया। नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई की सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षु श्रीमती शीला देवी को प्रतिवर्ष की भांति पुरस्कार में सिलाई मशीन प्रदान किया गया।

समावर्तन समारोह के अन्तर्गत सर्वश्रेष्ठ शिक्षक का पुरस्कार प्राप्त करते श्री श्रीकान्त मणि त्रिपाठी

नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई केन्द्र की सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षु को पुरस्कृत करते पूज्य महाराज जी

रसायन विज्ञान विभाग के अन्तर्गत आयोजित विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम में उद्‌बोधन देते डॉ. एच.सी. गुप्ता

रसायन विज्ञान विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

02 मार्च को रसायन विज्ञान विभाग द्वारा ''माइकल एडिसन अभिक्रिया'' विषय पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग के अवकाश प्राप्त प्रोफेसर डॉ. एच.सी. गुप्ता ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. शिव कुमार बर्नवाल तथा संचालन डॉ. राम सहाय ने किया।

रसायन विज्ञान विभाग के अन्तर्गत आयोजित विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम में उद्‌बोधन देते डॉ. आर.पी. त्रिपाठी

रसायन विज्ञान विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

17 मार्च को रसायन विभाग द्वारा ''प्राचीन भारतीय विज्ञान में छिपा हुआ आधुनिकतम् विज्ञान'' विषयक विशिष्ट व्याख्यान में बतौर मुख्य वक्ता राष्ट्रीय औषधि शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, रायबरेली के अधिष्ठाता तथा सी.डी.आई., लखनऊ के पूर्व वैज्ञानिक डॉ. आर.पी. त्रिपाठी ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम

की अध्यक्षता रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. शिव कुमार बर्नवाल, संचालन सुश्री प्रियंका मिश्रा तथा आभार ज्ञापन श्री प्रदीप कुमार वर्मा ने किया।

बी.एड्. विभाग द्वारा पाँच दिवसीय स्काउट-गाइड परिचयात्मक प्रशिक्षण शिविर

बी.एड्. विभाग द्वारा आयोजित पाँच दिवसीय स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर के दौरान उद्बोधन देती डॉ. विद्यावती गुप्ता

12–16 फरवरी को बी.एड्. विभाग द्वारा पाँच दिवसीय स्काउट–गाइड परिचयात्मक प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव द्वारा किया गया। इस अवसर पर स्काउट–गाइड ने रोवर्स और रेंजर्स को स्काउट की महत्ता के बारे में बताया। स्काउट–गाइड प्रशिक्षकों द्वारा रोवर्स और रेंजर्स को स्काउटिंग के विभिन्न पक्षों से अवगत कराते हुए उनका प्रशिक्षण कराया गया। पाँच दिनों तक चलने वाले इस प्रशिक्षण शिविर का डॉ. विद्यावती गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर, मनोविज्ञान विभाग, सेंट एण्ड्रयूज कॉलेज, गोरखपुर की रेंजर लीडर ने निरीक्षण किया। प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि जिला मुख्य आयुक्त, भारत स्काउट–गाइड डॉ. अरुण कुमार सिंह ने प्रशिक्षुओं को सम्बोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजनीतिशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने किया। कार्यक्रम का संचालन बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह तथा आभार ज्ञापन रोवर्स तथा रेंजर्स प्रभारी श्री नवनीत कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर बी.एड्. विभाग के सभी प्राध्यापक उपस्थित रहे।

पाँच दिवसीय स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर का ध्वजारोहण के सा उद्घाटन

महाविद्यालय के वार्षिक समीक्षा बैठक के दौरान उपस्थित प्राचार्य एवं शिक्षकगण

वार्षिक समीक्षा बैठक

2 मई को महाविद्यालय की वार्षिक समीक्षा बैठक प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में गत सत्र में पठन–पाठन की गुणवत्ता, नवीन तकनीकों एवं अत्याधुनिक उपकरणों का पठन–पाठन में उपयोग सहित तय किए गए नवाचारों से सम्बन्धित समस्त विषयों पर विस्तृत चर्चा की गयी जिसमें विभागीय रपट, राष्ट्रीय सेवा योजना रपट तथा कार्यक्रम अधिकारी चयन, क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम रपट, पाठ्यक्रम योजना, नयी पहल (सभी व्याख्यान पी.पी.टी. पर, वेबसाइट पर शिक्षक ब्लॉग, सामूहिक व्यक्तित्व विकास तथा आदर्श गाँव), साप्ताहिक स्मृति व्याख्यान माला, प्रवेश/परीक्षा समिति/मुख्य नियन्ता एवं दायित्व विभाजन, अनापत्ति

(पुस्तकालय एवं कर्ज), योजना बैठक (1-8 जुलाई, 2019) आदि विषय विचारार्थ प्रस्तुत हुए। बैठक में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों ने सहभाग किया।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर साप्ताहिक योग शिविर एवं शैक्षिक कार्यशाला

साप्ताहिक योग शिविर कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर उद्बोधन देते प्रो. उदय प्रताप सिंह

उद्घाटन समारोह

15 से 21 जून को गुरु श्री गोरक्षनाथ मन्दिर परिसर में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा प्रतिवर्ष की भाँति 'साप्ताहिक योग शिविर एवं शैक्षिक कार्यशाला' का आयोजन किया गया। 15 जून को कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य वक्ता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर में दर्शनशास्त्र विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. सभाजीत मिश्र ने किया। विशिष्ट वक्ता के रूप में श्री गोरखनाथ मन्दिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अध्यक्ष बीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के पूर्व कुलपति प्रो. उदय प्रताप सिंह ने की। समारोह का संचालन श्री गोरक्षनाथ संस्कृत विद्यापीठ के दर्शनशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. प्रांगेश कुमार मिश्र तथा आभार ज्ञापन योगाचार्य एवं योग शिविर के प्रभारी डॉ. चन्द्रजीत यादव ने किया। सायं सत्र में शैक्षिक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें बतौर मुख्य वक्ता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के दर्शनशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. द्वारिकानाथ जी ने 'राष्ट्र निर्माण में योग की उपादेयता' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन श्री गोरक्षनाथ संस्कृत विद्यापीठ के साहित्य विभाग के अध्यक्ष डॉ. रोहित मिश्रा ने किया।

कार्यशाला का दूसरा दिन

16 जून को कार्यशाला के दूसरे दिन प्रथम सत्र में बतौर मुख्य अतिथि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के संस्कृत विभाग के अध्यक्ष प्रो. मुरली मनोहर पाठक ने 'योग की प्रासंगिकता' विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में गोरक्षपीठ के प्रधान पुरोहित आचार्य रामानुज त्रिपाठी ने अपने विचार व्यक्त किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री गोरखनाथ मन्दिर के मुख्य पुजारी श्री कमलनाथ जी, आभार ज्ञापन योगाचार्य डॉ. चन्द्रजीत यादव तथा संचालन डॉ. रोहित मिश्र ने किया। द्वितीय सत्र में शैक्षिक कार्यशाला के अन्तर्गत महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़; महाराणा प्रताप कृषक इंटर कॉलेज, जंगल धूसड़; महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, जंगल धूसड़ तथा महाराणा प्रताप कन्या इन्टर कालेज, रामदत्तपुर के संस्थाध्यक्षों द्वारा अपनी-अपनी संस्थाओं की वार्षिक

साप्ताहिक योग शिविर कार्यशाला के दूसरे दिन उद्‌बोधन देते प्रो. मुरली मनोहर पाठक

योजना एवं गतिविधियों को पॉवर प्वाइंट के माध्यम से प्रस्तुत किया। इस सत्र की अध्यक्षता बीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के पूर्व कुलपति एवं महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो. उदय प्रताप सिंह ने की। इस अवसर पर शिक्षा परिषद के सभी संस्थाओं के संस्थाध्यक्ष एवं प्रत्येक संस्था से चयनित 5-5 शिक्षकों ने उपस्थित होकर परिचर्चा में सहभाग किया।

कार्यशाला का तीसरा दिन

साप्ताहिक योग शिविर कार्यशाला के तीसरे दिन उद्‌बोधन देते डॉ. रोहित मिश्र

17 जून को कार्यशाला के तीसरे दिन प्रथम सत्र में बतौर मुख्य अतिथि योगाचार्य डॉ. जयन्तनाथ ने सभा को सम्बोधित किया। विशिष्ट वक्ता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के योग शिक्षक डॉ. चन्द्रशेखर यादव ने 'प्राणायाम' विषय पर अपना विचार व्यक्त किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य पुजारी श्री कमलनाथ जी ने की। कार्यक्रम में डॉ. रोहित मिश्र द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। द्वितीय सत्र में शैक्षिक कार्यशाला के अन्तर्गत दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज, गोरखपुर; महाराणा प्रताप पॉलिटेक्निक, गोरखपुर; गुरु गोरक्षनाथ विद्यापीठ, भरोहिया, पीपीगंज; तथा आदिशक्ति माँ पाटेश्वरी पब्लिक स्कूल, तुलसीपुर बलरामपुर के संस्थाध्यक्षों द्वारा अपनी-अपनी संस्थाओं की वार्षिक योजना एवं गतिविधियों को पॉवर प्वाइंट के माध्यम से प्रस्तुत किया। इस सत्र की अध्यक्षता बीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के पूर्व कुलपति एवं महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो. उदय प्रताप सिंह ने की। इस अवसर पर शिक्षा परिषद के सभी संस्थाओं के संस्थाध्यक्ष एवं प्रत्येक संस्था से चयनित 5-5 शिक्षकों ने उपस्थित होकर परिचर्चा में सहभाग किया।

साप्ताहिक योग शिविर कार्यशाला के चौथे दिन उद्‌बोधन देते डॉ. हरिनारायण धर दूबे

कार्यशाला का चौथा दिन

18 जून के चौथे दिन प्रथम सत्र में बतौर मुख्य वक्ता पतंजलि योग संस्थान, गोरखपुर के डॉ. हरिनारायण धर दूबे ने अपना विचार व्यक्त किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ जी ने की। अतिथियों का आभार ज्ञापन योग शिविर संचालक डॉ. चन्द्रजीत यादव तथा संचालन डॉ. अभिषेक पाण्डेय ने किया। द्वितीय सत्र में शैक्षिक कार्यशाला के अन्तर्गत महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज, सिविल लाइन्स, गोरखपुर; महाराणा प्रताप बालिका इंटर कॉलेज, सिविल लाइन्स, गोरखपुर; दिग्विजयनाथ

शैक्षिक कार्यशाला में सहभाग करते महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के समस्त शिक्षण संस्थाओं के संस्थाध्यक्ष एवं चयनित शिक्षक

इंटर कॉलेज, चौकमाफी, पीपीगंज, गोरखपुर तथा महाराणा प्रताप सीनियर सेकेन्ड्री स्कूल, बेतियाहाता, गोरखपुर के संस्थाध्यक्षों द्वारा अपनी-अपनी संस्थाओं की वार्षिक योजना एवं गतिविधियों को पॉवर प्वाइंट के माध्यम से प्रस्तुत किया। इस सत्र की अध्यक्षता बीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के पूर्व कुलपति एवं महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो. उदय प्रताप सिंह ने की। इस अवसर पर शिक्षा परिषद के सभी संस्थाओं के संस्थाध्यक्ष एवं प्रत्येक संस्था से चयनित 5-5 शिक्षकों ने उपस्थित होकर परिचर्चा में सहभाग किया।

साप्ताहिक योग शिविर कार्यशाला के पाँचवे दिन योगाभ्यास करते प्रशिक्षु

कार्यशाला का पाँचवा दिन

19 जून को कार्यशाला के पाँचवें दिन प्रथम सत्र में योग शिविर संचालक डॉ. चन्द्रजीत यादव ने योग शिविरार्थियों को योगाभ्यास कराया। द्वितीय सत्र में शैक्षिक कार्यशाला के अन्तर्गत गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त अवेद्यनाथ महाविद्यालय, चौक बाजार; दिग्विजयनाथ इंटर कॉलेज, चौक बाजार, महाराजगंज; दिग्विजयनाथ बालिका पूर्व माध्यमिक विद्यालय, चौक बाजार, महाराजगंज तथा दिग्विजयनाथ एल.टी. प्रशिक्षण महाविद्यालय, सिविल लाइन्स, गोरखपुर के संस्थाध्यक्षों द्वारा अपनी-अपनी संस्थाओं की वार्षिक योजना एवं गतिविधियों को पॉवर प्वाइंट के माध्यम से प्रस्तुत किया। इस सत्र की अध्यक्षता बीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के पूर्व कुलपति एवं महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो. उदय प्रताप सिंह ने की। इस अवसर पर शिक्षा परिषद के सभी संस्थाओं के संस्थाध्यक्ष एवं प्रत्येक संस्था से चयनित 5-5 शिक्षकों ने उपस्थित होकर परिचर्चा में सहभाग किया।

शैक्षिक कार्यशाला के छठवें दिन अध्यक्षीय उद्बोधन देते प्रो. यू.पी. सिंह

कार्यशाला का छठवाँ दिन

20 जून को कार्यशाला के छठवें दिन प्रथम सत्र में बतौर मुख्य अतिथि लखनऊ से पधारे डॉ. दीनानाथ राय ने 'कुण्डलिनी जागरण की वैज्ञानिक विवेचना' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। विशिष्ट वक्ता के रूप में संस्कृत विद्यापीठ के प्राचार्य डॉ. अरविन्द कुमार चतुर्वेदी ने भी अपना विचार प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता गोरखनाथ मन्दिर के प्रधान पुजारी श्री कमलनाथ जी तथा संचालन श्री बृजेशमणि मिश्र ने किया। द्वितीय सत्र में शैक्षिक कार्यशाला के अन्तर्गत गोरखनाथ संस्कृत विद्यापीठ, गोरखपुर तथा गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग, गोरखनाथ, गोरखपुर के संस्थाध्यक्षों द्वारा अपनी-अपनी संस्थाओं की वार्षिक योजना एवं गतिविधियों को पॉवर प्वाइंट के माध्यम

से प्रस्तुत किया। इस सत्र की अध्यक्षता बीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के पूर्व कुलपति एवं महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो. उदय प्रताप सिंह ने की। इस अवसर पर शिक्षा परिषद के सभी संस्थाओं के संस्थाध्यक्ष एवं प्रत्येक संस्था से चयनित 5-5 शिक्षकों ने उपस्थित होकर परिचर्चा में सहभाग किया।

साप्ताहिक योग शिविर कार्यशाला के समापन अवसर पर मन्दिर परिसर में योगाभ्यास करते प्रशिक्षुजन

कार्यशाला का समारोप

21 जून को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर उ.प्र. के मुख्यमंत्री मा. योगी आदित्यनाथ जी महाराज ने 'योग तथा आध्यात्म' विषय पर व्याख्यान के माध्यम से अपना विचार प्रस्तुत किया। इससे पूर्व महायोगी गोरखनाथ योग संस्थान द्वारा प्रात: 6:00 बजे श्री गोरखनाथ मन्दिर परिसर में महायोगी गोरखनाथ योग संस्थान के प्रभारी योगाचार्य डॉ. चन्द्रजीत यादव ने योगाभ्यास कराया। इस अवसर पर गुरु श्री गोरक्षनाथ कालेज ऑफ नर्सिंग, महाराणा प्रताप पी.जी काजेल, जंगल धूसड़ एवं दिग्विजयनाथ पी.जी. कालेज के चयनित स्वयंसेवक और महाराणा प्रताप इण्टर कालेज के एन.सी.सी. के चुने कैडेट तथा साप्ताहिक योग शिविर के प्रशिक्षणार्थियों ने योगाभ्यास में भाग लिया।

उपस्थित जन समुदाय का योग एवं आध्यात्म विषय पर पथ प्रदर्शन करते गोरक्षपीठाधीश्वर मा. मुख्यमंत्री उ.प्र. पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज

महाविद्यालय में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम

21 जून को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर महाविद्यालय में योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष डॉ. राजेश शुक्ल ने महाविद्यालय के प्राध्यापकों, कर्मचारियों तथा छात्र/छात्राओं को भुजंगासन, उत्कटासन, पवनमुक्तासन, हस्तपादासन, मकरासन, हलासन, शीर्षासन आदि का अभ्यास कराने के साथ-साथ योग के महत्त्व को भी रेखांकित किया।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम के अवसर पर योगाभ्यास करते महाविद्यालय के शिक्षक एवं कर्मचारी

महाविद्यालय में आयोजित विभिन्न कार्यक्रम (सत्र : 2019–20)

सप्तदिवसीय शिक्षक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक का उद्घाटन समारोह

01 जुलाई 2019 से 08 जुलाई 2019 तक महाविद्यालय की परम्परा के अनुसार प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी सप्तदिवसीय शिक्षक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक का आयोजन महाविद्यालय के वाचनालय में किया गया। यह बैठक प्रत्येक दिन तीन सत्रों में संचालित की गई। पहले दिन प्रथम सत्र (10:00 बजे से 11:30) में कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक का उद्घाटन दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्राणि विज्ञान के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. दिनेश कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर प्रो. दिनेश कुमार सिंह ने महाविद्यालय के पुस्तकालय को 58 महत्वपूर्ण पुस्तकें दान की तथा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने प्रस्ताविकी एवं सम्पूर्ण कार्ययोजना प्रस्तुत की। दूसरे तथा तीसरे सत्र में (12:00 बजे से 04:00 बजे तक) 02 मई की बैठक की कार्यवाही की पुष्टि की गई। इस विषय पर प्रवक्ता डॉ. विजय कुमार चौधरी तथा डॉ. अविनाश प्रताप सिंह सहित अन्य शिक्षक ने भी अपने विचार प्रस्तुत किये।

सप्तदिवसीय शिक्षक कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. दिनेश कुमार सिंह को स्मृति चिह्न प्रदान करते प्राचार्य

वार्षिक योजना बैठक के दूसरे दिन विचार व्यक्त करते डॉ. विजय कुमार चौधरी

दूसरा दिन– शिक्षक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना के दूसरे दिन 02 जुलाई को प्रथम सत्र (10:00 से 11:30) में प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव की अध्यक्षता में शैक्षिक पञ्चांग, दायित्व सह विभाजन, प्रवेश–परीक्षा, परिसर अनुशासन, द्वितीय सत्र में (12:00–01:30) नैक, राष्ट्रीय सेवा योजना तथा तृतीय सत्र (02:00 से 04:00 बजे) में पुस्तकालय तथा प्रयोगशाला विषय पर चर्चा हुई जिसमें प्रवक्ता डॉ. राजेश कुमार शुक्ल, श्री अभिषेक कुमार वर्मा, डॉ. आरती सिंह, डॉ. आर.एन. सिंह तथा डॉ. सौरभ कुमार सिंह सहित अन्य शिक्षकों ने अपनी बात रखी।

वार्षिक योजना बैठक के तीसरे दिन विचार व्यक्त करते डॉ. यशवन्त कुमार राव

तीसरा दिन– 03 जुलाई 2019 को बैठक के तीसरे दिन प्रथम सत्र (10:00 से 11:30 तक) में

समय सारणी, पठन-पाठन, द्वितीय तथा तृतीय सत्र में (12:00 से 04 बजे तक) कक्षाध्यापन में नये प्रयोग विषय पर प्रवक्ता डॉ. कृष्ण कुमार पाठक, डॉ. अविनाश प्रताप सिंह सहित अन्य शिक्षकों ने अपना सुझाव प्रस्तुत किया।

चौथा दिन- 04 जुलाई को कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक के चौथे दिन प्रथम सत्र में विविध प्रयोगों में विकासात्मक प्रवृत्ति की दिशा एवं परिणाम विषय जैसे-विद्यार्थी द्वारा साप्ताहिक कक्षाध्यापन, पाठ्यक्रम योजना, मासिक मूल्यांकन द्वितीय सत्र में शिक्षक आचार संहिता, स्वमूल्यांकन प्रपत्र, प्रार्थना सभा तथा तृतीय सत्र में साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान, गोद लिए गाँव एवं गोद लिए विद्यार्थी के विषयों पर चर्चा की गई जिसमें श्रीमती कविता मन्धयान्, सुश्री दीप्ति गुप्ता, श्री सुबोध कुमार मिश्र, डॉ. यशवन्त राव सहित अन्य शिक्षकों ने अपना विचार एवं सुझाव प्रस्तुत किया।

वार्षिक योजना बैठक के चौथे दिन विचार विमर्श शिक्षक गण

पाँचवा दिन- 05 जुलाई को कार्यशाला के पाँचवे दिन प्रथम सत्र में विभागीय कार्ययोजना, छात्रसंघ, द्वितीय सत्र में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम, नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई, नि:शुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण तथा तृतीय सत्र में नि:शुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र, क्रीड़ा एवं तकनीकी प्रसार विषयों पर श्रीमती शिप्रा सिंह, श्रीमती विभा सिंह, श्रीमती किरण सिंह, सुश्री पल्लवी नायक, श्री वीरेन्द्र तिवारी तथा श्री नन्दन शर्मा ने अपनी बात रखी।

वार्षिक योजना बैठक के पाँचवें दिन विचार व्यक्त करते श्री नन्दन शर्मा

वार्षिक योजना बैठक के छठवें दिन अपनी बात रखतीं सुश्री दीप्ति गुप्ता

छठवाँ दिन- 06 जुलाई 2019 को सप्तदिवसीय शिक्षक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक के छठवे दिन प्रथम सत्र में एन.सी.सी., वेबसाइट, ध्येय पथ ई-पत्रिका, शोध पत्रिका, प्रकाशन, द्वितीय सत्र में सूचना परामर्श, ई.पी. एफ तथा तृतीय सत्र में महाविद्यालय के प्रशासन में छात्र सहभाग, छात्रा समिति, क्रीड़ा इत्यादि विषयों पर चर्चा की गई जिसमें डॉ. सुभाष कुमार गुप्ता, श्री वागीश राज पाण्डेय, सुश्री श्वेता चौबे, श्री रमाकान्त दूबे, डॉ. शैलेन्द्र ठाकुर, तथा श्री नवनीत कुमार सिंह ने विचार प्रस्तुत किये।

सप्तदिवसीय शिक्षक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक का समारोप

वार्षिक योजना बैठक के समापन अवसर पर उपस्थित श्री प्रमथ नाथ मिश्र जी

08 जुलाई 2019 को कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक के सातवें दिन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव की अध्यक्षता में प्रथम सत्र में महत्वपूर्ण आयोजन जैसे- महन्त अवेद्यनाथ स्मृति व्याख्यान-माला, साप्ताहिक पुण्यतिथि समारोह, युवा महोत्सव, भारत-भारती पखवारा, समावर्तन संस्कार तथा वार्षिक बजट विषय पर विचार-विमर्श किया गया तथा श्री सुबोध कुमार मिश्र, डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, सुश्री दीप्ति गुप्ता, डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र, डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय तथा श्री श्रीकान्त मणि त्रिपाठी ने अपने विचार प्रस्तुत किये। द्वितीय सत्र में समारोप कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रबन्ध समिति के वरिष्ठ सदस्य एवं महाविद्यालय के प्रभारी श्री प्रमथनाथ मिश्र ने की। समारोप कार्यक्रम के अवसर पर सात दिनो तक चले शिक्षक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना में सम्पूर्ण विषयों की कार्ययोजना से सम्बन्धित लिए गये निर्णयों को प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने प्रस्तुत किया। सात दिनों के गहन विचार-विमर्श और अनेक सुझावों के आलोक में सत्र 2019-20 के लिए महाविद्यालय की वार्षिक योजना एवं शैक्षिक पंचांग निर्मित किया गया। इसी वार्षिक योजना एवं पंचांग के आधार पर महाविद्यालय का वर्ष भर संचालन किया गया।

बी.एड्. विभाग की बैठक में उपस्थित प्राचार्य एवं विभागीय शिक्षक

बी.एड्. विभाग की बैठक

09 जुलाई 2019 के बी.एड. विभाग के समस्त शिक्षकों की बैठक प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव के साथ सम्पन्न हुई। इस बैठक में बी.एड्. विभाग की कार्ययोजना, सूक्ष्म शिक्षण, वास्तविक शिक्षण आदि विषयों पर चर्चा की गई तथा विभागीय कार्ययोजना जारी की गयी।

तिलक लगाकर बी.एड्. प्रथम वर्ष की विद्यार्थी का स्वागत करती हुई बी.एड्. अंतिम वर्ष की छात्रा

बी.एड्. की कक्षाएं प्रारम्भ

10 जुलाई 2019 से महाविद्यालय के शैक्षिक पञ्चांग के अनुसार बी.एड. प्रथम व अंतिम वर्ष की कक्षाएं प्रारम्भ हुई। प्रथम दिन बी.एड्. अंतिम वर्ष के छात्रध्यापक तथा छात्राध्यापिकाओं के द्वारा बी.एड्. प्रथम वर्ष के छात्रध्यापक तथा छात्राध्यापिकाओं का तिलक लगाकर स्वागत किया गया तथा प्राचार्य

डॉ. प्रदीप कुमार राव द्वारा महाविद्यालय की परिसर संस्कृति, कार्य पद्धति, पठन-पाठन एवं अनुशासन से सभी को परिचित कराया गया।

पुस्तक विमोचन करते मंचस्थ अतिथिगण

पुस्तक विमोचन

14 जुलाई 2019 को दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज गोरखपुर के पूर्व प्राचार्य वनस्पति विज्ञान विभाग के पूर्व अध्यक्ष तथा महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़ के संस्थापक निदेशक स्व. डॉ. डी.पी.एन. सिंह तथा एस.के.पी.जी. कॉलेज, बस्ती के एसोसिएट प्रो. डॉ. गोपाल चन्द्रा द्वारा संयुक्त रूप से लिखित- महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज द्वारा प्रकाशित पुस्तक 'एन इन्ट्रोडक्शन टू जिम्नोस्पर्मस एण्ड पैलियोबॉटनी' का विमोचन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस पुस्तक का विमोचन उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान के कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. सदानन्द प्रसाद गुप्त, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्राणि विज्ञान विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. दिनेश कुमार सिंह एवं दिग्विजयनाथ पी. जी. कॉलेज के प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर मचांसीन अतिथियों में डी.पी. एन सिंह के पूर्व विद्यार्थी संजय गांधी पी.जी.आई., लखनऊ के चिकित्सक डॉ. आलोक प्रताप सिंह, गोरखपुर के वरिष्ठ ई.एन.टी. सर्जन डॉ. पी.एन. सिंह, स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. मनीषा शाही ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में आभार ज्ञापन डी.वी.एन. पी.जी. कॉलेज के प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह तथा संचालन महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, जंगल धूसड़ के असिस्टेन्ट प्रो. डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने किया।

प्रवेश सूची जारी

15 जुलाई को बी.ए, बी.एस-सी. बी.कॉम, एम.ए., एम.एस-सी. तथा एम. काम प्रथम वर्ष की अर्हता सूची जारी कर दी गई। प्रवेश समिति के संयोजक डॉ. राजेश कुमार शुक्ल के नेतृत्व में प्रवेश कार्य प्रारम्भ हुआ।

16 जुलाई से आरम्भ होती हुई द्वितीय, तृतीय वर्ष की कक्षाएं

कक्षाएं प्रारम्भ

महाविद्यालय के शैक्षिक पञ्चांग के अनुसार 16 जुलाई से स्नातक कला, विज्ञान एवं वाणिज्य भाग दो व तीन तथा स्नातकोत्तर रसायनशास्त्र, प्राचीन इतिहास, वाणिज्य एवं राजनीतिशास्त्र, अन्तिम वर्ष की कक्षाएँ प्रारम्भ हुई।

जल संरक्षण शपथ लेते हुए महाविद्यालय के विद्यार्थी

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम स्मृति दिवस

27 जुलाई 2019 को भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम स्मृति दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में ''पौधारोपण एवं जल संरक्षण शपथ'' कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती किरन सिंह ने किया। इस अवसर पर गोरक्षनाथ इकाई एवं हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई के स्वयंसेवक तथा स्वयंसेविकाएं तथा शिक्षकों ने सहभाग किया।

श्री मुरारीलाल माहेश्वरी स्मृति राष्ट्रीय वाद-विवाद प्रतियोगिता में महाविद्यालय

महाविद्यालय के विद्यार्थियों को पुरस्कृत करते हुए कुलपति प्रो. एस.एन. सिंह

29 जुलाई 2019 को श्री मुरारी लाल माहेश्वरी स्मृति राष्ट्रीय वाद-विवाद प्रतियोगिता 'विचार प्रवाह' के तहत जिला स्तर पर आयोजित 'एक देश एक चुनाव' विषय पर एम0जी0पी0जी0 कॉलेज में आयोजित की गई। जिसमें महाविद्यालय के छात्र प्रकाश पाण्डेय (बी.ए. भाग-दो) ने पक्ष में तथा सत्य प्रकाश तिवारी (बी.ए. भाग-दो) ने विपक्ष में प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में आठ कॉलेज, जिसमें प्रमुख रूप से (एम.जी. पी.जी. कालेज, मारवाड़ बिजनेस स्कूल, चन्द्रकान्ती रमावती देवी पी.जी. कालेज, मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज इत्यादि) कुल 09 टीम ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति प्रो. एस.एन. सिंह तथा कार्यक्रम अध्यक्ष एम.जी. पी.जी. कॉलेज के प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने विजेता टीम को प्रशस्ति पत्र तथा नकद राशि देकर सम्मानित किया।

प्रार्थना सभा का प्रारम्भ

प्रार्थना सभा के शुभारम्भ अवसर पर उपस्थित शिक्षकगण एवं विद्यार्थी

01 अगस्त से महाविद्यालय में नियमित प्रथम वर्ष की कक्षाएं प्रार्थना सभा के आयोजन (प्रात: 09:20) के साथ प्रारम्भ हुयी। प्रत्येक कार्यदिवस में प्रात: 09:20 से क्रमश: राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, सरस्वती वन्दना, ईशोपासना के साथ महाविद्यालय प्रारम्भ होता

है। तिथि विशेष पर यदि कोई महापुरुष, घटना की/जयन्ती/पुण्यतिथि/स्मृति दिवस होता है, तो उस दिन महापुरुष/घटना के संदर्भ में उद्‌बोधन होता है। शेष दिवसों पर श्रीमद्‌भगवतगीता के हिन्दी एवं अंग्रेजी अनुवाद सहित श्लोकों का वाचन होता है। प्रार्थना सभा में विद्यार्थी, शिक्षक एवं कर्मचारी सहित प्राचार्य सम्मिलित रहते हैं।

बाल गंगाधार तिलक महाप्रयाण दिवस एवं पुरुषोत्तम दास दंडन जयन्ती तथा नवप्रवेशित विद्यार्थी स्वागत समारोह

नवागंतुक विद्यार्थियों का स्वागत करते महाविद्यालय के प्राचार्य

01 अगस्त को प्रार्थना सभा में बाल गंगाधार तिलक महाप्रयाण दिवस एवं पुरुषोत्तम दास टंडन जयन्ती के अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उपरोक्त दोनों महापुरुषों के व्यक्तित्व पर अपना विचार व्यक्त कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके साथ ही साथ नवप्रेशित विद्यार्थी को स्वस्थ परिसर संस्कृति से भी अवगत कराया। कार्यक्रम में सभी शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विश्व स्तनपान जागरुकता सप्ताह कार्यक्रम

स्तनपान के महत्व पर उद्‌बोधन देते डॉ. राजकिशोर सिंह

01 अगस्त से 07 अगस्त तक गृह विज्ञान विभाग एवं राष्ट्रीय योजना के संयुक्त तत्वावधान में सप्त –दिवसीय विश्व स्तनपान जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्‌घाटन बी.आर.डी. मेडिकल कॉलेज गोरखपुर के असिस्टेंट प्रोफेसर एवं

स्तनपान के प्रति जन जागरण करते महाविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी

विश्व स्तनपान जागरुकता कार्यक्रम को संबोधित करती डॉ. मनीषा शाही

प्रतिष्ठित चिकित्सक डॉ. राजकिशोर सिंह द्वारा किया गया। सप्त दिवसीय कार्यक्रम में महिलाओं को इससे सम्बन्धित जानकारी दी गई तथा स्तनपान जागरुकता विषय पर व्याख्यान प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता, प्रश्नमंच प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक, प्रदर्शनी आदि विभिन्न कार्यक्रम के माध्यम से स्तनपान जागरूकता सप्ताह मनाया गया। समापन अवसर पर महानगर की प्रतिष्ठित चिकित्सक एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. मनीषा शाही ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में आभार ज्ञापन गृहविज्ञान प्रभारी श्रीमती किरन सिंह तथा संचालन सुश्री पल्लवी नायक ने किया। इस अवसर पर शिक्षक सहित कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आचार्य मैथिलीशरण गुप्त जयन्ती

03 अगस्त को प्रार्थना सभा में आचार्य मैथिलीशरण गुप्त जी की जयन्ती के अवसर पर प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने उनके कृतित्त्व पर प्रकाश डालते हुए महाविद्यालय परिवार की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर समस्त शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आचार्य मैथिलीशरण गुप्त जयन्ती के अवसर पर बोलते प्राचार्य

बी.एड्. विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

06 अगस्त को बी.एड्. विभाग में 'अधिगम के सिद्धान्त' विषय पर मनोविज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन बी.एड्. विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर श्रीमती साधना सिंह तथा आभार ज्ञापन बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया। इस अवसर पर बी.एड्. विभाग के समस्त शिक्षक, छात्रध्यापक एवं छात्रध्यापिकाएँ उपस्थित रहीं।

बी.एड्. विभाग में विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

गुरुदेव रविन्द्र नाथ टैगोर पुण्यतिथि

07 अगस्त को प्रार्थना सभा में गुरुदेव रविन्द्र नाथ टैगोर के पुण्यतिथि के अवसर पर बी.एड्. विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर सुश्री रचना सिंह ने रविन्द्रनाथ टैगोर के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए महाविद्यालय परिवार की ओर से श्रद्धांजलि दी।

गुरुदेव रविन्द्र नाथ टैगोर पुण्यतिथि पर उद्बोधन देती सुश्री रचना सिंह

राजनीतिशास्त्र विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करते प्रो. गोपाल प्रसाद

08 अगस्त को महाविद्यालय में राजनीतिशास्त्र विभाग के तत्वावधान में 'जम्मू एवं कश्मीर का बदलता परिदृश्य : अनुच्छेद 370 से लेकर संघराज्य क्षेत्र के विशेष सन्दर्भ में'' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस विषय पर दीनदयाल उपाधयाय गोरखपुर के राजनीतिशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. गोपाल प्रसाद ने विचार प्रस्तुत किया। इस अवसर पर अतिथि का स्वागत प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने किया। कार्यक्रम की प्रस्तावकी राजनीतिशास्त्र विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. कृष्ण कुमार पाठक, आभार ज्ञापन डॉ. यशवन्त राव तथा संचालन डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम

राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा पौधारोपण

09 अगस्त को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में महाविद्यालय परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक तथा स्वयंसेविकाओं एवं शिक्षकों के द्वारा पौधारोपण किया गया।

भारत छोड़ो आन्दोलन एवं काकोरी घटना स्मृति दिवस

भारत छोड़ो आन्दोलन एवं काकोरी घटना पर उद्बोधन देते डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय

09 अगस्त को प्रार्थना सभा में भारत छोड़ो आन्दोलन एवं काकोरी घटना की स्मृति में आयोजित कार्यक्रम में समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष श्री हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने स्मृति व्याख्यान प्रस्तुत कर महान क्रान्तिकारियों को महाविद्यालय परिवार की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर सभी शिक्षक, कर्मचारी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

समाजशास्त्र विभाग में व्याख्यान

विशेष व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. प्रकाश प्रियदर्शी

10 अगस्त को समाजशास्त्र विभाग में अतिथि व्याख्यान का आयोजन ''समाजशास्त्र की प्रकृति'' विषय पर किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के

सहायक आचार्य श्री प्रकाश प्रियदर्शी ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन समाजशास्त्र विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री बृजभूषण लाल तथा आभार ज्ञापन श्री हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने किया।

अमर शहीद खुदीराम बोस जयन्ती

10 अगस्त को प्रार्थना सभा में अमर शहीद खुदीराम बोस जयन्ती के अवसर पर बी.एड्. विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह द्वारा शहीद खुदीराम बोस के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गयी।

अमर शहीद खुदीराम बोस को श्रद्धाजलि अर्पित करते श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह

रसायन विज्ञान विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

10 अगस्त को रसायन विज्ञान विभाग द्वारा 'करेंट एनवायरमेंटल इश्यूज : प्रीडिक्शन इम्पैक्ट एण्ड सल्यूशन' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया। इस विषय पर डिपार्टमेन्ट ऑफ हाइड्रोलिक एण्ड वाटर रिर्सोसेज इंजीनियरिंग डिला विश्वविद्यालय, डिला, इथोपिया के सहायक आचार्य डॉ. सत्यनारायण जी ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती प्रियंका मिश्रा तथा आभार ज्ञापन विभागाध्यक्ष डॉ. शिव कुमार बर्नवाल ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. सत्यनारायण

अहिल्याबाई होल्कर पुण्यतिथि

13 अगस्त को अहिल्या बाई होल्कर की पुण्यतिथि के अवसर पर प्रार्थना सभा में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने अहिल्या बाई होल्कर के जीवन पर प्रकाश डालते हुए महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हे श्रद्धांजलि अर्पित की।

अहिल्याबाई होल्कर पुण्यतिथि के अवसर पर उद्बोधन देते प्राचार्य

अखण्ड भारत स्मृति दिवस

13 अगस्त को भारत विभाजन की पूर्व संध्या पर आयोजित ''विभाजन की परिस्थितियाँ एवं अखण्ड

अखण्ड भारत स्मृति दिवस के अवसर पर व्याख्यान प्रस्तुत करते प्रो. संजय पासवान एवं मंचस्थ अतिथिगण

भारत की सम्भावनाएँ'' विषय पर मुख्य वक्ता भारत सरकार के पूर्व केन्द्रीय मंत्री, बिहार विधान परिषद के सदस्य एवं पटना विश्वविद्यालय के आचार्य प्रो. संजय पासवान ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रुप में मगध विश्वविद्यालय बोधगया के अवकाश प्राप्त आचार्य डॉ. महेश कुमार शरण ने भी अपना विचार प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव तथा संचालन डॉ. कृष्ण कुमार पाठक ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता दिवस समारोह

15 अगस्त को महाविद्यालय में 73वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह उत्सवपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर ध्वजारोहण के साथ राष्ट्रगान, वन्देमातरम् सहित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्राचार्य जी ने परम्परानुसार अपने उद्‌बोधन में महाविद्यालय के प्रयत्नों एवं संकल्पों को ही शहीदों को श्रद्धांजलि स्वरूप भेट करते हुए राष्ट्र निर्माण में महाविद्यालय के भूमिका की रूपरेखा प्रस्तुत की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में दीनदयाल उपाधयाय गोरखपुर विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के पूर्व विभागाधयक्ष (सेवानिवृत्त) प्रो. वी.के. श्रीवास्तव ने उद्‌बोधन के माध्यम से स्वतन्त्रता दिवस की बधाई दी।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में क्रमशः ऊपर से उद्‌बोधन देते प्रो. वी.के. श्रीवास्तव, मंचस्थ प्राचार्य, शिक्षकगण, छात्रसंघ के पदाधिकारीगण एवं विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत करते महाविद्यालय के विद्यार्थी

मदनलाल ढ़ींगरा पुण्यतिथि

17 अगस्त को स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मदन लाल ढ़ींगरा की पुण्यतिथि के अवसर पर प्रार्थना सभा में आयोजित कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव द्वारा मदन लाल ढ़ींगरा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से विद्यार्थियों को परीचित कराते हुए उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया।

मदललाल ढ़ींगरा पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते डॉ. प्रदीप कुमार राव

कार्यशाला के दौरान प्रस्तुति देते डॉ. वी. रामानाथन

शिक्षक कार्यशाला

20 अगस्त को महाविद्यालय के शिक्षकों के लिए ''देवनागिरी रोमन'' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें वाराणसी के आचार्य डॉ. वी. रामानाथन द्वारा प्रस्तुती दी गयी। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य तथा शिक्षक उपस्थित रहे।

बी.एड्. विभाग में एकदिवसीय संगोष्ठी

संगोष्ठी के उद्घाटन अवसर पर उपस्थित मंचस्थ अतिथिगण

20 अगस्त को बी.एड्. विभाग के तत्वावधान में ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2019 : शिक्षक-शिक्षा एवं राष्ट्रीय शिक्षा आयोग के विशेष सन्दर्भ में'' विषय पर एकदिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का उद्घाटन दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. एन.पी. भोक्ता ने किया। प्रथम सत्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2019 में शिक्षक-शिक्षा विषय पर विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रो. शोभा गौड़, दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज, गोरखपुर के बी.एड्. विभाग के डॉ. राजशरण शाही ने विचार प्रस्तुत किया। प्रथम सत्र में आभार ज्ञापन प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव तथा संचालन बी.एड्. विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री नवनीत कुमार सिंह ने किया। द्वितीय सत्र में राष्ट्रीय शिक्षा आयोग विषय पर दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज के बी.एड्. विभाग के डॉ. राजशरण शाही, दीनदयाल उपाधयाय गोरखपुर विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग के प्रो. रविशंकर सिंह, किसान पी.जी. कॉलेज, सेवरही कुशीनगर के पूर्व प्राचार्य डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय ने विचार प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता

संगोष्ठी के उद्घाटन अवसर पर उद्बोधन देते प्रो. एन.पी. भोक्ता

संगोष्ठी के दौरान अपने विचार व्यक्त करते डॉ. राजशरण शाही

संगोष्ठी के उद्घाटन अवसर पर उपस्थित मंचस्थ अतिथिगण

संगोष्ठी के तकनीकी सत्र के दौरान उद्‌बोधन देते प्रो. रविशंकर सिंह

व्याख्यान प्रस्तुत करती हुईं प्रो. शोभा गौड़

भटवली महाविद्यालय उनवल के पूर्व प्राचार्य डॉ. सूर्यपाल सिंह ने की। आभार ज्ञापन महाविद्यालय की बी. एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह तथा संचालन बी.एड्. विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर सुश्री श्वेता चौबे ने किया। संगोष्ठी के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, आई.टी. के एसो. प्रो. वी. रामानाथन का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। समापन समारोह की अध्यक्षता प्राचार्य ने की।

महारानी पद्‌मिनी जौहर दिवस

26 अगस्त को प्रार्थना सभा में ''महारानी पद्‌मिनी जौहर दिवस'' के अवसर पर प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने भारत की अमर वीरांगना महारानी पद्‌मिनी के बलिदान पर प्रकाश डाला। भारत की गौरवशाली परम्परा ने देश-समाज पर मर मिटने वाली वीरांगनाओं से प्रेरणा ग्रहण करने का संदेश देते हुए महारानी पद्‌मिनी और उनके साथ बलिदानी देवियों को श्रद्धा पूर्वक स्मरण किया गया।

महारानी पद्‌मिनी के बलिदान दिवस पर उद्‌बोधन देते डॉ. प्रदीप कुमार राव

रंगोली प्रतियोगिता

26 अगस्त को दिग्विजयनाथ पी.जी. कालेज में आयोजित रंगोली प्रतियोगिता में 08 महाविद्यालय (महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, सी.आर.डी. पी.जी. कॉलेज, सेंट एंड्रयूज डिग्री कालेज, महाराणा प्रताप पी. जी. कालेज, जंगल धूसड़, दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज आदि) ने प्रतिभाग किया, जिसमें महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। महाविद्यालय के निखिल (बी.कॉम भाग-दो), पूर्णा सिंह, श्वेता मल्ल, मंजु पाण्डेय (बी.एड्. प्रथम वर्ष) तथा निष्ठा मिश्रा (एम.ए. प्रथम वर्ष) की टीम प्रथम स्थान प्राप्त की।

रंगोली प्रतियोगिता के दौरान उपस्थित प्रतिभागी, प्रो. सुषमा पाण्डेय एवं अन्य

भाषण प्रतियोगिता

भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग करता महाविद्यालय के छात्र श्री अंकित पाण्डेय

27 अगस्त को दिग्विजयनाथ पी.जी. कालेज में आयोजित भाषण प्रतियोगिता में महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, दिग्विजयनाथ पी.जी. कालेज, एम.जी. पी.जी. कॉलेज आदि ने प्रतिभाग किया जिसमें महाराणा प्रताप पी.जी कॉलेज के अंकित पाण्डेय (बी.ए. भाग-तीन), माधवेन्द्र त्रिपाठी, अनित पटेल (बी.एड्. प्रथम वर्ष), हिमानी मिश्रा (बी.एड्. प्रथम वर्ष) तथा प्रकाश पाण्डेय (बी.ए. भाग-एक) ने प्रतिभाग किया तथा प्रकाश पाण्डेय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी

27 अगस्त को भारतीय इतिहास संकलन समिति गोरक्षप्रांत और प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग तथा इतिहास विभाग महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में 'इतिहास दिवस' के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में 'जलियावाला बाग नरसंहार : एक ऐतिहासिक पुनरावलोकन' विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी ने अपना विचार प्रस्तुत किया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने तथा कार्यक्रम का संचालन प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सौरभ कुमार सिंह ने किया।

प्राचार्य-शिक्षक मासिक बैठक

प्राचार्य-शिक्षक मासिक बैठक

28 अगस्त को जगत जननी माँ सीता सभागार में प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव की अध्यक्षता में प्राचार्य-शिक्षक मासिक बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में मासिक समीक्षा के साथ छात्रसंघ चुनाव की तैयारी पर भी विचार-विमर्श किया गया।

शिक्षाशास्त्र तथा बी.एड्. विभाग के संयुक्त तत्वावधान में एकदिवसीय विशिष्ट व्याख्यान

28 अगस्त को शिक्षाशास्त्र एवं बी.एड्. विभाग के संयुक्त तत्वावधान में एकदिवसीय विशिष्ट व्याख्यान 'जनसंख्या शिक्षा' विषय पर आयोजित किया गया। इस विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। अध्यक्षता बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने की। कार्यक्रम का संचालन बी.एड्. विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर श्रीमती विभा सिंह तथा आभार ज्ञापन शिक्षाशास्त्र विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर श्रीमती साधना सिंह ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम के अवसर पर उपस्थित मंचस्थ अतिथि

राजनीतिशास्त्र विभाग में कार्यशाला

28 अगस्त को राजनीतिशास्त्र विभाग में धारा 370 पर दृश्य-श्रव्य कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें विषय विशेषज्ञ के रूप में राजनीतिशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, डॉ. कृष्ण कुमार पाठक तथा डॉ. यशवन्त कुमार राव ने विद्यार्थियों के प्रश्नों का समाधान दिया। इससे पूर्व राज्यसभा टी.वी. द्वारा तैयार 70 मिनट की डाक्यूमेंट्री फिल्म प्रस्तुत की गयी।

धारा 370 पर उद्बोधन देते डॉ. अविनाश प्रताप सिंह

राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यशाला

28 अगस्त को राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव की अध्यक्षता में राष्ट्रीय सेवा योजना की सदस्यता के सम्बन्ध में कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती किरन सिंह तथा डॉ. सौरभ कुमार सिंह एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यशाला में रा.से.यो. के उद्देश्य, कार्य पद्धति एवं गतिविधियों पर परिसंवाद हुआ साथ ही विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी दिया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यशाला को सम्बोधित करते प्राचार्य

आशु भाषण प्रतियोगिता

29 अगस्त को 'स्वर्ण जयंती समारोह' के अन्तर्गत दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज में आयोजित आशु भाषण प्रतियोगिता में महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज के राहुल गिरि (एम.ए. प्रथम वर्ष), प्रिया दूबे

(बी.एस–सी. भाग–दो) तथा अंकित पाण्डेय (बी.ए. भाग–तीन) ने प्रतिभाग किया और प्रिया दुबे ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

आशु भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती महाविद्यालय की छात्रा

मेजर ध्यानचन्द जयन्ती एवं राष्ट्रीय खेल दिवस

29 अगस्त को प्रार्थना सभा में प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने राष्ट्रीय खेल दिवस व हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचन्द की जयन्ती पर उनके व्यक्तित्व पर व्याख्यान प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर मेजर ध्यानचन्द को श्रद्धाजलि देते डॉ. प्रदीप कुमार राव

छात्रसंघ कक्षा प्रतिनिधि का चुनाव

29 अगस्त को छात्रसंघ चुनाव प्रक्रिया के अन्तर्गत कक्षा प्रतिनिधियों का चुनाव शैक्षिक गुणवत्ता के माध्यम से सम्पन्न हुआ। कुल 94 कक्षाओं से 80 कक्षा प्रतिनिधि चुने गये। 14 कक्षा प्रतिनिधियों का चुनाव अर्ह न पाये जाने के कारण न हो सका। अपनी–अपनी कक्षा में सर्वोच्च अंक पाने वाले विद्यार्थी कक्षा प्रतिनिधि चुने गये।

कक्षाओं में प्रतिनिधि चुनाव परीक्षा देते एक कक्षा के विद्यार्थीगण

छात्रसंघ चुनाव हेतु पर्चा दाखिला

29 अगस्त को महाविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव हेतु अध्यक्ष पद पर तीन, उपाध्यक्ष पद पर चार, महामंत्री पद पर तीन, तथा पुस्तकालय मंत्री पद पर चार प्रतिनिधियों ने पर्चा दाखिल किया।

छात्रसंघ चुनाव कार्यक्रम के दौरान पर्चा दाखिल करती हुई छात्रा

छात्रसंघ चुनाव–योग्यता भाषण

30 अगस्त को महाविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव हेतु योग्यता भाषण का आयोजन किया गया। योग्यता भाषण में अध्यक्ष पद हेतु श्वेता मिश्रा (बी.एस–सी. भाग–तीन), श्री सत्यप्रकाश तिवारी (बी.ए. भाग–दो), श्री विजय कुमार (बी.एड्. अन्तिम वर्ष), उपाध्यक्ष पद के लिए श्री सुनील कुमार सिंह (बी.एस–सी. भाग–तीन), श्री शैलेन्द्र प्रजापति (एम.ए. अन्तिम वर्ष), श्री विकास कुमार गुप्ता (बी.ए. भाग–एक), श्री विकास कुमार मद्धेशिया (बी.ए. भाग–तीन) महामंत्री पद

के लिए श्री आशुतोष चौहान (बी.ए. भाग-तीन), श्री प्रकाश पाण्डेय (बी.ए. भाग-दो), श्री रामसकल प्रसाद (एम.कॉम. प्रथम वर्ष) तथा पुस्तकालय मंत्री पद हेतु श्री आयुष मद्धेशिया (बी.ए. भाग-एक), सुश्री प्रजापति ममता (बी.एस-सी. भाग-तीन), श्री संदीप यादव (बी. ए. भाग-एक) तथा श्री विजय प्रताप (बी.एस-सी. भाग-दो) ने अपना विचार प्रस्तुत कर अपने पक्ष में मतदान करने की अपील की। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने की।

योग्यता भाषण प्रस्तुत करते हुए प्रतिभागी

छात्रसंघ चुनाव हेतु मतदान

छात्रसंघ चुनाव में अपनी कक्षा में मतदान करते हुए कतारबद्ध छात्राएं

31 अगस्त को महाविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव हेतु मतदान शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ तथा चुनाव के दौरान कक्षाएं निर्बाध रूप से संचालित हुई। पढ़ाई के साथ मतदान का प्रयोग पहली बार हुआ। यह प्रयोग अत्यन्त सफल रहा। कुल 1979 विद्यार्थियों ने मतदान किया। सभी संकायों से कुल 84 प्रतिशत मतदान हुआ। अध्यक्ष पद पर श्री विजय कुमार (बी.एड्. अन्तिम वर्ष) ने कांटे की टक्कर में श्री सत्यप्रकाश तिवारी (बी.ए. भाग-दो) को 36 मतों से पराजित किया। उपाध्यक्ष पद पर श्री विकास कुमार मद्धेशिया (बी.ए. भाग-तीन), महामंत्री पद पर श्री प्रकाश पाण्डेय (बी.ए. भाग-दो) तथा पुस्तकालय मंत्री पद पर सुश्री प्रजापति ममता (बी.एस-सी भाग-तीन) विजयी रहीं। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव सहित सभी शिक्षकों ने विजयी प्रत्याशियों को हार्दिक बधाई दी। चुनाव अधिकारी श्री नन्दन शर्मा (असिस्टेंट प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग) ने विजयी प्रत्याशियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किया। साथ ही साथ चुनाव को सकुशल सम्पन्न कराने में संलग्न शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के प्रति हार्दिक आभार भी ज्ञापित किया।

मतदान के पश्चात मतगणना करते हुए महाविद्यालय के शिक्षकगण एवं विजित पदाधिकारी प्रमाण-पत्र के साथ

गृह विज्ञान विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में 'न्यूट्रिशन वीक जागरूकता कार्यक्रम'

01 सितम्बर को गृह विज्ञान विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना गुरू श्रीगोरक्षनाथ ईकाई के संयुक्त तत्वावधान में सप्तदिवसीय ''न्यूट्रिशन वीक जागरूकता'' कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में वनस्पति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव ने विचार प्रस्तुत किया। आभार ज्ञापन राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती किरन सिंह तथा संचालन सुश्री पल्लवी नायक ने किया।

स्वस्थ खान-पान के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करते डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव

राजनीतिशास्त्र विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

04 सितम्बर को महाविद्यालय में राजनीतिशास्त्र विभाग द्वारा 'अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद जम्मू-कश्मीर में लोकतान्त्रिक प्रक्रिया'' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता कला संकाय एवं राजनीतिशास्त्र विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. श्री प्रकाश मणि त्रिपाठी ने व्याख्यान दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने तथा संचालन राजनीतिशास्त्र विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. कृष्ण कुमार पाठक ने किया।

जम्मू कश्मीर में लोकतांत्रिक प्रक्रिया विषय पर व्याख्यान देते प्रो. श्रीप्रकाशमणि त्रिपाठी

साहित्य का उद्देश्य विषय पर विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करते प्रो. रामदरश राय

हिन्दी विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

04 सितम्बर को हिन्दी विभाग द्वारा 'साहित्य का उद्देश्य' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस विषय पर मुख्य वक्ता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के आचार्य प्रो. रामदरश राय (अवकाश प्राप्त) ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। संचालन हिन्दी विभाग प्रभारी डॉ. आरती सिंह ने किया। इस अवसर पर सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

शिक्षक दिवस

05 सितम्बर को शिक्षक दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सेन्ट एन्ड्रयूज डिग्री कॉलेज के भौतिक विभाग के वरिष्ठ आचार्य डॉ. रवि प्रताप सिंह को उनकी शैक्षिक उपलब्धियों एवं उच्च जीवन मूल्य के आधार पर ''गुरू गोरक्षनाथ शिक्षक सम्मान'' प्रदान किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने किया।

शिक्षक दिवस के अवसर पर डॉ. रवि प्रताप सिंह को 'सम्मान' देते प्राचार्य

महर्षि दधीचि जयन्ती

06 सितम्बर को प्रार्थना सभा में आयोजित महर्षि दधीचि जयन्ती के अवसर पर प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के अध्यक्ष श्री सुबोध कुमार मिश्र ने अपने विचार प्रस्तुत कर महर्षि दधीचि के लोकमंगल एवं लोक कल्याणकारी कार्यों तथा जीव मात्र के प्रति उनके संवेदनापूर्ण गुणों पर प्रकाश डालते हुए उन्हें हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

महर्षि दधीचि के जीवन आदर्शों पर प्रकाश डालते श्री सुबोध कुमार मिश्र

अंग्रेजी विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

07 सितम्बर को अंग्रेजी विभाग में ''लैग्वेंज एज टूल ऑफ कम्युनिकेशन'' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर के मानविकी और प्रबंधन विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रो. डॉ. सुधीर नारायण सिंह ने उद्‌बोधन दिया। कार्यक्रम में आभार ज्ञापन अंग्रेजी विभाग की प्रभारी श्रीमती कविता मंध्यान् तथा संचालन छात्रा सुश्री अंजु त्रिपाठी ने किया।

अंग्रेजी विभाग में विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. सुधीर नारायण सिंह

छात्रसंघ कार्यकारिणी बैठक

07 सितम्बर को महाविद्यालय में छात्रसंघ कार्यकारिणी सदस्यों को छात्रसंघ के उद्‌देश्यों से परिचित कराने, दायित्वों का बँटवारा करने तथा विभिन्न छात्रसंघ समितियों के गठन हेतु बैठक का आयोजन किया

गया। बैठक में सभी पदाधिकारियो सहित 72 प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता छात्रसंघ के नव निर्वाचित अध्यक्ष श्री विजय कुमार ने की। कार्यक्रम का संचालन छात्रसघ के प्रभारी श्री नन्दन शर्मा ने किया।

छात्रसंघ की कार्यकारिणी बैठक में उपस्थित पदाधिकारीगण एवं छात्रसंघ प्रभारी श्री नन्दन शर्मा

समाजशास्त्र विभाग में अतिथि व्याख्यान

07 सितम्बर को समाजशास्त्र विभाग में ''संस्कार का समाजशास्त्रीय महत्व'' विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मनीष कुमार पाण्डेय ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन श्री बृजभूषण लाल तथा आभार ज्ञापन डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने किया।

समाजशास्त्र विभाग में आयोजित व्याख्यान कार्यक्रम के अतिथि डॉ. मनीष कुमार पाण्डेय को महाविद्यालय के प्रकाशन भेंट करते डॉ. प्रदीप कुमार राव

कवयित्री महादेवी वर्मा पुण्यतिथि एवं आचार्य विनोबा भावे जयन्ती

11 सितम्बर को प्रार्थना सभा में हिन्दी साहित्य की मूर्धन्य एवं परम् विदुषी कवयित्री महादेवी वर्मा की पुण्यतिथि एवं आचार्य विनोबा भावे की जयन्ती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में राजनीतिशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने कवयित्री महादेवी वर्मा व आचार्य विनोबा भावे के व्यक्तित्व-कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए विनोबा भावे द्वारा चलाए गए भूदान आन्दोलन पर अपना विचार प्रस्तुत कर उन्हें हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

महादेवी वर्मा एवं विनोबा भावे के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर उद्बोधन देते डॉ. अविनाश प्रताप सिंह

शिक्षक संघ चुनाव

14 सितम्बर को महाविद्यालय में शिक्षक संघ का चुनाव सम्पन्न हुआ। अध्यक्ष पद पर इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह, उपाध्यक्ष पद पर कम्प्यूटर साइंस विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर

डॉ. हरविन्दर श्रीवास्तव, महामंत्री पद पर वाणिज्य विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सुभाष कुमार गुप्ता, संयुक्त मंत्री पद पर भौतिक विज्ञान विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर श्रीमती मनीता सिंह तथा कोषाध्यक्ष पद पर रसायनशास्त्र विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर श्रीमती प्रियंका मिश्रा निर्वाचित हुईं। अन्त में चुनाव अधिकारी डॉ. विजय कुमार चौधरी ने शिक्षक संघ को महाविद्यालय के हित एवं उद्देश्य के अनुरूप कार्य करने की सलाह के साथ विजयी प्रत्याशियों को महाविद्यालय परिवार की ओर से शुभकामनाएं दी।

शिक्षक संघ चुनाव में नवनिर्वाचित पदाधिकारीगण

हिन्दी दिवस

14 सितम्बर को प्रार्थना सभा में हिन्दी दिवस के अवसर पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रतिष्ठित साहित्यकार एवं सतीशचन्द्र पी.जी. कॉलेज, बलिया के पूर्व आचार्य डॉ. आद्या प्रसाद द्विवेदी ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में प्रस्ताविकी हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. आरती सिंह तथा आभार ज्ञापन डॉ. सुधा शुक्ला ने किया।

हिन्दी दिवस के अवसर पर उद्‌बोधन देते डॉ. आद्या प्रसाद द्विवेदी

बी.एड्. विभाग में नवांगतुक विद्यार्थी स्वागत समारोह

15 सितम्बर को बी.एड्. विभाग द्वारा नवांगतुक विद्यार्थियों का स्वागत समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बी.एड. अंतिम वर्ष के छात्रध्यापकों व छात्राध्यापिकाओं द्वारा प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों का तिलक लगाकर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने इस कार्यक्रम के औचित्य पर प्रकाश डालते हुए इसे भारतीय परम्परा शिक्षण पद्धति एवे जीवन मूल्य के अनुकूल बताया। समारोह की अध्यक्षता श्रीमती शिप्रा सिंह एवं संचालन सुश्री श्वेता चौबे ने किया।

स्वागत समारोह में बी.एड्. विभाग के छात्राध्यापक

विश्व ओजोन संरक्षण दिवस

16 सितम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में ''विश्व ओजोन संरक्षण दिवस'' के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में राजनीतिशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने विचार प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की प्रस्तावना राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ. सौरभ सिंह तथा आभार ज्ञापन राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती किरन सिंह ने किया। कार्यक्रम का संचालन रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के प्रभारी डॉ. अभिषेक कुमार सिंह ने किया।

विश्व ओजोन संरक्षण दिवस पर व्याख्यान देते डॉ. अविनाश प्रताप सिंह

शतरंज प्रतियोगिता

16 सितम्बर को महाविद्यालय में महंत अवेद्यनाथ स्मृति शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसमें छात्र वर्ग में बी.एस-सी. भाग-तीन की प्रजापति ममता तथा छात्र वर्ग में बी.एड्. प्रथम वर्ष के अवनीश कुमार विजयी रहे। कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. शिवकुमार बर्नवाल, संचालन सुश्री प्रियंका मिश्रा तथा आभार ज्ञापन डॉ. यशवंत कुमार राव ने किया। डॉ. विजय कुमार चौधरी ने विजेताओं को पुरस्कृत किया।

शतरंज प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते प्रतिभागीगण

स्वच्छता सर्वेक्षण रैंकिंग टीम दौरा

17 सितम्बर को महाविद्यालय में मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली के द्वारा ऑल इण्डिया स्वच्छता रैंकिंग टीम ने महाविद्यालय के स्वच्छता, पर्यावरण, वाटर हार्वेस्टिंग, पेड़ पौधों का संरक्षण, जल संरक्षण आदि व्यवस्थाओं की जाँच कर मूल्यांकन किया।

महाविद्यालय में स्वच्छता सर्वेक्षण करते स्वच्छता सर्वेक्षण रैंकिंग टीम के सदस्य

विश्वकर्मा जयन्ती

17 सितम्बर को प्रार्थना सभा में विश्वकर्मा जयन्ती के अवसर पर गृहविज्ञान विभाग की अध्यक्ष श्रीमती किरन सिंह ने अपने विचार प्रस्तुत किए तथा महाविद्यालय परिवार की ओर से देवशिल्पी विश्वकर्मा भगवान को नमन किया।

विश्वकर्मा जयन्ती के अवसर पर उद्‌बोधन देती श्रीमती किरन सिंह

गुरु नानक देव जयन्ती

21 सितम्बर को प्रार्थना सभा में गुरु नानक देव की पुण्यतिथि की पूर्व संध्या पर प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने गुरुनानक देव के व्यक्तित्व तथा कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उन्हे श्रद्धांजलि अर्पित की।

गुरु नानक देव जयन्ती के अवसर पर प्रार्थना सभा को सम्बोधित करते हुए डॉ. प्रदीप कुमार राव

प्राणि विज्ञान विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

21 सितम्बर को प्राणि विज्ञान विभाग द्वारा विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्राणि विज्ञान विभाग के प्रो. रविकान्त उपाध्याय ने 'जैव विकास' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन प्राणि विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री विनय कुमार सिंह तथा आभार ज्ञापन असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. नवनीत कुमार ने किया। विशिष्ट कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राणि विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. रघुवीर नरायण सिंह ने किया

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करते प्रो. रविकान्त उपाध्याय

वनस्पति विज्ञान विभाग में विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. रामसहाय

वनस्पति विज्ञान विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

21 सितम्बर को वनस्पति विज्ञान विभाग में 'एन्थॉल्पी एन्ट्रोपी गिब्स फ्री ऊर्जा' विषय पर आयोजित व्याख्यान कार्यक्रम में वनस्पति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव ने विषय की प्रस्तावना रखी तथा रसायनशास्त्र विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. रामसहाय जी ने व्याख्यान प्रस्तुत किया।

वाणिज्य विभाग के नवप्रवेशित विद्यार्थी का स्वागत समारोह

22 सितम्बर को वाणिज्य विभाग के बी.कॉम. भाग-दो व भाग-तीन के विद्यार्थियों द्वारा नवागंतुक विद्यार्थी स्वागत समारोह आयोजित किया गया।

छात्रसंघ कार्यकारिणी बैठक

23 सितम्बर को छात्रसंघ कार्य-कारिणी की बैठक प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसमें छात्रसंघ के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महामंत्री तथा पुस्तकालयमंत्री के साथ 77 कक्षा प्रतिनिधियों ने सहभाग किया। कार्यकारिणी बैठक में पठन-पाठन, पुस्तकालय में पुस्तक उपलब्धता, कक्षा प्रतिनिधियों के आचरण एवं व्यवहार, छात्रसंघ बजट का भविष्य में उपयोग, छात्रसंघ पदाधिकारियों तथा कक्षा प्रतिनिधियों की जिम्मेदारियों आदि विषयों पर विचार-विमर्श किया गया।

छात्रसंघ कार्यकारिणी बैठक को सम्बोधित करते हुए प्राचार्य

राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस

24 सितम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस समारोह का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा किया गया। इस समारोह में बी.एड् विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर सुश्री रचना सिंह एवं इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह ने विचार प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस के अवसर पर मंचस्थ अतिथिगण

दीनदयाल उपाध्याय एवं सतीश धवन जयन्ती

25 सितम्बर को प्रार्थना सभा में आयोजित पं. दीनदयाल उपाध्याय एवं सतीश धवन जयन्ती कार्यक्रम के अवसर पर प्राणि विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री विनय कुमार सिंह ने व्याख्यान प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से श्रद्धासुमन अर्पित किया।

दीनदयाल उपाध्याय एवं वैज्ञानिक सतीश धवन को श्रद्धाजलि अर्पित करते हुए श्री विनय कुमार सिंह

बी.एड्. विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

25 सितम्बर को बी.एड्. विभाग के द्वारा 'शिक्षण के प्रतिमान'' विषय पर आयोजित विशिष्ट

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते डॉ. राजशरण शाही

व्याख्यान में दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज, गोरखपुर के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राजशरण शाही ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। अध्यक्षीय उद्‌बोधन विभागाध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने दिया। कार्यक्रम का संचालन बी.एड्. विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री नवनीत कुमार सिंह तथा आभार ज्ञापन डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम में शिक्षक व बी.एड्. विभाग के छात्राध्यापक व छात्राध्यापिकाएं उपस्थित रहे।

इतिहास विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

25 सितम्बर को इतिहास विभाग में दीनदयाल उपाध्याय जयन्ती के अवसर पर ''दीनदयाल उपाध्याय एवं एकात्म मानववाद'' विषय पर माधव प्रसाद त्रिपाठी राजकीय महिला महाविद्यालय सन्त कबीर नगर के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. विद्याधर मिश्र ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में प्रस्ताविकी इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह ने रखी।

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. विद्याधर मिश्र

ईश्वरचन्द्र विद्यासागर जयन्ती

26 सितम्बर को प्रार्थना सभा में ''ईश्वरचन्द्र विद्यासागर जयन्ती'' के अवसर पर गणित विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री श्रीकान्त मणि त्रिपाठी ने विचार प्रस्तुत किये।

ईश्वरचन्द्र विद्यासागर के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते श्री श्रीकान्त मणि त्रिपाठी

राजा राममोहन राय पुण्य तिथि एवं सरदार भगत सिंह जयन्ती

27 सितम्बर को प्रार्थना सभा में राजा राममोहन राय की पुण्य तिथि एवं सरदार भगत सिंह जयन्ती 28 सितम्बर के पूर्व दिवस पर बी.एड्. विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री नवनीत कुमार सिंह ने इन महापुरुषों के योगदान विषय पर विचार प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

राजा राममोहन राय एवं सरदार भगत सिंह को श्रद्धासुमन अर्पित करते श्री नवनीत कुमार सिंह

महाविद्यालय की त्रैमासिक समीक्षा बैठक

त्रैमासिक समीक्षा बैठक

30 सितम्बर को त्रैमासिक समीक्षा बैठक प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुयी। बैठक में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय कार्य परिषद् के सदस्य तथा वरिष्ठ अधिवक्ता श्री प्रमथनाथ मिश्र की गरिमामयी उपस्थिति में पाठ्यक्रम योजनानुसार कक्षाध्यापन, शिक्षण पद्धति में नये प्रयोग सहित महाविद्यालय में समस्त लागू योजनाओं की समीक्षा कर आगामी त्रैमासिक योजना निर्धारित की गई।

योगाभ्यास करते बी.एड्. विभाग के विद्यार्थी एवं शिक्षकगण

बी.एड्. विभाग में योग प्रशिक्षण

21 सितम्बर को बी.एड. विभाग द्वारा योग-प्राणायाम प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिसमें योग प्रशिक्षक सुश्री नेहा पटेल, श्री श्री स्कूल ऑफ योग, बंगलुरु द्वारा प्राणायाम, अनुलोम विलोम, कपालभाती, ताड़ासन, भुजंगासन, पवन मुक्तासन, सूर्य नमस्कार, मकरासन सहित विविध योग का प्रशिक्षण दिया गया।

एनी बेसेन्ट जयन्ती

एनी बेसेन्ट के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालती श्रीमती विभा सिंह

01 अक्टूबर को प्रार्थना सभा में एनी बेसेन्ट जयन्ती के अवसर पर बी.एड्. विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर श्रीमती विभा सिंह ने एनी बेसेन्ट के व्यक्तित्व पर अपना विचार प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया। इस अवसर पर बी.एड्. विभाग की अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने अध्यक्षीय उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की प्रस्ताविकी वाणिज्य विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री नन्दन शर्मा द्वारा रखी गयी, जबकि संचालन बी.एड्. विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर श्रीमती साधना सिंह ने किया।

महात्मा गाँधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती के अवसर पर ग्रामीण नौनिहालों के संग महाविद्यालय के विद्यार्थी

महात्मा गाँधी जयन्ती व लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती

02 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के 150वीं जयन्ती एवं भारत के पूर्व यशस्वी प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की 116वीं जयन्ती के अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव द्वारा ध्वजारोहण किया गया। तत्पश्चात राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत के उपरान्त महाविद्यालय के बीस विभाग के गोद लिए लगभग 700 विद्यार्थियों ने अपने-अपने विभाग के कुल अठ्ठारह अधिग्रहित गाँव में 'प्लास्टिक मुक्त भारत' जन जागरण अभियान के अन्तर्गत ग्रामवासियों को सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग न करने हेतु जागरूक किया।

प्लास्टिक मुक्त भारत विषयक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत करते महाविद्यालय के विद्यार्थी

गृह विज्ञान विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

04 अक्टूबर को गृह विज्ञान विभाग द्वारा 'बालकों में सामाजिक विकास' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में चन्द्रकान्ति रमावती देवी आर्य महिला पी.जी. कॉलेज की असिस्टेंट प्रोफेसर सुश्री पूजा गुप्ता ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन गृह विज्ञान विभाग की प्रभारी श्रीमती किरन सिंह ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करतीं सुश्री पूजा गुप्ता

कर्मचारी संघ चुनाव

04 अक्टूबर को कर्मचारी संघ चुनाव सम्पन्न हुआ। कर्मचारी संघ चुनाव में अध्यक्ष पद के प्रत्याशी श्री विश्वनाथ ने अपने निकटतम् प्रतिद्वन्दी श्री राजेश कुमार को पराजित किया। उपाध्यक्ष पद पर श्री झब्बर शर्मा, महामंत्री पद पर श्री आशीष यादव एवं कोषाध्यक्ष पद पर श्री सत्यम दीक्षित निर्विरोध चयनित किये गये। प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव एवं चुनाव अधिकारी डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय ने विजयी पदाधिकारियों को बधाई दी।

कर्मचारी संघ चुनाव में नव निर्वाचित पदाधिकारीगण

राजनीतिशास्त्र विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

विशिष्ट व्याख्यान में व्याख्यान प्रस्तुत करते प्रो. तेज प्रताप सिंह

14 अक्टूबर को राजनीतिशास्त्र विभाग में ''राजनीतिशास्त्र विषय की उपादेयता'' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के राजनीतिशास्त्र विभाग के आचार्य प्रो. तेज प्रताप सिंह ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन राजनीतिशास्त्र विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. कृष्ण कुमार पाठक तथा आभार ज्ञापन राजनीतिशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने किया।

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जयन्ती

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम को श्रद्धा सुमन अर्पित करते डॉ. विजय कुमार चौधरी

15 अक्टूबर को प्रार्थना सभा में डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की जयन्ती के अवसर पर भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी ने व्याख्यान प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

समाजशास्त्र विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करते श्री दीपेन्द्र मोहन सिंह

15 अक्टूबर को समाजशास्त्र विभाग द्वारा ''सामाजिक अर्थव्यवस्था'' विषय पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान में मुख्य अतिथि के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के समाजशास्त्र विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर दीपेन्द्र मोहन सिंह ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन श्री बृजभूषण लाल तथा आभार ज्ञापन डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने किया।

बी.एड्. विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय

15 अक्टूबर को बी. एड्. विभाग द्वारा ''बालकों के सामाजीकरण का विकास'' विषय पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने अपना

विचार प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन बी.एड्. विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर श्रीमती विभा सिंह तथा आभार ज्ञापन डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने किया।

शिक्षाशास्त्र विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

विशिष्ट व्याख्यान में मंचस्थ अतिथि एवं विभागीय शिक्षक

15 अक्टूबर को शिक्षाशास्त्र, विभाग में ''उच्च शिक्षा का आयाम'' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के सतत् शिक्षा विभाग के सेवानिवृत प्रो. (डॉ.) ओ.पी.एम. त्रिपाठी ने बतौर मुख्य वक्ता अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। अध्यक्षता श्रीमती पुष्पा निषाद ने किया। कार्यक्रम का संचालन बी. एड्. विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर श्रीमती साधना सिंह तथा आभार बी.एड्. विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री नवनीत कुमार सिंह ने ज्ञापित किया।

राजनीतिशास्त्र विभाग में आडियो-विडियो माध्यम से कार्यशाला

कार्यशाला में उपस्थित प्राध्यापक एवं विद्यार्थी

16 अक्टूबर को राजनीतिशास्त्र विभाग में आडियो-विडियो माध्यम से 'भारतीय संविधान सभा में विचार-विमर्श एवं वाद-विवाद' विषय पर राजनीतिशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। विषय की प्रस्ताविकी डॉ. कृष्ण कुमार पाठक ने प्रस्तुत की तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. यशवन्त कुमार राव ने की।

वाणिज्य विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. बृजेश कुमार

17 अक्टूबर को वाणिज्य विभाग द्वारा ''आय की आधारभूत अवधारणाएं'' विषय पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज, गोरखपुर के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. बृजेश कुमार ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। व्याख्यान कार्यक्रम में विषय की प्रस्तावना डॉ. सुभाष कुमार गुप्ता ने प्रस्तुत की तथा अध्यक्षीय उद्बोधन वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार शुक्ला ने दिया।

वाणिज्य विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

18 अक्टूबर को वाणिज्य विभाग द्वारा ''भूमण्डलीकरण का जीवन शैली पर प्रभाव'' विषय पर विशिष्ट

व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में दिग्विजयनाथ पी. जी. कॉलेज, गोरखपुर के वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष डॉ. नीरज कुमार सिंह ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष डॉ. राजेश शुक्ला ने की तथा संचालन डॉ. सुभाष कुमार गुप्ता ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान में अपना उद्‌बोधन देते डॉ. नीरज कुमार सिंह

कैरम प्रतियोगिता

19 अक्टूबर को क्रीड़ा विभाग द्वारा महंत दिग्विजयनाथ स्मृति कैरम प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्‌घाटन वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष डॉ. राजेश शुक्ल ने किया। प्रतियोगिता में कुल 16 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। छात्र वर्ग में सतीश वर्मा (बी.कॉम. भाग-एक) विजेता तथा अनमोल खरवार (बी.एस-सी. भाग-दो) उपविजेता रहे। छात्रा वर्ग में आंशिका चौहान (बी.ए. भाग-दो) विजेता तथा वंदना पाल (बी.ए. भाग-तीन) उपविजेता रहीं। क्रीड़ा प्रभारी डॉ. यशवन्त कुमार राव ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी।

कैरम प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते प्रतिभागी

राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित एकदिवसीय कार्यशाला

19 अक्टूबर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में 'सिंगल यूज प्लास्टिक एवं पर्यावरणीय संकट' विषय पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने अपना विचार प्रस्तुत किया। भूगोल विभाग के प्रवक्ता डॉ. अजय प्रताप निषाद ने स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं को सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह ने किया।

कार्यशाला में अपना विचार व्यक्त करते प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव

अतुल माहेश्वरी छात्रवृत्ति परीक्षा

20 अक्टूबर को अमर उजाला फाउंडेशन की ओर से अतुल माहेश्वरी छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन किया गया। परीक्षा में कुल 1255 अभ्यर्थी सम्मिलित हुए। इस परीक्षा में बी. एड्. विभाग के विद्यार्थी तथा महाविद्यालय के शिक्षकों ने सहयोग किया।

अतुल माहेश्वरी छात्रवृत्ति परीक्षा में सम्मिलित गोरखपुर मण्डल के विद्यार्थी

शिक्षक अभिभावक सम्मेलन

शिक्षक अभिभावक सम्मेलन में मंचस्थ अभिभावक संघ के पदाधिकारीगण

20 अक्टूबर को प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव की अध्यक्षता में विज्ञान संकाय का शिक्षक अभिभावक सम्मेलन आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में योगवाणी के सम्पादक डॉ. फूलचन्द गुप्त ने कार्यक्रम में अपना विचार प्रस्तुत किया। सम्मेलन में शिक्षक-अभिभावक संघ के अध्यक्ष श्री विपिन यादव, उपाध्यक्ष श्री अमन चौहान, महामंत्री श्री इंद्रजीत दूबे सहित अभिभावकों नें अपने-अपने सुझाव दिये। शिक्षक अभिभावक संघ के सचिव एवं संयोजक श्री संजय जायसवाल ने अभिभावकों के प्रति आभार ज्ञापन किया तथा संचालन रसायन विज्ञान विभाग के प्रवक्ता श्री प्रदीप वर्मा ने किया।

आज़ाद हिन्द फौज स्थापना दिवस

आज़ाद हिन्द फौज स्थापना विषय पर व्याख्यान

21 अक्टूबर को प्रार्थना सभा में आजाद हिन्द फौज स्थापना दिवस के अवसर पर बी.एड्. विभाग के प्रवक्ता श्री जितेन्द्र प्रजापति, डॉ. नीलम गुप्ता, श्री नवनीत कुमार एवं सुश्री श्वेता चौबे ने व्याख्यान प्रस्तुत किया।

इतिहास विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. संजय श्रीवास्तव

21 अक्टूबर को इतिहास विभाग में आजाद हिन्द फौज के गठन के 76 वें वर्षगाँठ के अवसर पर ''भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन में सुभाषचन्द्र बोस तथा आजाद हिन्द फौज का योगदान'' विषय पर डी.ए.वी. कॉलेज गोरखपुर के एसोसिएट प्रो. डॉ. संजय श्रीवास्तव ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन श्री जितेन्द्र प्रजापति तथा आभार ज्ञापन इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह ने किया।

'पढ़ो गोरखपुर' कार्यक्रम

'पढ़ो गोरखपुर' कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक एवं विद्यार्थी

22 अक्टूबर को महाविद्यालय में 'पढ़ो गोरखपुर' कार्यक्रम के अन्तर्गत विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने पुस्तकों के माध्यम से स्वाध्याय के साथ-साथ समूह परिचर्चा में सहभाग किया।

अशफाक उल्ला खाँ जयन्ती

22 अक्टूबर को प्रार्थना सभा में अशफाक उल्ला खाँ जयन्ती के अवसर पर आयोजित व्याख्यान कार्यक्रम में भूगोल विभाग के प्रवक्ता डॉ. अजय प्रताप निषाद ने अशफाक उल्ला खाँ के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

अशफाक उल्ला खाँ के व्यक्तित्व को रेखांकित करते डॉ. अजय प्रताप निषाद

निबन्ध प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थीगण

अंग्रेजी विभाग में निबंध प्रतियोगिता

22 अक्टूबर को अंग्रेजी विभाग में 'ब्रेन ड्रेन' विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 60 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। निबन्ध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर आदित्य प्रताप सिंह (बी.ए. भाग-दो), द्वितीय स्थान पर संयुक्त रूप से सर्वेश्वर कांत चन्द्रा एवं प्रियंका श्रीवास्तव (बी.ए. भाग-दो) तथा तृतीय स्थान पर विमलेन्दु (बी.ए. भाग-एक) रहे। सभी प्रतिभागियों को अंग्रेजी विभाग की प्रभारी श्रीमती कविता मन्ध्यान ने शुभकामनाएं दीं। तत्पश्चात् विजित प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

संयुक्त राष्ट्रसंघ स्थापना दिवस

23 अक्टूबर को प्रार्थना सभा में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में संयुक्त राष्ट्रसंघ स्थापना दिवस के पूर्व दिवस पर राजनीतिशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने 'वर्तमान परिवेश में संयुक्त राष्ट्र की उपादेयता' विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. विजय कुमार चौधरी ने की

संयुक्त राष्ट्रसंघ स्थापना दिवस के विषय में बोलते डॉ. अविनाश प्रताप सिंह

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करते श्री रोशन कुमार

रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

23 अक्टूबर को रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा संयुक्त राष्ट्रसंघ स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया।

मुख्य वक्ता के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के शोध अध्येता श्री रोशन कुमार ने अपना विचार प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में आभार ज्ञापन रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के प्रभारी डॉ. अभिषेक सिंह तथा संचालन श्री रमाकान्त दूबे ने किया।

होमी जहाँगीर भाभा जयन्ती

30 अक्टूबर को प्रार्थना सभा में होमी जहागीर भाभा जयन्ती के अवसर पर भौतिक विज्ञान विभाग के प्रवक्ता डॉ. शैलेन्द्र ठाकुर ने होमी जहाँगीर भाभा के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

होमी जहाँगीर भाभा को श्रद्धा सुमन अर्पित करते डॉ. शैलेन्द्र ठाकुर

सरदार बल्लभ भाई पटेल जयन्ती एवं इन्दिरा गाँधी पुण्यतिथि

31 अक्टूबर को भारतीय इतिहास में लौह पुरूष के नाम से विख्यात सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयन्ती एवं इन्दिरा गाँधी की पुण्यतिथि के अवसर पर डॉ. नवनीत ने व्याख्यान प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से दोनों के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित किया।

सरदार बल्लभ भाई पटेल और इन्दिरा गाँधी को श्रद्धा सुमन अर्पित करते डॉ. नवनीत

राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में विशिष्ट व्याख्यान

31 अक्टूबर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में 'रक्तदान महादान' विषय पर गुरु गोरक्षनाथ चिकित्सालय के ब्लड बैंक के प्रभारी एवं चिकित्सक डॉ. अवधेश अग्रवाल ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव तथा संचालन डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. अवधेश अग्रवाल

हिन्दी विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

31 अक्टूबर को हिन्दी विभाग द्वारा 'हिन्दी की ध्वनियाँ एवं उच्चारण स्थान' विषय पर आयोजित

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. विजय आनन्द मिश्र

विशिष्ट व्याख्यान में जवाहर स्मारक पी.जी. कॉलेज, महाराजगंज के सहायक आचार्य डॉ. विजय आनन्द मिश्र ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की प्रस्ताविकी हिन्दी विभाग की प्रवक्ता डॉ. शुधा शुक्ला तथा आभार ज्ञापन हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. आरती सिंह ने किया।

बी.एड्. विभाग में निबन्ध प्रतियोगिता

31 अक्टूबर को सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयन्ती के अवसर पर बी.एड्. विभाग द्वारा 'राष्ट्रीय एकता विषय' पर आयोजित निबन्ध प्रतियोगिता में कुल 40 छात्राध्यापक एवं छात्राध्यापिकाओं ने प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर बी.एड्. प्रथम वर्ष के माधवेन्द्र त्रिपाठी, द्वितीय स्थान पर बी. एड्. अन्तिम वर्ष के अविनाश कुमार शर्मा एवं तृतीय स्थान पर बी.एड्. प्रथम वर्ष की हर्षा गुप्ता रहीं।

निबन्ध प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते बी.एड्. विभाग के विद्यार्थी

शिक्षक-प्राचार्य बैठक

31 अक्टूबर को शिक्षक-प्राचार्य बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव की अध्यक्षता में कार्य-योजना की मासिक समीक्षा के साथ दायित्व प्रभार, पठन-पाठन, सामूहिक व्यक्तित्व विकास योजना विषय पर शिक्षकों के साथ चर्चा की गई।

शिक्षक-प्राचार्य बैठक में उपस्थित प्राचार्य एवं शिक्षकगण

पॉपुलर लेक्चर सीरीज का आयोजन

शिक्षकों के व्यक्तित्व विकास योजना के क्रम में वर्तमान सत्र में एक नया प्रयोग आरम्भ किया गयां प्रयोग के तहत सातवीं घंटी में एक शिक्षक का पापुलर लेक्चर (शोधपूर्ण व्याख्यान) निर्धारित किया गया। प्राचार्य-शिक्षकों की उपस्थिति में यह व्याख्यान कार्यक्रम शिक्षकों के व्यक्तित्व विकास एवं अकादमिक उन्नति में सहयोगी बना। इस सत्र में कुछ प्रमुख शिक्षकों का व्याख्यान हुआ जिनका विवरण अग्रलिखित है:-

व्याख्यान प्रस्तुत करते श्री गौरव तिवारी

16 अक्टूबर को रक्षाअध्ययन विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री रमाकांत दूबे ने 'मिलिट्राइजेशन ऑफ इण्डियन ओशियन' विषय पर पॉवर प्वाइंट के माध्यम से अपना शोधपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया।

व्याख्यान प्रस्तुत करते श्री विनय कुमार सिंह

व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. राजेश शुक्ल

व्याख्यान प्रस्तुत करते श्रीमती साधना सिंह

23 अक्टूबर को वनस्पति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव ने 'नो द प्लान्ट ऑफ कॉलेज' विषय पर पॉवर प्वाइंट के माध्यम से अपना शोधपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया।

15 अक्टूबर को 'केमिकल इन वॉटर प्यूरिफिकेशन' विषय पर पॉपुलर लेक्चर के अन्तर्गत रसायन विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री गौरव तिवारी ने पॉवर प्वाइंट के माध्यम से अपना शोधपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया।

व्याख्यान प्रस्तुत करते श्री रमाकान्त दूबे

17 अक्टूबर को प्राणि विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री विनय कुमार सिंह ने 'कार्डियो वैस्कुलर सिस्टम इन ह्यूमन बॉडी' विषय पर पॉवर प्वाइंट के माध्यम से अपना शोधपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया।

21 अक्टूबर को वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष डॉ. राजेश शुक्ला ने 'सीखना' विषय पर पॉवर प्वाइंट के माध्यम से अपना शोधपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया।

22 अक्टूबर को बी.एड्. विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर श्रीमती साधना सिंह ने 'उच्च शिक्षा की चुनौतियाँ एवं समाधान' विषय पर पॉवर प्वाइंट के माध्यम से अपना शोधपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया।

व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव

महाविद्यालय में रक्तदान शिविर कार्यक्रम

25 अक्टूबर एवं 01 नवम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। गुरु श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय को महाविद्यालय का यह वचन है कि उसे जब और जितने रक्त की आवश्यकता होगी, महाविद्यालय उसकी आपूर्ति करेगा। 25 अक्टूबर को देश जब धनतेरस को उत्सव मना रहा था, गोरखपुर में डेंगू के प्रकोप से ब्लड बैंकों में खून की कमी हो गयी। गुरु श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय ब्लड बैंक में एकाएक खून एवं प्लेटलेट्स की कमी पर 25 अक्टूबर धनतेरस पर्व के दिन महाविद्यालय के 15 शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने गुरु श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय के ब्लड बैंक में रक्तदान किया। दीपावली अवकाश तुरन्त बाद पुनः डेंगू के मरीजों की संख्या में वृद्धि होने के कारण चिकित्सालय द्वारा महाविद्यालय से रक्तदान का आग्रह किया गया। इस बार 01 नवम्बर गुरु गोविन्द सिंह की पुण्यतिथि पर महाविद्यालय ने शिविर लगाकर स्वैच्छिक रक्तदान का आग्रह महाविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों से किया। परिणामस्वरूप महाविद्यालय से 101 शिक्षक, विद्यार्थी तथा कर्मचारियों ने रक्तदान किया। बावजूद इसके स्वेच्छा से रक्तदान करने वाले शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में रक्तदान हेतु तैयार थे। इस कार्यक्रम में डॉ. अभिषेक सिंह, डॉ. सुबोध कुमार मिश्र, डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र, डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, डॉ. सौरभ सिंह, श्री रविप्रताप नागवंशी, श्री सर्वेश्वर कान्त चन्द्रा, सत्यप्रकाश तिवारी ने विशेष सहयोग दिया।

रक्तदान शिविर में रक्तदान करता विद्यार्थी

गुरु गोविन्द सिंह पुण्यतिथि

गुरु गोविन्द सिंह के व्यक्तित्व को रेखांकित करते श्री विरेन्द्र तिवारी

01 नवम्बर को प्रार्थना सभा में गुरु गोविन्द सिंह पुण्यतिथि के अवसर पर कम्प्यूटर सांइस विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री विरेन्द्र तिवारी ने गुरू गोविन्द सिंह के बलिदान के विषय में विचार प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजनीतिशास्त्र विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. यशवन्त कुमार राव ने की जबकि संचालन रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री रमाकान्त दूबे ने किया। इस अवसर पर बी.एड्. विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर सुश्री रचना सिंह एवं रसायन विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री गौरव तिवारी ने भी अपने विचारों से गुरू गोविन्द सिंह जी को श्रद्धासुमन अर्पित किये।

वासुदेव बलवन्त फड़के जयन्ती

वासुदेव बलवन्त फड़के के व्यक्तित्व को रेखांकित करती श्रीमती प्रियंका मिश्रा

04 नवम्बर को प्रार्थना सभा में वासुदेव बलवन्त फड़के जयन्ती के अवसर पर रसायनशास्त्र विभाग की प्रवक्ता श्रीमती प्रियंका मिश्र ने वासुदेव बलवन्त फड़के के व्यक्तित्व पर विचार प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया। कार्यक्रम का संचालन बी.एड्. अंतिम वर्ष के छात्राध्यापक श्री सिद्धार्थ शुकल ने किया।

मनोविज्ञान विभाग में एकदिवसीय कार्यशाला

एकदिवसीय कार्यशाला में व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. सुनील कुमार मिश्र

4 नवम्बर को मनोविज्ञान विभाग द्वारा 'संस्कृति और व्यवहार' विषय पर आयोजित एकदिवसीय कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रुप में बलिराम भगत महाविद्यालय समस्तीपुर (बिहार) के मनोविज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सुनील कुमार मिश्र ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यशाला की अध्यक्षता डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र तथा संचालन मनोविज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय ने किया।

बी.एड्. विभाग में शैक्षिक प्रदर्शनी

07 नवम्बर को बी.एड्. विभाग द्वारा शैक्षिक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन प्रो. सुषमा पाण्डेय, शिक्षाशास्त्र विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर द्वारा किया गया। प्रदर्शनी में अम्लीय वर्षा, चन्द्रयान-02, प्लास्टिक मुक्त पर्यावरण, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, बालश्रम आदि विषयों पर चार्ट एवं मॉडल प्रस्तुत किया गया। प्रदर्शनी का अवलोकन महाराणा प्रताप बालिका विद्यालय की प्राधानाचार्य सुश्री कृष्णा चटर्जी द्वारा भी किया गया। शैक्षिक प्रदर्शनी का संयोजन सुश्री दीप्ति गुप्ता तथा सहसंयोजन श्रीमती विभा सिंह ने किया।

शैक्षिक प्रदर्शनी में विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत मॉडल का निरीक्षण प्रो. सुषमा पाण्डेय

शैक्षिक प्रदर्शनी में प्रस्तुत मॉडल का निरीक्षण करतीं सुश्री कृष्णा चटर्जी

विपिन चन्द्र पाल, डॉ. सी.वी. रमन व कालिदास जयन्ती

07 नवम्बर को प्रार्थना सभा में विपिन चन्द्र पाल, डॉ. सी.वी. रमन व कालिदास जयन्ती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भौतिक विज्ञान विभाग की प्रभारी श्रीमती मनीता सिंह ने उपरोक्त महापुरुषों के जीवनवृत्त एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए युवाओं से उनसे प्रेरणा ग्रहण करने का आह्वान किया तथा महाविद्यालय परिवार की ओर से तीनों महापुरुषों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

विपिन चन्द्र पाल, डॉ. सी.वी. रमन व कालिदास को श्रद्धा सुमन अर्पित करतीं श्रीमती मनीता सिंह

समाजशास्त्र विभाग में अतिथि व्याख्यान

7 नवम्बर को समाजशास्त्र विभाग में 'सामाजिक पारिस्थितिकी' विषय पर आयोजित अतिथि व्याख्यान में नेशनल पी.जी. कॉलेज, बड़हलगंज के समाजशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मनीष कुमार पाण्डेय ने उद्बोधन दिया। कार्यक्रम का संचालन समाजशास्त्र विभाग के प्रवक्ता श्री बृजभूषण लाल तथा आाभार ज्ञापन समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने किया।

व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. मनीष कुमार पाण्डेय

सामूहिक व्यक्तित्व विकास कार्यशाला

सामूहिक व्यक्तित्व विकास कार्यशाला में मंचस्थ शिक्षकगण

08 नवम्बर को प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव की अध्यक्षता में महाविद्यालय के शिक्षकों द्वारा गोद लिए गये विद्यार्थियों के सामूहिक व्यक्तित्व विकास योजना कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में सामूहिक व्यक्तित्व विकास योजना की परिकल्पना से परिणाम तक की अवधारणा पर शिक्षकों तथा समबन्धित लगभग 250 विद्यार्थियों के बीच चर्चा-परिचर्चा की गयी। कार्यशाला में समस्त शिक्षक व उनके गोद लिए गये विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मिशन मंझरिया के अन्तर्गत पौधारोपण

मंझरिया गाँव की गृह स्वामियों को मौलश्री का पौधा देते प्रो. दिनेश कुमार सिंह

मिशन मंझरिया के अन्तर्गत बी.एड्. विभाग के सहयोग से 14 नवम्बर को पौधारोपण कार्यक्रम में दीनदयाल उपाधयाय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्राणि विज्ञान विभाग के पूर्व अध्यक्ष एवं प्रतिष्ठित वैज्ञानिक प्रो. दिनेश कुमार सिंह द्वारा गाँव के गृहस्वामियों को 101 मौलश्री के पौधे दिये गये। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव, बी.एड्. विभाग के शिक्षक तथा छात्राध्यापक व छात्राध्यापिकाएँ उपस्थित रहे।

मिशन मंझरिया के अन्तर्गत स्वास्थ्य शिविर

स्वास्थ्य शिविर में मंझरिया गाँव के ग्रामवासियों का परीक्षण

बी.एड्. विभाग द्वारा जारी मिशन मंझरिया में 14 नवम्बर को अमर उजाला के सहयोग से स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में सामुदायिक केन्द्र चरगाँवा के प्रभारी चिकित्सक डॉ. अमरनाथ तिवारी और फार्मासिस्ट डॉ. मनीष कुमार अग्रहरी ने ग्रामवासियों के स्वास्थ्य का परीक्षण किया। इस कार्य में महाविद्यालय के बी.एड्. विभाग के शिक्षकों के नेतृत्व में बी.एड्. प्रथम व द्वितीय वर्ष के छात्राध्यापक व छात्राध्यापिकाओं ने सहयोग किया।

आचार्य विनोबा भावे जयन्ती

आचार्य विनोबा भावे को श्रद्धा सुमन अर्पित करतीं सुश्री आम्रपाली वर्मा

15 नवम्बर को प्रार्थना सभा में आचार्य विनोबा भावे की जयन्ती के अवसर पर वनस्पति विज्ञान विभाग

की प्रवक्ता सुश्री आम्रपाली वर्मा ने विचार प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया।

रसायन विज्ञान विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

16 नवम्बर को रसायन विज्ञान विभाग में 'नैनो में सिमटती दुनियाँ' विषय पर आयोजित व्याख्यान में सेन्ट ऐण्ड्रयूज कॉलेज गोरखपुर के एसोसिएट प्रो. डॉ. राशिद तनवीर ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रामसहाय तथा आभार ज्ञापन रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. शिव कुमार बर्नवाल ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. राशिद तनवीर

लाला लाजपत राय बलिदान दिवस एवं प्रेस दिवस

16 नवम्बर को प्रार्थना सभा में लाला लाजपत राय बलिदान दिवस एवं प्रेस दिवस के पूर्व दिवस पर आयोजित व्याख्यान में प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने उद्‌बोधन प्रस्तुत किया।

लाला लाजपत राय बलिदान दिवस एवं प्रेस दिवस पर व्याख्यान प्रस्तुत प्राचार्य

कार्यशाला को सम्बोधित करते श्री विनय कुमार सिंह

एक दिवसीय कार्यशाला

17 नवम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना के हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई तत्वावधान में 'सामाजिक समरसता एवं संविधान' विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में प्राणि विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री विनय कुमार सिंह ने अपना विचार प्रस्तुत किया। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह सहित स्वयंसेवक तथा स्वयंसेविकाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती किरन सिंह ने किया।

भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग करता महाविद्यालय का छात्र

भाषण प्रतियोगिता

17 नवम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना के गुरु गोरखनाथ इकाई तत्वावधान में 'सामाजिक समरसता एवं संविधान' विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 20 स्वयंसेवक तथा

स्वयंसेविकाओं ने प्रतिभाग किया जिसमें प्रथम स्थान प्रकाश पाण्डेय (बी.ए. भाग–दो), द्वितीय स्थान सर्वेश्वर कान्त चन्द्रा (बी.ए. भाग–दो), तृतीय स्थान संयुक्त रूप से दीपचन्द (बी.ए. भाग–एक) तथा रितेश कुमार (बी.कॉम. भाग–दो) एवं सांत्वना पुरस्कार सत्य प्रकाश तिवारी (बी.ए. भाग–दो) ने प्राप्त किया। सभी प्रतिभागियों को कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह तथा श्रीमती किरन सिंह ने शुभकामना दी।

महाविद्यालय के वार्षिक महोत्सव के अन्तर्गत आयोजित कार्यक्रम (18–25 नवम्बर)

वार्षिक महोत्सव का उद्घाटन

उद्घाटन समारोह

महाविद्यालय में प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी 18 से 23 नवम्बर तक महाविद्यालय का वार्षिक महोत्सव कार्यक्रम मनाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन 18 नवम्बर को प्रार्थना सभा में हुआ। 18–25 नवम्बर तक चलने वाले इस वार्षिक महोत्सव कार्यक्रम के अन्तर्गत विविध प्रकार की शैक्षिक एवं खेलकूद से सम्बन्धित प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

अंग्रेजी विभाग में अतिथि व्याख्यान

मुख्य अतिथि डॉ. अनुग्रह तिवारी को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित करतीं श्रीमती कविता मन्ध्यान

18 नवम्बर को अंग्रेजी विभाग में 'ओरिजिन ऑफ ड्रामा' विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. अनुग्रह तिवारी, एसोसिएट प्रोफेसर. सेण्ट एण्ड्रयूज डिग्री कॉलेज, गोरखपुर ने इस विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का संचालन बी.ए. भाग–दो के छात्र सर्वेश्वर कान्त चन्द्रा तथा अध्यक्षता अंग्रेजी विभाग की प्रभारी श्रीमती कविता मध्यान ने किया।

व्याख्यान प्रतियोगिता में प्रतिभाग करता विद्यार्थी

शिक्षाशास्त्र विभाग में व्याख्यान प्रतियोगिता

18 नवम्बर को शिक्षाशास्त्र विभाग में आयोजित व्याख्यान प्रतियोगिता में बी.ए. भाग–एक व भाग–दो के विद्यार्थियों ने वुड का घोषणा पत्र, शिक्षा में समाज की भूमिका, विद्यालय की भूमिका आदि विषयों पर व्याख्यान दिया। प्रतियोगिता में भाग–एक से अभिषेक सिंह ने प्रथम स्थान, मुस्कान सिंह ने द्वितीय स्थान तथा सपना मिश्रा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। भाग–दो से विकास चौधरी ने प्रथम स्थान, चाँदनी प्रजापति ने द्वितीय स्थान तथा आदित्य भारती तथा श्वेता प्रजापति ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। निर्णायक मण्डल में बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर सुश्री रचना सिंह तथा श्री नवनीत सिंह रहे। प्रतियोगिता में कुल 47 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

भूगोल विभाग में एक दिवसीय कार्यशाला

डॉ. प्रमोद कुमार को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित करते डॉ. प्रवीन्द्र कुमार शाही

18 नवम्बर को भूगोल विभाग में 'बढ़ती जनसंख्या का संसाधनों पर दबाव और पर्यावरण' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में बापू पी.जी. कॉलेज, पीपीगंज, गोरखपुर के भूगोल विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. प्रमोद कुमार ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन भूगोल विभाग के प्रवक्ता डॉ. अजय कुमार निषाद तथा आभार ज्ञापन डॉ. प्रवीन्द्र कुमार शाही ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी ने की।

हिन्दी भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती छात्रा

हिन्दी भाषण प्रतियोगिता

18 नवम्बर को ''तीन तलाक से अभिशप्त नारी, मोदी युग में मुक्त'' विषय पर हिन्दी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 35 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया, जिसमें श्री सत्यप्रकाश तिवारी (बी.ए. भाग-दो) ने प्रथम स्थान, प्रकाश पाण्डेय (बी.ए. भाग-दो) ने द्वितीय स्थान श्री माधवेन्द्र पति त्रिपाठी (बी.एड्. प्रथम वर्ष) ने तृतीय स्थान तथा सांत्वना पुरस्कार कुंवर शिवम सिंह (बी. एस-सी. भाग-एक) ने प्राप्त किया। निर्णायक मण्डल में डॉ. आरती सिंह, डॉ. सुधा शुक्ला तथा डॉ. अनुभा श्रीवास्तव रहीं।

मेंहदी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करतीं महाविद्यालय की छात्रायें

मेंहदी प्रतियोगिता

18 नवम्बर को मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 25 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पूजा सिंह (बी.एड्. प्रथम वर्ष), द्वितीय स्थान अम्बिका शर्मा (बी.एड्. प्रथम वर्ष) तथा तृतीय स्थान राखी रानी (बी. एड्. प्रथम वर्ष) ने प्राप्त किया। प्रतियोगिता का संयोजन बी.एड् विभाग की प्रवक्ता सुश्री दीप्ति गुप्ता, सुश्री रचना सिंह तथा श्रीमती विभा सिंह ने किया।

गायन प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती महाविद्यालय की छात्रा

गायन प्रतियोगिता

18 नवम्बर को गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें 38 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान चन्दन तिवारी (बी.ए.भाग-एक), द्वितीय स्थान अर्पिता त्रिपाठी (बी.ए. भाग-एक) तथा तृतीय स्थान शशिकला पटेल (बी.एड्. प्रथम वर्ष) ने प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में वाणिज्य विभाग के प्रवक्ता डॉ. सुभाष कुमार गुप्ता तथा डॉ. राहुल मिश्रा रहे। कार्यक्रम का संयोजन सुश्री दीप्ति गुप्ता तथा श्रीमती विभा सिंह ने किया।

गोरखवाणी प्रतियोगिता

19 नवम्बर को महाविद्यालय में आयोजित गोरखवाणी प्रतियोगिता में कुल 20 प्रतिभागियों ने गोरखवाणी सबरी का भावार्थ सहित वाचन किया। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान श्वेता गौड़ (बी.ए. भाग-एक), द्वितीय स्थान प्रकाश पाण्डेय (बी.ए. भाग-दो), तृतीय स्थान संयुक्त रूप से अर्पिता त्रिपाठी (बी.ए. भाग-एक) एवं चन्दन तिवारी (बी.ए. भाग-दो) और सांत्वना पुरस्कार ज्योत्सना डेविड (बी.ए. भाग-एक) को दिया गया। कार्यक्रम का संचालन और संयोजन सुश्री दीप्ति गुप्ता ने किया। निर्णायक मण्डल में श्री नवनीत कुमार सिंह, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव तथा श्रीमती विभा सिंह रहीं।

गोरखवाणी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती महाविद्यालय की छात्रा

आशु भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग करता महाविद्यालय का छात्र

आशु भाषण प्रतियोगिता

19 नवम्बर को महाविद्यालय में वार्षिक महोत्सव के अन्तर्गत आशु भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 30 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया, जिसमें प्रथम स्थान सत्य प्रकाश तिवारी (बी.ए. भाग-दो), द्वितीय स्थान सर्वेश्वर कांत चन्द्रा (बी.ए. भाग-दो) तथा तृतीय स्थान प्रकाश पाण्डेय (बी.ए. भाग-दो) को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन डॉ. कृष्ण कुमार पाठक ने किया। निर्णायक मण्डल में डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र, श्री सुबोध कुमार मिश्र एवं श्री संजय जायसवाल रहे।

महारानी लक्ष्मीबाई के व्यक्तित्व को रेखांकित करतीं डॉ. आरती सिंह

महारानी लक्ष्मीबाई जयन्ती

19 नवम्बर को महारानी लक्ष्मीबाई जयन्ती के अवसर पर प्रार्थना सभा में आयोजित कार्यक्रम में

'1857 ई. के भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में लक्ष्मीबाई का योगदान' विषय पर हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. आरती सिंह ने उद्‌बोधन प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से वीरांगना लक्ष्मीबाई को हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग करता महाविद्यालय का छात्र

अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता

20 नवम्बर को महाविद्यालय में वार्षिक महोत्सव के अन्तर्गत ''हिस्ट्री वॉज री-रिटेन बाइ मोदी गर्वनमेंट आफ्टर रेसिसन ऑफ आर्टिकल 370 एण्ड 35ए'' विषय पर अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 38 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया, जिसमें प्रथम स्थान प्रिया दूबे (बी.एस-सी. भाग-तीन), द्वितीय स्थान संदीप कुमार तिवारी (बी.एस-सी. भाग-तीन) एवं तृतीय स्थान सर्वेश्वर कान्त चन्द्रा (बी.ए. भाग-दो) ने प्राप्त किया। कार्यक्रम का संयोजन श्रीमती कविता मन्ध्यान ने किया। निर्णायक मण्डल में डॉ. अभय श्रीवास्तव, डॉ. कृष्ण कुमार एवं श्री नन्दन शर्मा रहे।

उदीयमान कवि गोष्ठी प्रतियोगिता

20 नवम्बर को महाविद्यालय में वार्षिक महोत्सव के अन्तर्गत उदीयमान कवि गोष्ठी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 28 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया, जिसमें प्रथम स्थान प्रकाश पाण्डेय (बी.ए. भाग-दो), द्वितीय स्थान माधवेन्द्र पति त्रिपाठी (बी.एड् प्रथम वर्ष) एवं तृतीय स्थान माधुरी उपाध्याय (बी.एस-सी. भाग-तीन) ने प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री दीप्ति गुप्ता ने किया तथा निर्णायक मण्डल में डॉ. आरती सिंह, श्रीमती पुष्पा निषाद और डॉ. राजेश शुक्ला रहे।

उदीयमान कवि गोष्ठी प्रतियोगिता में काव्य-पाठ करतीं महाविद्यालय की छात्रा

प्रश्न मंच प्रतियोगिता

20 नवम्बर को महाविद्यालय में वार्षिक महोत्सव के अन्तर्गत प्रश्नमंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में चार-चार विद्यार्थियों की कुल तेरह टीमों ने प्रतिभाग किया। जिसमें बी.ए.

प्रश्नमंच प्रतियोगिता में संयोजक दल के सदस्य तथा प्रतिभाग करते महाविद्यालय के विद्यार्थी

भाग-दो के सर्वेश्वर कान्त चन्द्रा, सत्यप्रकाश तिवारी, शरद दूबे एवं आलोक कुमार की टीम प्रथम स्थान पर, बी.एस-सी. भाग-तीन के विवेक कुमार कुशवाहा, सत्यप्रकाश पाठक, कृष्ण कुमार सिंह तथा संदीप कुमार तिवारी द्वितीय स्थान पर एवं सौरभ कुमार सिंह (बी. ए. भाग-तीन) विकास चौधरी (बी.ए. भाग-एक), निशा द्विवेदी (बी.ए. भाग-तीन) तथा अम्बुज पाण्डेय (बी.एस-सी. भाग-दो) तृतीय स्थान पर रही। कार्यक्रम के आयोजन समिति के सदस्य डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र, डॉ. अभिषेक सिंह एवं सुबोध कुमार मिश्र ने विजयी प्रतिभागियों को बधाई दी।

बी.एड्. विभाग में अतिथि व्याख्यान

20 नवम्बर को बी.एड्. विभाग द्वारा 'शिक्षा मनोविज्ञान में सांख्यिकी की प्रासंगिकता' विषय पर आयोजित अतिथि व्याख्यान में वाणिज्य विभाग के प्रवक्ता डॉ. सुभाष कुमार गुप्त ने उद्बोधन दिया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती साधना सिंह तथा आभार ज्ञापन श्री नवनीत सिंह ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. सुभाष कुमार गुप्त

कम्प्यूटर प्रश्न मंच प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते महाविद्यालय के विद्यार्थी

कम्प्यूटर प्रश्न मंच प्रतियोगिता

20 नवम्बर को वार्षिक महोत्सव के अन्तर्गत कम्प्यूटर प्रश्न मंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 57 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया जिसमें प्रथम स्थान प्रशांत राय (बी.एस-सी. भाग-तीन), द्वितीय स्थान अम्बुज पाण्डेय (बी.एस-सी. भाग-तीन), तृतीय स्थान सुमन्त (बी.एस-सी. भाग-तीन) तथा सांत्वना पुरस्कार सत्यम सिंह (बी. एस-सी. भाग-तीन) ने प्राप्त किया। प्रतियोगिता का संयोजन कम्प्यूटर साइंस विभाग के प्रभारी श्री विरेन्द्र तिवारी तथा प्रवक्ता श्री हरविन्द श्रीवास्तव ने किया।

'फूड विदाउट फायर' प्रतियोगिता

21 नवम्बर को 'फूड विदाउट फायर' प्रतियोगिता में 12 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। विद्यार्थियों को दो-दो टीमों में बांटा गया जिसमें प्रथम स्थान निष्ठा (एम.ए. प्रथम वर्ष) और राबिया (बी.

फूड विदाउट फायर प्रतियोगिता में निर्मित पकवानों का प्रस्तुतीकरण करती महाविद्यालय की छात्राएं

एड्. प्रथम वर्ष), द्वितीय स्थान शशि बाला और श्वेता (बी.एड्. प्रथम वर्ष) तथा तृतीय स्थान संयुक्त रूप से तुलसी और रितिमा एवं सीमा और साधना (बी.एड्. अन्तिम वर्ष) को प्राप्त हुआ। निर्णायक मण्डल में श्रीमती पुष्पा निषाद तथा श्रीमती साधना सिंह रहीं।

हस्तकला प्रतियोगिता

वार्षिक महोत्सव के अन्तर्गत हस्तकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता के अन्तर्गत हाथ से बने हुए वॉल हैंगिंग, पेन पॉट, आइसक्रीम स्टीक से बने मॉडलों का प्रदर्शन प्रतिभागियों द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान राबिया (बी. एड्. प्रथम वर्ष) द्वितीय स्थान निष्ठा (एम. ए. प्रथम वर्ष) और तृतीय स्थान सीमा (बी.एड्. अन्तिम वर्ष) को प्राप्त हुआ। निर्णायक मण्डल में श्रीमती कविता मन्ध्यान, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव तथा सुश्री रचना सिंह रही।

हस्तकला प्रतियोगिता में छात्राओं द्वारा हस्तनिर्मित मॉडलों का निरीक्षण करतीं महाविद्यालय की प्राध्यापिकाएं

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता

वार्षिक महोत्सव के अन्तर्गत 22 नवम्बर को सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 73 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। बी.ए. भाग-तीन के छात्र सौरभ ओझा प्रथम, बी. एड्. प्रथम वर्ष के छात्र माधवेन्द्र पति त्रिपाठी द्वितीय तथा बी.एड्. प्रथम वर्ष के छात्र देवेन्द्र कुमार और बी.ए. भाग-एक के छात्र अमीर कुमार यादव ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता का संयोजन डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र, डॉ. अभिषेक सिंह तथा श्री सुबोध कुमार मिश्र ने किया।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते महाविद्यालय के विद्यार्थी

हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता

वार्षिक महोत्सव के अन्तर्गत 22 नवम्बर को 'अनुच्छेद 370 की समाप्ति एवं जम्मू कश्मीर की वर्तमान स्थिति' विषय पर हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता आयोजित की गयी। इस प्रतियोगिता में कुल 42

हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते महाविद्यालय के विद्यार्थी

विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान माधवेन्द्र पति त्रिपाठी (बी.एड्. प्रथम वर्ष), द्वितीय स्थान अश्वनी कुमार (बी.एड्. प्रथम वर्ष) एवं तृतीय स्थान संयुक्त रूप से हर्षा गुप्ता व वंशिका तिवारी (बी.एड्. प्रथम वर्ष) ने प्राप्त किया। कार्यक्रम का संयोजन श्रीमती विभा सिंह ने किया।

वीरांगना झलकारी बाई जयंती

22 नवम्बर को प्रार्थना सभा में वीरांगना झलकारी बाई के जन्म दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में वाणिज्य विभाग के प्रवक्ता डॉ. सुभाष कुमार गुप्ता ने झलकारी बाई के बलिदान की गौरवगाथा को प्रस्तुत करते हुए महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

वीरांगना झलकारी बाई को श्रद्धा सुमन अर्पित करते डॉ. सुभाष कुमार गुप्त

वॉलीबाल प्रतियोगिता

23 नवम्बर को महाविद्यालय में वार्षिक महोत्सव के अन्तर्गत वालीबॉल प्रतियोगिता (छात्र वर्ग) का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विज्ञान संकाय, कला संकाय तथा वाणिज्य संकाय की टीम ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता का निर्णायक मैच वाणिज्य संकाय तथा विज्ञान संकाय के बीच खेला गया। जिसमें विज्ञान संकाय की टीम वाणिज्य संकाय की टीम को 25-20, 25-18 से पराजित कर विजेता घोषित हुई। क्रीड़ा प्रभारी डॉ. यशवन्त कुमार राव ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी।

वॉलीबाल प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते महाविद्यालय के छात्र

गृह विज्ञान विभाग में अतिथि व्याख्यान

23 नवम्बर को गृह विज्ञान विभाग द्वारा ''प्रसार शिक्षा में शिक्षण पद्धतियाँ'' विषय पर आयोजित अतिथि व्याख्यान में मुख्य वक्ता नवल्स पी.जी. कालेज, कुसम्ही, गोरखपुर की गृह विज्ञान विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर श्रीमती वन्दना शुक्ला ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में आभार ज्ञापन गृह विज्ञान विभाग की अध्यक्ष श्रीमती किरन सिंह ने किया।

व्याख्यान प्रस्तुत करतीं श्रीमती वन्दना शुक्ला

योग कार्यशाला

कार्यशाला में योग प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण देतीं सुश्री नेहा पटेल

23 नवम्बर को बी.एड्. विभाग में योग कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री श्री स्कूल ऑफ योग की योग प्रशिक्षिका नेहा पटेल द्वारा प्राणायाम, ध्यान तथा आसन की कुछ क्रियाएँ कराई गईं। योग कार्यशाला में बी.एड्. प्रथम व अन्तिम वर्ष के कुल 48 छात्राध्यापक व छात्राध्यापिकाएं व शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यशाला में योग प्रशिक्षिका के द्वारा विविध प्रकार के योगासनों जेसे- हलासन, भुजंगासन, मकरासन, अर्धपादासन इत्यादि का अभ्यास कराया गया। साथ ही प्राणायाम के अन्तर्गत अनुलोम-विलोम, कपालभाती, भ्रामरी, भ्रस्तिका इत्यादि का भी अभ्यास कराया गया। साथ ही साथ अनेकों प्रकार की शारीरिक एवं मानसिक विकृतियों का योग द्वारा निदान भी बताया गया।

औचक निरीक्षण

महाविद्यालय का औचक निरीक्षण करते औचक निरीक्षण दल के सदस्य

23 नवम्बर को महाविद्यालय में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की निरीक्षण टीम के सदस्य श्री प्रमथनाथ मिश्र तथा श्री राजेन्द्र भारती द्वारा पठन-पाठन, स्वच्छता, रख-रखाव आदि का औचक निरीक्षण किया गया तथा निरीक्षण टीम द्वारा इन सभी विषयों पर शिक्षकों के साथ बैठक करके सुझाव दिये गये। बैठक में निरीक्षण टीम द्वारा महाविद्यालय में संचालित गतिविधियों की सराहना की गयी तथा कमियों को इंगित किया गया। साथ ही साथ विभागीय टीम ने पठन-पाठन, स्वच्छता, रख-रखाव आदि बिन्दुओं पर अपना विचार महाविद्यालय के प्राचार्य तथा शिक्षकों के साथ साझा की।

शिक्षकों से निरीक्षण अनुभव साझा करते हुए औचक निरीक्षण दल के सदस्य

कबड्डी प्रतियोगिता

कबड्डी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते महाविद्यालय के छात्र

24 नवम्बर को वार्षिक महोत्सव के अन्तर्गत 'कबड्डी प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। छात्रा वर्ग की कबड्डी प्रतियोगिता का फाइनल मैच बी.एड्. विभाग तथा कला संकाय के छात्राओं के मध्य खेला गया, जिसमें बी.एड्. विभाग ने कला संकाय को 23–12, 20–07 से पराजित किया। इसी प्रकार छात्रों की कबड्डी प्रतियोगिता का निर्णायक मैच कला संकाय तथा विज्ञान संकाय के मध्य खेला गया जिसमें कला संकाय ने विज्ञान संकाय को 42–30 से पराजित किया। क्रीड़ा प्रभारी डॉ. यशवन्त राव ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ दी।

महाविद्यालय के वार्षिक महोत्सव का समापन समारोह

वार्षिक महोत्सव के समापन अवसर पर उपस्थित शिक्षक एवं विद्यार्थी

25 नवम्बर को महाविद्यालय के वार्षिक महोत्सव का समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने की। इस अवसर पर प्राचार्य तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी सुश्री दीप्ति गुप्ता ने विभिन्न कार्यक्रमों में प्रतिभाग करने वाले विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनायें दीं।

वाद-विवाद प्रतियोगिता

वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रतिभाग करता महाविद्यालय के छात्र तथा निर्णायक मंडल के सदस्य

26 नवम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में संविधान दिवस के अवसर पर 'भारतीय संविधान में 'सामाजिक न्याय' विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 'भारतीय संविधान में सामाजिक न्याय' के विपक्ष में अपना विचार रखते हुए प्रथम स्थान सत्यप्रकाश तिवारी (बी.ए भाग-दो), द्वितीय स्थान दुर्गेश पाल (बी.ए. भाग-एक) एवं तृतीय स्थान रितेश सिंह (बी.कॉम. भाग-दो) तथा पक्ष में प्रथम स्थान प्रकाश पाण्डेय (बी.ए. भाग-दो), द्वितीय स्थान आलोक कुमार (बी.ए. भाग-दो) तथा तृतीय स्थान सर्वेश्वर कान्त चन्द्रा (बी.ए. भाग-दो) को प्राप्त हुआ। निर्णायक मण्डल में इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह एवं रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के प्रवक्ता रमाकान्त दूबे तथा समाजशास्त्र विभाग के प्रवक्ता श्री बृजभूषण लाल रहे।

जिला स्तरीय पंचायत पार्लियामेण्ट में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों का सहभाग

27 नवम्बर को ग्राम विकास संस्थान, चरगाँवा में जिला स्तरीय ग्राम संसद का आयोजन किया गया।

जिला स्तरीय पंचायत पार्लियामेण्ट में अपना विचार व्यक्त करता महाविद्यालय के रा.से.यो. का स्वयंसेवक सर्वेश्वर कान्त चन्द्रा

कार्यक्रम का उद्देश्य पंचायती राज्य संस्थाओं को भारतीय संविधान के अनुसार 'अपनी सरकार' के रूप में विकसित करने की आवश्यकता और उपायों पर इसकी पहचान करने के लिए वयस्क नागरिकों के बीच संवाद स्थापित करना था तथा संवाद से निकलने वाले निष्कर्षों के आधार पर संघ एवं राज्य सरकार को सुझाव देना था। इस कार्य में महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों- सर्वेश्वर कान्त चन्द्र, सत्य प्रकाश तिवारी, प्रकाश पाण्डेय एवं आलोक तिवारी सहित विभिन्न ब्लाकों के चयनित पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा ग्राम पंचायत में पंचायत सदस्यों के प्रशिक्षण, आर्थिक विकास कार्य, कौशल विकास, जल व ऊर्जा संरक्षण और महिलाओं एवं वंचित वर्ग से सम्बन्धित मुद्दों को ग्राम पंचायत विकास योजना में शामिल करने हेतु सुझाव दिये गये।

निबन्ध प्रतियोगिता

निबन्ध प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते महाविद्यालय के विद्यार्थी

28 नवम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में 'जातिवाद राष्ट्रीय एकता के लिए खतरा' विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 15 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया जिसमें विशाल कुमार यादव (बी.ए. भाग-एक) ने प्रथम स्थान, चाँदनी प्रजापति (बी.ए. भाग-दो) ने द्वितीय स्थान, खुशबू सिंह (बी.ए. भाग-तीन) ने तृतीय स्थान तथा दुर्गेश पाल (बी.ए. भाग-एक) ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। प्रतियोगिता का संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ सिंह तथा श्रीमती किरन सिंह ने किया।

महात्मा ज्योतिबा फूले के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालतीं डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव

महात्मा ज्योतिबा फूले पुण्यतिथि

28 नवम्बर को प्रार्थना सभा में महात्मा ज्योतिबा फूले पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में गणित विभाग की प्रवक्ता डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव ने 'महात्मा ज्योतिबा फूले का समाज सेवा के क्षेत्र में योगदान' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

राजनीतिशास्त्र विभाग में श्रव्य-दृश्य तकनीक के द्वारा व्याख्यान

व्याख्यान कार्यक्रम में मंचस्थ शिक्षक

29 नवम्बर को राजनीतिशास्त्र विभाग के तत्वावधान में "राज्यपाल की संवैधानिक एवं

व्यावहारिक स्थिति'' विषय पर श्रव्य-दृश्य तकनीकी के माध्यम से व्याख्यान आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में राजनीतिशास्त्र विभाग के शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

डॉ. जगदीश चन्द्र बोस जयन्ती के अवसर पर उद्‌बोधन देते डॉ. राजेश शुक्ल

डॉ. जगदीश चन्द बोस जयन्ती

30 नवम्बर को महाविद्यालय में प्रार्थना सभा में डॉ. जगदीश चन्द्र बोस जयन्ती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार शुक्ल ने डॉ. जगदीश चन्द्र बोस के जीवन एवं व्यक्तित्व पर उद्‌बोधन प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

विशिष्ट व्याख्यान में उपस्थित मंचस्थ शिक्षकगण

बी.एड्. विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

30 नवम्बर को बी.एड्. विभाग द्वारा 'महात्मा गांधी के शिक्षा-दर्शन' विषय पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान में राजनीतिशास्त्र विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. यशवन्त राव, बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह, श्रीमती विभा सिंह एवं सुश्री दीप्ति गुप्ता ने व्याख्यान प्रस्तुत किया।

गृह विज्ञान विभाग में अतिथि व्याख्यान

30 नवम्बर को गृह विज्ञान विभाग में आयोजित अतिथि व्याख्यान में 'बच्चों में सीखने की प्रक्रिया' विषय पर नेशनल पी. जी. कालेज, बड़हलगंज की प्रवक्ता डॉ. अर्चना दूबे ने अपना उद्‌बोधन दिया। कार्यक्रम का संचालन गृह विज्ञान विभाग की अध्यक्ष श्रीमती किरन सिंह तथा आभार ज्ञापन सुश्री सुनिधि गुप्ता ने किया।

विशेष व्याख्यान कार्यक्रम में उद्‌बोधन देतीं डॉ. अर्चना दूबे

साप्ताहिक योगाभ्यास कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक एवं विद्यार्थीगण

साप्ताहिक योगाभ्यास कार्यक्रम

प्रत्येक माह की भाँति नवम्बर माह में भी प्रत्येक शनिवार साप्ताहिक योगाभ्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। योगाभ्यास कार्यक्रम में वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार शुक्ल ने कपालभाति, अनुलोम-विलोम, भ्रामरी, मण्डुकासन, भुजंगासन आदि का अभ्यास कराया।

राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में एकदिवसीय शिविर

01 दिसम्बर को विश्व एड्स दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में प्रथम एकदिवसीय शिविर का आयोजन ग्राम सभा मंझरिया, जंगल धूसड़ में आयोजित किया गया। इस शिविर में हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप एवं गुरु श्रीगोरक्षनाथ इकाई के स्वयंसेवकों एवं स्वयंसेविकाओं ने नाटक के माध्यम से एड्स के प्रति ग्रामवासियों को जागरुक किया तथा जन जागरुकता रैली भी निकाली। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह ने किया।

विश्व एड्स दिवस पर जन जागरूकता रैली निकालते रा.से.यो. की स्वयंसेविकाएं

राष्ट्रीय प्रदूषण नियन्त्रण दिवस

02 दिसम्बर को प्रार्थना सभा में राष्ट्रीय प्रदूषण नियन्त्रण दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बी.एड्. विभाग की प्रवक्ता श्रीमती साधना सिंह ने 'औद्योगिक आपदा के प्रबन्धन और नियन्त्रण' विषय पर उद्बोधन के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। साथ ही भोपाल गैस त्रासदी में जान गँवाने वाले लोगों को महाविद्यालय परिवार की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की।

राष्ट्रीय प्रदूषण नियन्त्रण दिवस पर व्याख्यान प्रस्तुत करतीं श्रीमती साधना सिंह

नौसेना दिवस के पूर्व संध्या एवं डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जयन्ती

03 दिसम्बर को प्रार्थना सभा में नौसेना दिवस की पूर्व संध्या एवं पूर्व राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जयन्ती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में अर्थशास्त्र विभाग के प्रभारी श्री मंजेश्वर ने व्याख्यान प्रस्तुत कर डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

नौसेना दिवस की पूर्व संध्या एवं डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जयन्ती के अवसर पर बोलते श्री मंजेश्वर

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद का संस्थापक सप्ताह समारोह

04 से 10 दिसम्बर को प्रति वर्ष की भाँति इस वर्ष भी महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद संस्थापक सप्ताह समारोह का आयोजन हुआ। सप्ताह भर चलने वाले इस भव्यतम् आयोजन में महाविद्यालय ने

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के संस्थापक सप्ताह समारोह के उद्घाटन अवसर पर शोभायात्रा के दौरान विभिन्न प्रकार की झाकियाँ निकालते महाविद्यालय के विद्यार्थी

सक्रिय सहभाग किया। कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर महाविद्यालय के प्रबन्धक एवं उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज एवं हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री जयराम ठाकुर का मार्गदर्शन महाविद्यालय के सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों सहित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद से सम्बद्ध सभी शिक्षण संस्थाओं को प्राप्त हुआ। महाविद्यालय द्वारा शोभा यात्रा में 04 दिसम्बर को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के संस्थापक समारोह के उद्घाटन अवसर पर निकाली जाने वाली शोभा–यात्रा में छात्र/छात्राओं द्वारा विविध महत्त्वपूर्ण विषयों यथा, सिंगल यूज प्लास्टिक, शिक्षा परिषद के बढ़ते कदम, एक जनपद–एक उत्पाद, अंतरिक्ष में भारत, धारा–370 एवं राष्ट्रीयता एवं भारत के स्वाभिमानी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बलिदानों को उकेरने वाली महत्त्वपूर्ण झाकियाँ निकाली गई जो

शहर वासियों को आकृष्ट कर रही थी। सप्ताह भर चलने वाले इस कार्यक्रम में महाविद्यालय ने स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर आयोजित होने वाली सभी प्रतियोगिताओं मे प्रतिभाग किया।

10 दिसम्बर को शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह के मुख्य महोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनन्दी बेन पटेल का यशस्वी मार्गदर्शन कार्यक्रम में उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को प्राप्त हुआ। मुख्य महोत्सव में माननीय राज्यपाल एवं उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज के कर कमलों द्वारा योग्यता छात्रवृत्ति विभिन्न प्रतियोगिताओं में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी, शोभा-यात्रा में श्रेष्ठ पथ संचलन एवं महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के सभी संस्थाओं में सर्वश्रेष्ठ कार्य के आधार पर श्रेष्ठतम् संस्था सहित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की विभिन्न संस्थाओं में अध्ययनरत विद्यार्थियों एवं खिलाड़ियों से सम्बद्ध कुल 715 पुरस्कार प्रदान किया गया। महाविद्यालय की ओर से विभिन्न प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया जिसमें हिन्दी भाषण प्रतियोगिता में सत्य प्रकाश तिवारी (बी.ए. भाग-दो) ने प्रथम स्थान, माधवेन्द्र पति त्रिपाठी (बी.एड्. प्रथम वर्ष) ने तृतीय स्थान, अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता में सर्वेश्वर कान्त चन्द्रा (बी.ए. भाग-दो) ने तृतीय स्थान तथा प्रश्नमंच प्रतियोगिता में सत्यप्रकाश तिवारी (बी.ए. भाग-दो), संदीप कुमार तिवारी (बी.एस-सी. भाग-तीन), सौरभ ओझा (बी.ए. भाग-तीन) तथा शरद दूबे (बी.ए. भाग-दो) की टीम को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। उपरोक्त सभी विद्यार्थी मुख्य अतिथि महामहिम राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल के हाथों पुरस्कृत हुए।

मुख्य महोत्सव में माननीय राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल से पुरस्कार प्राप्त करते महाविद्यालय के विद्यार्थी

माननीय राज्यपाल एवं माननीय मुख्यमंत्री से पुरस्कार प्राप्त करता महाविद्यालय का छात्र

डॉ. भीमराव अम्बेडकर महापरिनिर्वाण दिवस

06 दिसम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में डॉ. भीमराव अम्बेडकर महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर अंग्रेजी विभाग की प्रभारी श्रीमती

डॉ. भीमराव अम्बेडकर महापरिनिर्वाण दिवस

कविता मन्ध्यान ने उद्‌बोधन प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

अंग्रेजी विभाग में स्टोरी राइटिंग प्रतियोगिता

07 दिसम्बर को अंग्रेजी विभाग द्वारा स्टोरी राइटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 42 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया, जिसमें कौशिकी चतुर्वेदी (बी.ए. भाग-दो) को प्रथम स्थान, बिमलेन्दु उपाध्याय (बी.ए. भाग-एक) को द्वितीय स्थान, नितेश प्रजापति (बी.ए. भाग-एक) को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। सभी प्रतिभागियों को अंग्रेजी विभाग की प्रभारी कविता मन्ध्यान ने शुभकामनाएँ दी।

स्टोरी राइटिंग प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

गृहविज्ञान विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

07 दिसम्बर को गृहविज्ञान विभाग के अन्तर्गत 'उपचारात्मक आहार' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान की मुख्य वक्ता सेंट जोसेफ कॉलेज फॉर वूमेन, गोरखपुर की गृहविज्ञान विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. कनक लता मिश्रा ने उद्‌बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री सुनिधि गुप्ता तथा आभार ज्ञापन श्रीमती किरन सिंह ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करतीं डॉ. कनक लता मिश्रा

बी.एड्. विभाग में दृश्य-श्रव्य कार्यशाला

09 दिसम्बर को बी.एड्. विभाग में 'लोकतंत्र का समसामयिक विमर्श' विषय पर दृश्य-श्रव्य कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में राजनीतिशास्त्र विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. कृष्ण कुमार ने लोकतंत्र विषय पर प्रस्ताविकी प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन बी.एड्. विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर सुश्री रचना सिंह तथा आभार ज्ञापन श्रीमती साधना सिंह ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षत बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने की।

कार्यशाला में विद्यार्थियों को सम्बोधित करते डॉ. कृष्ण कुमार

भौतिक विज्ञान विभाग में पोस्टर प्रतियोगिता

पोस्टर प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती विद्यार्थी

14 दिसम्बर को विश्व ऊर्जा संरक्षण दिवस के अवसर पर भौतिक विज्ञान विभाग द्वारा 'क्लीन एनर्जी-ग्रीन एनर्जी' विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 18 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया जिसमें विद्यार्थियो ने हरित ऊर्जा, स्वच्छ ऊर्जा, अक्षय ऊर्जा, ऊर्जा एवं पर्यावरण संरक्षण आदि बिन्दुओं पर आधारित विषयों पर पोस्टर बनाया। इस प्रतियोगिता में कुंवर अमन सिंह (बी.एस-सी. भाग-एक) को प्रथम स्थान, कुंवर शिवम सिंह (बी.एस-सी. भाग-एक) को द्वितीय स्थान तथा ऋषभ यती (बी.एस-सी. भाग-एक) को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। निर्णायक की भूमिका में डॉ. शैलेन्द्र ठाकुर रहे। प्रतियोगिता का संयोजन श्रीमती मनीता सिंह ने किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना का एकदिवसीय शिविर

रा.से.यो. के एकदिवसीय शिविर में श्रमदान करते स्वयंसेवक

15 दिसम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में एकदिवसीय शिविर का आयोजन ग्राम सभा हसनगंज, जंगल धूसड़ में आयोजित किया गया। इसमें हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप एवं श्री गोरक्षनाथ ईकाई के स्वयंसेवकों एवं स्वयंसेविकाओं ने गाँव में स्वच्छता जागरुकता अभियान चलाया। इसके अन्तर्गत गाँव के सड़क, नालियों की सफाई तथा ग्रामवासियों को गन्दगी से होने वाले बीमारियों के बारे में बताया गया और सिंगल यूज प्लास्टिक से पर्यावरण को हो रहे नुकसान के प्रति जागरूक किया।

रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करते श्री सुब्रत रे

16 दिसम्बर को विजय दिवस के अवसर पर रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग में विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस आयोजन में मुख्य वक्ता एवं अतिथि के रूप में आचार्य नरेन्द्र देव किसान पी.जी. कॉलेज बभनान गोण्डा के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर

डॉ. अमित त्रिपाठी ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में सुधी रंजन लाहिरी महाविद्यालय पश्चिम बंगाल के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री सुब्रत रे ने अपना विचार प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री रमाकान्त दूबे तथा आभार ज्ञापन डॉ. अभिषेक सिंह ने किया।

ललित कला महोत्सव

ललित कला महोत्सव में पुरस्कार प्राप्त करते महाविद्यालय के विद्यार्थी

16 दिसम्बर को नेशनल एजुकेशनल सोसाइटी, गोरखपुर द्वारा ललित कला महोत्सव का आयोजन महात्मा गाँधी पी.जी. कॉलेज में सम्पन्न हुआ। महोत्सव में स्वरचित काव्य पाठ में महाविद्यालय के माधवेन्द्र पति त्रिपाठी (बी.एड्. प्रथम वर्ष) को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। 'विकेन्द्रीकरण संयुक्त राष्ट्र के निर्माण में बाधक' विषय पर आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता के पक्ष में प्रिया दूबे (बी.एस-सी. भाग-एक) को प्रथम स्थान तथा अंकित पाण्डेय (बी.ए. भाग-एक) को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। विजयी प्रतिभागियों को साहित्य अकादमी के पूर्व अध्यक्ष आचार्य विश्वनाथ प्रसाद तिवारी से पुरस्कार प्राप्त हुआ।

पुरस्कार वितरण समारोह में पुरस्कार प्राप्त करती महाविद्यालय की छात्रा

पुरस्कार वितरण समारोह

16 दिसम्बर को महाविद्यालय में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक समारोह के अन्तर्गत योग्यता छात्रवृत्ति कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के सदस्य श्री धर्मेन्द्र सिंह तथा दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज के प्राचार्य एवं संस्थापक सप्ताह समारोह के संचालन समिति के प्रभारी डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने योग्यता एवं प्रतिभा के आधार पर पुरस्कार निम्नांकित विद्यार्थियों को वितरित किया : प्रिया सिंह पुत्री श्री मुन्ना सिंह (बी.एस-सी. भाग-एक), प्रीति गुप्ता पुत्री श्री राजेश गुप्ता (बी.एस-सी. भाग-एक), प्रज्ञा नन्द शर्मा पुत्र श्री राम नरायण शर्मा (बी.एस-सी. भाग-दो), रितुराज सिंह पुत्र श्री सन्त सिंह (बी.एस-सी. भाग-दो), शिवम कु. जायसवाल पुत्र श्री अमर प्रकाश जायसवाल (बी.एस-सी. भाग-दो), प्रशान्त राय पुत्र श्री रजनीकान्त राय (बी.एस-सी. भाग-तीन), श्वेता मिश्रा पुत्री श्री प्रमोद कुमार मिश्रा (बी.एस-सी. भाग-तीन), सुधा प्रजापति पुत्री श्री दहारी प्रजापति (बी.ए. भाग-एक), कृति सिंह पुत्री श्री नवीन कुमार सिंह (बी.ए. भाग-एक), खुशबू चौरसिया पुत्री श्री श्रीराम चौरसिया (बी.ए.

भाग-दो), बृजमोहन यादव पुत्र श्री राकेश कु. यादव (बी.ए. भाग-दो), ललिता गुप्ता पुत्री श्री सुरेश गुप्ता (बी.ए. भाग-तीन), अराधना गौड़ पुत्री श्री सुभाष गौड़ (बी.ए. भाग-तीन), सतीश कु. वर्मा पुत्र श्री फरियावन वर्मा (बी.काम. भाग-एक), बेबी मौर्या पुत्री श्री जयनाथ मौर्या (बी.काम. भाग-एक), अभिषेक चतुर्वेदी पुत्र श्री रामअजोर चतुर्वेदी (बी.काम. भाग-दो), नेहा शर्मा पुत्री श्री राजीव शर्मा (बी.काम. भाग-तीन), रजवंत सिंह पुत्र श्री फन्नी सिंह (एम.एस-सी. प्रथम वर्ष), अनुपमा सिंह पुत्री श्री दिनेश कुमार सिंह (एम.एस-सी. प्रथम वर्ष), दिनेश पाल पुत्र श्री भरथ पाल (एम.एस-सी. अन्तिम वर्ष), चन्दा सिंह पुत्री श्री गिरिजा शंकर सिंह (एम.एस-सी. अन्तिम वर्ष), सीमा पुत्री श्री समद अली (एम.एस-सी. अन्तिम वर्ष), अंजलि सिंह पुत्री श्री मैनेजर सिंह (एम.एस-सी. अन्तिम वर्ष), राहुल गिरी पुत्र श्री चन्द्र प्रकश गिरी (एम.ए. प्रथम वर्ष), ऋषभ मिश्रा पुत्र श्री विश्वविजय मिश्रा (एम.ए. प्रथम वर्ष), नितेश कु. मिश्रा पुत्र श्री नमो नारायण मिश्रा (एम.ए. अन्तिम वर्ष), श्रद्धा शर्मा पुत्री श्री उमेश चन्द्र शर्मा (एम.ए. अन्तिम वर्ष), सुशील कुमार सिंह पुत्र श्री नन्दलाल सिंह (एम.ए. प्रथम वर्ष), मोनिका नायक पुत्री श्री दिनेश नायक (एम. ए. प्रथम वर्ष), रिंकी पुत्री श्री रविन्द्र विश्वकर्मा (एम.ए. प्रथम वर्ष), पुष्पा पुत्री श्री ज्ञानचन्द (एम.ए. प्रथम वर्ष), प्रियंका सिंह पुत्री श्री रामलाल सिंह (एम.काम. प्रथम वर्ष), अंकिता सिंह पुत्री श्री घनश्याम सिंह (एम.कॉम. अन्तिम वर्ष), मनोरमा निषाद पुत्री श्री अम्बिका निशाद (एम.कॉम. अन्तिम वर्ष), अम्बिकेश तिवारी पुत्र श्री उमेश तिवारी (बी.एड्. प्रथम वर्ष), शिवशंकर प्रसाद पुत्र श्री सन्त प्रसाद (बी.एड. प्रथम वर्ष), नीलम दूबे पुत्री श्री सुरेन्द्र दूबे (बी.एड्. अन्तिम वर्ष), सिद्धार्थ कुमार शुक्ला पुत्र श्री संजय शुक्ला (बी.एड्. अन्तिम वर्ष), प्रियंका सिंह पुत्री श्री विजयदीप सिंह (बी.एड्. अन्तिम वर्ष)।

राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी बलिदान दिवस पर विचार व्यक्त करते श्री ब्रजभूषण लाल

राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी बलिदान दिवस

17 दिसम्बर को प्रार्थना सभा में राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी बलिदान दिवस के अवसर पर समाजशास्त्र विभाग के प्रवक्ता श्री बृजभूषण लाल ने व्याख्यान प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया।

नागरिकता संशोशन विधेयक 2019 पर परिचर्चा

राजनीतिशास्त्र विभाग में दृश्य-श्रव्य माध्यम से विशिष्ट व्याख्यान

18 दिसम्बर को राजनीतिशास्त्र विभाग द्वारा

''नागरिकता संशोधन विधेयक, 2019 सुरक्षा के लिए अपरिहार्य है'' विषय पर दृश्य-श्रव्य माध्यम से विशिष्ट व्याख्यान एवं परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षक, कर्मचारी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

व्याख्यान प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते रसायन विज्ञान विभाग के विद्यार्थी

रसायन विज्ञान विभाग में व्याख्यान प्रतियोगिता

18 दिसम्बर को रसायन विज्ञान विभाग में स्नातक स्तर पर व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 28 प्रतिभागियों ने क्वांटम केमेस्ट्री, फोटो केमेस्ट्री, पॉलीमर, न्यूक्लिक एसिड आदि विषयों पर पावर प्वाइंट प्रेजेन्टेशन के माध्यम से व्याख्यान दिया। प्रतियोगिता में वैभव गुप्ता (बी.एस-सी. भाग-तीन) को प्रथम, मधुरिमा (बी.एस-सी. भाग-एक) और आलोक सिंह (बी.एस-सी. भाग-दो) को संयुक्त रूप से द्वितीय एवं भगवान जायसवाल (बी.एस-सी. भाग-एक) तथा सच्चिदानन्द चौहान (बी. एस-सी. भाग-तीन) को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। निर्णायक मण्डल में डॉ. शिवकुमार बर्नवाल, डॉ. रामसहाय एवं संजय जायसवाल रहे। प्रतियोगिता का संयोजन श्री गौरव तिवारी ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. पवन कुमार

समाजशास्त्र विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

19 दिसम्बर को समाजशास्त्र विभाग में 'कमजोर वर्गों के विकास में सामाजिक न्याय की भूमिका' विषय पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के समाजशास्त्र विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. पवन कुमार ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन श्री बृजभूषण लाल तथा अध्यक्षता ज्ञापन डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने किया।

गणित महोत्सव में विद्यार्थियों को सम्बोधित करते डॉ. यू.के. गुप्ता

तीन दिवसीय गणित महोत्सव

19-21 दिसम्बर तक महाविद्यालय में गणित विभाग द्वारा तीन दिवसीय गणित महोत्सव का आयोजन किया गया। 19 दिसम्बर को उद्घाटन अवसर पर महात्मा गाँधी पी.जी. कॉलेज, गोरखपुर के गणित

विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. यू.के. गुप्ता ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की तथा कार्यक्रम के प्रथम तकनीकी सत्र में 'ट्रान्सपोर्टेशन एवं गेम थ्योरी' के मूलभूत सिद्धान्तों की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन गणित विभाग के प्रवक्ता श्री श्रीकांत मणि त्रिपाठी तथा आभार ज्ञापन डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव ने किया।

20 दिसम्बर को तीन दिवसीय गणित महोत्सव के द्वितीय तकनीकी सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. विनीत मिश्रा (उपाचार्य, गणित विभाग, मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय) ने 'न्यूमेरिकल एनालिसिस' के बारे में व्यापक जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन गणित विभाग के प्रभारी श्री श्रीकांत मणि त्रिपाठी तथा आभार ज्ञापन श्री प्रतीक दास ने किया। 21 दिसम्बर से तीन दिवसीय गणित महोत्सव के समापन अवसर पर मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. विनीत मिश्रा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की तथा आभार ज्ञापन श्री श्रीकांत मणि त्रिपाठी ने किया।

पं. राम प्रसाद विस्मिल, अशफाक उल्ला खाँ, रोशन सिंह बलिदान दिवस

19 दिसम्बर को प्रार्थना सभा में पं. रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्लाह खाँ तथा रोशन सिंह बलिदान दिवस के अवसर पर आयोजित व्याख्यान कार्यक्रम में बी.एड्. विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने विचार प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से तीनों महापुरुषों को श्रद्धासुमन अर्पित किया।

पं. राम प्रसाद विस्मिल, अशफाक उल्ला खाँ तथा रोशन सिंह बलिदान दिवस पर व्याख्यान देते श्री शैलेन्द्र सिंह

इतिहास विभाग में अतिथि व्याख्यान

19 दिसम्बर को इतिहास विभाग में बलिदान दिवस के अवसर पर 'क्रान्तिकारी आन्दोलन में पं. रामप्रसाद विस्मिल, अशफाक उल्ला खाँ व रोशन सिंह के योगदान' विषय पर आयोजित अतिथि व्याख्यान में अखिल भाग्य पी.जी. कॉलेज रानापार, गोरखपुर के इतिहास विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री कृष्णानन्द पाठक ने उद्बोधन दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह ने किया।

व्याख्यान प्रस्तुत करते श्री कृष्णानन्द पाठक

भौतिक विज्ञान विभाग में व्याख्यान प्रतियोगिता

20 दिसम्बर को भौतिक विज्ञान विभाग द्वारा व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता में छात्रों ने विभिन्न विषयों जैसे- बिगबैंग थ्योरी, लेजर की आधुनिक समाज में उपयोगिता, लाईफाई द्वारा डाटा आदि पर शोध व्याख्यान प्रस्तुत किया, जिसमें भावना जायसवाल (बी.एस-सी. भाग-एक) को प्रथम स्थान, नूतन पाण्डेय (बी.एस-सी. भाग-तीन) एवं कुंवर अमन सिंह (बी.एस-सी भाग-एक) को द्वितीय स्थान तथा अम्बुज पाण्डेय (बी.एस-सी भाग-दो) को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता का संयोजक श्रीमती मनीता सिंह ने समस्त प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी।

व्याख्यान प्रतियोगिता में प्रतिभाग करता भौतिक विज्ञान विभाग का विद्यार्थी

मनोविज्ञान विभाग में एकदिवसीय कार्यशाला

20 दिसम्बर को मनोविज्ञान विभाग द्वारा ''सब्सटेंस एब्यूज एमॉग एडोल्सेंट्स'' विषय पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य वक्ता बुद्ध पी.जी. कॉलेज, कुशीनगर के मनोविज्ञान विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर तथा नशा उन्मूलन एवं पुनर्वास केन्द्र की निदेशिका डॉ. रीना मालवीय ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

कार्यशाला में मुख्य अतिथि डॉ. रीना मालवीय को स्मृति चिह्न भेंट करते डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र

कार्यशाला की अध्यक्षता तथा अतिथि स्वागत मनोविज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र ने की। मनोविज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय ने कार्यशाला का संचालन करते हुए कार्यक्रम की प्रस्ताविकी भी प्रस्तुत की। कार्यशाला में विवेक कुशवाहा (बी.एस-सी. भाग-तीन), सिल्की कुमार (बी.एस-सी. भाग-एक), किरन गुप्ता (बी.एस-सी. भाग-दो), नेहा मिश्रा (बी.ए. भाग-एक), पाण्डेय शिवम जितेन्द्र (बी.एस-सी. भाग-तीन), मनी प्रकाश पाण्डेय (बी.एस-सी. भाग-एक), नन्दना गुप्ता (बी.ए. भाग-दो), चन्द्रकला सिंह (बी.एस-सी. भाग-एक), इशिका सिंह (बी.एस-सी. भाग-एक), हर्षा गुप्ता (बी.एड्. प्रथम वर्ष) आदि ने अपना विचार प्रस्तुत किया। कार्यशाला में मनोविज्ञान विभाग के प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय वर्ष के कुल 65 विद्यार्थियों ने सहभाग किया।

व्याख्यान प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागी तथा विभागीय शिक्षक

प्राणि विज्ञान विभाग में व्याख्यान प्रतियोगिता

20 दिसम्बर को प्राणि विज्ञान विभाग द्वारा

व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में बी.एस–सी. प्रथम वर्ष के 30 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया जिसमें प्रथम स्थान अल्पना चौधरी, द्वितीय स्थान राकेश गुप्ता तथा तृतीय स्थान चन्द्रप्रभा सिंह ने प्राप्त किया। बी.एस–सी. द्वितीय वर्ष के 15 विद्यार्थियों द्वारा किए गए प्रतिभाग में प्रथम स्थान शिवम कुमार जायसवाल, द्वितीय स्थान किरन गुप्ता तथा तृतीय स्थान आलोक सिंह ने प्राप्त किया। इसी क्रम में बी.एस–सी. तृतीय वर्ष के कुल 20 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया जिसमें प्रथम स्थान प्रजापति ममता, द्वितीय स्थान सुश्रीत कुमार एवं तृतीय स्थान संयुक्त रूप से संदीप कुमार तिवारी व विवेक कुमार कुशवाहा ने प्राप्त किया। व्याख्यान के अंत में कार्यक्रम के संयोजक डॉ. आर. एन. सिंह व विनय कुमार सिंह ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ दी।

रा.से.यो. के तत्वावधान में कम्बल वितरित करते डॉ. केशव सिंह

कम्बल वितरण कार्यक्रम

20 दिसम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में 'मिशन मंझरिया' के अन्तर्गत अधिग्रहित गाँव के ग्रामवासियों हेतु कम्बल वितरण कार्यक्रम गोरखपुर विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. केशव सिंह जी के नेतृत्व में आयोजित हुआ। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव, डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, डॉ. अभिषेक सिंह और डॉ. सौरभ कुमार सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में हिमानी मिश्रा, सिद्धार्थ कुमार शुक्ला, नीलम दूबे, विजय कुमार, सीमा आदि छात्राध्यापक व छात्राध्यापिकाओं के सहयोग से सम्पन्न हुआ।

महाराजा छत्रसाल के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय

छत्रसाल जयन्ती

20 दिसम्बर को प्रार्थना सभा में छत्रसाल जयन्ती के अवसर पर मनोविज्ञान विभाग के प्रवक्ता डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय ने व्याख्यान प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया।

राष्ट्रीय किसान दिवस पर चौधरी चरण सिंह को श्रद्धा सुमन अर्पित करतीं श्रीमती शिप्रा सिंह

राष्ट्रीय किसान दिवस

23 दिसम्बर को प्रार्थना सभा में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयन्ती, जिसे राष्ट्रीय किसान दिवस के रूप में मनाया जाता है, के अवसर पर

बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने व्याख्यान प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से चौधरी चरण सिंह को श्रद्धासुमन अर्पित किया।

समाजशास्त्र विभाग में व्याख्यान प्रतियोगिता

23 दिसम्बर को समाजशास्त्र विभाग में व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 13 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने सामाजिक विघटन की समस्या, पर्यावरण प्रदूषण, सिंगल यूज प्लास्टिक, अस्पृश्यता आदि विषयों पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

व्याख्यान प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागी को प्रमाण पत्र देते समाजशास्त्र विभाग के शिक्षक

प्रतियोगिता में प्रकाश पाण्डेय (बी.ए. भाग-दो) को प्रथम स्थान, अंजली राय (बी.ए. भाग-दो) को द्वितीय स्थान तथा सुधीर चौहान एवं अभय राज वर्मा (बी.ए. भाग-एक) को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में समाजशास्त्र विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री बृजभूषण लाल एवं बी.एड्. विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर श्रीमती साधना सिंह रहीं। प्रतियोगिता का संयोजन समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने किया।

महामना पंडित मदन मोहन मालवीय जयंती

24 दिसम्बर को प्रार्थना सभा में महामना पंडित मदन मोहन मालवीय जी की जयन्ती के पूर्व दिवस पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान कार्यक्रम में कम्प्यूटर सांइस विभाग के प्रवक्ता श्री हरविन्द श्रीवास्तव ने उद्बोधन प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया।

पंडित मदन मोहन मालवीय के व्यक्तित्व को रेखांकित करते श्री हरविन्द श्रीवास्तव

वनस्पति विज्ञान विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

24 दिसम्बर को वनस्पति विज्ञान विभाग में 'मशरूम संवर्धन' विषय पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान में गुरू गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र, चौकमाफी, गोरखपुर के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. आर.पी. सिंह ने मशरूम संवर्धन के हर आयाम को विस्तार से समझाया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अखिलेश गुप्ता तथा आभार ज्ञापन सुश्री आम्रपाली

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. आर.पी. सिंह

वर्मा ने किया। इस अवसर पर बी.एस-सी. वनस्पति विज्ञान विषय के सभी विद्यार्थी एवं शिक्षक, कर्मचारी उपस्थित रहे।

जोरावर सिंह व फतेह सिंह बलिदान दिवस

26 दिसम्बर को प्रार्थना सभा में वाणिज्य विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री नन्दन शर्मा ने जोरावर सिंह व फतेह सिंह की शौर्य गाथा को बताते हुए उनके बलिदान दिवस पर महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया।

जोरावर सिंह एवं फतेह सिंह की बलिदान गाथा पर उद्बोधन देते श्री नन्दन शर्मा

गृहविज्ञान विभाग में अतिथि व्याख्यान

26 दिसम्बर को गृह विज्ञान विभाग में ''बालकों के पालन-पोषण में अभिभावकों की भूमिका'' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान में मुख्य वक्ता डॉ. विमला मिश्रा, असिस्टेंट प्रोफेसर, गृहविज्ञान विभाग, राजकीय डिग्री कालेज, सहजनवाँ, गोरखपुर ने व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का संचालन गृहविज्ञान विभाग की अध्यक्ष श्रीमती किरन सिंह ने तथा आभार ज्ञापन सहायक आचार्य सुश्री सुनिधि गुप्ता ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करतीं डॉ. विमला मिश्रा

महर्षि रमण जयन्ती

30 दिसम्बर को प्रार्थना सभा में महान सन्त समाज सेवक महर्षि रमण जी की जयन्ती के अवसर पर राजनीतिशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने व्याख्यान प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया।

महर्षि रमण के व्यक्तित्व को निरूपित करते डॉ. अविनाश प्रताप सिंह

मनोविज्ञान विभाग में एक दिवसीय कार्यशाला

30 दिसम्बर को मनोविज्ञान विभाग में 'स्ट्रेस एण्ड पर्सनालिटी' विषय पर आयोजित एक दिवसीय

कार्यशाला में व्याख्यान प्रस्तुत करतीं डॉ. अपर्णा मिश्रा

कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में अवध लॉ कॉलेज, बाराबंकी के मनोविज्ञान विभाग की प्रवक्ता डॉ. अपर्णा मिश्रा ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन मनोविज्ञान विभाग के प्रवक्ता डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय तथा आभार ज्ञापन मनोविज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र ने किया। कार्यशाला में मनोविज्ञान विभाग के बी.एस-सी भाग-तीन के विद्यार्थी विवेक कुशवाहा; बी.ए. भाग-एक की विद्यार्थी शिवानी गुप्ता, चाँदनी निषाद, अदिति कुमारी तथा बी.एस-सी भाग-एक की विद्यार्थी सिल्की कुमारी, सूर्य प्रताप आर्य, प्रतिभा यादव आदि ने भी अपना विचार प्रस्तुत किया।

कम्प्यूटर साइंस विभाग में पोस्टर प्रतियोगिता

30 दिसम्बर को कम्प्यूटर साइंस विभाग द्वारा 'क्लाउड कम्प्यूटिंग' शीर्षक पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के निर्णायक के रूप में श्री प्रदीप वर्मा, श्री प्रतीक दास व श्री रमाकान्त दूबे ने प्रतियोगिता में प्रथम स्थान ज्योति पांचाल (बी. एस-सी. भाग-तीन), द्वितीय स्थान अम्बुज पाण्डेय (बी.एस-सी. भाग-दो) तथा तृतीय स्थान ज्योति श्रीवास्तव (बी. एस-सी. भाग-एक) को प्रदान किया।

पोस्टर प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते कम्प्यूटर साइंस विभाग के विद्यार्थी

शोध व्याख्यान प्रतियोगिता में व्याख्यान प्रस्तुत करता विद्यार्थी

राजनीतिशास्त्र विभाग में शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

31 दिसम्बर को राजनीतिशास्त्र विभाग में शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में सामाजिक न्याय, अनुच्छेद 370 एवं जम्मू कश्मीर की स्थिति, नागरिकता संसोधन कानून आदि विषयों पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। प्रतियोगिता में कुल 54 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया जिसमें सर्वेश्वर कान्त चन्द्रा (बी.ए. भाग-दो) ने प्रथम, सत्य प्रकाश तिवारी (बी.ए. भाग-दो) ने द्वितीय तथा प्रकाश पाण्डेय (बी.ए. भाग-दो) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता का संचालन डॉ. कृष्ण कुमार पाठक ने किया। कार्यक्रम संयोजक डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने प्रतिभागी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी।

स्वच्छ परिसर सर्वेक्षण में देश के श्रेष्ठतम 69 संस्थानों में स्थान

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़ को मानव संसाधन विकास मंत्रालय की ओर

से कराए गये सर्वेक्षण में 'स्वच्छ कैंपस 2019' में देश के श्रेष्ठतम 69 संस्थाओं में स्थान प्राप्त हुआ। इस सर्वेक्षण में देश भर के कुल 6000 से ज्यादा संस्थानों ने भाग लिया जिसमें श्रेष्ठतम 69 संस्थान चुने गए। सितम्बर, 2019 में मानव विकास मंत्रालय की टीम ने महाविद्यालय के परिसर में स्वच्छता, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, हरियाली, सामाजिक सरोकार आदि बिन्दुओं पर पड़ताल करने के बाद रिपोर्ट भेजी। इसके आधार पर महाविद्यालय को यह उपलब्धि प्राप्त हुई।

साप्ताहिक योगाभ्यास कराते डॉ. राजेश शुक्ल

साप्ताहिक योगाभ्यास कार्यक्रम

प्रत्येक माह की भाँति दिसम्बर माह में भी प्रत्येक शनिवार को साप्ताहिक योगाभ्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें वाणिज्य विभाग के प्रभारी डॉ. राजेश शुक्ल ने अनुलोम-विलोम, भुंजगासान, तड़ासन, भ्रामरी, सुखासन आदि का अभ्यास कराया।

डॉ. शान्ति स्वरूप भटनागर के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते श्री प्रतीक दास

डॉ. शान्ति स्वरूप भटनागर स्मृति दिवस

01 जनवरी 2020 को प्रार्थना सभा में भारत में प्रयोगशालाओं के जनक प्राख्यात वैज्ञानिक डॉ. शान्ति स्वरूप भटनागर के स्मृति दिवस पर गणित विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री प्रतीक दास ने उनके व्यक्तित्व पर व्याख्यान प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से श्रद्धासुमन अर्पित किया।

गुरु गोविन्द सिंह जयन्ती के अवसर पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते डॉ. राहुल मिश्रा

गुरु गोविन्द सिंह जयन्ती

02 जनवरी को प्रार्थना सभा में गुरु गोविन्द सिंह जयन्ती के अवसर पर वाणिज्य विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. राहुल मिश्रा ने गुरु गोविन्द सिंह के विषय में व्याख्यान प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग में रक्षा प्रदर्शनी का आयोजन

9 जनवरी को रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग में रक्षा विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया

रक्षा प्रदर्शनी में विजयी प्रतिभागी को पुरस्कृत करते श्री रोशन कुमार कन्नौजिया

गया। प्रदर्शनी में भारत की अत्याधुनिक मिसाइलें, लड़ाकू विमान, युद्धक टैंक, तोपें, पनडुब्बियाँ, लेजर तकनीकी आदि पर आधारित हथियार के मॉडल विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस प्रदर्शनी में आदित्य वर्मा (बी.एस-सी. भाग-एक) को प्रथम स्थान, अमित चौरसिया (बी.एस-सी. भाग-एक) को द्वितीय स्थान तथा आयुष सिंह (बी.एस-सी. भाग-एक) को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रदर्शनी का उद्घाटन दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के शोध-छात्र श्री रोशन कुमार कन्नौजिया ने किया। अतिथि का स्वागत रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के प्रभारी डॉ. अभिषेक सिंह तथा आभार ज्ञापन श्री रमाकान्त दूबे ने किया।

डॉ. हरगोविन्द खुराना एवं सुन्दर लाल बहुगुणा जयन्ती

डॉ. हरगोविन्द खुराना एवं सुन्दर लाल बहुगुणा को रेखांकित करते श्री विनय कुमार सिंह

09 जनवरी को प्रार्थना सभा में महान वैज्ञानिक डॉ. हरगोविन्द खुराना तथा प्रख्यात पर्यावरणविद् पद्मविभूषण सुन्दर लाल बहुगुणा की जयन्ती के अवसर पर प्राणि विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री विनय कुमार सिंह ने महापुरुषद्वय के कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर अपना विचार प्रस्तुत किया।

अंग्रेजी विभाग में आशु भाषण प्रतियोगिता

आशु भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग करता अंग्रेजी विभाग का छात्र

09 जनवरी को अंग्रेजी विभाग में आशु भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में समकालीन विषयों पर आधारित रोचक तत्वों पर कुल 48 विद्यार्थियों ने भाषण प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में सर्वेश्वर कान्त चन्द्रा (बी.ए. भाग-दो) ने प्रथम, आदित्य प्रताप सिंह (बी.ए. भाग-दो) ने द्वितीय तथा दीप्ति चतुर्वेदी (बी.ए. भाग-एक) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता का संयोजन अंग्रेजी विभाग की प्रभारी श्रीमती कविता मन्ध्यान ने किया।

विश्व हिन्दी दिवस

10 जनवरी को प्रार्थना सभा में विश्व हिन्दी दिवस के अवसर पर हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. आरती सिंह ने व्याख्यान प्रस्तुत किया, जिसमें उन्होंने हिन्दी भाषा को प्रोत्साहित करने की बात की।

विश्व हिन्दी दिवस के अवसर पर व्याख्यान प्रस्तुत करतीं डॉ. आरती सिंह

बी.एड्. विभाग में पेंटिग प्रतियोगिता

11 जनवरी को बी.एड्. विभाग में पेंटिग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी. एड्. विभाग के 25 छात्राध्यापक व छात्राध्यापिकाओं ने प्रतिभाग किया, जिसमें प्रथम स्थान कुमारी पूजा सिंह (बी.एड्. प्रथम वर्ष), द्वितीय स्थान अमित यादव (बी.एड्. प्रथम वर्ष) एवं तृतीय स्थान प्रदीप शुक्ल (बी.एड्. प्रथम वर्ष) ने प्राप्त किया।

पेंटिंग प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते बी.एड्. विभाग के विद्यार्थी

भारत-भारती पखवारा का उद्घाटन व विवेकानन्द जयन्ती समारोह

11 जनवरी को विवेकानन्द जयन्ती के पूर्व दिवस पर भारत-भारती पखवारा का उद्घाटन हुआ। भारत-भारती पखवारा कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में महात्मा गाँधी इण्टर कॉलेज के अंग्रेजी विभाग के सेवानिवृत्त आचार्य श्री रोहताश्व श्रीवास्तव ने व्याख्यान प्रस्तुत कर स्वामी विवेकानन्द जी के जीवन चरित्र को रेखांकित किया। कार्यक्रम का संचालन राजनीतिशास्त्र विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. कृष्ण कुमार पाठक तथा आभार ज्ञापन सांस्कृतिक विभाग की प्रभारी सुश्री दीप्ति गुप्ता ने एवं अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव न की।

भारत-भारती पखवारा के उद्घाटन समारोह पर उपस्थित शिक्षक एवं विद्यार्थी

भारत-भारती पखवारा के उद्घाटन समारोह को सम्बोधित करते मुख्य अतिथि

इतिहास विभाग में शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

शोध व्याख्यान प्रतियोगिता में प्रतिभाग करता इतिहास विभाग का छात्र

भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत 11 जनवरी को इतिहास विभाग में शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के अन्तर्गत छात्रों ने हिन्दुओं के पतन के कारण, पानीपत का प्रथम युद्ध, धर्म सुधार आन्दोलन, लार्ड रिपन के स्थानीय स्वशासन का प्रभाव आदि विषयों पर कुल 31 विद्यार्थियों ने व्याख्यान प्रस्तुत किया, जिसमें राहुल यादव (बी.ए. भाग–एक) ने प्रथम, विशाल कुमार (बी.ए. भाग–दो) ने द्वितीय तथा अंजली राय (बी.ए. भाग–दो) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता का संयोजन इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह ने किया।

समाजशास्त्र विभाग में अतिथि व्याख्यान

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करते श्री प्रकाश प्रियदर्शी

भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत 13 जनवरी को समाजशास्त्र विभाग में 'जनजातीय समस्याएं' विषय पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के समाजशास्त्र विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री प्रकाश प्रियदर्शी ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन श्री बृजभूषण लाल तथा अध्यक्षता डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने किया।

वाणिज्य विभाग में एक दिवसीय कार्यशाला

कार्यशाला को सम्बोधित करते श्री परमात्मा यादव

भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत 13 जनवरी को वाणिज्य विभाग द्वारा 'परीक्षा में उत्तर कैसे लिखे?' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें इस्लामियाँ कॉलेज ऑफ कॉमर्स, गोरखपुर के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री परमात्मा यादव ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया तथा तकनीकी बारीकियों से अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. राहुल मिश्रा तथा आभार ज्ञापन डॉ. सुभाष कुमार गुप्ता ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करते प्रो. दिनेश कुमार सिंह

प्राणि विज्ञान विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

13 जनवरी को भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत 'स्टेम सेल' विषय पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. दिनेश कुमार सिंह, भूतपूर्व विभागाध्यक्ष, प्राणि विज्ञान विभाग,

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने की। कार्यक्रम का संचालन प्राणि विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री विनय कुमार सिंह एवं आभार ज्ञापन डॉ. विजय कुमार चौधरी ने किया।

प्राणि विज्ञान विभाग में प्रदर्शनी

प्राणिविज्ञान विभाग में प्रदर्शनी का निरीक्षण करते डॉ. दिनेश कुमार सिंह

14 जनवरी को भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत प्राणि विज्ञान विभाग द्वारा प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्राणि विज्ञान विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. दिनेश कुमार सिंह ने किया। प्रदर्शनी में कुल 80 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। कुल 60 मॉडल चार्ट एवं पोस्टर बायोगैस प्लान्ट, लैक ओपेरॉन, उत्सर्जन तन्त्र आदि पर प्रस्तुत किया गया जिसमें बी.एस–सी. भाग–तीन के संदीप तिवारी, सुभाष एवं अजय को 'सीवेज ट्रीटमेंट प्लान्ट के लिए प्रथम, बी.एस–सी. भाग–तीन के सुजीत कुमार, सत्यप्रकाश पाठक, कृष्णा सिंह, विवेक कुमार कुशवाहा और एम.एस–सी. द्वितीय सेमेस्टर के अमरकान्त झा, नेहा त्रिपाठी, शालिनी चौहान, शिखा सिंह और अनीता यादव को संयुक्त रूप से द्वितीय तथा बी.एस–सी. भाग–दो के शालिनी सिंह एवं एम. एस–सी. चतुर्थ सेमेस्टर के विशाल कुमार राय, रवि गुप्ता और सलाउद्दीन को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। विज्ञान प्रदर्शनी का संयोजन डॉ. रघुवीर नारायण सिंह तथा श्री विनय कुमार सिंह द्वारा किया गया। निर्णायक मण्डल में रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. शिव कुमार बर्नवाल, भौतिक विज्ञान विभाग की प्रभारी श्रीमती मनीता सिंह एवं वनस्पति विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अखिलेश गुप्ता उपस्थित रहे।

वृक्षारोपण कार्यक्रम

महाविद्यालय परिसर में पौधरोपण करते प्रो. दिनेश कुमार सिंह

14 जनवरी को भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत प्राणि विज्ञान विभाग द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो. दिनेश कुमार सिंह, भूतपूर्व विभागाध्यक्ष, प्राणि विज्ञान विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव, प्राणि विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. आर.एन. सिंह, प्राणि विज्ञान विभाग के प्राध्यापक विनय कुमार सिंह, डॉ. शिव कुमार, तथा डॉ. नवनीत

कुमार द्वारा तेजपत्ता, रूद्राक्ष, मौलश्री, चन्दन आदि के ग्यारह पौधे महाविद्यालय के प्रांगण में लगाये गये।

अंग्रेजी विभाग में व्याख्यान प्रतियोगिता

व्याख्यान प्रतियोगिता में व्याख्यान प्रस्तुत करती अंग्रेजी विभाग की छात्रा

भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत 15 जनवरी को अंग्रेजी विभाग में व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में 42 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतिभागियों ने इमोशनल इंटेलिजेंस, दी टेवेल्ल नाइट, प्राइड एण्ड प्रोज्यूडिस् आदि विषयों पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान श्री सर्वेश्वर कान्त चन्द्रा (बी.ए. भाग–दो), द्वितीय स्थान श्री विमलेन्दु उपाध्याय (बी.ए. भाग–एक) तथा तृतीय स्थान संयुक्त रूप से सुश्री कौशिकी एवं सुश्री दीप्ति चतुर्वेदी (बी.ए. भाग–दो) ने प्राप्त किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में डॉ. निलिमा दूबे, असिस्टेंट प्रोफेसर, भगवान दत्त महिला महाविद्यालय उपस्थित रहीं। प्रतियोगिता के अंत में अंग्रेजी विभाग की प्रभारी श्रीमती कविता मन्ध्यान ने आभार ज्ञापित किया।

वनस्पति विज्ञान विभाग में पोस्टर प्रतियोगिता

पोस्टर प्रतियोगिता में प्रतिभाग करतीं वनस्पति विज्ञान विभाग की छात्राएं

भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत 16 जनवरी को वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 43 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। बी.एस–सी. भाग–एक में प्रथम स्थान शिक्षा वर्मा, द्वितीय स्थान गाजी कोहेशार आला एवं तृतीय स्थान रश्मि विश्वकर्मा को प्राप्त हुआ। बी.एस–सी. भाग–दो में प्रथम स्थान ज्योति, द्वितीय स्थान आफरीन तथा तृतीय स्थान संयुक्त रूप से महिमा विश्वकर्मा एवं किरन गुप्ता को प्राप्त हुआ। बी.एस–सी. भाग–तीन में प्रथम स्थान सरिता पटेल, द्वितीय स्थान अरूण साहनी तथा तृतीय स्थान अनुज चौधरी को प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में सुश्री आम्रपाली वर्मा, श्री विरेन्द्र तिवारी एवं डॉ. अखिलेश गुप्ता उपस्थित रहे।

महादेव गोविन्द रानाडे जयंती

महादेव गोविन्द रानाडे जयनती के अवसर पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते श्री विनय कुमार सिंह

भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत 18 जनवरी को महादेव गोविन्द रानाडे जयंती के अवसर पर प्रणि विज्ञान विभाग के प्रवक्ता श्री विनय कुमार सिंह ने व्याख्यान प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

भूगोल विभाग में मैप ड्राईंग प्रतियोगिता

मैप ड्राईंग प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते भूगोल विभाग के विद्यार्थी

भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत 18 जनवरी को भूगोल विभाग में मैप ड्राईंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। स्नातक तथा परास्नातक स्तर के कुल 158 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ मैप के लिए प्रथम पुरस्कार कनकलता सिंह (बी.ए. भाग–दो), द्वितीय पुरस्कार कु. बबिता (बी.ए. भाग–दो) एवं तृतीय पुरस्कार अराधाना गौड़ (बी.ए. भाग–तीन) को प्राप्त हुआ। मैप ड्राईंग प्रतियोगिता का संयोजन भूगोल विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अजय प्रताप निषाद ने किया।

हिन्दी विभाग में शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

शोध व्याख्यान प्रतियोगिता में व्याख्यान प्रस्तुत करती हिन्दी विभाग की छात्रा

भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत 18 जनवरी को हिन्दी विभाग द्वारा शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में बी.ए. भाग–एक, दो तथा तीन के कुल 22 प्रतिभागियों ने सूरदास के पद, कबीर की भक्ति भावना, कैकेयी अनुताप, कामायनी आशा सर्ग, कलिंग विजय आदि विषयों पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। निर्णायक के रूप में हिन्दी विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सुधा शुक्ला तथा बी.एड्. विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर श्रीमती पुष्पा निषाद उपस्थित रहीं। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अनिल कुमार यादव (बी.ए. भाग–तीन), द्वितीय स्थान किशन कुमार अग्रहरि (बी.ए. भाग–दो) तथा तृतीय स्थान बबिता गुप्ता (बी.ए. भाग–तीन) ने प्राप्त किया। कार्यक्रम का संयोजन हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. आरती सिंह ने किया।

मनोविज्ञान विभाग में व्याख्यान प्रतियोगिता

व्याख्यान प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों के साथ विभागीय शिक्षक एवं अतिथि

भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत 18 जनवरी को मनोविज्ञान विभाग द्वारा व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में बी.ए./ बी.एस–सी. भाग–एक, दो तथा तीन के कुल 36 विद्यार्थियों ने बायोलॉजिकल बेसिस ऑफ बिहैवियर, सोसल इन्फ्लूएंस, मानसिकता मंदता, अनुबन्धन सिद्धान्त आदि विषयों पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। विषय

विशेषज्ञ के रूप में इण्डियन एसोसियशन ऑफ यूथ साइकोलॉजिस्ट्स के अध्यक्ष तथा दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के शोध छात्र श्री प्रशान्त मणि तिवारी एवं इण्डियन एसोसियशन ऑफ यूथ साइकोलॉजिस्ट्स के उपाध्यक्ष तथा दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के शोध छात्र श्री अनन्त शंकर पाण्डेय उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पाण्डेय शिवम् जितेन्द्र (बी. एस-सी. भाग-एक), द्वितीय स्थान सर्वेश्वर कान्त चन्द्रा (बी.ए. भाग-दो), तृतीय स्थान विवेक कुशवाहा (बी.एस-सी. भाग-तीन) तथा सांत्वना पुरस्कार संयुक्त रूप से किरन गुप्ता (बी.एस-सी. भाग-दो) एवं अल्पना चौधरी (बी.एस-सी. भाग-एक) ने प्राप्त किया। कार्यक्रम का संयोजन मनोविज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र तथा संचालन डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय ने किया।

शिक्षक-अभिभावक सम्मेलन

शिक्षक-अभिभावक सम्मेलन में मंचस्थ अभिभावक संघ के पदाधिकारी तथा प्राचार्य

19 जनवरी को शिक्षक-अभिभावक सम्मेलन का आयोजन किया गया। बैठक में अभिभावकों से महाविद्यालय की कार्यप्रणाली एवं शिक्षकों के बारे में प्रतिपुष्टि मांगी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव, संचालन राजनीतिशास्त्र विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. कृष्ण कुमार पाठक ने किया। संयोजन रसायन विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री संजय कुमार जायसवाल ने किया। बैठक में शिक्षक, अभिभावक संघ के अध्यक्ष श्री विपिन कुमार यादव, उपाध्यक्ष श्री अमन चौहान तथा महामंत्री श्री इन्द्रजीत दूबे सहित कई अभिभावकों ने अपने सुझाव दिए।

शिक्षक-प्राचार्य बैठक

शिक्षक-प्राचार्य बैठक में उपस्थित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के सदस्य श्री प्रमथनाथ मिश्र, प्राचार्य एवं समस्त शिक्षक

19 जनवरी को हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप पुण्य तिथि के अवसर पर महाराणा प्रताप स्मृति व्याख्यान, प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव द्वारा दिया गया। तत्पश्चात् शिक्षक-प्राचार्य बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के माननीय सदस्य श्री प्रमथनाथ मिश्र ने की। बैठक में वार्षिक योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा के साथ पठन-पाठक, राष्ट्रीय सेवा योजना, 26 जनवरी के कार्यक्रम, विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा आदि के सम्बन्ध में विचार विमर्श तथा महाविद्यालय के सम्बन्ध में शिक्षा परिषद की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

20 जनवरी को भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग द्वारा ''भारतीय इतिहास में मुद्राओं का महत्त्व'' विषय पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान में मुख्य वक्ता के

रूप में यू.जी.सी. के पोस्ट डॉक्टोरल फेलो डॉ. कन्हैया सिंह ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। अध्यक्षता प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के अध्यक्ष श्री सुबोध कुमार मिश्र तथा संचालन डॉ. सौरभ कुमार सिंह ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. कन्हैया सिंह

भौतिक विज्ञान विभाग में एकदिवसीय कार्यशाला

भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत 20 जनवरी को भौतिक विज्ञान विभाग द्वारा कम्प्यूटर हार्डवेयर विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य बिन्दु कम्प्यूटर के हार्डवेयर का परिचय, विभिन्न कम्प्यूटर घटकों की कार्यप्रणाली एवं उनकी असेम्बलिंग द्वारा कम्प्यूटर का संयोजन विषय पर संक्षिप्त परिचय भौतिक विज्ञान विभाग ने असिस्टेंट प्रोफेसर श्री अभिषेक वर्मा द्वारा दिया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शैलेन्द्र कुमार ठाकुर तथा कार्यशाला का संयोजन भौतिक विज्ञान विभाग की प्रभारी श्रीमती मनीता सिंह ने किया।

कार्यशाला को सम्बोधित करते श्री अभिषेक वर्मा

कम्प्यूटर सांइस विभाग में शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

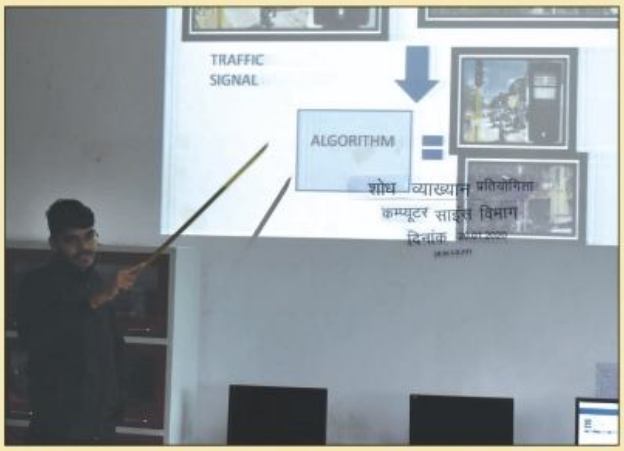

शोध व्याख्यान प्रतियोगिता में व्याख्यान प्रस्तुत करता विद्यार्थी

भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत 20 जनवरी को कम्प्यूटर साइंस विभाग द्वारा 'शोध–व्याख्यान' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 22 छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया, जिसमें अम्बुज पाण्डेय (बी.एस–सी. भाग–दो) ने प्रथम, मनीष दूबे (बी.एस–सी. भाग–एक) ने द्वितीय तथा प्रवीश पाण्डेय (बी.एस–सी. भाग–एक) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में श्री हरविन्द कुमार श्रीवास्तव, डॉ. राहुल मिश्र, श्री रमाकान्त दूबे तथा श्री सुबोध कुमार मिश्र उपस्थित रहे।

वनस्पति विज्ञान विभाग में विज्ञान प्रदर्शनी

विज्ञान प्रदर्शनी में अपना मॉडल प्रस्तुत करते वनस्पति विज्ञान के विद्यार्थी

20 जनवरी को भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत वनस्पति विज्ञान विभाग में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन वनस्पति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव ने किया। प्रतियोगिता में कुल 50 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रदर्शनी में बी.एस–सी. भाग–एक से प्रथम स्थान शिक्षा वर्मा, द्वितीय स्थान अनुपम पाण्डेय एवं तृतीय स्थान संयुक्त रूप से प्रियंका सिंह तथा चन्द्रप्रभा सिंह को प्राप्त हुआ। बी.एस–सी. भाग–दो से प्रथम स्थान शालिनी सिंह, द्वितीय स्थान उजमा खातून तथा तृतीय स्थान शिवम कुमार जायसवाल ने प्राप्त किया। बी.एस–सी. भाग–तीन से प्रथम स्थान अरूण साहनी, द्वितीय स्थान अजय यादव एवं तृतीय स्थान श्वेता मिश्रा ने प्राप्त किया। एम.एस–सी. प्रथम वर्ष में प्रथम स्थान अंजली कुमारी द्वितीय स्थान पुनीता पाल तथा तृतीय स्थान जागृति धर दूबे ने प्राप्त किया। निर्णायक मण्डल में सुश्री आम्रपाली वर्मा तथा डॉ. अखिलेश कुमार गुप्ता रहे।

अर्थशास्त्र विभाग में एकदिवसीय कार्यशाला

कार्यशाला को सम्बोधित करते डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र

21 जनवरी को भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत अर्थशास्त्र विभाग द्वारा ''इम्पार्टेन्स ऑफ इन्फेरेन्सियल स्टैटिस्टिक्स इन सोशल साइंसेज'' विषय पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस विषय पर मनोविज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यशाला का संयोजन एवं संचालन अर्थशास्त्र विभाग के प्रभारी श्री मंजेश्वर ने किया।

भूगोल विभाग में संगोष्ठी

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करते प्रो. एन.के. राणा

21 जनवरी को भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत भूगोल विभाग द्वारा ''आपदा प्रबंधन एवं चुनौतियाँ'' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के भूगोल विभाग के वरिष्ठ आचार्य प्रो. एन.के. राणा ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। इस संगोष्ठी

में परास्नातक तथा स्नातक स्तर के कुल 52 प्रतिभागियों ने शोध पत्र प्रस्तुत किया। संगोष्ठी में उकृष्ट शोधपत्र प्रस्तुति के लिए प्रथम पुरस्कार सर्वेश्वर कांत चन्द्रा (बी.ए. भाग-दो), द्वितीय पुरस्कार यशवन्त चौधरी (बी.ए. भाग-एक) एवं तृतीय पुरस्कार राहुल यादव (बी.ए भाग-एक) को दिया गया। संगोष्ठी का संयोजन भूगोल विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. शालू श्रीवास्तव ने किया।

भूगोल विभाग का शैक्षिक भ्रमण

21 जनवरी को भूगोल विभाग के बी.ए./बी.एस-सी भाग-तीन के छात्र-छात्राओं का शैक्षिक भ्रमण भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी के निर्देशन में गोरखपुर से लखनऊ, हरिद्वार, ऋषिकेश, देवप्रयाग, देहरादून, मसूरी आदि स्थानों के भ्रमण के लिए प्रस्थान किया। सभी स्थलों पर भ्रमण के उपरान्त वापसी 01 फरवरी को हुई।

शैक्षिक भ्रमण पर भूगोल विभाग के शिक्षक एवं विद्यार्थी

ठाकुर रोशन सिंह जयन्ती

भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत 22 जनवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में महान क्रान्तिकारी ठाकुर रोशन सिंह की जयन्ती के अवसर पर 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में वाणिज्य विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सुभाष कुमार गुप्ता ने व्याख्यान प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से महान क्रान्तिकारी ठाकुर रोशन सिंह को श्रद्धासुमन अर्पित किया।

व्याख्यान देते डॉ. सुभाष कुमार गुप्ता

राजनीतिशास्त्र विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत 22 जनवरी को राजनीतिशास्त्र विभाग में आयोजित विशिष्ट व्याख्यान में 'अमेरिका-ईरान तनाव : भारतीय विदेश नीति के विशेष सन्दर्भ में' विषय पर अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के जानकार एवं जी.एस.टी. विभाग के सहायक

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. अमित कुमार सिंह

आयुक्त डॉ. अमित कुमार सिंह ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की प्रस्ताविकी डॉ. कृष्णा कुमार पाठक ने प्रस्तुत की एवं अध्यक्षत राजनीतिशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. सत्यप्रकाश सिंह

सांख्यिकी विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

22 जनवरी को भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत सांख्यिकी विभाग द्वारा ''सहसम्बन्ध और प्रतिगमन विश्लेषण'' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में के. आई.पी.एम. कॉलेज, गीडा, गोरखपुर के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सत्यप्रकाश सिंह ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन सांख्यिकी विभाग के प्रभारी डॉ. अरूण कुमार राव तथा आभार ज्ञापन डॉ. कुसुमलता सिंह ने किया।

पोस्टर प्रतियोगिता में पोस्टर बनाती छात्रा

पोस्टर प्रतियोगिता

22 जनवरी को भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में 'गंगा निर्मलता एवं जल संरक्षण' कार्यक्रम के अन्तर्गत पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं ने स्वनिर्मित पोस्टर के माध्यम से जल संरक्षण एवं पर्यावरण संकट को प्रदर्शित किया जिसमें प्रथम स्थान जसवन्त सिंह चौहान (बी.ए. भाग-एक), द्वितीय स्थान दीपक विश्वकर्मा (बी.ए. भाग-एक), तृतीय स्थान रूपा साहनी (बी.ए. भाग-एक) तथा सांत्वना पुरस्कार चन्द्रकला सिंह (बी.एस-सी. भाग-एक) ने प्राप्त किया। निर्णायक के रूप में डॉ. नीलम गुप्ता, डॉ. सुभाष कुमार गुप्ता तथा श्री वीरेन्द्र तिवारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती किरन सिंह ने किया।

हिन्दी विभाग में दो दिवसीय कार्यशाला

22-23 जनवरी को भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत 'हिन्दी भाषा वर्तनी एवं उच्चारण का शुद्ध प्रयोग' विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रतिष्ठित साहित्यकार एवं किसान पी.जी. कॉलेज, सेवरही के

कार्यशाला को सम्बोधित करते डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय

पूर्व प्राचार्य डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय द्वारा किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय जी ने वाक्यों का शुद्ध उच्चारण, पंचमाक्षरों (ङ, ञ, ण, न, म) के प्रयोग, हिन्दी के अंको का वर्णन आदि विषयों से विद्यार्थियों को अवगत कराया।

गृह विज्ञान विभाग में तीन दिवसीय कार्यशाला

कार्यशाला में छात्राओं को प्रशिक्षित करते श्री अनिल प्रजापति

22-24 जनवरी को भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत गृह विज्ञान विभाग तथा पिडीलाइट कम्पनी, मुम्बई के संयुक्त तत्वावधान में 'महिला उद्यमिता' विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। तीन दिनों तक चलने वाली इस कार्यशाला में बतौर मुख्य वक्ता पिडीलाइट कम्पनी के गोरखपुर केन्द्र के कार्यक्रम अधिकारी श्री अनिल प्रजापति ने महिला उद्यमिता के विविध पक्षों पर प्रकाश डाला। कार्यशाला की अध्यक्षता गृह विज्ञान विभाग की अध्यक्ष श्रीमती किरन सिंह, संचालन सुश्री सुनिधि गुप्ता तथा स्वागत और आभार ज्ञापन सुश्री अपूर्वा त्रिपाठी ने किया।

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालतीं सुश्री सुनिधि गुप्ता

23 जनवरी को भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत नेजाजी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती के अवसर पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान में गृह विज्ञान विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर सुश्री सुनिधि गुप्ता ने व्याख्यान प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

भौतिक विज्ञान विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. मानिन्द्र कुमार

23 जनवरी को भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत भौतिक विज्ञान विभाग द्वारा 'माइक्रोवेव एवं स्पेक्ट्रोवेव' विषय पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान में बतौर मुख्य वक्ता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के भौतिक विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मानिन्द्र कुमार ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन श्री अभिषेक वर्मा तथा आभार ज्ञापन भौतिक विज्ञान विभाग की प्रभारी श्रीमती मनीता सिंह ने किया।

निबन्ध प्रतियोगिता

निबन्ध प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाएं

23 जनवरी को भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में 'गंगा निर्मलता एवं जल संरक्षण' कार्यक्रम के अन्तर्गत निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में राष्ट्रीय सेवा योजना के दोनों इकाई हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप एवं गुरु श्रीगोरक्षनाथ के स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं ने प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता में चन्द्रप्रभा सिंह (बी.एस–सी. भाग–एक) प्रथम, रूपा साहनी (बी.एस–सी. भाग दो) द्वितीय तथा ईशिका सिंह (बी.एस–सी. भाग–एक) तृतीय स्थान पर रहीं। निर्णायक मण्डल में श्रीमती शिप्रा सिंह, श्री रमाकान्त दूबे तथा श्रीमती साधना सिंह रहीं।

वनस्पति विज्ञान विभाग में शोध–व्याख्यान प्रतियोगिता

शोध व्याख्यान प्रतियोगिता में व्याख्यान प्रस्तुत करतीं वनस्पति विज्ञान की छात्रा

23 जनवरी को भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 34 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। बी.एस–सी. भाग–एक में प्रथम स्थान शिक्षा शर्मा, द्वितीय स्थान राकेश तथा तृतीय स्थान अल्पना चौधरी ने प्राप्त किया। बी.एस–सी. भाग दो में प्रथम स्थान विजय सिंह, द्वितीय स्थान आलोक सिंह तथा तृतीय स्थान शालिनी सिंह ने प्राप्त किया। बी.एस–सी. भाग–तीन में प्रथम स्थान श्वेता मिश्रा, द्वितीय स्थान पूजा शुक्ला तथा तृतीय स्थान अजय यादव को प्राप्त हुआ। निर्णायक मण्डल में श्री विरेन्द्र तिवारी, डॉ. अखिलेश कुमार गुप्ता एवं सुश्री आम्रपाली वर्मा रहीं।

बी.एड्. विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करतीं डॉ. रेखा श्रीवास्तव

23 जनवरी को भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत बी.एड्. विभाग में 'क्रियात्मक अनुसंधान' विषय पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में चन्द्रकान्ति रमावती देवी महिला स्नातकोत्तर पी.जी. कॉलेज, गोरखपुर के बी.एड्. विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. रेखा श्रीवास्तव ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री रचना सिंह तथा आभार ज्ञापन डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने किया।

छात्रसंघ कार्यकारिणी बैठक

छात्रसंघ कार्यकारिणी बैठक में उपस्थित छात्रसंघ प्रभारी तथा छात्रसंघ कार्यकारिणी के सदस्य

23 जनवरी को छात्रसंघ कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की गई जिसमें कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा अध्ययन–अध्यापन, स्मार्ट क्लास, छात्रसंघ वार्षिक पत्रिका 'चेतक', वॉटर प्यूरीफायर, क्रीड़ा–सामग्री के सन्दर्भ में वार्षिक बजट पर चर्चा की गई। बैठक में छात्रसंघ प्रभारी श्री नन्दन शर्मा, छात्रसंघ संरक्षक डॉ. अविनाश प्रताप सिंह तथा छात्रसंघ के समस्त सदस्य उपस्थित रहे।

रसायन विज्ञान विभाग में विज्ञान प्रदर्शनी

विज्ञान प्रदर्शनी में माडॅल प्रदर्शित करता विद्यार्थी

25 जनवरी को भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत रसायन विज्ञान विभाग में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। छात्रों द्वारा अम्लीय वर्षा के दुष्परिणाम, जल संरक्षण, जल शुद्धिकरण आदि विषयों पर मॉडल प्रस्तुत किया गया। प्रतियोगिता में स्नातक स्तर पर प्रथम स्थान संयुक्त रूप से सृष्टि श्रीवास्तव तथा प्राची जायसवाल, द्वितीय स्थान ममता प्रजापति एवं तृतीय स्थान संयुक्त रूप से कृष्ण कुमार सिंह, वैभव गुप्ता एवं सत्यप्रकाश पाठक को प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता में स्नातकोत्तर स्तर पर प्रथम स्थान अनुपमा सिंह, द्वितीय स्थान संयुक्त रूप से चंदा सिंह, किशन पाण्डेय एवं प्रभात वर्मा तथा तृतीय स्थान संयुक्त रूप से दीपक कुमार गुप्ता, दिनेश पाल एवं पूजा यादव को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री रामगोपाल पाण्डेय, जोनल हेड, न्यूज 18 तथा विशिष्ट अतिथि श्री अखिलेश कुमार पाण्डेय, न्यूज रिपोर्टर, न्यूज 18 एवं श्री रूद्र प्रताप सिंह, रिपोर्टर, पंजाब केसरी उपस्थित रहे। निर्णायक के रूप में श्री विरेन्द्र तिवारी, श्री प्रतीक दास एवं श्रीमती अनुपमा श्रीवास्तव रहीं।

वाणिज्य विभाग में शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

व्याख्यान प्रस्तुत करता वाणिज्य विभाग का छात्र

25 जनवरी को भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत वाणिज्य विभाग में शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में में रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के

प्रवक्ता श्री रमाकान्त दूबे ने शोध के उद्देश्य तथा शोध व खोज के बीच के अंतर को बताते हुए बीज वक्तव्य रखा। प्रतियोगिता में कुल 35 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया जिसमें स्नातक स्तर पर प्रथम स्थान काजल सिंह (बी.कॉम. भाग–एक), द्वितीय स्थान संयुक्त रूप से अलका भट्ट (बी.कॉम. भाग–एक) तथा ज्योति पाण्डेय (बी.कॉम. भाग–दो) तथा तृतीय स्थान संयुक्त रूप से रोहित गौड़ (बी.कॉम. भाग–एक) तथा अभिषेक चतुर्वेदी (बी.कॉम. भाग–दो) ने प्राप्त किया। स्नातकोत्तर स्तर पर प्रथम स्थान कृष्णा सिंह (एम.कॉम. अंतिम वर्ष), द्वितीय स्थान संयुक्त रूप से स्नेहिल राज और नम्रता पाण्डेय (एम.कॉम. अंतिम वर्ष) तथा तृतीय स्थान स्वेच्छा गुप्ता (एम. कॉम. प्रथम वर्ष) ने प्राप्त किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष डॉ. राजेश शुक्ल तथा संचालन बी.कॉम. भाग–दो के छात्र अभिषेक चतुर्वेदी तथा सना खान ने किया। निर्णायक के रूप में श्री नंदन शर्मा, श्रीमती नूपुर शर्मा तथा सुश्री श्वेता चौबे रहीं। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. सुभाष कुमार गुप्त ने किया।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस

भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत 25 जनवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में 'राष्ट्रीय मतदाता दिवस' के अवसर पर आयोजित व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. कृष्ण कुमार पाठक ने उद्बोधन के माध्यम से मतदान के महत्त्व के बारें में विद्यार्थियों को जागरूक किया। इस अवसर पर सभी ने मतदान करने का शपथ लिया

राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर शपथ लेते छात्र–शिक्षक

अंग्रेजी विभाग में तीन दिवसीय कार्यशाला

25–27 जनवरी को भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत अंग्रेजी विभाग द्वारा 'प्रोफेशनल राइटिंग' विषय पर त्रिदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन डॉ. सुधीर नारायण सिंह, विभागाध्यक्ष, ह्यूमिनिटिज एण्ड मैनेजमेंट साइंस, मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकीय विश्वविद्यलय, गोरखपुर द्वारा किया गया। तीन दिन चलने वाली इस कार्यशाला में प्रतिदिन तीन–तीन सत्र संचालित किये गये। कार्यशाला के प्रथम दिन पत्र लेखन, रिपोर्ट लेखन एवं शोध पत्र लेखन विषय पर चर्चा की गई। कार्यशाला के दूसरे दिन रीज्यूम, कॅरिकुलम वीटे एवं बायोडाटा प्रस्तुतीकरण पर चर्चा की गई जबकि कार्यशाला के तीसरे दिन फेकल्टी डेवलमेंट, टीचर टॉट रिलेश्नशिप एवं इनहैंसिंग क्लास रूम इफैक्टिवनेस के बारे में बताया गया।

कार्यशाला को सम्बोधित करते डॉ. सुधीर नारायण सिंह

गणतंत्र दिवस समारोह के साथ भारत-भारती पखवारा का समापन

26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने ध्वजारोहण किया। राष्ट्रगान तथा वन्देमातरम् के उपरान्त भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अन्त में प्राचार्य ने वर्ष भर की महाविद्यालय की गतिविधियों एवं प्रयासों को शहीदों के चरणों में समर्पित करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस भव्य समारोह के साथ 12 जनवरी से प्रारम्भ भारत-भारती पखवारा का हर्षोल्लास के साथ समापन हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कर्नल (सेवानिवृत्त) बी.पी. शाही एवं विशिष्ट अतिथि योगवाणी के सम्पादक डॉ. फूलचन्द गुप्ता ने मार्गदर्शक उद्‌बोधन दिया।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते अतिथि द्वय कर्नल बी.पी. शाही एवं डॉ. फूलचन्द प्रसाद गुप्त

गणतंत्र दिवस के अवसर पर उद्‌बोधन देते प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव एवं उपस्थित शिक्षक और विद्यार्थी

गणतंत्र दिवस के अवसर पर नाट्य मंचन करते महाविद्यालय के विद्यार्थी

राजनीतिशास्त्र विभाग में परिचर्चा कार्यक्रम

परिचर्चा कार्यक्रम में उपस्थित विभागीय शिक्षक एवं विद्यार्थी

27 जनवरी को राजनीतिशास्त्र विभाग के तत्वावधान में 'दया याचिका एवं संवैधानिक पहलू' विषय पर आडियो-वीडियो के माध्यम से परिचर्चा कार्यक्रम आयोजित किया गया। विषय की प्रस्ताविकी राजनीतिशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने रखी। आडियो-वीडियो कार्यक्रम में दया याचिका से सम्बन्धित संवैधानिक पहलू तथा अभी तक की दया याचिकाओं के इतिहास का विस्तार पूर्वक उल्लेख किया गया।

कम्प्यूटर साइंस विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

विशिष्ट व्याख्यान में मुख्य अतिथि डॉ. पवन पाण्डेय को स्मृति चिह्न भेंट करते श्री वीरेन्द्र तिवारी

27 जनवरी को कम्प्यूटर साइंस विभाग में ''कन्सेप्ट ऑफ ऑपरेटिंग सिस्टम'' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें बतौर मुख्य वक्ता दिग्विजयनाथ पी. जी. कॉलेज के कम्प्यूटर साइंस विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. पवन पाण्डेय ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन कम्प्यूटर साइंस विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री हरिवन्द कुमार श्रीवास्तव तथा आभार ज्ञापन कम्प्यूटर साइंस विभाग के प्रभारी श्री विरेन्द्र तिवारी ने किया।

इतिहास विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. अजय कुमार सिंह

27 जनवरी को इतिहास विभाग द्वारा विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. अजय कुमार सिंह, सीनियर एकेडमिक फेलो, भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली ने 'हिन्दू-पद-पादशाही की स्थापना की परिकल्पना' विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह तथा संचालन श्री जितेन्द्र कुमार प्रजापति द्वारा किया गया।

गृह विज्ञान विभाग में पोस्टर प्रतियोगिता

पोस्टर प्रतियोगिता में पोस्टर प्रस्तुत करती छात्राएं तथा विभागीय शिक्षक

27 जनवरी को गृह विज्ञान में 'स्तनपान मातृत्व बाल विकास' विषय के अन्तर्गत पोस्टर प्रतियोगिता का

आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 16 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रथम स्थान अम्बिका सिंह (बी.ए. भाग–तीन), द्वितीय स्थान बेबी गुप्ता (बी.ए. भाग–तीन) एवं तृतीय स्थान शर्मिला (बी.ए. भाग–तीन) ने प्राप्त किया। प्रतियोगिता का संयोजन गृह विज्ञान विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अपूर्वा त्रिपाठी ने किया। निर्णायक के रूप में डॉ. सुधा शुक्ला एवं डॉ. शालू श्रीवास्तव रहीं।

अंग्रेजी विभाग में अतिथि व्याख्यान

28 जनवरी को अंग्रेजी विभाग द्वारा अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमे बतौर मुख्य वक्ता भगवान दत्त महिला महाविद्यालय, चौरी–चौरा की अंग्रेजी विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. निलिमा दूबे ने 'इण्डियननेस इन नाइट ऑफ स्कारपियोज' विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का संचालन बी.ए. भाग–दो की छात्रा दीप्ति चतुर्वेदी एवं आभार ज्ञापन अंग्रेजी विभाग की प्रभारी श्रीमती कविता मन्ध्यान ने किया।

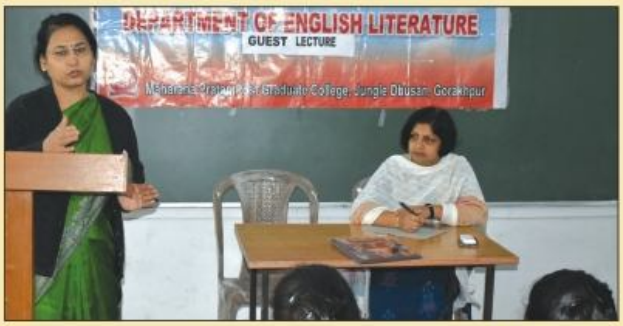

विशिष्ट व्याख्यान में व्याख्यान प्रस्तुत करतीं डॉ. नीलिमा दूबे

रसायन विज्ञान विभाग के शैक्षणिक भ्रमण पर विभागीय शिक्षक एवं विद्यार्थी

रसायन विज्ञान विभाग द्वारा शैक्षणिक भ्रमण

27–28 जनवरी को रसायन विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री प्रदीप वर्मा के संयोजन में रसायन विज्ञान विभाग के स्नातक तथा परास्नातक स्तर के कुल 45 छात्र–छात्राओं ने लखनऊ साइंस सिटी, जनेश्वर मिश्र पार्क एवं गोमती रिवर फ्रन्ट का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस अवसर पर रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. शिवकुमार बर्नवाल, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. राम सहाय, श्रीमती प्रियंका मिश्रा, श्री गौरव तिवारी तथा प्रयोगशाला सहायक श्री ओमप्रकाश भी सम्मिलित रहे।

भूगोल विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

29 जनवरी को भूगोल विभाग द्वारा 'प्राकृतिक संसाधन एवं भारतीय क्रियाकलाप' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता बापू पी.जी. कॉलेज, पीपीगंज, गोरखपुर के भूगोल विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सुनिल कुमार प्रसाद ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शालू श्रीवास्तव तथा आभार ज्ञापन डॉ. अजय प्रताप निषाद ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान में मुख्य अतिथि डॉ. सुनील कुमार प्रसाद को स्मृति चिह्न भेंट करते श्री मंजेश्वर

सरस्वती पूजन

सरस्वती पूजन सम्पन्न करातीं महाविद्यालय की शिक्षिका श्रीमती पुष्पा निषाद

30 जनवरी को बसन्त पंचमी के अवसर पर सरस्वती पूजन का आयोजन किया गया। सरस्वती पूजन में मुख्य यजमान बी.एड्. विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर श्रीमती पुष्पा निषाद रहीं। पूजन कार्य, हवन एवं आरती गोरखनाथ संस्कृत विद्यालय के आचार्य द्वारा दिव्य मंत्रोचारण के साथ सम्पन्न कराया गया। सरस्वती पूजा में महाविद्यालय के समस्त शिक्षक, विद्यार्थी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

शैक्षिक प्रदर्शनी का अवलोकन करतीं महाविद्यालय की शिक्षिकाएं

गृह-विज्ञान विभाग में शैक्षिक प्रदर्शनी

30 जनवरी को गृह विज्ञान विभाग में शैक्षिक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन महात्मा गाँधी पी.जी. कॉलेज, गोरखपुर की गृह-विज्ञान विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. श्वेता सिंह ने किया। प्रदर्शनी में प्रथम स्थान पिंकी सिंह (बी.ए. भाग-एक), द्वितीय स्थान संयुक्त रूप से शिवांगी मिश्रा एवं निष्ठा मिश्रा (एम.ए. प्रथम वर्ष), तृतीय स्थान संयुक्त रूप से सुश्री सरोज विश्वकर्मा एवं अम्बिका सिंह (बी.ए. भाग-तीन) तथा सांत्वना पुरस्कार संध्या भारती (सिलाई-कढ़ाई विभाग) ने प्राप्त किया। निर्णायक के रूप में गणित विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव, हिन्दी विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सुधा शुक्ला तथा बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह रहीं।

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करतीं डॉ. श्वेता सिंह

गृह-विज्ञान विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

30 जनवरी को गृह विज्ञान विभाग में 'पारम्परिक कढ़ाई' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में इस विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में महात्मा गाँधी पी.जी. कॉलेज, गोरखपुर की गृह विज्ञान विभाग की प्रवक्ता डॉ. श्वेता सिंह ने उद्बोधन दिया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री सुनिधि गुप्ता तथा संयोजन श्रीमती किरन सिंह ने किया।

मेजर सोमनाथ शर्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करते महाविद्यालय के प्राचार्य

मेजर सोमनाथ शर्मा जयन्ती

31 जनवरी को प्रार्थना सभा में परमवीर चक्र विजेता मेजर सोमनाथ शर्मा की जयन्ती पर प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने मेजर सोमनाथ शर्मा के

व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया।

बी.एड्. विभाग में एकदिवसीय कार्यशाला

31 जनवरी को बी.एड्. विभाग में 'शिक्षक प्रशिक्षण में कला की भूमिका' विषय पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य वक्ता कामता प्रसाद सुन्दरलाल साकेत पी.जी. कॉलेज, अयोध्या की बी.एड्. विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. कुमुद सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री रचना सिंह तथा अध्यक्षता बी.एड्. विभाग की अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया।

कार्यशाला को सम्बोधित करतीं डॉ. कुमुद सिंह

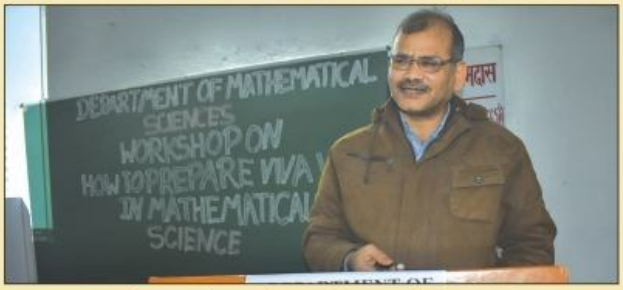

कार्यशाला में उद्बोधन देते डॉ. शैलेन्द्र ठाकुर

गणित विभाग में एक दिवसीय कार्यशाला

31 जनवरी को गणित विभाग द्वारा 'गणितीय विज्ञान में मौखिकीय विषय की तैयारी' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता भौतिक विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. शैलेन्द्र ठाकुर तथा कम्प्यूटर साइंस विभाग के प्रभारी श्री विरेन्द्र तिवारी ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यशाला का संचालन और संयोजन गणित विभाग के प्रभारी श्री श्रीकांत मणि त्रिपाठी ने किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना का तृतीय एकदिवसीय शिविर

31 जनवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना का तृतीय एक दिवसीय शिविर अभिगृहित ग्राम हसनगंज, जंगल धूसड़ में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाओं द्वारा जन जागरण रैली एवं श्रमदान कर सेवाकार्य किया गया।

रा.से.यो. के तीसरे एकदिवसीय शिविर के अवसर पर जन जागरण रैली निकालते स्वयंसेविकाएं

प्रार्थना सभा के समापन अवसर पर उपस्थित महाविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी

पठन-पाठन पूर्ण

महाविद्यालय के पाठ्यक्रम योजनानुसार 31 जनवरी को पाठ्यक्रम पूर्ण होने के साथ सत्र पूर्ण हुआ। इस सत्र की अन्तिम प्रार्थना सभा में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने श्रीमद्भगवद्गीता के अन्तिम अध्याय के श्लोकों का वाचन करते हुए श्रीमद्भगवद्गीता की शिक्षाओं का सार प्रस्तुत किया तथा विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय परीक्षा की शुभकामनाएं दी।

राष्ट्रीय सेवा योजना का सप्तदिवसीय शिविर

उद्घाटन समारोह

02 से 08 फरवरी तक राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्तदिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया। 2 फरवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्तदिवसीय शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोररखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. केशव सिंह ने किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में महाराणा प्रताप कृषक इंटर कालेज, जंगल धूसड़ के प्रधानाचार्य डॉ. संदीप कुमार सिंह ने स्वयंसेवक तथा स्वयंसेविकाओं को सम्बोधित किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह ने इस सप्तदिवसीय विशेष शिविर की प्रस्ताविका प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग के प्रभारी श्री सुबोध कुमार मिश्र ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

सप्तदिवसीय विशेष शिविर के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. केशव सिंह का स्वागत करते महाविद्यालय के प्राचार्य

सप्तदिवसीय विशेष शिविर के उद्घाटन अवसर पर उपस्थित राष्ट्रीय सेवा योजना के शिविरार्थी

बौद्धिक सत्र में व्याख्यान प्रस्तुत करते प्रो. दिनेश कुमार सिंह

शिविर का दूसरा दिन

03 फरवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्तदिवसीय विशेष शिविर के दूसरे दिन बौद्धिक सत्र में 'पर्यावरण संरक्षण एवं जल संरक्षरण' विषय पर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्राणि विज्ञान विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. दिनेश कुमार सिंह ने उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. विजय कुमार चौधरी तथा संचालन स्वयंसेवक श्री सत्य प्रकाश तिवारी ने किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह ने अतिथि के प्रति आभार ज्ञापति किया। कार्यक्रम में स्वयंसेवक, स्वयंसेविकाएं, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह, श्रीमती किरन सिंह उपस्थित रहे।

बौद्धिक सत्र में व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय

शिविर का तीसरा दिन

04 फरवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्तदिवसीय विशेष शिविर के तीसरे दिन प्रात:काल स्वयंसेवक व स्वयंसेविकाओं ने अधिग्रहित ग्राम हसनगंज में जनजागरूकता रैली एवं नुक्कड़ नाटक तथा श्रमदान के माध्यम से ग्रामवासियों को जागरूक किया। बौद्धिक सत्र में 'व्यक्तित्व विकास के विभिन्न आयाम' विषय पर किसान पी.जी. कॉलेज, सेवरही, कुशीनगर के पूर्व प्राचार्य डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अंग्रेजी विभाग की प्रभारी श्रीमती कविता मन्ध्यान ने किया। कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेवक श्री अभिषेक कुमार सिंह तथा आभार ज्ञापन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह ने किया।

शिविर का चौथा दिन

बौद्धिक सत्र में व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. राजेन्द्र भारती

05 फरवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्तदिवसीय विशेष शिविर के चौथे दिन 'व्यक्तित्व के अनुशासनात्मक पहलू' विषय पर राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड्गवासला के सेवानिवृत्त भौतिकी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राजेन्द्र भारती ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वाणिज्य विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सुभाष कुमार गुप्ता ने किया। कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेवक श्री प्रकाश पाण्डेय तथा आभार ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती किरन सिंह ने किया। स्वयंसेवक व स्वयंसेविकाओं ने अभिग्रहित गाँव हसनगंज, जंगल धूसड़ में ग्रामवासियों को स्वास्थ्य जागरूकता अभियान के अन्तर्गत घर-घर जाकर जागरूक किया। जनजागरण के उपरांत स्वयंसेवक द्वारा योगिराज बाबा गंभीरनाथ सेवाश्रम में श्रमदान किया गया।

बौद्धिक सत्र में शिविरार्थियों का मार्गदर्शन करते डॉ. बलवान सिंह

शिविर का पांचवां दिन

06 फरवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्तदिवसीय विशेष शिविर के पांचवें दिन बौद्धिक सत्र में 'शारीरिक एवं मानसिक समस्याओं का योग द्वारा उपचार' विषय पर भटवली महाविद्यालय, भटवली के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के असिस्टेंट

प्रोफेसर एवं योग विशेषज्ञ डॉ. बलवान सिंह ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कम्प्यूटर साइंस विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. हरविन्द श्रीवास्तव ने की। अतिथि स्वागत बी.एड्. विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर श्रीमती पुष्पा निषाद तथा आभार ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ सिंह ने किया। कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेवक श्री सूरज गुप्ता द्वारा किया गया। बौद्धिक सत्र से पूर्व स्वयंसेवक व स्वयंसेविकाओं द्वारा अभिग्रहित गाँव हसनगंज, जंगल धूसड़ में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया तथा 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' अभियान के अन्तर्गत कन्या भ्रूण हत्या पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर ग्रामवासियों को जागरूक किया गया।

बौद्धिक सत्र में उद्बोधन देते डॉ. वी.के. श्रीवास्तव

शिविर का छठवां दिन

07 फरवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्तदिवसीय विशेष शिविर के छठवें दिन बौद्धिक सत्र के अन्तर्गत 'स्वच्छता एवं स्वास्थ्य' विषय पर बी.आर. डी. मेडिकल कालेज, गोरखपुर के इन्सेफेलाइटिस अभियान के नोडल अधिकारी डॉ. वी.के. श्रीवास्तव ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वनस्पति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव ने की। कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेविका दीक्षा मिश्रा ने तथा आभार ज्ञापन राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती किरन सिंह ने किया। कार्यक्रम में स्वयंसेवक व स्वयंसेविकाओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

शिविर के समापन समारोह पर शिविरार्थियों का मार्गदर्शन करते डॉ. अश्वनी कुमार मिश्र

शिविर का समापन समारोह

08 फरवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्तदिवसीय शिविर के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, गोरखपुर डॉ. अश्वनी कुमार मिश्र ने शिविरार्थियों को संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के सदस्य श्री प्रमथनाथ मिश्र ने की। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह ने सात दिनों के शिविर में किये गये अलग-अलग कार्यों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। समापन समारोह में स्वयंसेवक व स्वयंसेविकाओं द्वारा सरस्वती वन्दना, स्वागत गीत, एकल गीत, समूह गीत प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का संचालन व संयोजन प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के अध्यक्ष श्री सुबोध कुमार मिश्र ने तथा आभार ज्ञापन भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. योगेन्द्र पाल कोहली

रसायन विज्ञान विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

03 फरवरी को रसायन विज्ञान विभाग में 'उत्तर-पूर्वी भारत की जनजातियों में लोकप्रिय आहार' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस विषय पर बतौर मुख्य वक्ता ताराचन्द पी.जी. कालेज, निचलौल, महराजगंज के प्राचार्य डॉ. योगेन्द्र पाल कोहली ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. शिव कुमार बर्नवाल, संचालन डॉ. राम सहाय तथा आभार ज्ञापन श्री प्रदीप वर्मा ने किया।

उपचारात्मक कक्षाओं में प्रतिभाग करते बी.एड्. विभाग के विद्यार्थी एवं शिक्षक

बी.एड्. विभाग में उपचारात्मक कक्षाएं

06–11 फरवरी तक बी.एड्. विभाग द्वारा विषयगत समस्याओं के समाधान के लिए उपचारात्मक कक्षाएं संचालित की गयी। बी.एड्. प्रथम वर्ष में श्रीमती शिप्रा सिंह, श्रीमती साधना सिंह, श्रीमती पुष्पा निषाद, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, सुश्री रचना सिंह तथा सुश्री श्वेता चौबे ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया, जबकि बी.एड्. अंतिम वर्ष में श्रीमती विभा सिंह, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव तथा श्री नवनीत सिंह द्वारा कक्षाएं संचालित की गयीं।

विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा देते महाविद्यालय के विद्यार्थी

विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा

06–19 फरवरी तक महाविद्यालय में विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा सुचिता पूर्वक सम्पन्न हुई तथा परीक्षा परिणाम 21 फरवरी को घोषित किया गया।

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम में उद्बोधन देते डॉ. नागेन्द्र नाथ यादव

रसायन विज्ञान विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

13 फरवरी को रसायन विज्ञान विभाग द्वारा विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में नार्थ इस्टर्न रिजनल इन्स्टीट्यूट ऑफ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी, निर्जुली, अरुणांचल प्रदेश के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. नागेन्द्र नाथ यादव ने 'हरित रसायन' विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रसायन विभाग के अध्यक्ष डॉ. शिव कुमार बर्नवाल ने की, संचालन डॉ. राम सहाय तथा आभार ज्ञापन श्री प्रदीप वर्मा ने किया।

राष्ट्रीय सेवायोजना का चतुर्थ एकदिवसीय शिविर

जन–जागरुकता रैली

21 फरवरी 2020 को राष्ट्रीय सेवा योजना का चतुर्थ एकदिवसीय शिविर अभिगृहीत ग्राम हसनगंज में सम्पन्न हुआ। इस शिविर में गुरु श्रीगोरक्षनाथ एवं हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई के सभी स्वयंसेवक तथा स्वयंसेविकाओं ने अभिगृहीत ग्राम में स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं साक्षरता के लिए जन–जागरण अभियान चलाया। स्वयंसेवक तथा स्वयंसेविकाएं स्वयं स्वच्छता अभियान में सम्मिलित हुए। महाविद्यालय से रैली के रुप में जन–जागरण करते हुए वे अभिगृहीत ग्राम तक पहुँचे।

जन–जागरुकता रैली के दौरान सेवा कार्य करते रा.से.यो. के स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाएं

बी.एड्. विभाग द्वारा पाँचदिवसीय रोवर–रेंजर्स विशेष शिविर

बी.एड्. विभाग द्वारा बी.एड्. प्रथम वर्ष के सभी छात्राध्यापक के लिए पाँचदिवसीय रोवर–रेंजर्स विशेष शिविर 20 फरवरी से प्रारम्भ हुआ। यह शिविर 24 फरवरी का पूर्ण होगा। रोवर–रेंजर्स पाँचदिवसीय शिविर में सभी प्रशिक्षुओं को रोवर–रेंजर्स के प्रभारी श्री अजय कुमार सिंह के नेतृत्व में रोवर–रेंजर्स के प्रशिक्षार्थियों की टीम प्रशिक्षण देगी।

रोवर–रेंजर्स के पाँचदिवसीय विशेष शिविर का उद्घाटन एवं प्रशिक्षुओं से प्रशिक्षण प्राप्त करते शिविरार्थी

युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज की 50वीं तथा राष्ट्रसन्त ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की 5वीं पुण्यतिथि समारोह के अन्तर्गत महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम

1. गुरु श्रीगोरक्षनाथ शोध एवं अध्ययन केन्द्र के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम

आश्विन कृष्ण तृतीया सम्वत् 2076 को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक युगपुरुष गोरक्षपीठाधीश्वर ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज की 50वीं पुण्यतिथि है। आश्विन कृष्ण चतुर्थी को महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़ के संस्थापक अध्यक्ष राष्ट्रसन्त ब्रह्मलीन गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की 5वीं पुण्यतिथि है। गोरक्षपीठाधीश्वर द्वय की पुण्यतिथि में महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि के रुप में उन्हें समर्पित है। ये सभी कार्यक्रम महाविद्यालय द्वारा संचालित गुरु श्रीगोरक्षनाथ शोध एवं अध्ययन केन्द्र द्वारा आयोजित किए गये।

I. सप्तदिवसीय व्याख्यान माला (16–22 अगस्त 2019)

व्याख्यान माला का उद्घाटन

16 अगस्त को युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज की 50वीं एवं राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की 05वीं पुण्यतिथि के पावन स्मृति में आयोजित सप्त दिवसीय व्याख्यान माला के उदघाटन अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन, नई दिल्ली के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनन्त नारायण भट्ट ने ''आयुर्वेद एण्ड मार्डन मेडिसिन : प्रॉस्पेक्ट्स, लिमिटेशन्स एण्ड चैलेंजेज'' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. उदय प्रताप सिंह ने की। मुख्य अतिथि के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के कुलपति प्रो. वी.के. सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम की प्रस्ताविकी एवं आभार ज्ञापन प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने किया।

सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के उद्घाटन अवसर पर उपस्थित मंचस्थ अतिथि

व्याख्यानमाला के दूसरे दिन व्याख्यान प्रस्तुत करते ले.ज. मानवेन्द्र सिंह

व्याख्यान-माला के दूसरे दिन

17 अगस्त को मुख्य वक्ता भारतीय सेना के अवकाश प्राप्त ले. जनरल मानवेन्द्र सिंह ने ''सशस्त्र बलों को जाने'' विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में दूसरे वक्ता के रूप में महाविद्यालय के प्राणि विज्ञान के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री विनय कुमार सिंह ने 'क्लाईमेट चेंज एण्ड ग्लोबल वार्मिंग' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। आभार ज्ञापन भूगोल विभाग के अध्यक्ष, डॉ. विजय कुमार चौधरी तथा संचालन गणित विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव ने किया।

व्याख्यानमाला के तीसरे दिन व्याख्यान प्रस्तुत करते श्री विजय कृष्ण पाठक

व्याख्यान माला के तीसरे दिन

18 अगस्त को 'भारत की आपराधिक न्याय व्यवस्था विषय पर सी.बी.आई नई दिल्ली के लोक अभियोजक श्री विजय कृष्ण पाठक ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। दूसरे वक्ता के रूप में महाविद्यालय की अंग्रेजी विभाग की प्रभारी श्रीमती कविता मंध्यान् ने ''इमर्सन एण्ड हिज हिन्दू फिलॉसफी'' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में आभार ज्ञापन राजनीतिशास्त्र विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. कृष्ण कुमार पाठक तथा संचालन बी.एड्. विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री नवनीत कुमार सिंह ने किया।

व्याख्यानमाला के चौथे दिन व्याख्यान प्रस्तुत करते प्रो. दिनेश कुमार सिंह

व्याख्यान माला के चौथे दिन

19 अगस्त को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्राणि विज्ञान विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष एवं वैज्ञानिक प्रो. दिनेश कुमार सिंह ने ''अस्तित्व के केन्द्र से अस्तित्व के केन्द्र तक ऊर्जा का प्रवाह'' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। दूसरे वक्ता के रूप में महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सुभाष कुमार गुप्ता ने ''डिजीटल इण्डिया के बढ़ते कदम'' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। आभार ज्ञापन प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव तथा संचालन प्राणि विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री नवनीत कुमार ने किया।

व्याख्यान माला के पाँचवे दिन

20 अगस्त को ''प्राचीन भारत की वैज्ञानिक उपलब्धियाँ'' विषय पर रसायनशास्त्र विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वाराणसी के आचार्य डॉ. वी. रामानाथन ने व्याख्यान प्रस्तुत किया तथा दूसरे वक्ता के रूप में राजनीतिशास्त्र विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. कृष्ण कुमार पाठक ने ''वैश्विक स्तर पर उभरता भारत'' विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में आभार ज्ञापन रसायनशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. शिव कुमार बर्नवाल तथा संचालन रसायनशास्त्र विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर श्रीमती प्रियंका मिश्रा ने किया।

व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. वी. रामानाथन

व्याख्यान माला के छठवें दिन

21 अगस्त को नई दिल्ली के वरिष्ठ पत्रकार श्री दिलीप सिंह ने ''भारतीय मीडिया की चुनौतियाँ'' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। दूसरे वक्ता के रूप में भौतिक विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. शैलेन्द्र ठाकुर ने ''लिक्विड क्रिस्टल एण्ड इट्स एप्लीकेशन'' विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में आभार ज्ञापन प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव एवं संचालन मनोविज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र ने किया।

व्याख्यान प्रस्तुत करते श्री दिलीप सिंह

व्याख्यान माला : समापन समारोह

22 अगस्त को महाविद्यालय में आयोजित युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज तथा राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ स्मृति सप्त दिवसीय व्याख्यान माला के समापन अवसर पर ''नवगठित सरकार एवं सरकार के समक्ष आंतरिक चुनौतियाँ'' विषय पर प्रतिष्ठित राजनैतिक-सामाजिक चिंतक एवं विचारक पुष्पेन्द्र कुलश्रेष्ठ ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एवं प्रबंध समिति के अध्यक्ष प्रो. उदय प्रताप सिंह ने तथा आभार ज्ञापन प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव एवं संचालन प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के अध्यक्ष श्री सुबोध कुमार मिश्र ने किया।

व्याख्यानमाल के समापन अवसर पर व्याख्यान प्रस्तुत करते श्री पुष्पेन्द्र कुलश्रेष्ठ

''विमर्श'' का प्रकाशन एवं लोकार्पण

विमर्श का विमोचन करते मंचस्थ अतिथि

युगपुरुष गोरक्षपीठाधीश्वर ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज की 50वीं पुण्यतिथि तथा राष्ट्रसन्त गोरक्षपीठाधीश्वर ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की 05वीं पुण्यतिथि की स्मृति में समर्पित शोध पत्रिका 'विमर्श-2019' का प्रकाशन हुआ। इस पत्रिका का विमोचन श्री गोरखनाथ मन्दिर के साप्ताहिक पुण्यतिथि समारोह में 18 सितम्बर को उ.प्र. मुख्यमंत्री गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज के सानिध्य में किया गया।

श्रद्धांजलि सभा

श्रद्धांजलि सभा

आश्विन कृष्ण तृतीया तद्नुसार 17 सितम्बर को युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज की 50वीं पुण्यतिथि तथा राष्ट्रसन्त गोरक्षपीठाधीश्वर ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की 05वीं पुण्यतिथि की स्मृति में महाविद्यालय में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में किसान पी.जी. कालेज, सेवरहीं के पूर्व प्राचार्य डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय ने महाराज जी द्वय के व्यक्तित्व एवं उनके सामाजिक, राष्ट्रीय अवदानों पर अपने उद्बोधन के माध्यम से प्रकाश डाला। इस अवसर पर डॉ. विजय कुमार चौधरी, डॉ. अविनाश प्रताप सिंह एवं श्री श्रीकान्त मणि त्रिपाठी ने भी महाराज जी लोगों के विराट व्यक्तित्व का स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की अध्यक्षता रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. शिव कुमार बर्नवाल ने किया

श्रद्धांजलि सभा में उद्बोधन देते हुए डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय एवं उपस्थित शिक्षक तथा विद्यार्थीगण

समावर्तन–2020

युगपुरुष गोरक्षपीठाधीश्वर ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज के 125वें जयन्ती वर्ष राष्ट्रसन्त गोरक्षपीठाधीश्वर ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज के जन्म शताब्दी वर्ष में आयोजित कार्यक्रम

श्री गोरक्षपीठ उसके भक्तों और उसके द्वारा पुष्पित–पल्लवित सभी संस्थानों के लिए वर्तमान सत्र का विशेष महत्व है। यह वर्ष युगपुरुष गोरक्षपीठाधीश्वर ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज का 125वां जयन्ती वर्ष है। यह वर्ष राष्ट्रसन्त गोरक्षपीठाधीश्वर ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज का जन्म शताब्दी वर्ष भी है। यह वार्षिक समारोह श्रीगोरखनाथ मन्दिर में आयोजित साप्ताहिक पुण्यतिथि समारोह से अगले वर्ष के साप्ताहिक पुण्यतिथि समारोह तक मनाया जा रहा है। महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़ जिस महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा स्थापित एवं संचालित है, उसके संस्थापक ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज है। गोरक्षपीठाधीश्वर ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज के आशिर्वाद एवं प्रेरणा से ही महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज की स्थापना हुई, और वे इस महाविद्यालय के संस्थापक अध्यक्ष थे। स्वाभाविक है यह वर्ष अपने पूज्य गोरक्षपीठाधीश्वर द्वय की स्मृतियों से नई उर्जा के साथ आगे बढ़ने हेतु प्रेरणा लेने का अवसर है। महाविद्यालय द्वारा इस सत्र में युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की स्मृतियों को समर्पित विविध आयोजन किये जा रहे हैं। अब तक सम्पन्न कार्यक्रम का संक्षिप्त विवरण यहाँ दिया जा रहा है।

श्रीगोरक्षनाथ मन्दिर में पुण्यतिथि सप्ताह समारोह

युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की साप्ताहिक पुण्यतिथि समारोह का उद्घाटन

पुण्यतिथि कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर उपस्थित मंचस्थ अतिथिगण

12 सितम्बर को युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसंत महंत अवेद्यनाथ जी महाराज के पुण्यतिथि सप्ताह समारोह के उद्घाटन अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में 'राष्ट्रीय पुनर्जागरण यज्ञ और संत समाज' विषय पर बोलते हुए उ.प्र. के यशस्वी मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जी महाराज ने मठ और मंदिरों से अपील की कि वह पूजा पाठ तक ही सीमित न रहे बल्कि राष्ट्रीय भावना के साथ लोक कल्याणकारी कार्यो के लिए आगे आए। कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली के अध्यक्ष प्रो. सतीश चन्द्र मित्तल ने अपना विचार प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष पूर्व कुलपति प्रो. यू. पी. सिंह, पूर्व कुलपति प्रो. रामअचल सिंह, महन्त सुरेशदास जी महाराज सहित सन्त-महात्मा उपस्थित थे।

युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की साप्ताहिक पुण्यतिथि समारोह का समापन

पुण्यतिथि कार्यक्रम के समापन अवसर पर उपस्थित पूज्य महाराज जी एवं मंचस्थ अतिथिगण

18 सितम्बर को युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसंत महंत अवेद्यनाथ जी महाराज के सप्ताहिक पुण्यतिथि समारोह का 'भव्य समापन' गोरखनाथ मंदिर में हुआ जिसमें महाविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी सम्मिलित हुए। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में देश के सिद्ध संतो और महंतो के अलावा सभा के अध्यक्ष मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज के साथ केन्द्रीय पेट्रोलियम मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान, शंकराचार्य वासुदेवानन्द सरस्वती जी महाराज एवं महन्त नृत्यगोपालदास जी महाराज की गरिमामयी उपस्थिति रही।

युगपुरुष गोरक्षपीठाधीश्वर ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज के 125वें
राष्ट्रसन्त गोरक्षपीठाधीश्वर ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज के जन्म शताब्दी वर्ष
के पावन अवसर पर

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित
भूगोल विभाग-महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़ द्वारा

वैश्विक उर्जा परिदृष्य एवं भारत उपमहाद्वीप : चुनौतियाँ एवं अवसर

विषय पर आयोजित
दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

आश्विन शुक्ल सप्तमी-अष्टमी, विक्रम संवत् 2076
तद्नुसार, 05-06 अक्टूबर, 2019

उद्घाटन

राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन अवसर पर उद्बोधन देते डॉ. पृथ्वीश नाग

05-06 अक्टूबर को भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधाान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित ''वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य एवं भारत-उपमहाद्वीप : चुनौतियाँ और अवसर'' विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन भूगोल विभाग द्वारा किया गया। संगोष्ठी का उद्घाटन 05 अक्टूबर को मुख्य अतिथि महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी के पूर्व कुलपति एवं सर्वे ऑफ इण्डिया के पूर्व महानिदेशक डॉ. पृथ्वीशनाग ने किया। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर के कुलपति प्रो. श्रीनिवास सिंह ने किया। बीज वक्तव्य दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्राणि विज्ञान विभाग के प्रतिष्ठित वैज्ञानिक प्रो. दिनेश कुमार सिंह ने प्रस्तुत किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के भूगोल विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. जे.एन. पाण्डेय, विभागाध्यक्ष प्रो. एस.के. सिंह एवं भागलपुर विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के आचार्य प्रो. एन. पाण्डेय उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने अतिथियों के स्वागतोपरान्त दो दिनों तक चलने वाली इस गोष्ठी की प्रस्ताविकी प्रस्तुत की। उद्घाटन समारोह का संचालन महाविद्यालय के भूगोल विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अजय प्रताप निषाद तथा आभार ज्ञापन भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी ने किया।

राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मंचस्थ अतिथि एवं प्रस्ताविकी प्रस्तुत करते प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव

डॉ. पृथ्वीश नाग ने अपनी पुस्तक प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव को भेंट की

प्रथम तकनीकी सत्र

प्रथम तकनीकी सत्र में बतौर अध्यक्ष महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ वाराणसी के पूर्व कुलपति एवं सर्वे ऑफ इण्डिया के पूर्व महानिदेशक प्रो. पृथ्वीश नाग ने 'रिस्यूज इनरजेसिया एण्ड इण्डिया' विषय पर अपना विचार प्रस्तुत किया। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्राणि विज्ञान विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. डी.के. सिंह ने 'इनर्जीज फ्यूचर ऑन प्लेनेट अर्थ' पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया। इस सत्र में कुल 10 प्रतिभागियों ने अपने शोध पत्रों का वाचन किया।

प्रथम तकनीकी सत्र में व्याख्यान प्रस्तुत करते मुख्य अतिथि प्रो. डी.के. सिंह

प्रथम तकनीकी सत्र में अध्यक्षीय उद्बोधन देते प्रो. पृथ्वीश नाग

द्वितीय तकनीकी सत्र

द्वितीय तकनीकी सत्र में बतौर अध्यक्ष दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के पूर्व प्रतिकुलपति प्रो. एस. के. दीक्षित ने 'भारत में ऊर्जा संसाधनों में निर्भरता' विषय पर अपना व्याख्यान

राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में उपस्थित अतिथि, शोधार्थी, शिक्षक एवं विद्यार्थी

द्वितीय तकनीकी सत्र में व्याख्यान प्रस्तुत करते प्रो. नन्देश्वर शर्मा

किया। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के पूर्व अध्यक्ष प्रो. वी.के. श्रीवास्तव ने ''निर्मल ऊर्जा उपलब्धि का परिदृश्य'' विषय पर अपना विचार प्रस्तुत किया। इस सत्र में कुल 08 प्रतिभागियों ने भिन्न-भिन्न शीर्षकों पर अपने शोध पत्रों का वाचन किया।

तृतीय तकनीकी सत्र में व्याख्यान प्रस्तुत करते प्रो. एस.एन. पाण्डेय

तृतीय तकनीकी सत्र

06 अक्टूबर को कार्यशाला के दूसरे दिन प्रातः 09:00 बजे तृतीय तकनीकी सत्र प्रारम्भ हुआ। इस सत्र में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. जे.एन. पाण्डेय ने बतौर

शाधोर्थियों द्वारा निर्मित पोस्टर का अवलोकन करते प्रो. श्रीकान्त दीक्षित

तृतीय तकनीकी सत्र में शोध पत्र प्रस्तुत करते श्री रमाकान्त दूबे

तृतीय तकनीकी सत्र में शोध पत्र प्रस्तुत करते डॉ. अभिषेक सिंह

द्वितीय तकनीकी सत्र में व्याख्यान प्रस्तुत करते प्रो. जगत नारायण लाल

तृतीय तकनीकी सत्र में मंचस्थ अतिथि एवं महाविद्यालय के शिक्षक

तृतीय तकनीकी सत्र में शोध पत्र प्रस्तुत करते श्री संदीप कुमार यादव

अध्यक्ष 'जनसंख्या एवं संसाधन के अन्तर्सम्बन्ध' विषय पर विचार प्रस्तुत किया। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्रतिकुलपति प्रो. एस.के. दीक्षित ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस सत्र में रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री रमाकांत दूबे तथा डॉ. अभिषेक सिंह सहित कुल 07 प्रतिभागियों ने विभिन्न शीर्षकों पर अपने शोध पत्रों का वाचन किया।

समापन समारोह

06 अक्टूबर को राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन अवसर पर कार्यक्रम के अध्यक्ष के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के कुलपति प्रो. वी. के सिंह का सानिध्य प्राप्त हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के भूगोल विभाग के पूर्व अध्यक्ष एवं प्रतिष्ठित भूगोलविद् प्रो. वी.के. श्रीवास्तव, विशिष्ट अतिथि के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्रतिकुलपति प्रो. एस.के. दीक्षित तथा ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा के भूगोल विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. नन्देश्वर शर्मा के उद्बोधन के माध्यम से विद्यार्थियों को आशीवर्चन प्राप्त हुआ। अतिथियों का स्वागत एवं आभार ज्ञापन प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव तथा संचालन डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र ने किया।

तृतीय तकनीकी सत्र में उपस्थित गणमान्य अतिथि एवं शोधार्थी

राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह में उपस्थित मंचस्थ अतिथि

राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह में कुलपति प्रो. विजय कृष्ण सिंह को उत्तरीय तथा स्मृति चिह्न भेंट करते प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव

राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह में व्याख्यान प्रस्तुत करते मुख्य अतिथि प्रो. वी.के. श्रीवास्तव

युगपुरुष गोरक्षपीठाधीश्वर ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज के 125वें
राष्ट्रसन्त गोरक्षपीठाधीश्वर ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज के जन्म शताब्दी वर्ष
के पावन अवसर पर

नेपाल शोध एवं अध्ययन केन्द्र
महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज
जंगल धूसड़ द्वारा

भारत नेपाल सम्बन्ध एवं महन्त दिग्विजयनाथ
विषय पर आयोजित संगोष्ठी

कार्तिक कृष्ण 1, विक्रम संवत् 2076
तद्नुसार, 14 अक्टूबर, 2019

14 अक्टूबर को युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज का 125वां जयन्ती वर्ष एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज के जन्म शताब्दी वर्ष के अन्तर्गत 'भारत नेपाल संबंध एवं महन्त दिग्विजयनाथ' विषय पर महाविद्यालय में का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी के राजनीतिशास्त्र विभाग के आचार्य प्रो. तेजप्रताप सिंह तथा मुख्य अतिथि के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के इतिहास विभाग के पूर्व अध्यक्ष एवं प्रतिष्ठित इतिहासविद् प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी ने अपना विचार प्रस्तुत किया। संगोष्ठी की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने की। अतिथियों का स्वागत एवं आभार प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के अध्यक्ष श्री सुबोध कुमार मिश्र तथा संचालन राजनीतिशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने किया।

संगोष्ठी में विचार व्यक्त करते प्रो. तेज प्रताप सिंह

संगोष्ठी को सम्बोधित करते प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी

युगपुरुष गोरक्षपीठाधीश्वर ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज के 125वें
राष्ट्रसन्त गोरक्षपीठाधीश्वर ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज के जन्म शताब्दी वर्ष
के पावन अवसर पर
भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित
नेपाल शोध एवं अध्ययन केन्द्र-महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़ तथा
भारतीय इतिहास संकलन समिति, गोरक्षप्रान्त द्वारा

भारतीय संस्कृति का विश्व में प्रसार

विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

पौष शुक्ल अष्टमी-नवमी, विक्रम संवत् 2076
तद्नुसार, 03-04 जनवरी, 2020

उद्घाटन सत्र

उद्घाटन सत्र में मंगल पाठ प्रस्तुत करते बौद्ध भिक्षुगण

03-04 जनवरी को भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित नेपाल शोध एवं अध्ययन केन्द्र तथा प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग, महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित ''भारतीय संस्कृति का विश्व में प्रसार'' विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन 03 जनवरी को हुआ जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में विश्व बुद्धिष्ट मिशन, जापान के अन्तर्राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मेधांकर रवि उपस्थित रहे। संगोष्ठी का बीज वक्तव्य नव नालन्दा महाविहार, बिहार के प्राचीन इतिहास एवं दक्षिण-पूर्व एशियाई अध्ययन विभाग के अतिथि व्याख्याता डॉ. प्रेम

संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र के अवसर पर उपस्थित मंचस्थ अतिथि

शंकर श्रीवास्तव ने प्रस्तुत किया। अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली के राष्ट्रीय संगठन सचिव डॉ. बालमुकुन्द पाण्डेय बतौर मुख्य वक्ता एवं दीनदयाल उपाध्याय गोखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. शीतला प्रसाद सिंह ने बतौर विशिष्ट अतिथि अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। कार्यक्रम की अध्यक्षता भारतीय इतिहास संकलन समिति, गोरक्षप्रांत के पूर्व अध्यक्ष डॉ. महेश कुमार शरण जी ने की। उद्घाटन सत्र का संचालन भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद के कनिष्ठ शोध अध्येता (जे.आर.एफ.) श्री सुबोध कुमार मिश्र ने किया। युगपुरुष गोरक्षपीठाधीश्वर ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसन्त गोरक्षपीठाधीश्वर ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज के क्रमशः 125वें जयन्ती वर्ष एवं जन्म शताब्दी वर्ष पर उनका पावन स्मरण करते हुए राष्ट्रीय संगोष्ठी प्रारम्भ हुयी।

संगोष्ठी में बतौर विशिष्ट अतिथि उद्बोधन देते प्रो. शीतला प्रसाद सिंह

मुख्य अतिथि के रूप में उद्बोधन देते डॉ. मेधांकर रवि

अध्यक्षीय उद्बोधन प्रस्तुत करते डॉ. महेश कुमार शरण

मुख्य अतिथि के रूप में उद्बोधन देते डॉ. मेधांकर रवि एवं मंचस्थ अतिथिगण

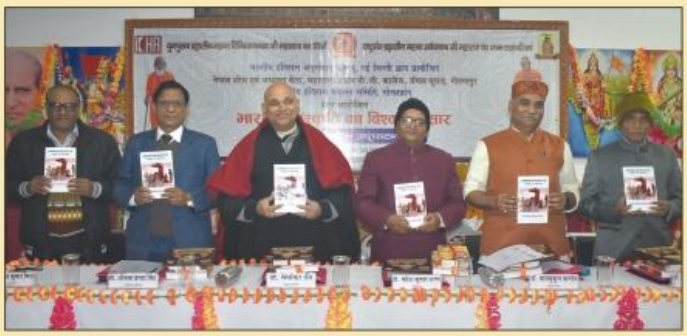

डॉ. महेश कुमार शरण द्वारा लिखित पुस्तक का विमोचन करते मंचस्थ अतिथि गण

संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में उपस्थित श्रोतागण

उद्घाटन सत्र की समाप्ति पर राष्ट्रगीत के सम्मान में मंचस्थ अतिथिगण

संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में उपस्थित श्रोतागण

प्रथम तकनीकी सत्र के मंचस्थ अतिथिगण

प्रथम तकनीकी सत्र

प्रथम तकनीकी सत्र की अध्यक्षता हिन्दी के प्रतिष्ठित साहित्यकार डॉ. अनुज प्रताप सिंह ने की जबकि सह अध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के सहायक आचार्य डॉ. रामप्यारे मिश्र ने की। विषय विशेषज्ञ के रूप में नवनालन्दा महाविहार के अतिथि व्याख्याता डॉ. प्रेमशंकर श्रीवास्तव ने ''दक्षिण एवं दक्षिण-पूर्व एशिया में

कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागी का सम्मान करते डॉ. महेश कुमार शरण

शोध-पत्र का वाचन करते बौद्ध भिक्षु

शोध-पत्र का वाचन करता प्रतिभागी एवं मंचस्थ अतिथिगण

शोध-पत्र का वाचन करती प्रतिभागी

भारतीय संस्कृति का प्रसार'' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। सत्र का संचालन आई. सी. एच. आर के पूर्व फेलो डॉ. प्रवीण कुमार त्रिपाठी ने तथा प्रतिवेदन यू.जी.सी. के फेलो डॉ. कन्हैया सिंह ने प्रस्तुत किया। इस सत्र में डॉ. बबिता कुमारी, डॉ. विनोद रावत, डॉ. प्रभास कुमार झा, भिक्षु भरत नारायण, भिक्षु अंबिका तथा भिक्षु हिमानन्द ने अपने शोध पत्रों का वाचन किया।

प्रथम तकनीकी सत्र के अवसर पर उपस्थित प्रतिभागी

विषय विशेषज्ञ के रूप में उद्बोधन देते हुए डॉ. प्रभाष कुमार झा

सह अध्यक्ष के रूप में उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए डॉ. राम प्यारे मिश्र

अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए डॉ. अनुज प्रताप सिंह

द्वितीय तकनीकी सत्र

द्वितीय तकनीकी सत्र की अध्यक्षता सन्त तुलसीदास पी.जी. कालेज कादीपुर, सुल्तानपुर के संस्कृत विभाग के पूर्व आचार्य डॉ. सुशील कुमार पाण्डेय ने की। सहअध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के आचार्य

द्वितीय तकनीकी सत्र का शोध-पत्र वाचन करते हुए प्रतिभागी

शोध पत्र प्रस्तुत करती हुई प्रतिभागी

प्रो. दिग्विजयनाथ मौर्य ने किया। माध्यमिक शिक्षा परिषद उ.प्र. के क्षेत्रीय सचिव डॉ. प्रभास कुमार झा विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। सत्र का संचालन डॉ. आशुतोष त्रिपाठी एवं प्रतिवेदन डॉ. कन्हैया सिंह ने किया। इस सत्र में डॉ. सचिन राय, डॉ. अमिता अग्रवाल तथा डॉ. सुमन सिंह सहित 09 प्रतिभगियों ने अपने शोध पत्रों का वाचन किया।

अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए डॉ. सुशील कुमार पाण्डेय

सह अध्यक्ष के रूप में उद्बोधन देते हुए प्रो. दिग्विजयनाथ मौर्य

मुक्त परिचर्चा सत्र

मुक्त परिचर्चा सत्र में उपस्थित विषय विशेषज्ञों का समूह

04 जनवरी को संगोष्ठी में एक मुक्त परिचर्चा सत्र का आयोजन किया गया। मुक्त परिचर्चा सत्र की अध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के इतिहास विभाग के आचार्य प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी ने की। सह-अध्यक्ष बुद्ध पी.जी. कालेज, कुशीनगर के इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. ज्ञानप्रकाश मंगलम रहे। मुक्त परिचर्चा सत्र में विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ. मनोज तिवारी, डॉ. राजेश नायक, डॉ. धर्मचन्द्र चौबे, डॉ. अम्बिका तिवारी, डॉ. सर्वेश शुक्ल आदि उपस्थित रहे।

मुक्त परिचर्चा सत्र में उपस्थित प्रतिभागीगण

मुक्त परिचर्चा सत्र में विषय विशेषज्ञों से प्रश्न पूछता महाविद्यालय का विद्यार्थी

विशेष व्याख्यान कार्यक्रम

विशेष व्याख्यान कार्यक्रम में उपस्थित मंचस्थ अतिथिगण

मुक्त परिचर्चा सत्र के समानान्तर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन जगत-जननी माँ सीतासभागार में किया गया। ''नाथ पंथ द्वारा प्रवर्तित योग का दक्षिण एशिया में प्रसार'' विषय पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने पी.पी.टी. के माध्यम से व्याख्यान प्रस्तुत किया। विशेष व्याख्यान कार्यक्रम में शोधार्थी, महाविद्यालय के विद्यार्थी, शिक्षकगण तथा गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

विशेष व्याख्यान सत्र के अवसर पर उपस्थित श्रोतागण

विशेष व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. प्रदीप कुमार राव

तृतीय तकनीकी सत्र

तृतीय तकनीकी सत्र का संचालन करते डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र एवं मंचस्थ अतिथिगण

तृतीय तकनीकी सत्र की अध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के आचार्य एवं पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. राजवन्त राव ने की। सह-अध्यक्ष के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग की आचार्य प्रो. प्रज्ञा चतुर्वेदी उपस्थित रहीं। विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ. काशी प्रसाद जायसवाल शोध संस्थान, पटना के शोध अन्वेषक डॉ. राकेश कुमार सिन्हा जी ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस सत्र का संचालन महाविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र ने जबकि प्रतिवेदन आई. सी.एस.एस.आर. के फेलो डॉ. सलिल कुमार पाण्डेय किया। सत्र में डॉ. कन्हैया सिंह, डॉ. प्रमिला द्विवेदी तथा डॉ. ब्रजेश कुमार पाण्डेय सहित 08 प्रतिभागियों ने अपने शोध पत्रों का वाचन किया।

शोध पत्र प्रस्तुत करती प्रतिभागी

चतुर्थ तकनीकी सत्र

तृतीय सत्र के समानान्तर चतुर्थ तकनीकी सत्र आयोजित हुआ जिसकी अध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. विपुला दुबे ने की जबकि सह-अध्यक्ष दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग के आचार्य डॉ. ध्यानेन्द्र नारायण दूबे रहे। विषय विशेषज्ञ के रूप में राजकीय महिला महाविद्यालय, अलवर, राजस्थान के प्राचार्य डॉ. धर्मचन्द्र चौबे एवं पी.जी.टी. नई दिल्ली के प्रवक्ता डॉ. ध्रुव कुमार जी उपस्थित रहे। इस सत्र का संचालन डॉ. सचिन राय तथा प्रतिवेदन डॉ. प्रवीण कुमार त्रिपाठी ने किया। इस तकनीकी सत्र में डॉ. अंजना राय, डॉ. इक्ष्वाकु सिंह, डॉ. प्रियंका, डॉ. अजय कुमार सिंह सहित 09 प्रतिभगियों ने अपने शोध पत्रों का वाचन किया।

शोध पत्र प्रस्तुत करता प्रतिभागी

चतुर्थ तकनीकी सत्र

विषय विशेषज्ञ के रूप में अपनी बात कहते डॉ. धर्मचन्द्र चौबे

सह अध्यक्ष के रूप में अपनी बात कहते डॉ. ध्यानेन्द्र नारायण दूबे

अध्यक्षीय उद्‌बोधन प्रस्तुत करतीं प्रो. विपुला दूबे

शोध-पत्र वाचन करते डॉ. सचिन राय

समापन सत्र

04 जनवरी को राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन सत्र की अध्यक्षता महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर के अध्यक्ष एवं वीरबहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के पूर्व कुलपति प्रो. उदय प्रताप सिंह ने की। मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के सदस्य सचिव, डॉ. कुमार रत्नम तथा मुख्य वक्ता के रूप में अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली के राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ. बालमुकुन्द पाण्डेय उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के निदेशक (शोध एवं प्रशासन) डॉ. ओमजी उपाध्याय कासानिध्य मिला। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के राजनीतिशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने किया।

शोध-पत्र वाचन करते डॉ. अविनाश प्रताप सिंह

समारोप सत्र के अवसर पर उपस्थित मंचस्थ अतिथिगण

मुख्य अतिथि प्रो. कुमार रत्नम का स्वागत एवं सम्मान करते प्रो. यू.पी. सिंह

विशिष्ट अतिथि के रूप में अपने विचार व्यक्त करते डॉ. ओमजी उपाध्याय

समापन सत्र में उपस्थित प्रतिभागी एवं अतिथि

मुख्य वक्ता के रूप में उद्बोधन देते हुए डॉ. बालमुकुन्द पाण्डेय

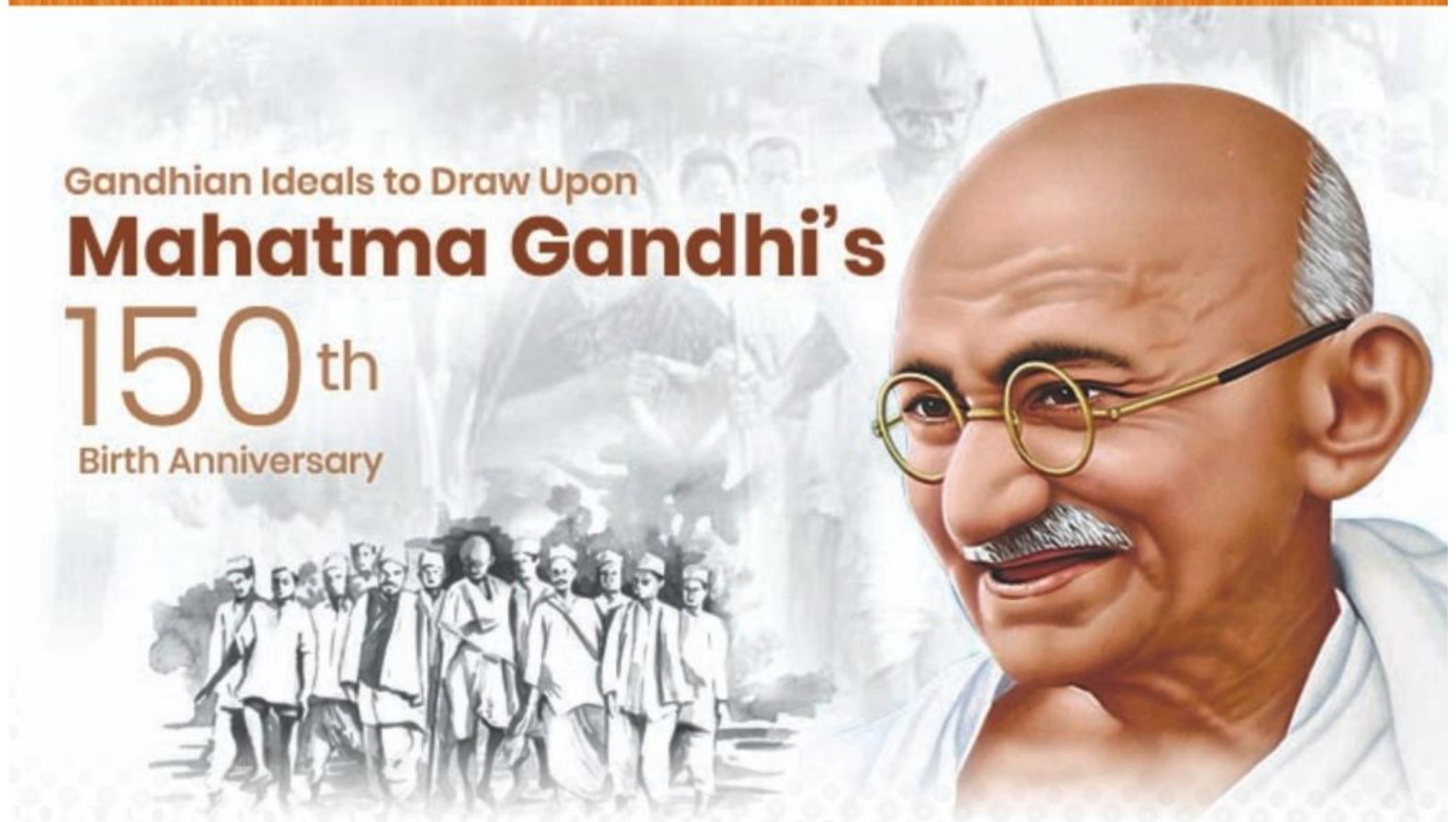

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के 150वें जयन्ती वर्ष

के अन्तर्गत

बी.एड्. विभाग

द्वारा आयोजित कार्यक्रम

02 अक्टूबर 2019 से 02 अक्टूबर 2020 तक

समावर्तन–2020

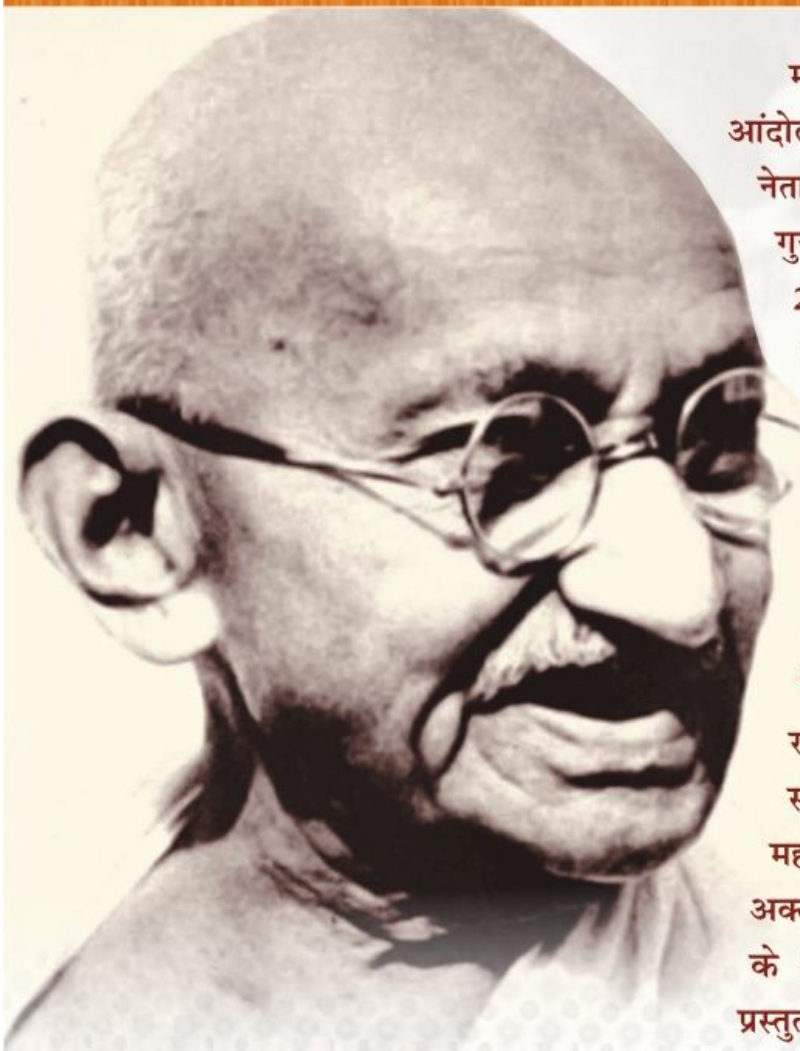

महात्मा गाँधी भारत एव भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के एक प्रमुख राजनैतिक एवं आध्यात्मिक नेता थे। आपका जन्म 02 अक्टूबर, 1869 को गुजरात के पोरबंदर में हुआ था। 02 अक्टूबर, 2019 को महात्मा गाँधी की जयन्ती वर्ष के 150 वर्ष पूर्ण हुए हैं। राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी अहिंसक स्वतंत्रता आन्दोलन के प्रतीक हैं। यह वर्ष महात्मा गाँधी के जन्म का 150वाँ वर्ष है। उनके जीवन दर्शन के प्रेरणास्पद बिन्दुओं को युवाओं तक पहुँचाने के उद्देश्य से बी.एड्. विभाग में महात्मा गाँधी के 150वें जयन्ती वर्ष में विविध आयोजन करनें की योजना बनाई। राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् द्वारा भी इस सन्दर्भ एक मार्गदर्शन पत्र प्राप्त हुआ। अत: महात्मा जी के ज्नम दिवस 2 अक्टूबर 2019 से 2 अक्टूबर 2020 तक निर्धारित आयोजन की शृंखला के अब तक सम्पन्न कार्यक्रमों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत है।

महात्मा गाँधी जयन्ती

महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज जंगल धूसड़ के बी.एड्. विभाग में 02 अक्टूबर गाँधी जयन्ती के अवसर पर सर्वप्रथम महात्मा गाँधी की प्रतिमा पर बी.एड्. विभाग के शिक्षकों एवं छात्राध्यापकों द्वारा माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि किया गया।

भजन- माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि के उपरान्त बी.एड्. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के छात्राध्यापकों द्वारा रामधुनी 'रघुपति राघव राजा राम', 'वैष्णव जन तो तेने कहिए' इत्यादि भजन के साथ देशभक्ति गीत आदि गाया गया।

गाँधी भजन करते बी.एड्. छात्राध्यापक

स्वच्छता- भजन के उपरान्त बी.एड्. विभाग के शिक्षकों एवं छात्राध्यापकों द्वारा महाविद्यालय में स्वच्छता कार्यक्रम किया

गया। महाविद्यालय में प्रत्येक शनिवार को स्वैच्छिक श्रमदान किया जाता है। इसमें बी.एड्. विभाग सम्मिलित रहता है। गाँधी जयन्ती के अवसर पर भी सभी शिक्षक–छात्राध्यापकों ने महाविद्यालय कैम्पस एवं उसके आस–पास के क्षेत्रों में सफाई किया।

गाँधी जयन्ती के अवसर पर परिसर के बाहर की सफाई करते शिक्षक एवं विद्यार्थी

बी.एड्. विभाग द्वारा गाँधी भजन कार्यक्रम में भजन प्रस्तुत करते छात्राध्यापक

गाँधी भजन कार्यक्रम - 23 नवम्बर

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर के बी.एड्. विभाग द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के प्रिय भजन 'रघुपति राघव राजाराम' कार्यक्रम का आयोजन बी.एड्. प्रथम–द्वितीय वर्ष के छात्राध्यापकों द्वारा 23 नवम्बर 2019 को भी किया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम गाँधी जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि करके गाँधी जी के प्रिय भजनों के साथ राष्ट्रीय गीतों का भी कार्यक्रम किया गया। ''गाँधी जी की शैक्षिक विचारधारा'' पर छात्राध्यापकों एवं शिक्षकों ने अपने विचार प्रस्तुत किए। इस अवसर पर बी.एड्. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के छात्राध्यापक एवं सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

बी.एड्. विभाग द्वारा आयोजित गाँधी भजन कार्यक्रम में गाँधी जी के दर्शन पर विचार प्रस्तुत करते छात्राध्यापक माधवेन्द्र पति त्रिपाठी

विशिष्ट व्याख्यान - 30 नवम्बर

महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में बी.एड्. विभाग में 30 नवम्बर 2019 को ''महात्मा गाँधी के शिक्षा दर्शन'' पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। अपना व्याख्यान देते हुए राजनीतिशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. यशवन्त राव, श्रीमती विभा सिंह, सुश्री दीप्ति गुप्ता आदि ने अपने विचार प्रस्तुत किए। वक्ताओं ने कहा कि गाँधी जी ने शिक्षा के द्वारा बालक की आत्मिक–बौद्धिक और शारीरिक क्षमता के उत्कृष्ट एवं सर्वांगीण विकास पर बल दिया। गाँधी जी ने एक ऐसी महान योजना का प्रतिपादन किया जो सम्पूर्ण मानव को शिक्षित करने पर बल देती है। उन्होंने इस योजना का सूत्रपात अपने दक्षिण अफ्रीका एवं भारत में शिक्षा के प्रयोग के फलस्वरूप प्राप्त लम्बे अनुभवों के आधार पर किया। गाँधी जी ने टाल्सटाय फार्म फोनिक्स स्टेट, चम्पारन, साबरमती गुजरात एवं वर्धा मे नये प्रयोग किये और इन स्थानों पर चरित्र, ज्ञान एवं क्रिया के विकास के लिए नये साधन खोजे। इन

प्रयोगों के द्वारा उन्होंने हाथ, हृदय एवं मस्तिष्क को प्रशिक्षित करने की योजना प्रस्तुत की ताकि सम्पूर्ण मानव को शिक्षित किया जा सके। गाँधी जी ने भारत की सामाजिक एवं राजनैतिक परिस्थितियों के अनुरूप राष्ट्रीय शिक्षा की योजना प्रस्तुत की जो भारत को न केवल स्वंतत्र बनाने के लिए सम्पूर्ण आर्थिक, सामाजिक एवं राजनैतिक जीवन को पुनर्जीवित करने वाली थी। यह एक ऐसी शिक्षा प्रणाली थी जो देश की शिक्षा में एकरूपता उत्पन्न करने वाली थी, जो भारतवासियों को एकता के सूत्र में बांधने के लिए आवश्यक थी। गाँधी जी की महत्वपूर्ण देन उनका सर्वोदय अर्थात् सभी के उत्थान का विचार है। वे ऐसे समाज की स्थापना करना चाहते थे जिसमें अन्याय, घृणा, जाति-पाति और अमीर-गरीब का कोई चिन्ह् नहीं होगा। व्याख्यान की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने की।

बी.एड्. विभाग द्वारा आयोजित विशिष्ट व्याख्यान 'महात्मा गाँधी जी के शिक्षा दर्शन' पर उपस्थित शिक्षकगण

बी.एड्. विभाग द्वारा आयोजित विशिष्ट व्याख्यान 'महात्मा गाँधी जी के शिक्षा दर्शन' कार्यक्रम में सहभाग करते छात्राध्यापक

बी.एड्. विभाग द्वारा आयोजित विशिष्ट व्याख्यान 'महात्मा गाँधी जी के शिक्षा दर्शन' विषय पर उद्बोधन देते राजनीतिशास्त्र विभाग के शिक्षक डॉ. यशवंत कुमार राव

स्वच्छता कार्यक्रम-21 दिसम्बर

महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर के बी.एड्. विभाग द्वारा 21 दिसम्बर 2019 को स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बी.एड्. प्रथम एवं बी.एड्. द्वितीय वर्ष के छात्राध्यापकों एवं बी. एड्. विभाग के सभी शिक्षकों ने मिलकर बगल के गाँव मंझरिया में स्वैच्छिक श्रमदान किया।

स्वच्छता कार्यक्रम में स्वैच्छिक श्रमदान करते शिक्षक एवं छात्राध्यापक

महात्मा गांधी के विचारों पर पेंटिंग प्रतियोगिता - 11 जनवरी 2020

महात्मा गाँधी के विचारों पर पेंटिंग प्रतियोगिता के विजेता

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर के बी.एड्. प्रथम एवं अंतिम वर्ष के छात्रध्यापकों द्वारा गाँधी जी के विचारों पर आधारित पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें बी.एड्. विभाग के 25 छात्रध्यापकों ने सहभाग किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में गृह विज्ञान विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर सुश्री सुनिधि त्रिपाठी एवं समाजशास्त्र विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री संजय जायसवाल रहे। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर कुमारी पूजा सिंह (बी.एड्. प्रथम वर्ष), द्वितीय स्थान पर अमित यादव (बी.एड्. प्रथम वर्ष) एवं तृतीय स्थान पर प्रदीप शुक्ला (बी.एड्. अंतिम वर्ष) रहे। विजेता छात्रध्यापकों को विभागाध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह द्वारा प्रमाण पत्र वितरित कर उत्साहवर्द्धन किया गया।

महात्मा गांधी की पुण्यतिथि - 30 जनवरी 2020

पुण्यतिथि कार्यक्रम के अवसर पर उपस्थित मंचस्थ अतिथि

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज जंगल धूसड़, गोरखपुर के बी.एड्. विभाग द्वारा महात्मा गाँधी की 150वीं जयन्ती वर्ष के अन्तर्गत उनकी पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान में उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष श्रीमती अंजू चौधरी ने कहा कि भारतीय इतिहास में महात्मा गाँधी प्रेरणा पुरुष के रुप में जाने जाते हैं। उनके चिंतन एवं कर्म में अत्यधिक साम्य था। उनका यह स्पष्ट मानना था कि मनुष्य जैसा सोचता है उसी प्रकार से उसका आचरण निर्मित हो जाता है। इसलिए व्यक्तित्व निमार्ण में चिंतन, प्रशिक्षण एवं शिक्षण की अनिवार्यत: उपयोगिता है। विचार एवं शब्द से कर्म निर्मित होते हैं, और कर्म से व्यक्ति का विराट स्वरुप अभिव्यक्त होता है। इसलिए भारत के प्रत्येक युवा, विशेष रुप से विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण के लिए गाँधी जी का विचार दर्शन मूल मंत्र है।

उन्होंने आगे कहा कि महात्मा गाँधी एक महान आदर्शवादी, धर्मनिष्ठ, सच्चे देशभक्त, स्वतंत्रता सेनानी, विचारक, कर्मठ राजनेता, समाज-सुधारक और शिक्षा विचारक थे। उनकी प्रतिभा बहुआयामी थी। गाँधी जी चरित्र निर्माण, सहयोग, एकता, सादगी, उच्च विचार, सत्यप्रेम और राष्ट्रीय उत्थान पर निरन्तर बल देते थे। उन्होंने भारत की शिक्षा में क्रान्तिकारी परिवर्तन लाने के लिए कई मौलिक सुझाव दिये, जिन्हें

मुख्य अतिथि को स्मृति चिह्न भेंट करतीं विभागाध्यक्ष

नयी शिक्षा व्यवस्था में स्थान दिया गया। आज भारतीय राष्ट्र और समाज में हो रहे गम्भीर विद्यटन से मुक्ति पाने का एकमात्र इलाज यही है कि गाँधी जी द्वारा प्रतिपादित शिक्षा को परिष्कृत और आधुनिक युग के अनुकूल बनाया जाये, पुनः लागू किया जाये अन्यथा देश की अधिकांश जनता (विशेषकर ग्रामीण और निर्धन-पिछड़े वर्गों के लोग) शिक्षा से वंचित होती रहेगी। गाँधी जी आदर्श मानवीय मूल्यों और भावी स्वाधीन भारत के अनिवार्य सामाजिक मूल्यों तथा क्षमताओं को प्रदान करने वाली व्यावहारिक शिक्षा प्रदान करना चाहते थे। महात्मा गाँधी स्वच्छता के प्रबल हिमायती थे। उनका मानना था कि राजनीतिक स्वतंत्रता से ज्यादा जरुरी स्वच्छता है। यदि कोई व्यक्ति स्वच्छ नहीं है तो वह स्वस्थ नहीं रह सकता। आदर्श जीवन के लिए स्वच्छता आवश्यक है। आज फिर देश में स्वच्छ भारत अभियान नारों की गूंज एक बार फिर चारों ओर सुनी जा रही है। देश भर में स्वच्छता को लेकर कई कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के द्वारा शुरु किए गए स्वच्छता अभियान में एक खास बात यह है कि इसके प्रतीक के रुप में महात्मा गाँधी की तस्वीर और चश्में का प्रयोग किया गया है। इसका सीधा कारण है कि गाँधी स्वच्छता को सर्वोपरि मानते थे। गाँधी जी ने अपने जीवन में स्वच्छता के महत्व को तवज्जो दी थी। स्वच्छ भारत-श्रेष्ठ भारत के माध्यम से आज सम्पूर्ण भारत उनका ऋणि है। महात्मा गाँधी ने समाजिक समरसता के विभिन्न पहलुओं को भी अपने विमर्श का विषय बनाया। अपने लेखन और कर्म से सामाजिक परिवर्तन को संभव कर दिखाया। अस्पृश्यता और छूआछूत के घोर विरोधी गाँधी जी का सम्पूर्ण विचार दर्शन राष्ट्रीय एकता के अविरल यात्रा का मार्ग प्रशस्त करने वाला है।

उद्बोधन देंती राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष श्रीमती अंजू चौधरी

पुण्यतिथि अवसर कार्यक्रम प्रस्तुत करती छात्राएं

कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि श्रीमती अंजू चौधरी द्वारा महात्मा गाँधी के चित्र पर पुष्पांजलि तथा दीप प्रज्जवलित करके किया

गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बी.एड्. विभाग प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया। अतिथियों का स्वागत एवं आभार ज्ञापन डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने किया, प्रस्ताविकी श्रीमती साधना सिंह ने प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन श्री नवनीत सिंह ने किया।

वाद-विवाद प्रतियोगिता

महात्मा गांधी के विचारों पर वाद-विवाद प्रतियोगिता - 11 फरवरी 2020

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज जंगल धूसड़, गोरखपुर के बी.एड्. विभाग में महात्मा गाँधी के 150वीं जयन्ती वर्ष के अन्तर्गत महात्मा गाँधी के विचारों पर 'वाद-विवाद प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर बी.एड्. प्रथम वर्ष के माधवेन्द्र पति त्रिपाठी, द्वितीय स्थान बी.एड्. प्रथम वर्ष के अम्बरीष चतुर्वेदी तथा तृतीय स्थान पर बी.एड्. द्वितीय वर्ष की हिमानी मिश्रा ने प्राप्त किया। निर्णायक मण्डल में महाविद्यालय के कम्प्यूटर विभाग के विभागाधयक्ष डॉ. विरेन्द्र तिवारी एवं भूगोल विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अजय निषाद थे। वाद-विवाद प्रतियोगिता में बी.एड्. प्रथम वर्ष के 17 छात्राध्यापक एवं बी.एड्. अंतिम वर्ष के 30 छात्राध्यापक उपस्थित रहे।

वाद-विवाद प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागी

विशिष्ट व्याख्यान के मुख्य अतिथि

विशिष्ट व्याख्यान - 18 फरवरी 2020

महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, जंगल धूसड़ के बी.एड्. विभाग में गाँधी जी के 150वीं जयन्ती वर्ष के अंतर्गत 'शांति और समानता' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में हिन्दी विभाग के अध्यक्ष डॉ. आरती सिंह ने कहा कि गाँधीवाद महात्मा गाँधी के आदर्शों, विश्वासों एवं दर्शन से उदभूत विचारों के संग्रह को कहा जाता है। उन्होंने अपने असाधारण कार्यों एवं अहिंसावादी विचारों से पूरे विश्व की सोच बदल दी। शांति एवं समानता की स्थापना ही उनके जीवन का एकमात्र लक्ष्य था। शांति एवं समानता किसी भी देश की बुनियादी आवश्यकता है। कार्यक्रम का संचालन सुश्री दीप्ति गुप्ता ने किया। अध्यक्षता श्रीमती पुष्पा निषाद ने एवं आभार ज्ञापन श्रीमती विभा सिंह ने किया।

जब तक लाखों लोग भूखे और अज्ञानी हैं,
तब तक मैं उस प्रत्येक व्यक्ति को कृतघ्न समझता हूँ,
जो उनके बल पर शिक्षित तो बना परन्तु आज उसकी ओर ध्यान नहीं देता।

– स्वामी विवेकनन्द

महाविद्यालय का अभिनव प्रयोग

एक विभाग – एक गाँव
एक कॉलेज – एक गाँव

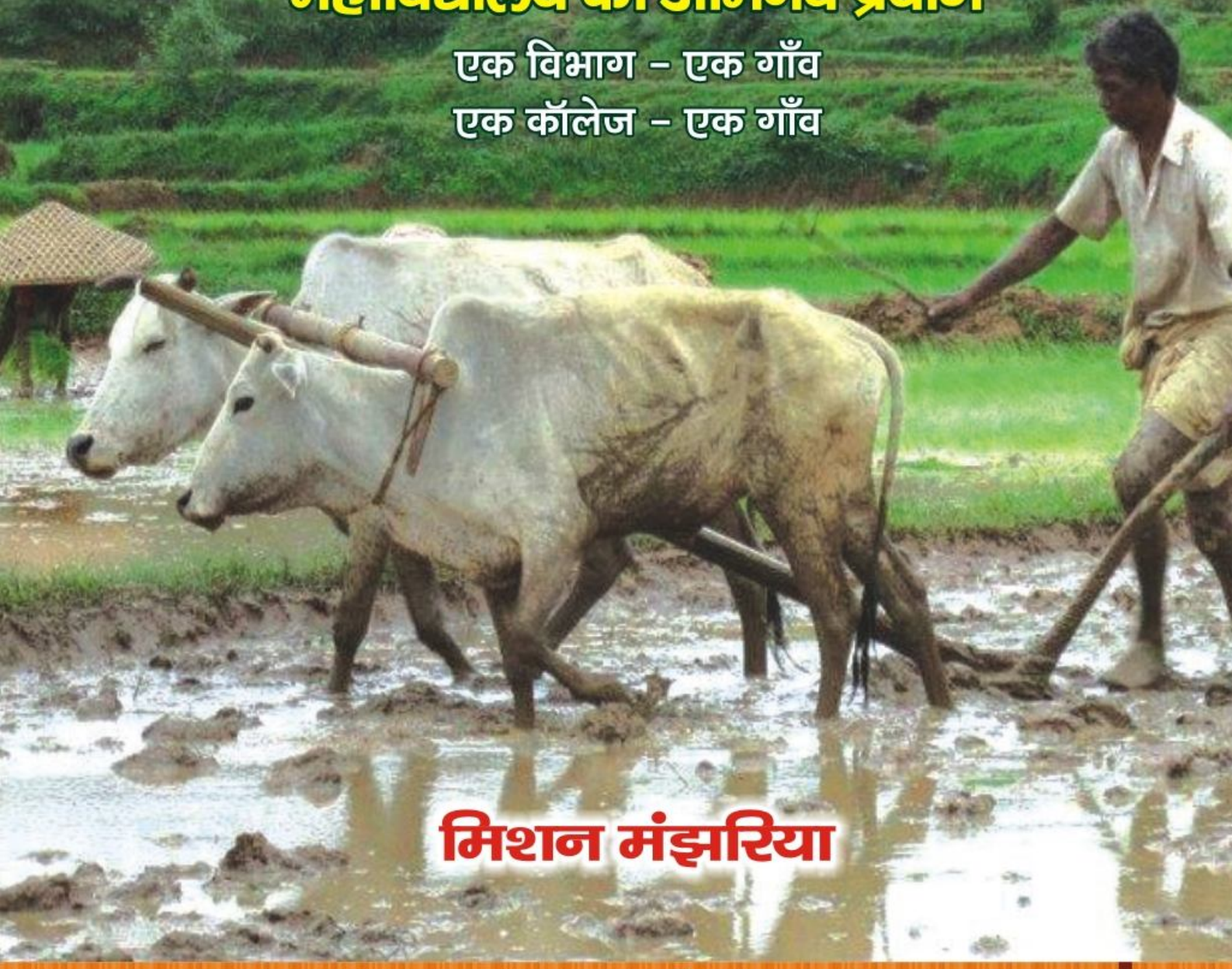

मिशन मंझरिया

मिशन मंझरिया

जंगल धूसड़ की ग्रामीण पृष्ठभूमि में स्थापित महाराणा प्रताप पी. जी. कालेज, श्री गोरक्षपीठ द्वारा संचालित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की एक संस्था है। शिक्षा को सेवा का आधार मानकर लोक कल्याणार्थ स्थापित इस महाविद्यालय ने पठन-पाठन के साथ-साथ जन-सरोकारों से सीधा-संवाद स्थापित किया। अपने स्थापनावर्ष में ही 'ग्रामीण भारत का भविष्य' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन कर महाविद्यालय द्वारा 'आदर्श ग्राम योजना' का स्वरूप निर्धारित किया गया। गांव से शिक्षकों-विद्यार्थियों के संवाद को आकार देने हेतु 'एक विभाग-एक गांव' की योजना के क्रियान्वयन का पहला चरण 2006 ई. में ही प्रारम्भ हो गया। इसी क्रम में 2015-2017 ई. तक तत्कालीन सांसद एवं महाविद्यालय के प्रबन्धक महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज के सांसद आदर्श ग्राम योजनान्तर्गत गोद लिए गए ग्यारह गांवों में से एक महाविद्यालय के निकट स्थित ग्राम-सभा औराही में साक्षरता, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता जागरुकता अभियान ने आदर्श-ग्राम योजना को अनुभवजन्य गति प्रदान किया।

वर्तमान सत्र 2019-20 ई. की योजना बैठक में 'एक विभाग-एक गांव' योजना को पूर्ववत् जारी रखते हुए निर्णय किया गया कि महाविद्यालय से सटे ग्राम 'मंझरिया' को शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता के प्रति जागरुकता के साथ-साथ केन्द्र तथा प्रदेश सरकार की योजनाओं से संतृप्त गांव बनाने को 'मिशन' बनाकर कार्य किया जाय। बी.एड्. विभाग ने यह जिम्मेदारी ली, और इस अभियान को 'मिशन मंझरिया' नाम दिया। बी.एड्. विभागाध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह के निर्देशन में बी.एड्. द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने कक्षा के बाद प्रतिदिन अपराह्न 2 से 4 बजे तक मंझरिया को अपना कर्मक्षेत्र बना लिया। बी.एड्. के विद्यार्थियों ने सर्वप्रथम कक्षा 01 से कक्षा 10 तक पढ़ने वाले विद्यार्थियों को 'नि:शुल्क कोचिंग' के नाम से पढ़ाना प्रारम्भ किया। एक सप्ताह के अन्दर लगभग अस्सी परिवारों के बच्चे इन कक्षाओं में पंजीकृत हुए, और

खेल-खेल में पढ़ाई

मिशन मंझरिया

फिर सेवा कार्य को विस्तार मिलना प्रारम्भ हुआ। अगली लक्ष्य बनी छोटी-बड़ी बुजुर्ग निरक्षर महिलाएं। गांव की श्रीमती ज्योति स्वयं पढ़ाने वालों की टोली में सम्मिलित हुयी। महाविद्यालय के विद्यार्थियों के लगभग माहभर के परिश्रम ने विश्वास अर्जित करना आरम्भ कर दिया।

मिशन मंझरिया में साक्षर होती महिलाएं

ज्ञान-यज्ञ के साथ-साथ नि:शुल्क चिकित्सा शिविर की योजना बनी। गोरखपुर के दैनिक समाचार पत्र 'अमरउजाला' के सहयोग से पहले 'चिकित्सा शिविर' ने इस योजना को आधार प्रदान किया और गुरु श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय के 'सचल चिकित्सा सेवा' ने साप्ताहिक स्वास्थ्य शिविर लगाकर इस योजना को पंख लगा दिया। 'मिशन मंझरिया' बी.एड्. विभाग का वास्तविक मिशन बन गया।

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर

स्वच्छता इस मिशन का अगला पड़ाव था। महाविद्यालय की तर्ज पर प्रत्येक शनिवार को कक्षाओं ने 'स्वैच्छिक श्रमदान शिविर' का रूप ग्रहण किया। गांव के छोटे बच्चों से बुजुर्ग तक इस अभियान के हिस्सेदार बन गए। प्लास्टिक के प्रयोग न करने की दिशा में गांव चल पड़ा। अब सफाई गांव की संस्कृति का हिस्सा बनने लगा है। इसी क्रम में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्राणि विज्ञान विभाग के सेवानिवृत्त पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. दिनेश कुमार सिंह ने 'एक घर-एक पेड़' के योजनान्तर्गत 'मौलश्री' के 101 पौधा लेकर इस मिशन के साझीदार बनें। गांव के 101 परिवारों को पौधे उपलब्ध कराने वह स्वयं गांव में आए।

साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान

मिशन-मंझरिया के पथिक विद्यार्थियों ने पर्व-उत्सव को भी इस मिशन का हिस्सा बनाया। प्रत्येक शनिवार को स्वच्छता के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम होने लगे हैं। इस अभियान की पूर्णता महात्मा

मिशन मंझरिया

पौधारोपण हेतु ग्रामीणों को उपलब्ध कराये गये पौधे

बसंत पंचमी का पर्व मनाता मिशन मंझरिया

गांधीजी की जयन्ती, मकर संक्रान्ति पर्व एवं गणतंत्र दिवस, बसन्त पंचमी समारोह के अन्तर्गत आयोजित समारोहों में दिखी। गणतन्त्र दिवस समारोह में प्रत्येक शिक्षा केन्द्रों पर साज-सज्जा के साथ ध्वजारोहण, राष्ट्र भक्ति से ओत-प्रोत नाचती-गाती महिलाएं, झूमते बच्चें और बुजुर्गों की टोलियां इस समारोह की अद्वितीय झांकी थी। गाँव के इस आयोजन के सामने महाविद्यालय का गरिमामय भव्य आयोजन फीका पड़ गया।

वर्तमान सत्र में बी.एड्. विभाग की अद्वितीय उपलब्धि है 'मिशन मंझरिया'। इस 'मिशन' को प्रारम्भ कर वर्तमान परिणति तक पहुंचाने वाले सेवाव्रती विद्यार्थी हैं- सिद्धार्थ कुमार शुक्ला, हिमानी मिश्रा, नीलम दूबे, विजय कुमार, प्रियंका मणि त्रिपाठी, मंशा पासवान, साधना सिंह, प्रमोद कुमार, अविनाश शर्मा, सरफराज अहमद, नेहा पासवान, बृजेश यादव, सुनील गुप्ता तथा सहयोगी विद्यार्थी रश्मि चंद्रा, किरन वर्मा, प्रतिमा यादव, सीमा चौहान, रितिमा पासवान, तुलसी सिंह, श्रीनरायण, रीतेश सोनकर, कुलदीप निषाद, अनिल कुमार, नीलम कुमारी, आकृति मिश्रा हैं। इस 'मिशन' को 'आदर्श गांव मंझरिया' के रूप में स्थापित करना बी.एड्. विभाग की जिम्मेदारी है।

ग्रामीण महिलाओं को बी.एड्. गृह विज्ञान शिक्षण विषय की छात्राध्यापिका सीमा द्वारा महिलाओं को कढ़ाई, बुनाई तथा पेंटिंग का हुनर भी सिखाया जा रहा है।

गणतंत्र दिवस पर कार्यक्रम प्रस्तुत करते बच्चे

कढ़ाई के श्रेष्ठतम् प्रशिक्षार्थी

मिशन मंझरिया

''मिशन मंझरिया'' अनवरत गति से चलता रहे, इस दृष्टि से बी.एड्. विभागाध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने बी.एड्. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को इस मिशन से जोड़ने की योजना का क्रियान्वयन प्रारम्भ कर दिया है। 4 फरवरी 2020 से बी.एड्. प्रथम वर्ष के छात्राध्यापक अनुज, राहुल यादव, दीपक, अनिल पटेल, अमित यादव, आदित्य वर्मा तथा छात्राध्यापिका हर्षा गुप्ता, स्मिता वर्मा, कृतिका त्रिपाठी, इन्दू चौधरी, अंजलि मिशन मंझरिया के कार्यक्रम को सीखने के लिए जुड़ीं। यही इस सत्र के प्रथम वर्ष के विद्यार्थी इस मिशन को अगले सत्र में गतिमान बनाये रखेंगे।

मन को संतोष देने एवं आह्लादित करने वाली मिशन मंझरिया की कुछ तस्वीरें

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर

मिशन मंझरिया में पढ़ते बच्चे

माँ-बच्चे साथ-साथ पढ़ते हुए

मिशन मंझरिया के वरिष्ठ विद्यार्थी

खेलते बच्चे

छत पर चलती कक्षा

आगामी कार्यक्रम

समावर्तन संस्कार समारोह 2020

23 फरवरी को महाविद्यालय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों का समावर्तन संस्कार समारोह सम्पन्न होगा।

श्रमदान कार्यक्रम

15 मार्च को बी.एड्. विभाग द्वारा स्वच्छता एवं जागरुकता को लेकर श्रमदान कार्यक्रम प्रस्तावित है।

स्लोगन लेखन प्रतियोगिता

6 अप्रैल को बी.एड्. विभाग द्वारा 'समानता एवं शान्ति' विषय पर स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा।

एकदिवसीय संगोष्ठी

10 अप्रैल को बी.एड्. विभाग के तत्वावधान में 'सामाजिक समरसता एवं महात्मा गाँधी' विषय पर एकदिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया जायेगा।

विशिष्ट व्याख्यान

14 अप्रैल को बी.एड्. विभाग के द्वारा 'राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी और बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर की दृष्टि में भारतीय समाज के मूलतत्व' विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा।

समीक्षा बैठक

2 मई को महाविद्यालय में सत्र 2019-20 में सम्पन्न समस्त शैक्षणिक एवं गैरशैक्षणिक क्रिया कलापों की समीक्षा हेतु समीक्षा बैठक आयोजित होगी जिसमें प्राचार्य सहित महाविद्यालय के समस्त शिक्षक गतिविधियों की समीक्षा हेतु उपस्थित रहेंगे।

साप्ताहिक योग शिविर एवं शैक्षिक कार्यशाला

15 से 21 जून तक 'अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस' के अवसर पर गुरु श्रीगोरक्षनाथ मन्दिर में साप्ताहिक योग शिविर एवं शैक्षिक कार्यशाला के आयोजन में महाविद्यालय के प्राचार्य-शिक्षक सहभागी होंगे।

विशिष्ट आयाम

प्रार्थना सभा

प्रार्थना सभा

महाविद्यालय में दिनचर्या का प्रारम्भ राष्ट्र वन्दना और ईश वन्दना के साथ सम्पन्न होता है। एक अगस्त से प्रार्थना सभा का प्रारम्भ किया जाता है। प्रत्येक कार्यदिवस को प्रातः 9:20 बजे से क्रमशः राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, सरस्वती वन्दना एवं प्रार्थना के साथ महाविद्यालय की दिनचर्या प्रारम्भ होती है। तिथि विशेष पर यदि किसी महापुरुष/घटना की जयन्ती/ पुण्यतिथि/स्मृति दिवस होती है तो, उस महापुरुष/घटना के सन्दर्भ में उद्‌बोधन होता है। शेष दिवसों पर श्रीमद्‌भागवत्‌गीता का हिन्दी तथा अंग्रेजी अनुवाद सहित चुने हुए श्लोकों का वाचन होता है। प्रार्थना सभा में विद्यार्थी, शिक्षक, कर्मचारी एवं प्राचार्य सम्मिलित रहते हैं।

स्वैच्छिक श्रमदान

साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम

महाविद्यालय के स्थापना काल से ही प्रत्येक सप्ताह शनिवार को महाविद्यालय में छात्र-छात्राओं, कर्मचारी, प्राध्यापक एवं प्राचार्य द्वारा स्वैच्छिक श्रमदान किया जाता है। शनिवार को अंतिम चार कक्षाएं 40 मिनट की चलाई जाती है तथा 12.10 से 1.10 बजे तक स्वैच्छिक श्रमदान किया जाता है।

साप्ताहिक कक्षाध्यापन

सप्ताह में एक दिन प्राध्यापक की उपस्थिति में छात्र-छात्राओं द्वारा कक्षायें पढ़ायी जाती है। पूर्व निर्धारित विषय पर प्रत्येक विषय में लगभग दस छात्र-छात्राओं की कक्षाध्यापन में सहभागिता का प्रयास किया जाता है। कक्षाध्यापन में विशेष तौर पर वह विषय दिये जाते हैं जो परीक्षा के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण होते हैं।

मासिक मूल्यांकन

प्रत्येक माह के अन्त में प्राध्यापक द्वारा अपने-अपने प्रश्नपत्र में छात्र-छात्राओं का लिखित परीक्षा विधि से मूल्यांकन किया जाता है।

प्रगति आख्या

कक्षावार प्रत्येक विद्यार्थी से सम्बन्धित समस्त शैक्षिक सूचना हेतु प्रगति आख्या प्रपत्र

विद्यार्थियों के समस्त गतिविधियों का विवरण प्रगति आख्या के माध्यम से प्रति माह तैयार कर बेवसाइट के माध्यम से एवं लिखित रूप में प्रस्तुत

किया जाता है। प्रगति आख्या में प्रत्येक छात्र की माहवार उपस्थिति, कक्षाध्यापन एवं मासिक मूल्यांकन तथा आचरण व्यवहार के अंक का उल्लेख होता है।

विद्यार्थियों को गोद लेना

प्रत्येक शिक्षक पाँच विद्यार्थियों को गोद लेकर उनके शैक्षिक उन्नयन के साथ-साथ व्यक्तित्त्व विकास हेतु अलग से प्रयास करता है। गोद लिये विद्यार्थियों का पठन/पाठन एवं अन्य समस्याओं का समाधान करते हुए शिक्षक उनकी जिम्मेदारी लेते हैं।

प्रोजेक्टर युक्त कक्षायें

पठन-पाठन में अत्याधुनिक तकनीकों के प्रयोग के साथ प्रोजेक्टर का कक्षाध्यापन में प्रयोग किया जाता है। शिक्षक अपने व्याख्यान में अधिक से अधिक पावर प्वाइंट तकनीक का उपयोग करने लगा है। बी.एड्. सहित कुछ विषयों की कक्षाओं में शत-प्रतिशत प्रोजेक्टर का प्रयोग किया जाता है।

पीपीटी के माध्यम से कक्षाध्यापन

कक्षाओं में सारांश

महाविद्यालय में प्रत्येक दिवस पढ़ाये जाने वाले प्रत्येक प्रश्न पत्र की कक्षाओं में सम्बन्धित पाठ्यक्रम का एक पृष्ठ के लिखित सारांश की छायाप्रति वितरित किया जाता है। सारांश में उस कक्षा में पढ़ाये जाने वाले पाठ्यक्रम से सम्बन्धित विषय का सार विभिन्न सन्दर्भ ग्रन्थों की सहायता से निर्मित किया जाता है।

प्रशासन में छात्र सहभाग

महाविद्यालय की विविध समितियों जैसे नियन्ता मण्डल, प्रवेश समिति, प्रयोगशाला, पुस्तकालय, छात्रा समिति आदि में छात्रसंघ के प्रतिनिधि अथवा पदाधिकारी सदस्य होते हैं। प्रयत्न किया जाता है कि महाविद्यालय के प्रशासन एवं संचालन में विद्यार्थियों का प्रत्यक्ष सहभाग हो। उनके व्यक्तित्व में निर्णय लेने की क्षमता का निरंतर विकास हो। छात्रसंघ अपने बजट का 75 प्रतिशत हिस्सा सारांश की छायाप्रति, वाटर प्यूरीफायर, प्रोजेक्टर आदि पर व्यय करता है।

छात्रसंघ की साधारण सभा

प्रत्येक माह के प्रथम कार्य दिवस पर छात्रसंघ की साधारण सभा आयोजित की जाती है। साधारण सभा में सभी विद्यार्थी, शिक्षक-कर्मचारी, प्राचार्य उपस्थित रहते हैं। विद्यार्थी अपनी समस्यायें रखता है,

छात्रसंघ की साधारण सभा

प्राचार्य को समाधान देना होता है। तत्पश्चात विद्यार्थी कोई तीन करणीय संकल्प लेता है। अंत में वर्तमान के किसी भी प्रमुख मुद्दे पर परिचर्चा होती है। इस दिन कक्षाएं 40 मिनट की चलती हैं।

काउंसलिंग सेल

महाविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए काउंसलिंग सेल की व्यवस्था है, जिसमें विद्यार्थियों को व्यावसायिक, सामाजिक तथा मानसिक स्तर पर होने वाली समस्याओं का समाधान परामर्शदाता के द्वारा किया जाता है। काउंसलिंग सेल के माध्यम से महाविद्यालय के अधिकाधिक संख्या में विद्यार्थी लाभान्वित होते हैं।

विमर्श एवं मानविकी का प्रकाशन

महाविद्यालय द्वारा प्रतिवर्ष महाविद्यालय के संस्थापक राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की स्मृति में आयोजित साप्ताहिक व्याख्यान माला के व्याख्यानों एवं विभिन्न विषयों के शोध पत्रों का प्रकाशन 'विमर्श' में किया जाता है। महाविद्यालय द्वारा अर्धवार्षिक शोधपत्रिका मानविकी का भी प्रकाशन होता है। दोनो शोध पत्रिकाएं ISSN युक्त हैं।

पाठ्यक्रम योजनानुसार कक्षायें

महाविद्यालय में प्रत्येक विषय के प्रत्येक प्रश्न पत्र की पाठ्यक्रम योजना वेबसाइट पर जुलाई माह में प्रकाशित कर दी जाती है। कक्षा संचालन शत-प्रतिशत पाठ्यक्रम योजना के अनुसार किया जाता है। पाठ्यक्रम योजना की प्रति वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है। पाठ्यक्रम योजना की मासिक समीक्षा प्राचार्य-शिक्षक की बैठक में की जाती है।

दीवार पत्रिका

महाविद्यालय में छात्र संघ द्वारा गठित संपादक मण्डल द्वारा दीवार पत्रिका का प्रतिमाह प्रकाशन होता है। हस्तलिखित लेख, कविता, व्यंग्य, चित्र आदि का सम्पादन कर उसे प्रत्येक माह के पहले कार्य दिवस पर दीवार पत्रिका पर लगा दिया जाता है। पत्रिका में कोई भी विद्यार्थी शैक्षणिक, सामाजिक, आर्थिक अथवा अन्य विषयों पर अपना लेख छात्र संघ को दीवार पत्रिका हेतु दे सकता है।

छात्र संघ पत्रिका चेतक

दीवार पत्रिका के संकलित प्रस्तुतियों का 'चेतक' पत्रिका का प्रतिवर्ष छात्र संघ द्वारा प्रकाशन किया जाता है।

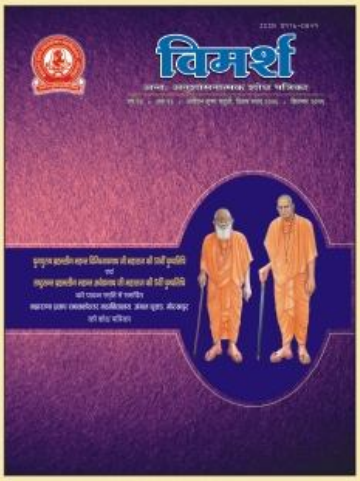

वार्षिक पत्रिका 'विमर्श'

अर्द्धवार्षिक पत्रिका 'मानविकी'

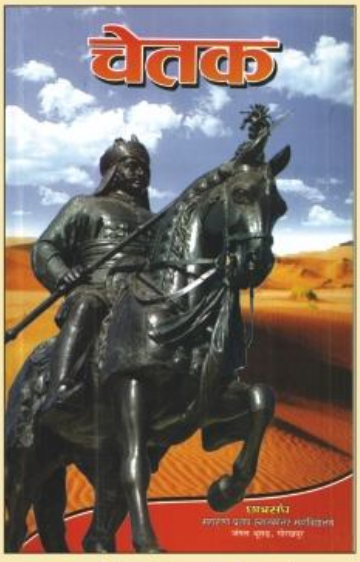

छात्रसंघ पत्रिका 'चेतक'

अन्य प्रकाशन

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़ द्वारा संगोष्ठी/व्याख्यानमाला/कार्यशाला का कार्यवृत्त/शोध पत्रों का प्रकाशन किया जाता रहा है। छात्रोपयोगी पाठ्य पुस्तक का प्रकाशन भी प्रारम्भ किया जा चुका है। महाविद्यालय के अब तक के प्रमुख प्रकाशन उल्लेखनीय है – ग्रामीण भारत का भविष्य 2006; उच्च शिक्षा की वर्तमान स्थिति : चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ 2008; समावर्तन 2008 से अद्यतन (2019); उच्च शिक्षा की स्थिति स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के संदर्भ में 2010; आर्दश शिक्षक आचरण एवं व्यवहार 2011; शैक्षिक विषयों का वर्तमान बौद्धिक परिप्रेक्ष्य : एक विमर्श एवं शोध प्रविधि 2012; शैक्षिक विषयों का वर्तमान बौद्धिक परिप्रेक्ष्य : भाषा एवं एवं शोध प्रविधि 2013; वर्तमान शिक्षण प्रविधि एवं अनुभव आधारित सुधार 2014; नाथ पन्थ एवं भक्ति आन्दोलन 2015; भारतीय राष्ट्रीयता एवं संत परम्परा 2017; क्वालिटी मैनेजमेन्ट इन हायर एजूकेशन इन्स्टीट्यूशन 2017, इन्स्टीट्यूशनल स्वच्छता रैंकिंग रिपोर्ट 2017; लोकभाषा संवर्द्धन में नाथपंथ का योगदान 2019; विज्ञान में नवीन प्रवृत्तियाँ 2019; भारतीय संस्कृति का विश्व में प्रसार 2020 (प्रेस में) पाठ्यपुस्तकों में थियरी ऑफ सैम्पलिंग 2017; न्यूमेरिकल एनालिसिस 2017; डेमोग्राफिक मेथड 2017; फाइनाइट डिफरेन्सेज एण्ड इण्टरपोलेशन 2017 एन इन्ट्रोडक्शन टू जिम्नोस्पर्म्स एण्ड पैलियोबॉटनी 2019।

नि:शुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र

महन्त अवेद्यनाथ नि:शुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र

महाराणा प्रताप महाविद्यालय में महन्त अवेद्यनाथ नि:शुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र का संचालन गुरू श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के सहयोग से संचालित है। प्रत्येक बुधवार एवं बृहस्पतिवार को चिकित्सालय के चिकित्सकों द्वारा अपने स्टाफ के साथ स्वास्थ्य केन्द्र पर जंगल धूसड़ के आस-पास के गाँवों के मरीजों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं नि:शुल्क दवा वितरण किया जाता है। गम्भीर मरीजों को गोरखनाथ चिकित्सालय में चिकित्सा कराने की सुविधा प्रदान की जाती है। उक्त तिथियों में नि:शुल्क एम्बुलेन्स की भी सुविधा उपलब्ध रहती है। उपचार केन्द्र के स्थापना वर्ष (2015) से अभी तक दस हजार से अधिक रोगियों की चिकित्सा की जा चुकी है।

ऑनलाइन पुस्तकालय

महाविद्यालय में पुस्तकालय इण्टरनेट पर उपलब्ध है। पुस्तकालय के डिजिटलाइजेशन की प्रक्रिया प्रारम्भ है। विश्विवविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा विकसित Soul साफ्टवेयर पर पुस्तकालय की पुस्तकें दर्ज हैं। पुस्तकालय द्वारा N-List लाइब्रेरी की सदस्यता प्राप्त की गयी है जिसके माध्यम से ई-बुक्स, ई-जनरल्स की एक लाख पच्चीस हजार से अधिक पुस्तकें पढ़ने तथा दुनिया की लगभग 100 से अधिक पुस्तकालयों के उपयोग का अवसर विद्यार्थी-शिक्षकों को प्राप्त है।

विभाग द्वारा गाँव गोद लेना

महाविद्यालय के प्रत्येक विभाग को आस-पास के किसी न किसी गाँव को गोद लेकर उसमें शिक्षा, स्वास्थ्य और जन चेतना जागृत करने के लिए वर्ष में 4 बार (अगस्त माह के प्रथम रविवार, बाल्मीकि जयन्ती, फरवरी माह के प्रथम रविवार एवं परीक्षा समाप्ति के बाद के प्रथम रविवार को) सभी विभाग अपने विद्यार्थियों के साथ गोद लिए गाँव में रहते हैं।

गोद लिए गाँव में महाविद्यालय के विद्यार्थी एवं शिक्षक

नि:शुल्क प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

महाविद्यालय में चार नि:शुल्क प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम विद्यार्थियो, ग्रामीण बच्चों एवं महिलाओं में अतिरिक्त कौशल एवं जीवन दृष्टि उत्पन्न करने के उद्देश्य से चलाए जाते हैं। ये पाठ्यक्रम स्थानीय स्तर पर रोजगार प्रदान करने तथा विद्यार्थियों में मानव जीवन-मूल्यों के प्रति भारत की महान सांस्कृतिक परम्परा, महापुरुषों कीशृंखला से प्रेरणा ग्रहण कर स्वयं के जीवन-मूल्य विकसित करने के उद्देश्य से संचालित है।

1. योगिराज बाबा गम्भीरनाथ नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई एवं पेण्टिंग प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

महाविद्यालय द्वारा संचालित योगिराज बाबा गम्भीरनाथ सिलाई-कढ़ाई एवं पेण्टिंग केन्द्र गरीब ग्रामीण महिलाओं एवं छात्राओं को सिलाई-कढ़ाई एवं पेंटिंग का छ: माह का प्रशिक्षण देकर उन्हें इस योग्य बनाता है कि वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो सकें। प्रतिवर्ष श्रेष्ठतम प्रशिक्षार्थी को एक सिलाई मशीन पुरस्कार स्वरूप दिया जाता है।

नि:शुल्क सिलाई कढ़ाई एवं पेण्टिंग प्रशिक्षण केन्द्र

2. राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ नि:शुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

नि:शुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र

कम्प्यूटर प्रशिक्षण के अन्तर्गत महाविद्यालय के विद्यार्थियों एवं निकटस्थ गाँवों के इच्छुक छात्र/छात्राओं को नि:शुल्क छ: माह का कम्प्यूटर प्रशिक्षण दिया जाता है। वर्तमान समय में प्रत्येक कार्यालय, प्रकाशन, कम्प्यूटर प्रशिक्षण हेतु प्रशिक्षित युवाओं की आवश्यकता को देखते हुए यह प्रशिक्षण दिया जाता है जिससे कि विद्यार्थी विशेषकर छात्राएँ कम्प्यूटर की दक्षता प्राप्त कर योग्यतानुसार स्थानीय बाजार में रोजगार प्राप्त कर सकें।

3. हमारे पूर्वज प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

हमारे महापुरुष प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम में सम्मिलित महापुरुषों के जीवन के प्रेरणाप्रद प्रसंगों को विद्यार्थियों के समक्ष रख कर, उनके बारे में अध्ययन एवं वर्तमान की समस्याओं पर उनकी भूमिका पर चिंतन के अवसर प्रदान किए जाते हैं। यह पाठ्यक्रम योग्य नागरिक गुणों का विकास करने में भी सक्षम हुआ है। इस पाठ्यक्रम में छः माह के प्रशिक्षण के उपरान्त प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाता है। बी.एड्. द्वितीय वर्ष में यह पाठ्यक्रम अनिवार्य है।

4. जीवन-मूल्य प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

जीवन-मूल्य प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम में मानव जीवन के शाश्वत मूल्यों पर चर्चा-परिचर्चा, चिंतन, लेखन आदि के आधार पर समाज और राष्ट्र के लिए जीवन-मूल्य सृजन करने का प्रयत्न किया जाता है। इस पाठ्यक्रम में छः माह के प्रशिक्षण के उपरान्त प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाता है। बी.एड्. प्रथम वर्ष यह पाठ्यक्रम अनिवार्य है।

स्व मूल्यांकन प्रपत्र

स्व मूल्यांकन प्रपत्र द्वारा अगले महीने के द्वितीय कार्यदिवस तक उस माह में अपने कार्यों एवं सम्पूर्ण दायित्वों का विवरण यथा- पाठ्यक्रम योजनानुसार कक्षाध्यापन, विद्यार्थियों द्वारा साप्ताहिक कक्षाध्यापन, मासिक मूल्यांकन, विभिन्न कार्यक्रमों में योगदान, निर्धारित दायित्वों का निर्वहन, स्व-प्रेरणा से किये गये कार्य इत्यादि का उल्लेख निर्धारित प्रपत्र पर शिक्षक द्वारा प्राचार्य को उपलब्ध कराना होता है। शिक्षक द्वारा दिये गए आख्या की प्राचार्य द्वारा समीक्षा कर आवश्यकतानुसार शिक्षकों से त्वरित संवाद स्थापित कर शिक्षण-अधिगम की गुणवत्ता बनाए रखने के प्रति उन्हें सावधान किया जाता है।

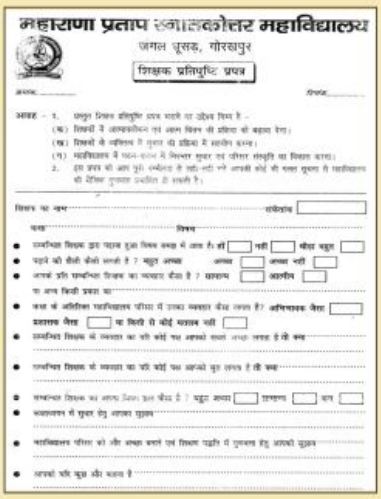

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़- गोरखपुर

शिक्षक : स्वमूल्यांकन प्रपत्र

शिक्षक के मासिक दायित्व के उल्लेख हेतु स्वमूल्यांकन प्रपत्र

शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र

निर्धारित प्रारूप-'शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र' के माध्यम से वर्ष में दो बार (सितम्बर-जनवरी) विद्यार्थियों से पठन-पाठन के सन्दर्भ में फीड-बैक लिया जाता है। प्राचार्य द्वारा इसकी समीक्षा कर प्रत्येक शिक्षक से अलग-अलग वार्ता कर शिक्षण की गुणवत्ता एवं शिक्षक-विद्यार्थी सम्बन्ध का विकास सुनिश्चित किया जाता है।

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय

जंगल धूसड़, गोरखपुर

शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र

विद्यार्थियों द्वारा शिक्षकों में उत्तरोत्तर सुधार हेतु भरा जाने वाला शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र

ध्येय पथ

अपने अनवरत विकास यात्रा में महाविद्यालय ने अपने सभी घटकों के बीच निरन्तर संवाद के अनेक मंच विकसित किए हैं। मासिक पत्रिका 'ध्येय पथ' शिक्षक संघ, कर्मचारी संघ, छात्र संघ, पुरातन छात्र परिषद तथा अभिभावक संघ जैसे जीवन्त घटक समूहों के आपसी संवाद के साथ-साथ महाविद्यालय की अन्य गतिविधियों की प्रस्तुति का एक माध्यम है। पत्रिका में प्रत्येक माह महाविद्यालय से सम्बन्धित प्रमुख गतिविधियों का संयोजन होता है।

सिविल सविर्सेज के सामान्य अध्ययन की कक्षाएं

महाविद्यालय की नित नूतन प्रयोगधार्मिता के क्रम में शैक्षिक सत्र 2016-17 से विद्यार्थियों के प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति उन्मुख होने तथा भविष्य में रोजगार के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य के निमित्त नि:शुल्क सिविल सर्विसेज सामान्य अध्ययन की कक्षाओं का सुचारू ढंग से संचालन किया जा रहा है।

मॉडल स्कूल

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा संचालित उत्तर प्रदेश शासन द्वारा अनुदानित महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कालेज के कक्षा 6, 7 एवं 8 की कक्षाओं को बी.एड्. विभाग द्वारा 'मॉडल स्कूल' के रूप में विकसित किया गया है। बी.एड्. विभाग के शिक्षक एवं छात्राध्यापकों द्वारा उच्च स्तरीय पठन-पाठन का प्रयत्न प्रारम्भ किया गया है। उल्लेखनीय है कि यह प्रयोग यह बताएगा कि प्रत्येक बी.एड्. कालेज द्वारा आस-पास के स्कूलों अथवा अपने ही कालेज में मॉडल स्कूल के रूप में विद्यालय चलाकर आस-पास की शिक्षा की कमी पूरी की जा सकती है।

आदर्श ग्राम योजना

आदर्श ग्राम में स्वास्थ्य शिविर

इस सत्र से ग्राम मंझरिया, जंगल धूसड़ को प्रयोग के तौर पर आदर्श गाँव के रूप में विकसित करने का प्रयास प्रारम्भ हुआ है। इसके अन्तर्गत गाँव के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से स्वच्छता, साक्षरता, स्वास्थ्य एवं जन कल्याणकारी योजनाओं को शत-प्रतिशत लागू करने की परिकल्पना के साथ कार्य प्रारम्भ किया गया। बी.एड्. विभाग द्वारा यह परियोजना सफलता पूर्वक चलाई जा रही है।

वाई-फाई युक्त परिसर

शिक्षा की गुणवत्ता में निरन्तर प्रगति एवं उसमें इन्टरनेट का व्यापक उपयोग हेतु महाविद्यालय परिसर वाई-फाई युक्त करा दिया गया। 30 जनवरी 2018 से यह सुविधा महाविद्यालय परिसर में सभी शिक्षकों-विद्यार्थियों को नि:शुल्क उपलब्ध करा दी गई।

सामूहिक व्यक्तित्त्व विकास योजना

वर्तमान सत्र 2017-18 से गोद लिए गए विद्यार्थियों, छात्रसंघ के कक्षा प्रतिनिधियों, राष्ट्रीय सेवा योजना एवं छात्रावास को एक समूह मानकर सामूहिक व्यक्तित्त्व विकास योजना की परिकल्पना लागू की गई। यह अनिवार्य किया गया कि छात्रावास के सभी विद्यार्थी गोद लिए जाएं एवं राष्ट्रीय सेवा योजना में लिए जाएं। राष्ट्रीय सेवा योजना में शेष रिक्त स्थानों पर गोद लिए गए विद्यार्थी ही सम्मिलित किए जाएं। इससे एक विद्यार्थी के व्यक्तित्व विकास पर शिक्षक, राष्ट्रीय सेवा योजना, छात्रसंघ एवं छात्रावास की चार इकाई कार्य करेगी।

वेबसाइट

महाविद्यालय के पास अपनी अद्यतन वेबसाइट है। महाविद्यालय की समस्त सूचना एवं विद्यार्थियों के विषय में सम्पूर्ण जानकारी, विद्यार्थियों की प्रगति आख्या एवं पाठ्यक्रम योजना बेवसाइट पर उपलब्ध रहती है। प्रत्येक विद्यार्थी अपने से सम्बन्धित किसी भी प्रकार की जानकारी अपने आई.डी. नम्बर के द्वारा वेबसाइट पर प्राप्त कर सकता है।

शिक्षक ब्लॉग

महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षकों का अपना ब्लॉग है। शिक्षक अपने विषय से सम्बन्धित प्रश्नपत्रों के विभिन्न टापिक्स के पावर प्वाइंट स्लाइड को ब्लॉग पर अपलोड करते रहते हैं। इसके अतिरिक्त शिक्षक अपने शोधपत्र भी समय-समय पर अपने ब्लॉग पर डालते रहते हैं जहाँ से सम्बन्धित विद्यार्थी उसे देख, पढ़ एवं डाउनलोड कर सकता है। विद्यार्थियों को पाठ्य सामाग्री उपलब्ध कराने का यह सशक्त माध्यम है।

महाविद्यालय के सर्वश्रेष्ठ शिक्षक, कर्मचारी, परिचर एवं विद्यार्थी का चयन एव सम्मान

महाविद्यालय प्रतिवर्ष सत्र भर शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक गतिविधियों में सहभाग, विशिष्ट शैक्षिक उपलब्धियों, कर्तव्यनिष्ठा, समयबद्धता, सेवाभाव एवं बहुमुखी प्रतिभा के आधार पर सत्र के सर्वश्रेष्ठ शिक्षक, कर्मचारी, परिचर एवं विद्यार्थी को समावर्तन संस्कार समारोह के अवसर पर सम्मानित करता है। विगत वर्षों एवं इस वर्ष के सर्वश्रेष्ठ शिक्षक, परिचर, कर्मचारी एवं विद्यार्थी की सूची निम्नवत् है :-

सर्वश्रेष्ठ शिक्षक (सरस्वती सम्मान)

श्री सुबोध कुमार मिश्र	प्राचीन इतिहास	2016-17
डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र	मनोविज्ञान	2017-18
श्री श्रीकान्त मणि त्रिपाठी	गणित	2018-19
श्री विनय कुमार सिंह	प्राणि विज्ञान	2019-20

सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी (महाराणा प्रताप सम्मान)

श्री अमित कुमार	कम्प्यूटर प्रभारी	2017-18
श्री विजय कुमार मिश्र	कार्यालय प्रभारी	2018-19
श्री झब्बर शर्मा (भूगोल)	प्रयोगशाला सहायक	2019-20

सर्वश्रेष्ठ परिचर (महन्त अवेद्यनाथ सम्मान)

श्री राम आशीष	2017-18
श्री विश्वनाथ	2018-19
श्री विनोद	2019-20

समावर्तन–2020

सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी (एकलव्य सम्मान)

श्री आशीष राय	एम.ए. प्राचीन इतिहास	2016–17	श्री सिद्धार्थ शुक्ल	बी.एड्. अन्तिम वर्ष	2019–20
कु. रिंकी रानी	बी.एड्. द्वितीय वर्ष		श्री विजय कुमार	बी.एड्. अन्तिम वर्ष	
श्री राहुल गिरी	बी.ए. तृतीय वर्ष		श्री सर्वेश्वर कान्त चन्द्र	बी.ए. भाग-दो	

समावर्तन संस्कार समारोह

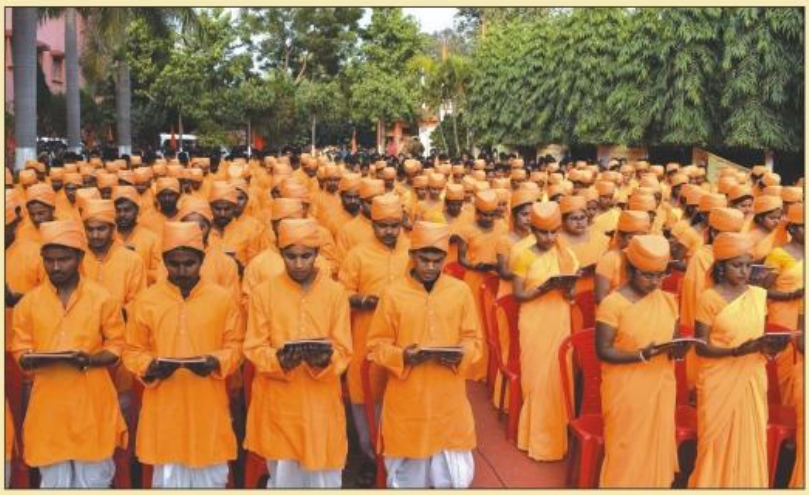

समावर्तन संस्कार समारोह 2019

महाविद्यालय स्नातक एवं स्नातकोत्तर की शिक्षा पूर्ण कर रहे विद्यार्थियों के लिए अपने स्थापना काल से प्रतिवर्ष समावर्तन संस्कार समारोह आयोजित करता है। समावर्तन संस्कार का हिन्दू जीवन दर्शन के मानव जीवन के षोडश संस्कारों में महत्वपूर्ण स्थान है। समावर्तन संस्कार के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय जीवन मूल्य का सम्मान करने, योग्य नागरिक बनने, जीवन में शुचिता एवं ईमानदारी के साथ-साथ पारिवारिक एवं सामाजिक जीवन के उत्तरदायित्वों का निर्वहन करने के साथ-साथ देश की राष्ट्रीय एकता और अखण्डता का अक्षुण्ण बनाये रखने की शपथ दिलायी जाती है। साथ ही समावर्तन उपदेश के माध्यम से उन्हें अपने दायित्वों के निर्वहन हेतु प्रेरित किया जाता है। तेरहवॉ समावर्तन संस्कार समारोह 2020, 23 फरवरी को सम्पन्न हो रहा है।

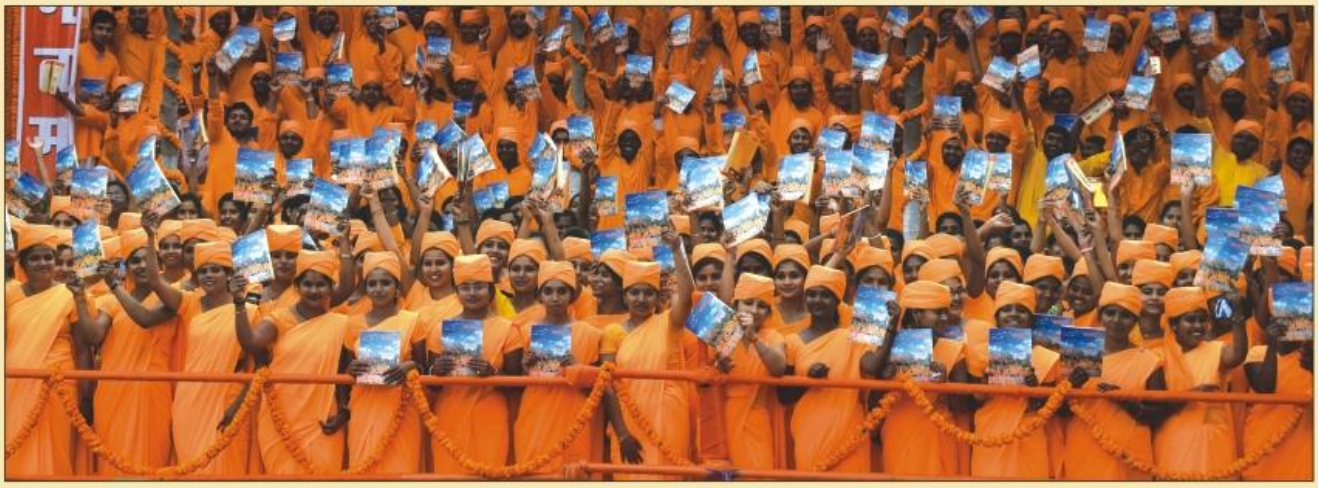

समावर्तन संस्कार समारोह 2019

वार्षिक योजना विवरण

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में 01 जुलाई 2019 ई. से सप्तदिवसीय शिक्षक-कार्यशाला एवं वार्षिक-योजना बैठक प्रारम्भ हुई। प्रातः 10 बजे से 4 बजे तक चलने वाली कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक 8 जुलाई 2019 तक सम्पन्न हुई। 7 जुलाई रविवार का साप्ताहिक अवकाश था। 7 दिनों तक चलने वाली यह योजना बैठक महाविद्यालय के प्राचार्य के निर्देशन में सम्पन्ना हुई।

सप्तदिवसीय शिक्षक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक के उद्घाटन सहित विभिन्न दिनों की कुछ झलकियाँ

समावर्तन–2020

प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव की अध्यक्षता में सम्पन्न कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक में विचारार्थ निम्नांकित विषय प्रस्तुत किए गए-

1. 2 मई 2019 की समीक्षा बैठक की कार्यवाही की पुष्टि।
2. 2 मई की वार्षिक समीक्षा बैठक में छूटे विषयों पर चर्चा वार्षिक समीक्षा के परिप्रेक्ष्य में।
3. शैक्षिक पञ्चांग।
4. दायित्वसह कार्य विभाजन।
5. प्रवेश एवं परीक्षा।
6. समय-सारणी।
7. पठन-पाठन।
8. पुस्तकालय-वाचनालय
9. प्रयोगशाला
10. कक्षाध्यापन में नए प्रयोग।
11. वार्षिक विभागीय कार्य योजना
12. विविध प्रयोगों में विकासात्मक प्रवृत्ति की दिशा-
    - (क) विद्यार्थी द्वारा साप्ताहिक कक्षाध्यापन
    - (ख) साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान
    - (ग) प्रार्थना सभा
    - (घ) शिक्षक आचार संहिता
    - (ङ) शिक्षक प्रतिपुष्टि- प्रपत्रा द्वारा शिक्षक मूल्यांकन
    - (च) शिक्षक स्वमूल्यांकन
    - (छ) पाठ्यक्रम योजना
    - (ज) गोद लिए गए विद्यार्थी
    - (झ) गोद लिए गए गाँव
    - (ञ) मासिक मूल्यांकन
13. प्रमाणपत्रा पाठ्यक्रम।
14. नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई एवं पेंटिंग।
15. नि:शुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण
16. नि:शुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र।
17. क्रीड़ा
18. छात्रसंघ
19. राष्ट्रीय सेवा योजना
20. एन.सी.सी.
21. वेबसाइट/फेसबुक/ट्यूटर/यूट्यूब
22. तकनीकी प्रसार
23. कार्यालय
24. NAAC@AISHE
25. महत्त्वपूर्ण आयोजन-
    - (क) महन्त अवेद्यनाथ स्मृति व्याख्यान-माला
    - (ख) साप्ताहिक पुण्यतिथि समारोह
    - (ग) युवा महोत्सव/वार्षिक समारोह
    - (घ) संस्थापक सप्ताह समारोह
    - (ङ) भारत-भारती पखवारा
    - (च) समावर्तन संस्कार-समारोह
26. वार्षिक बजट
27. अन्य किसी के सुझाव पर

सप्तदिवसीय शिक्षक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक के समरोप सहित विभिन्न दिनों की कुछ झलकियाँ

वार्षिक योजना बैठक में उपर्युक्त विषयों पर विचार-विमर्श कर एक मत से निम्नांकित निर्णय लिए गए-

1. **शैक्षिक पंचांग** - महाविद्यालय का शैक्षिक पञ्चांग पाँच भागों से मिलकर बनाया गया। भाग 01-महाविद्यालय के महत्वपूर्ण कार्यक्रम/गतिविधियाँ एवं समय-सारणी। भाग 02-विभागवार कार्यक्रम। भाग 03-क्रीड़ा गतिविधियाँ। भाग 04-राष्ट्रीय सेवा योजना का वार्षिक विवरण। भाग 05-प्रमुख अवकाश। शैक्षिक पञ्चांग निम्नवत है -

भाग-1 : वार्षिक तिथिक्रम - महत्वपूर्ण कार्यक्रम

04 जुलाई, 2019	स्वामी विवेकानन्द पुण्यतिथि पर व्याख्यान
16 जुलाई	कक्षारम्भ
27 जुलाई	डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम स्मृति दिवस पर व्याख्यान एवं पौधरोपण कार्यक्रम
01 अगस्त	नव प्रवेशी विद्यार्थियों का स्वागत समारोह एवं लोकमान्य तिलक महाप्रयाण दिवस
13 अगस्त	भारत विभाजन की पूर्व संध्या पर व्याख्यान
15 अगस्त	स्वतंत्रता दिवस समारोह
16 अगस्त	प्रयोगशालाएं प्रारम्भ

समावर्तन–2020

16–22 अगस्त	राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ स्मृति साप्ताहिक व्याख्यान-माला
29–30–31 अगस्त	छात्रसंघ चुनाव
05 सितम्बर	शिक्षक दिवस (सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन जयन्ती)–अभिरूचिकारी व्याख्यान (1)
12 सितम्बर	ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ एवं ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ स्मृति साप्ताहिक श्रद्धांजलि समारोह उद्घाटन कार्यक्रम (श्रीगोरखनाथ मंदिर)
13 सितम्बर	शिक्षक संघ चुनाव
14 सितम्बर	हिन्दी दिवस, छात्रसंघ शपथ ग्रहण
17 सितम्बर	युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ स्मृति साप्ताहिक श्रद्धांजलि कार्यक्रम (महाविद्यालय में)
18 सितम्बर	बह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ एवं ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ स्मृति साप्ताहिक श्रद्धांजलि समारोह समापन कार्यक्रम (श्रीगोरखनाथ मन्दिर परिसर में)
20 सितम्बर	महाराजा अग्रसेन जयन्ती- व्याख्यान
24 सितम्बर	कर्मचारी संघ चुनाव
26 सितम्बर	योगिराज बाबा गम्भीरनाथ स्मृति व्याख्यान (अश्विनकृष्ण त्रयोदर्शी)
02 अक्टूबर	महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती पर महाविद्यालय के सभी शिक्षकों, कर्मचारी, गोद लिए गए विद्यार्थियों द्वारा स्वच्छता अभियान, गोद लिए गए विद्यार्थियों की बैठक, महाविद्यालय के त्रयमासिक शिक्षक, प्राचार्य समीक्षा बैठक)।
05–06 अक्टूबर	राष्ट्रीय संगोष्ठी भूगोल विभाग
14 अक्टूबर	युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज की 125वीं जयन्ती वर्ष तथा राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज के जन्म शताब्दी वर्ष के अन्तर्गत आयोजित संगोष्ठी (विषय–भारत–नेपाल सम्बन्ध एवं महन्त दिग्विजयनाथ)
20 अक्टूबर	अतुल माहेश्वरी छात्रवृत्ति परीक्षा (अमर उजाला के सौजन्य से आयोजित)
31 अक्टूबर	वल्लभ भाई पटेल/आचार्य नरेन्द्र देव जयन्ती–अभिरूचिकारी व्याख्यान (2)
07 नवम्बर	विपिन चन्द्रपाल जयन्ती- अभिरूचिकारी व्याख्यान (3)
18–25 नवम्बर	युवा महोत्सव (महाविद्यालय)
24 नवम्बर	गुरु तेग बहादुर शहीद दिवस पर व्याख्यान
04–10 दिसम्बर	संस्थापक सप्ताह समारोह (शिक्षा परिषद के सभी संस्थाओं के स्तर पर)
06 दिसम्बर	डॉ. बी.आर. अम्बेडकर महापरिनिर्वाण दिवस पर व्याख्यान (पूर्व संध्या)
16 दिसम्बर	विजय दिवस समारोह–अभिरूचिकारी व्याख्यान (4)
03–04 जनवरी	युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज की 125 वीं जयन्ती वर्ष तथा राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज के जन्मशताब्दी वर्ष के अन्तर्गत आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी (विषय–सांस्कृतिक राष्ट्रवाद एवं महन्त अवेद्यनाथ)

12–26 जनवरी	भारत–भारती पखवारा
23 जनवरी	गुरु नानक जयन्ती– व्याख्यान
24 जनवरी	गुरु तेग बहादुर बलिदान दिवस – व्याख्यान
26 जनवरी	गणतन्त्र दिवस समारोह
30 जनवरी	बसन्त पंचमी – माँ सरस्वती पूजन
09 फरवरी	माघपूर्णिमा– संत रविदास जयन्ती – अभिरूचिकारी व्याख्यान (5)
06–19 फरवरी	विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा
21 फरवरी	विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा परिणाम घोषणा
23 फरवरी	समावर्तन संस्कार समारोह
25 फरवरी	विश्वविद्यालय परीक्षा प्रारम्भ

प्रार्थना सभा के कार्यक्रम

अगस्त	
01	लोकमान्य तिलक महाप्रयाण दिवस
02	श्रीमद्भगवत गीता पाठ प्रथम अध्याय, श्लोक, 01
03	मैथिलीशरण गुप्त जयन्ती/ साप्ताहिक योगाभ्यास
06	श्रीमद्भगवत गीता पाठ द्वितीय अध्याय, श्लोक 04, 07
07	रविन्द्रनाथ टैगोर पुण्यतिथि
08	पी.एल. भटनागर जयन्ती
09	भारत छोड़ो आन्दोलन (अगस्त क्रान्ति), काकोरी घटना
10	साप्ताहिक योगाभ्यास, खुदीराम बोस बलिदान दिवस (पूर्व संध्या)
12	अमर शहीद बन्धु सिंह बलिदान दिवस
13	अहिल्याबाई होल्कर पुण्यतिथि
16	रामकृष्ण परमहंस पुण्यतिथि, अटल स्मृति दिवस
17	साप्ताहिक योगाभ्यास/मदनलाल धींगड़ा बलिदान दिवस
19	श्रीमद्भगवत गीता पाठ द्वितीय अध्याय, श्लोक 18, 20
20	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, द्वितीय अध्याय, श्लोक 23, 30
21	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, द्वितीय अध्याय, श्लोक 38
22	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, द्वितीय अध्याय, श्लोक 47, 48
24	साप्ताहिक योगाभ्यास/राजगुरु जयन्ती
26	महारानी पद्मिनी जौहर दिवस
27	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, द्वितीय अध्याय, श्लोक 50, 52, 53

28	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, द्वितीय अध्याय, श्लोक 54, 58
29	राष्ट्रीय खेल दिवस (मेजर ध्यानचन्द्र जयन्ती)
30	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, द्वितीय अध्याय, 63, 64, 65
सितम्बर	
02	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, द्वितीय अध्याय, श्लोक 72
03	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, तृतीय अध्याय, श्लोक 01, 07, 08, 09
04	दादा भाई नौरोजी जयन्ती
05	शिक्षक दिवस, डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् जयन्ती
06	दधीचि जयन्ती (भा.शु. अष्टमी)
07	विश्व साक्षरता दिवस (पूर्व दिवस)
09	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र जयन्ती/ गोविन्द बल्लभ पंत जयन्ती (पूर्व दिवस)
11	आचार्य विनोबा भावे जयन्ती एवं महादेवी वर्मा पुण्यतिथि
13	यतीन्द्रनाथ बोस बलिदान दिवस
14	हिन्दी दिवस, एम विश्वश्वरैया जयन्ती, इन्जीनिर्यस डे (पूर्व दिवस)
16	विश्व ओजोन संरक्षण दिवस
17	विश्वकर्मा जयन्ती
20	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, तृतीय अध्याय, श्लोक 14, 15, 16
21	साप्ताहिक योगाभ्यास/गुरु नानक देव पुण्यतिथि
23	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, तृतीय अध्याय, श्लोक 17, 18, 19
24	भिकाजी कामा जयन्ती
25	पं. दीनदयाल उपाध्याय जयन्ती/ सतीश धवन जयन्ती
26	ईश्वर चन्द्र विद्यासागर जयन्ती
27	राजा राम मोहन राय पुण्यतिथि/ सरदार भगत सिंह जयन्ती पूर्व दिवस
30	श्रीमदभगवत गीता पाठ, तृतीय अध्याय, श्लोक 25, 30
अक्टूबर	
01	श्रीमती एनी बेसेन्ट जयन्ती
03	श्रीमद्भगवत गीता पाठ तृतीय अध्याय, श्लोक 36, 37, 38
04	श्रीमद्भगवत गीता पाठ तृतीय अध्याय, श्लोक 41, 42
05	साप्ताहिक योगाभ्यास, मेघनाथ साहा जयन्ती (पूर्व दिवस)
12	साप्ताहिक योगाभ्यास, राममनोहर लोहिया पुण्यतिथि, वाल्मीकि जयन्ती (अश्विन शु. पूर्णिमा), (पूर्व दिवस)

14	श्रीमद्भगवत गीता पाठ चतुर्थ अध्याय, श्लोक 01, 02, 03
15	डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जयन्ती
16	श्रीमद्भगवत गीता पाठ चतुर्थ अध्याय, श्लोक 20, 21, 22
17	श्रीमद्भगवत गीता पाठ चतुर्थ अध्याय, श्लोक 37, 38, 39
18	श्रीमद्भगवत गीता पाठ पंचम अध्याय, श्लोक 01, 07
21	आजाद हिन्द फौज स्थापना दिवस
22	अशफाक उल्ला खाँ जयन्ती
23	संयुक्त राष्ट्रसंघ स्थापना (पूर्व दिवस)
30	होमी जहाँगीर भाभा जयन्ती
31	सरदार बल्लभ भाई पटेल जयन्ती एवं इन्दिरा गाँधी पुण्यतिथि
नवम्बर	
01	गुरु गोविन्द सिंह पुण्यतिथि
04	वासुदेव बलवन्त फड़के जयन्ती
05	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, पंचम अध्याय, श्लोक 10, 12
06	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, पंचम अध्याय, श्लोक 20, 21
07	विपिन चन्द्र पाल, सी.वी. रमन जयन्ती एवं कालीदास जयन्ती (का.शु.दशमी)
09	साप्ताहिक योगाभ्यास
11	महामना मदन मोहन मालवीय पुण्यतिथि/गुरुनानक जयन्ती (पूर्व दिवस)
13	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, पंचम अध्याय, श्लोक 23, 24
14	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, षष्ठम अध्याय, श्लोक 05, 06
15	आचार्य विनोबा भावे पुण्यतिथि दिवस एवं बिरसा मुण्डा जयन्ती
16	राष्ट्रीय प्रेस दिवस, लाला लाजपत राय बलिदान (पूर्व दिवस)
18	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, षष्ठम अध्याय, श्लोक 07
19	महारानी लक्ष्मीबाई जयन्ती
20	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, षष्ठम अध्याय, श्लोक 26, 27
21	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, षष्ठम अध्याय, श्लोक 34, 35, 36
22	झलकारी वाई जयन्ती
23	साप्ताहिक योगाभ्यास/ गुरु तेग बहादुर शहीद दिवस (पूर्व दिवस)
25	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, षष्ठम अध्याय, श्लोक 38
26	राष्ट्रीय संविधान, दिवस
27	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, सप्तम अध्याय, श्लोक 25, 29, 30
28	महात्मा ज्योतिबा फूले पुण्यतिथि

29	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, अष्टम अध्याय, श्लोक 22
30	जगदीश चन्द्र बोस जयन्ती
दिसम्बर	
02	राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस
03	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जयन्ती/ भारतीय नौसेना (पूर्व दिवस)
06	डॉ. भीमराव अम्बेडकर पुण्यतिथि
07	साप्ताहिक योगाभ्यास
09	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, नवम अध्याय, श्लोक 27, 28, 29
11	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, दशम् अध्याय, श्लोक 32, 33, 34
12	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, एकादश अध्याय, श्लोक 53, 54
13	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, द्वादश अध्याय, श्लोक 13,14
14	साप्ताहिक योगाभ्यास/ राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण
16	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, द्वादश अध्याय, श्लोक 15, 16, 17
17	राजेन्द्र लाहिड़ी बलिदान दिवस
18	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, त्रयोदश अध्याय, श्लोक 19, 20, 21
19	रोशन सिंह, रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खाँ बलिदान दिवस
20	वीर छत्रसाल पुण्यतिथि
21	साप्ताहिक योगाभ्यास/राष्ट्रीय गणित दिवस (पूर्व दिवस)
23	किसान दिवस (चौधरी चरण सिंह जयन्ती)
24	महामना मदन मोहन मालवीय जयन्ती (पूर्व दिवस)
26	फतेह सिंह, जोरावर सिंह बलिदान दिवस
27	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, त्रयोदश अध्याय, श्लोक 33, 34
28	सुमित्रानन्दन पंत स्मृति दिवस
30	महर्षि रमण जयन्ती
31	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, चतुर्दश अध्याय, श्लोक 05, 09
जनवरी	
01	शान्ति स्वरूप भटनागर स्मृति दिवस
02	गुरु गोविन्द सिंह जयन्ती
03	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, चतुर्दश अध्याय, श्लोक 24, 25, 26
04	साप्ताहिक योगाभ्यास
06	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, पंचदश अध्याय, श्लोक 05, 06

07	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, पंचदश अध्याय, श्लोक 07, 08
08	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, षोडश अध्याय, श्लोक 01, 02, 03
09	हर गोविन्द खुराना जयन्ती, सुन्दर लाल बहुगुणा जयन्ती
10	विश्व हिन्दी दिवस
11	साप्ताहिक योगाभ्यास/स्वामी विवेकानन्द जयन्ती (पूर्व दिवस)
13	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, षोडश अध्याय, श्लोक 21, 22
16	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, सप्तदश अध्याय, श्लोक 17, 18, 19
17	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, सप्तदश अध्याय, श्लोक 20, 28
18	साप्ताहिक योगाभ्यास/महादेव गोविन्द रानाडे जयन्ती/महाराणा प्रताप स्मृति (पूर्व दिवस)
20	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक 05, 06
22	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक 23, 24, 25
23	नेता जी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती
24	श्रीमद्भगवत गीता पाठ अष्टादश अध्याय, श्लोक 30, 31, 32
25	साप्ताहिक योगाभ्यास/राष्ट्रीय मतदान दिवस
27	श्रीमद्भगवत गीता पाठ अष्टादश अध्याय, श्लोक 36, 37
28	लाला लाजपत राय जयन्ती
29	श्रीमद्भगवत गीता पाठ अष्टादश अध्याय, श्लोक 38, 39, 46, 49
30	महात्मा गाँधी पुण्यतिथि
31	मेजर सोमनाथ शर्मा जयन्ती

भाग–2 : विभागीय - कार्यक्रम

गणित विभाग

विशेष व्याख्यान - गणित विभाग द्वारा पूर्व की भाँति सत्र 2019-20 में भी विशेष व्याख्यान का आयोजन किया जाएगा, जो छात्र-छात्राओं के विषय-वस्तु पर आधारित होगा, इस विशेष व्याख्यान में विभाग निम्नलिखित विषय विशेषज्ञ को अपने विभाग में आमंत्रित करेगा।

- डॉ. के.बी. गुप्ता (Sequence - Concept and Introduction)
- डॉ. यू.के. गुप्ता (Game Theory - Concept and Introduction)
- डॉ. शिवेश मणि त्रिपाठी (Lung Transporation)
- डॉ. आकाश पाण्डेय (Ring - Concept and Introduction)
- डॉ. बी.एन. प्रसाद (Tensor Algebra)
- डॉ. बिन्दु कुमारी (Geometry)

मासिक मूल्यांकन – पूर्व की भाँति सत्र 2019–20 में प्रति माह के अन्त में मासिक मूल्यांकन कराया जायेगा, मासिक मूल्यांकन में पूरे माह में पढ़ाये गये पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जायेंगे तथा अगस्त माह से जनवरी माह तक पूछे गये मासिक मूल्यांकन के प्रश्न विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में पूछे जायेंगे।

कक्षा	मासिक मूल्यांकन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.एस.–सी. प्रथम	NA	24	26	18	26	30	30
बी.एस.–सी. द्वितीय	NA	27	27	22	28	27	29
बी.एस.–सी. तृतीय	NA	27	30	21	26	30	31

साप्ताहिक कक्षाध्यापन – गणित विभाग द्वारा प्रति सप्ताह कक्षाध्यापन छात्र–छात्राओं से कराया जायेगा, इस कक्षाध्यापन में कक्षाध्यापन की तिथि से 05–06 दिन पहले छात्रों को विषय आवंटित कर दिया जायेगा। तथा कक्षाध्यापन की तिथि पर उनसे कक्षाध्यापन की कराकर उन्हें श्रेणी प्रदान किया जायेगा। इस कक्षाध्यापन में छात्र–छात्राओं को अपना विषय वस्तु ठीक तरह से प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित किया जायेगा।

कक्षा	कक्षाध्यापन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.एस.–सी. प्रथम	NA	06,16	02,09,19	05	01,09	03,13,20	04,13,23
बी.एस.–सी. द्वितीय	19,26	02,10,19	04,13,22	14	05,14,21	09,18,24	03,11,22
बी.एस.–सी. तृतीय	19,25	01,09,18	04,13,21	12	01,11,19	03,14,21	06,11,23

गणित महोत्सव (राष्ट्रीय गणित दिवस) – विभाग द्वारा 19 से 21 दिसम्बर, 2019 तक गणित महोत्सव का आयोजन कराया जायेगा। गणित महोत्सव में ''प्राचीन भारतीय गणितज्ञों का गणित के क्षेत्र में योगदान'' विषय पर तीन दिवसीय विशेष व्याख्यान का आयोजन होगा तथा 21 दिसम्बर को राष्ट्रीय गणित दिवस (पूर्व संध्या) (श्रीनिवास रामानुजन की स्मृति में) मनाया जायेगा, इस गणित महोत्सव में विभाग निम्नांकित विषय विशेषज्ञ को आमंत्रित करेगा।

- डॉ. यू.के. गुप्ता — विभागाध्यक्ष, गणित विभाग, महात्मा गाँधी पी.जी. कालेज, गोरखपुर
- डॉ. विनित मिश्रा — सहायक आचार्य, गणित विभाग, म.मो.मा. प्रौद्योगिकी वि.वि., गोरखपुर

कार्यशाला (31 जनवरी 2020) – विभाग द्वारा बी.एस–सी. द्वितीय वर्ष एवं तृतीय वर्ष के छात्रों के साथ एक ''गणितिय विषय में मौखिकी की तैयारी'' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन 31 जनवरी, 2020 में करेगा। इस कार्यशाला के माध्यम से विभाग अपने छात्र–छात्राओं के व्यक्तित्व विकास में सहयोग करेगा, इस कार्यशाला में विभाग निम्न विषय विशेषज्ञों को आमंत्रित करेगा।

- डॉ. शैलेन्द्र ठाकुर — आचार्य, भौतिक विज्ञान विभाग, म.प्र.पी.जी. कालेज, गोरखपुर
- श्री विरेन्द्र तिवारी — आचार्य, कम्प्यूटर साइंस विभाग, म.प्र.पी.जी. कालेज, गोरखपुर

ग्राम दर्शन - विभाग महाविद्यालय में अध्ययन-अध्यापन के साथ-साथ सामाजिक दायित्व का भी कार्य करता है। अत: विभाग अपने गोद लिए गाँव में चार बार सेवा कार्य के लिए जायेगा।

सांख्यिकी विभाग

विशेष व्याख्यान - सांख्यिकी विभाग सत्र 2019-20 में कुछ विशेष व्याख्यान आयोजित करेगा, जो छात्र-छात्राओं के विषय वस्तु पर आधारित होगा, इस विशेष व्याख्यान में विभाग निम्नलिखित विषय विशेषज्ञ को अपने विभाग में आमंत्रित करेगा।

- 22 जनवरी प्रो. एस.पी. सिंह (Correlation & Regression Analysis)

मासिक मूल्यांकन - सांख्यिकी विभाग सत्र 2019-20 में प्रति माह के अन्त में मासिक मूल्यांकन कराया जायेगा, जिसमे पूरे माह में पढ़ाये गये पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जायेगें तथा अगस्त माह से जनवरी माह तक पूछे गये मासिक मूल्यांकन के सभी प्रश्नों को मिलाकर।

कक्षा	मासिक मूल्यांकन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.एस-सी. प्रथम	NA	26	27	23	28	31	20
बी.एस-सी. द्वितीय	NA	30	25	30	27	30	29
बी.एस-सी. तृतीय	NA	30	25	31	25	30	29

साप्ताहिक कक्षाध्यापन - सांख्यिकी विभाग द्वारा प्रति सप्ताह कक्षाध्यापन अपने छात्र-छात्राओं से कराया जायेगा, इसमें चुने गये छात्र-छात्राओं को कक्षाध्यापन का विषय तिथि से 05-06 दिन पहले छात्रों को बता दिया जायेगा। इस कक्षाध्यापन के द्वारा बच्चों को अपने विषय वस्तु को प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित किया जायेगा।

कक्षा	कक्षाध्यापन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.एस-सी. प्रथम	NA	08,17	03,11,20	15	04,13,20	07,16,24	07,16
बी.एस-सी. द्वितीय	22,29	06,14,22	07,17	05,17	13,18	02,14	06,11
बी.एस.-सी. तृतीय	22,29	06,14,22	07,17	04,17	07,18	02,13,23	04,11,23

ग्राम दर्शन - विभाग महाविद्यालय में अध्ययन-अध्यापन के साथ-साथ सामाजिक दायित्व का भी कार्य करता है। अत: विभाग अपने गोद में चार बार सेवा कार्य के लिए जायेगा।

वनस्पति विज्ञान विभाग

वनस्पति विज्ञान सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक पाठ्यक्रम योजना घोषित (सत्र 2019-20)

- स्नातक प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष - 30 अप्रैल 2019

- स्नातकोत्तर प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर – 03 मई 2019

वनस्पति विज्ञान सैद्धान्तिक कक्षाएं प्रारम्भ

- स्नातक प्रथम वर्ष – 01 अगस्त 2019
- स्नातक द्वितीय एवं तृतीय वर्ष – 16 जुलाई 2019
- स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर – 01 अगस्त 2019
- स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर – 16 जुलाई 2019
- स्नातकोत्तर द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर – 02 जनवरी 2020
- स्नातक एवं स्नातकोत्तर वनस्पति विज्ञान प्रायोगिक कक्षाएं प्रारम्भ – 16 अगस्त, 2019

सम्भावित अतिथि वनस्पति विज्ञान विशेषज्ञ :

- डॉ. आर.पी. सिंह – वरिष्ठ वैज्ञानिक, गुरु गोरक्षनाथ के.वी.के., चौक माफी
- प्रो. आर.पी. शुक्ल – पूर्व अध्यक्ष, वनस्पति विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
- प्रो. एस.सी. त्रिपाठी – पूर्व अध्यक्ष, वनस्पति विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
- प्रो. पी.पी. उपाध्याय – पूर्व अध्यक्ष, वनस्पति विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
- डॉ. एस.डी. रामकुमार – एसो. प्रो., सेन्ट एन्ड्रयूज कालेज, गोरखपुर
- डॉ. निधि लाल – एसो. प्रो., सेन्ट एन्ड्रयूज कालेज, गोरखपुर
- डॉ. ए.के. दूबे – प्राचार्य, सत्य सांई कृपा महाविद्यालय, लार, देवरिया
- डॉ. कुल भाष्कर – एसो. प्रो., राजकीय डिग्री कालेज, हाटा, कुशीनगर
- डॉ. वीणा कुमारी – स.प्रो., वनस्पति विज्ञान विभाग, बुद्ध पी.जी. कालेज, कुशीनगर
- प्रो. कलावती शुक्ल – पूर्व अध्यक्ष, वनस्पति विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

ग्राम्य दर्शन कार्यक्रम में सत्र में चार अवकाश के दिन चार बार निम्नवत प्रस्तावित

प्रथम – 4 अगस्त 2019 द्वितीय – 2 अक्टूबर 2019

तृतीय – 7 फरवरी 2020 चतुर्थ – 24 मई 2020

वनस्पति विज्ञान कक्षा प्रतिनिधि चुनाव (लिखित परीक्षा द्वारा) – 29 अगस्त 2019

वनस्पति विज्ञान विद्यार्थियों का मासिक मूल्यांकन लिखित परीक्षा द्वारा –

कक्षा	मासिक मूल्यांकन तिथि								
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी	फरवरी	मार्च
बी.एस-सी. प्रथम	NA	24	26	18	26	30	25	NA	NA
बी.एस-सी. द्वितीय	NA	29	24	30	30	30	25	NA	NA
बी.एस-सी. तृतीय	NA	29	24	30	30	30	25	NA	NA
एम.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर	NA	26	27	21	27	NA	NA	NA	NA

एम.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर	NA	30	25	31	25	NA	NA	NA	NA
एम.एस–सी. द्वितीय सेमेस्टर	NA	NA	NA	NA	NA	NA	25	24	27
एम.एस–सी. चतुर्थ सेमेस्टर	NA	NA	NA	NA	NA	NA	25	24	27

वनस्पति विज्ञान विद्यार्थियों द्वारा सप्ताह में एक दिवस कक्षाध्यापन –

कक्षा	कक्षाध्यापन तिथि								
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी	फरवरी	मार्च
बी.एस–सी. प्रथम	NA	07,16	02,09,19	05	01,11,19	03,14,21	06,16,24	NA	NA
बी.एस–सी. द्वितीय	20,27	03,13,21	06,16	03,16	07,16,23	12,19	03,10,20	NA	NA
बी.एस–सी. तृतीय	20,27	03,13,21	06,16	03,16	07,16,23	12,19	03,10,20	NA	NA
एम.एस–सी. प्रथम सेमेस्टर	NA	08,17	03,11,20	12	04,13,20	NA	NA	NA	NA
एम.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर	22,29	06,14,22	07,17	04,17	09,18	NA	NA	NA	NA
एम.एस–सी. द्वितीय सेमेस्टर	NA	NA	NA	NA	NA	NA	08,17	01,08,15	02,13,20
एम.एस–सी. चतुर्थ सेमेस्टर	NA	NA	NA	NA	NA	NA	08,17	01,08,15	02,13,20

वनस्पति विज्ञान विषय के विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा के प्रश्न पत्र तैयार – 30.09.2019

वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम

- विशिष्ट व्याख्यान – 21 सितम्बर, 2019, डॉ. राम सहाय, रसायन शास्त्र विभाग, महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर
- विशिष्ट व्याख्यान – 24 दिसम्बर, 2019, डॉ. आर.पी.सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक, के.वी.के., चौक माफ़ी, गोरखपुर
- पोस्टर प्रतियोगिता – 16 जनवरी, 2020
- विज्ञान प्रदर्शनी – 20 जनवरी, 2020
- शोध व्याख्यान प्रतियोगिता – 23 जनवरी, 2020
- शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र – 27.09.2019 एवं 22.01.2020 स्नातक तीनों वर्ष एवं 25.11.2019, एम.एस–सी. प्रथम व तृतीय सेमेस्टर तथा 25.03.2020 एम.एस–सी. द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर।
- वनस्पति विज्ञान पाठ्यक्रम पूर्ण स्नातक सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक – 31.01.2020, एम.एस–सी. प्रथम व तृतीय सेमेस्टर 30.11.2019 तथा एम.एस–सी. द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर 31.03.2020
- उपचारात्मक कक्षाएं – 18 से 22 फरवरी, 2020
- विश्वविद्यालय प्रायोगिक परीक्षाएं – विश्वविद्यालय सैद्धान्तिक परीक्षा प्रारम्भ होने से पूर्व।

रसायन विज्ञान विभाग

04 अगस्त, 2019	ग्राम्य दर्शन (रामपुर गाँव)	10 अगस्त, 2019	विशिष्ट व्याख्यान
02 अक्टूबर, 2019	ग्राम्य दर्शन	16 नवम्बर, 2019	विशिष्ट व्याख्यान
18 दिसम्बर, 2019	व्याख्यान प्रतियोगिता (स्नातक स्तर)	25 जनवरी, 2020	विज्ञान प्रदर्शनी
28 जनवरी, 2020	शैक्षिक भ्रमण	03 फरवरी, 2020	विशिष्ट व्याख्यान
13 फरवरी, 2020	विशिष्ट व्याख्यान	07 फरवरी, 2020	ग्राम्य दर्शन
24 मई, 2020	ग्राम्य दर्शन		

- रसायन विज्ञान कक्षा प्रतिनिधि (लिखित परीक्षा द्वारा) – 29 अगस्त, 2019
- स्नातक द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की कक्षाएं प्रारम्भ – 16 जुलाई, 2019
- स्नातक प्रथम की शैद्धान्तिक कक्षाएं प्रारम्भ – 01 अगस्त, 2019
- स्नातक द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की प्रायोगिक कक्षाएं प्रारम्भ – 16 अगस्त, 2019
- रसायनशास्त्र स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष की कक्षाएं प्रारम्भ – 16 जुलाई, 2019
- रसायनशास्त्र स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष की कक्षाएं प्रारम्भ – 01 अगस्त, 2019
- रसायनशास्त्र स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष की प्रायेगिक कक्षाएं प्रारम्भ – 16 अगस्त, 2019
- रसायनशास्त्र स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष की प्रायोगिक कक्षाएं प्रारम्भ – 16 अगस्त, 2019

रसायन विज्ञान विद्यार्थियों का मासिक मूल्यांकन लिखित परीक्षा द्वारा –

कक्षा	मासिक मूल्यांकन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.एस-सी. प्रथम	NA	26	27	21	27	31	31
बी.एस-सी. द्वितीय	29	30	25	31	25	28	29
बी.एस-सी. तृतीय	29	30	25	31	25	28	29
एम.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर	NA	26	27	21	27	NA	NA
एम.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर	29	30	25	31	25	NA	NA

रसायन विज्ञान विद्यार्थियों द्वारा सप्ताह में एक दिवस कक्षाध्यापन –

कक्षा	कक्षाध्यापन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.एस.-सी. प्रथम	NA	08,17	03,11,20	12	04,13,20	07,16,23	07,16
बी.एस.-सी. द्वितीय	22	06,14,22	07,17	04,17	09,18	02,13,20	04,11,22
बी.एस.-सी. तृतीय	22	06,14,22	07,17	04,17	09,18	02,13,20	04,11,22
एम.एस.-सी. प्रथम सेमेस्टर	NA	08,17	03,11,20	12	04,13,20	NA	NA
एम.एस.-सी. तृतीय सेमेस्टर	22	06,14,22	07,17	04,17	09,18	NA	NA

- स्वमूल्यांकन प्रपत्र – प्रत्येक माह के 5 तारीख तक स्वमूल्यांकन प्रपत्र जमा करना।
- प्रगति आख्या – प्रत्येक माह के 10 तारीख तक पिछले माह की प्रगति आख्या पूर्ण करना।
- शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र – वर्ष में दो बार 5 सितम्बर व 20 जनवरी को विद्यार्थियों द्वारा शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरवाया जाना।
- स्वैच्छिक श्रमदान – साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान में शिक्षक एवं विद्यार्थियों के साथ प्रतिभाग करना।
- विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा – फरवरी माह में विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन
- रिमेडियल (उपचारात्मक) कक्षायें – 18 से 22 फरवरी तक उपचारात्मक कक्षायें चलाई जायेगी।
- अप्रैल माह में कार्यक्रम – स्नातकोत्तर अन्तिम वर्ष के विद्यार्थियों का विदाई समारोह।

विशिष्ट व्याख्यान

- प्रो. ओ.पी. पाण्डेय – अध्यक्ष, रसायन विज्ञान, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर वि.वि., गोरखपुर
- प्रो. एच.सी. गुप्ता (अव.प्रा.) – आचार्य, रसायन विज्ञान, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर वि.वि., गोरखपुर
- प्रो. आई. दास (अव.प्रा.) – पूर्व अध्यक्ष, रसायन विज्ञान, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर वि.वि., गोरखपुर
- डॉ. निखिलकान्त शुक्ला – उपाचार्य, रसायन विज्ञान, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर वि.वि., गोरखपुर
- प्रो. ए.के. श्रीमाल (अव.प्रा.) – आचार्य, रसायन विज्ञान, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर वि.वि., गोरखपुर
- डॉ. राशिद तनवीर – उपाचार्य, सेण्ट एण्ड्रयूज कालेज, गोरखपुर
- डॉ. आलोक श्रीवास्तव – अध्यक्ष (रसायन विज्ञान विभाग), महात्मा गाँधी पी.जी., गोरखपुर
- डॉ. आर.पी. त्रिपाठी – भूतपूर्व वैज्ञानिक, सी.डी.आर.आई. लखनऊ, डीन नाइपर, रायबरेली
- डॉ. नागेन्द्र नाथ यादव – सहायक आचार्य, रसायन विभाग विभाग, नार्थ ईस्टर्न रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी, निर्जुली, अरुणाचल प्रदेश
- डॉ. योगेन्द्र पाल कोहली (अव.प्रा.) – रसायन विज्ञान विभाग, बुद्ध पी.जी कालेज, कुशीनगर
- डॉ. सत्यनारायण – उपाचार्य, हाइड्रोलिक एण्ड जल तकनीकि विभाग, डिला विश्वविद्यालय, डीला, इथोपिया

Physics Department

1. **Practical syllabus :** The department this year plans to cover maximum practical's listed in University syllabus irrespective of minimum number of recommended practical's prescribed by University for final examinations. The department will also show simulations of Practical's through Audio/Visual methods in Practical classes.

2. **Visit to village :** The department plans to organize visit of students and faculties in nearby village with the aim to acquaint the students with life and socio economic conditions of people living in villages of our country.
3. **Feedback from students :** The department this year plans to feedback from students, two times in the current academic session. The feedback will be taken on prescribed format available with the department.
4. **Remedial Classes for students :** The department will organize remedial classes after Pre University examinations in the month of February with the aim of clearing doubts and difficulties of students and preparing them for final examinations.
5. **Students Adoption by Faculties :** All the faculty members of the department will adopt 5 students and look after their overall academic and personality development aspect of students. They will play the role of parents and help the students excel in moral as well professional field.
6. **Use of ICT in teaching :** The department this year plans to take theory classes on projector as well as through chalk and talk method . The faculty member will also post their subject matter (PPT, hands out and class notes etc) on their blog.
7. **Class Teaching :** After every Vth class the students will be given chance to present their lecture in front of students of class. The main objective of this methodology of teaching is to make students self confident and make them able to put their views in front of other people.
8. **Monthly Evaluation :** The department plans to take monthly evaluation of students in last week of every month. The aim of monthly evaluation is to help the students grasp the concepts taught during the month and perform better in their final examinations.
9. **Poster making Competition on 14th December 2019 :** Poster making contest aims for the students' to use their knowledge, understanding and awareness in creating their visuals (posters) to raise other students or people's knowledge, understanding and awareness about the significant theme, topic or question whenever and wherever they go.
10. **Department level Technical Paper Competition on 20th December 2019 :** The objective of the competition are to challenge students to demonstrate superior presentation skills, present their research, and offer an opportunity for students to interact within their community at an early stage in their career.
11. **Workshop** on "CRO applications and calibration of CRO" on 13th Jan 2020.
12. **Workshop** on "Computer Hardware and Assembling" on 20th Jan 2020.
13. **Science Quiz on 21st Jan. 2020 :** The objective of the competition is to enhance the understanding of Physics among students.
14. **Guest Lecture's**
    (i) Prof . Shantanu Rastogi on 20th Sep. 2019.
    (ii) Dr. Manindra Kumar on 23rd Jan. 2020.
15. **Special lecture on Science Day (28th February 2020)**

भूगोल विभाग

• विशिष्ट व्याख्यान	:	प्रथम व्याख्यान	19 नवम्बर, 2019
		द्वितीय व्याख्यान	20 जनवरी, 2020
		तृतीय व्याख्यान	23 जनवरी, 2020
		चतुर्थ व्याख्यान	27 जनवरी, 2020
• राष्ट्रीय संगोष्ठी			05–06 अक्टूबर, 2019
• महाविद्यालय स्तरीय सेमिनार			20 जनवरी, 2020
• मैप ड्राईंग प्रतियोगिता			18 जनवरी, 2020
• सर्वेक्षण कैम्प (कन्टूरिंग)			30 जनवरी, 2020
• शैक्षिक भ्रमण (बी.ए./बी.एस–सी. तृतीय)			21 जनवरी – 28 जनवरी, 2020
(एम.ए. अन्तिम वर्ष)			19 – 25 मार्च, 2020
• ग्राम दर्शन			02 अक्टूबर, 2019

व्याख्यान

• प्रो. एस.के. सिंह	विभागाध्यक्ष, भूगोल विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
• प्रो. नूतन त्यागी	आचार्य, भूगोल विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
• प्रो. एस.के. दीक्षित (अव.प्रा.)	पूर्व प्रतिकुलपति, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
• प्रो. एन.के. राना	आचार्य, भूगोल विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
• डॉ. स्वयं प्रकाश लाल श्रीवास्तव	प्राचार्य, बापू पी.जी. कॉलेज, पीपीगंज, गोरखपुर
• डॉ. लाल चन्द यादव	भूगोल विभाग, हीरालाल रामनिवास पी.जी. कॉलेज, खलीलाबाद
• डॉ. के.एन. मिश्रा	भूगोल विभाग, बुद्ध पी.जी. कॉलेज, कुशीनगर
• डॉ. अनिल कुमार सिंह	भूगोल विभाग, राम गुलाम पी.जी. कॉलेज, देवरिया
• डॉ. के.आर. यादव	भूगोल विभाग, जे.ला.ने. पी.जी. कॉलेज, महराजगंज
• डॉ. नरेन्द्र कुमार शर्मा	भूगोल विभाग, श्रीराम जी सहाय पी.जी. कालेज, रुद्रपुर, देवरिया
• डॉ. सुनील कुमार प्रसाद	भूगोल विभाग, बापू पी.जी. कालेज, पीपीगंज, गोरखपुर
• डॉ. प्रमोद कुमार	भूगोल विभाग, बापू पी.जी. कालेज, पीपीगंज, गोरखपुर
• डॉ. सर्वेश कुमार	भूगोल विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
• डॉ. अंकित सिंह	भूगोल विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

कक्षाध्यापन एवं मासिक मूल्यांकन

कक्षा	कक्षाध्यापन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए./बी.एस.–सी. प्रथम	NA	08,17	3,11,20	12	04,14,21	09,17	01,08,17
बी.ए./बी.एस.–सी. द्वितीय	22	06,14,22	07,17	04,17	09,18	02,13,20	04,11
बी.ए./बी.एस.–सी. तृतीय	22,29	06,14,22	07,19	05	01,11,19	03,14,21	06
एम.ए. प्रथम वर्ष	NA	8,17	03,11,21	15	06,15,22	11,18	02,09
एम.ए. अन्तिम वर्ष	22,29	06,14,22	7,19	03,16	01,11,19	14,21	06,13
कक्षा	मासिक मूल्यांकन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए./बी.एस–सी. प्रथम	NA	26	27	21	28	24	25
बी.ए./बी.एस–सी. द्वितीय	NA	30	25	31	25	28	22
बी.ए./बी.एस–सी. तृतीय	NA	30	26	18	26	30	13
एम.ए. प्रथम वर्ष	NA	26	30	23	29	26	18
एम.ए. अन्तिम वर्ष	NA	30	26	18	26	30	23

प्राणि विज्ञान विभाग

कक्षाध्यापन एवं मासिक मूल्यांकन

कक्षा	कक्षाध्यापन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.एस–सी. प्रथम	NA	06,14,22	07,17	04,17	09,18	02,13,20	04,11,22
बी.एस–सी. द्वितीय	19,26	02,10,20	05,14	01,15	06,15,22	11,18	02,09,18
बी.एस–सी. तृतीय	19,26	02,10,20	05,14	01,15	05,14,21	09,19	04,13,23
एम.एस–सी. प्रथम सेमेस्टर	NA	06,14,22	07,17	04,17	09,18	NA	NA
एम.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर	19,26	02,10	05,14	01,15	06,15,22	NA	NA
कक्षा	मासिक मूल्यांकन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.एस–सी. प्रथम	NA	30	25	31	25	28	29
बी.एस–सी. द्वितीय	NA	28	23	23	29	26	28
बी.एस–सी. तृतीय	NA	28	23	23	28	28	30
एम.एस–सी. प्रथम सेमेस्टर	NA	30	25	31	25	NA	NA
एम.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर	NA	28	23	23	29	NA	NA

ग्राम्य भ्रमण (लक्ष्मीपुर)

- 04 अगस्त 2019
- 02 अक्टूबर, 2019
- 07 फरवरी 2020
- 24 मई 2020

विशिष्ट व्याख्यान/शोध व्याख्यान/प्राणि विज्ञान प्रदर्शनी/उपचारात्मक कक्षा

विशिष्ट व्याख्यान
- 21 सितम्बर, 2019
- 13 जनवरी, 2020

शोध व्याख्यान प्रतियोगिता
- 20 दिसम्बर, 2019

विज्ञान प्रदर्शनी
- 14 जनवरी, 2020

उपचारात्मक कक्षा
- 22–26 फरवरी, 2020

Computer Science Department

1. PPT classes have scheduled to be held on this session 2019-2020.
2. Class teaching by students have scheduled to be held on one day of each week of the month.
3. Monthly evaluation has scheduled to be held on last week of each month.
4. Poster making competition has scheduled to be held on 30 December, 2019.
5. Research Lecture Competition has scheduled to be held on 20 January, 2020.
6. Special Lecture has scheduled to be held on 27 January, 2020
7. Remedial classes for students after pre examinations.
8. Student Adaptation by faculty of the department.
9. Visit to village.

रक्षा एवं स्त्रतजिक अध्ययन विभाग

1. **विशिष्ट व्याख्यान** 23 अक्टूबर, 2019 16 दिसम्बर, 2019
2. **रक्षा प्रदर्शनी प्रतियोगिता** 9 जनवरी, 2020
3. विशिष्ट व्याख्यान एवं रक्षा प्रदर्शनी में उपस्थित होने वाले मुख्य अतिथियों की सूची–

   प्रो. हरिशरण, प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा, प्रो. विनोद कुमार सिंह
   डॉ. प्रवीण कुमार, डॉ. करुणेन्द्र सिंह, डॉ. विजय कुमार
4. विभाग द्वारा गोद लिये गये गाँव का भ्रमण/सर्वेक्षण करना।
5. विभाग के विद्यार्थियों को जीवन वृत्त परामर्श देना।
6. गोद लिये गये विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास पर विशेष बल देना।
7. बी.ए./बी.एस–सी. प्रथम वर्ष की प्रायोगिक कक्षायें अधिक से अधिक प्रोजेक्टर पर चलाना।
8. प्रत्येक माह न्यूनतम 10 कक्षायें प्रोजेक्टर पर चलाना।
9. स्वमूल्यांकन प्रपत्र प्रतिमाह भरना।

10. विद्यार्थियों द्वारा कक्षाध्यापन करवाना।
11. विद्यार्थियों का मासिक मूल्यांकन करना।
12. अतिरिक्त कक्षायें चलवाना।

कक्षाध्यापन एवं मासिक मूल्यांकन

कक्षा	कक्षाध्यापन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. प्रथम	NA	08,17	03,11,20	12	03,14,21	09,17	01,08,17
बी.ए. द्वितीय	22	06,14,22	07,17	04,17	09,18	02,13,20	04,11
बी.ए. तृतीय	22	06,14,22	07,17	04,17	09,18	02,13,20	04,11
कक्षा	मासिक मूल्यांकन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. प्रथम	NA	26	27	21	28	24	25
बी.ए. द्वितीय	29	30	25	31	25	28	22
बी.ए. तृतीय	29	30	25	31	25	28	22

गृह विज्ञान विभाग

- Breast feeding week 01–07 अगस्त 2019
- Nutrition week 01 से 07 सितम्बर 2019
- व्याख्यान 30 अक्टूबर 2019
- व्याख्यान 07 दिसम्बर 2019
- शैक्षणिक भ्रमण 13 जनवरी 2020
- शोध व्याख्यान प्रतियोगिता 25 जनवरी 2020
- Lecture 30 नवम्बर 2019
- व्याख्यान 23 नवम्बर 2019
- व्याख्यान 26 दिसम्बर 2019
- शैक्षणिक भ्रमण 20 जनवरी 2020
- National Girl child day 24 जनवरी 2020
- प्रदर्शनी 30 जनवरी 2020

कक्षाध्यापन एवं मासिक मूल्यांकन

कक्षा	कक्षाध्यापन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. प्रथम	NA	08,17	03,11,20	12	04,13,20	07,16,23	07,16
बी.ए. द्वितीय	22,29	06,14,22	06,17	04,17	09,18	02,13,20	04,11,22
बी.ए. तृतीय	22,29	06,14,22	07,17	04,17	09,18	02,13,20	04,11,22

कक्षा	मासिक मूल्यांकन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. प्रथम	NA	26	27	21	27	31	24
बी.ए. द्वितीय	NA	30	25	31	25	28	29
बी.ए. तृतीय	NA	30	25	31	25	28	29

ग्राम्य दर्शन

- 4 अगस्त, 2019
- 2 अक्टूबर, 2019
- 7 फरवरी, 2020
- 24 मई, 2020

पी.पी.टी. कक्षाएं

- प्रत्येक माह (जुलाई 2019 से जनवरी 2020) में पी.पी.टी. पर भी कक्षाएं आयोजित की जायेगी।

प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग तथा इतिहास विभाग

• विशिष्ट व्याख्यान	27.08.2019	प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी
• राष्ट्रीय संगोष्ठी	03–04.01.2020	डॉ. मेधांकर रवि, डॉ. कुमार रत्नम, डॉ. शीतला प्रसाद सिंह एवं अन्य
• विशिष्ट व्याख्यान	20.01.2020	डॉ. कन्हैया सिंह
• व्याख्यान प्रतियोगिता	21.01.2020	डॉ. प्रवीण त्रिपाठी

सम्भावित अतिथि व्याख्यान

- प्रो. विपुला दूबे — पूर्व विभागाध्यक्ष, प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग, दी.द.उ. गोरखपुर वि.वि. गोरखपुर
- प्रो. राजवन्त राव — पूर्व विभागाध्यक्ष, प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग, दी.द.उ. गोरखपुर वि.वि. गोरखपुर
- प्रो. शीतला प्रसाद — अध्यक्ष, प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग, दी.द.उ. गोरखपुर वि.वि. गोरखपुर
- प्रो. दिग्विजयनाथ मौर्य — प्रोफेसर, प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग, दी.द.उ. गोरखपुर वि.वि. गोरखपुर
- प्रो. प्रज्ञा चतुर्वेदी — प्रोफेसर, प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग, दी.द.उ. गोरखपुर वि.वि. गोरखपुर
- प्रो. ध्यानेन्द्र दुबे — एसो. प्रोफेसर, प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग, दी.द.उ. गोरखपुर वि.वि. गोरखपुर
- प्रो. रामप्यारे मिश्र — असि. प्रोफेसर, प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग, दी.द.उ. गोरखपुर वि.वि. गोरखपुर

प्राचीन इतिहास विभाग के विद्यार्थियों द्वारा कक्षाध्यापन एवं उनके मासिक मूल्यांकन का माहवार विवरण

कक्षा	कक्षाध्यापन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. प्रथम	NA	07,16	02,09,19	05	01,11,19	03,14,21	06,13,23
बी.ए. द्वितीय	20,27	03,13,21	06,16	03,16	07,16,23	12,19	03,10,20
बी.ए. तृतीय	20,27	03,13,21	06,16	03,16	07,16,23	12,19	03,10,20

कक्षा	मासिक मूल्यांकन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. प्रथम	NA	24	26	18	26	30	29
बी.ए. द्वितीय	NA	29	24	30	30	27	28
बी.ए. तृतीय	NA	29	24	30	30	27	28

- 01 से 07 फरवरी 2020 तक विषय के विद्यार्थियों हेतु उपचारात्मक कक्षाओं का संचालन
- 05 फरवरी 2020 को विषय के विद्यार्थियों हेतु आशु व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन

ग्राम्य दर्शन

- 4 अगस्त, 2019
- 2 अक्टूबर, 2019
- 7 फरवरी, 2020
- 24 मई, 2020

राजनीतिशास्त्र विभाग

दिनांक	दिन	शीर्षक एवं व्याख्याता	स्वरूप
30.07.2019	बृहस्पतिवार	लोक प्रशासन में जवाबदेही (लोकपाल के सन्दर्भ में)	दृश्य श्रव्य कार्यक्रम एवं परिचर्चा
08.08.2019	शनिवार	जम्मू कश्मीर का बदलता परिदृश्य : अनु. 370 से लेकर संघ राज्य क्षेत्र के विशेष सन्दर्भ में (प्रो. गोपाल प्रसाद)	आमंत्रित व्याख्यान
28.08.2019	बृहस्पतिवार	अनु. 370 एवं 35ए की समाप्ति और भारतीय संसद की कार्यवाही	दृश्य श्रव्य कार्यशाला
04.09.2019	बृहस्पतिवार	अनु. 370 की समाप्ति के बाद जम्मू कश्मीर में लोकतांत्रिक प्रक्रिया (प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी)	आमंत्रित व्याख्यान
14.10.2019	सोमवार	राजनीतिशास्त्र विषय की उपादेयता (प्रो. तेज प्रताप सिंह)	आमंत्रित व्याख्यान
16.10.2019	बुधवार	भारतीय संविधान सभा में विचार-विमर्श	दृश्य श्रव्य कार्यक्रम एवं परिचर्चा
29.11.2019	सोमवार	राज्यपाल की संवैधानिक एवं व्यावहारिक स्थिति	श्रव्य दृश्य कार्यक्रम एवं परिचर्चा
18.12.2019	बुधवार	नागरिकता संशोधन विधेयक 2019 : सुरक्षा के लिए अपरिहार्य है	श्रव्य दृश्य कार्यक्रम एवं परिचर्चा
31.12.2019	मंगलवार	शोध व्याख्यान	छात्र-छात्रा द्वारा शोध-पत्र प्रस्तुतिकरण
22.01.2020	बुधवार	अमेरिका-इरान तनाव : भारतीय विदेश नीति के विशेष सन्दर्भ में (डॉ. अमित सिंह)	आमंत्रित व्याख्यान
27.01.2020	सोमवार	दया याचिका एवं उसका संवैधानिक पहलू	दृश्य श्रव्य कार्यक्रम एवं परिचर्चा

समावर्तन–2020

अतिथि व्याख्याता

• प्रो. तेज प्रताप सिंह	प्रोफेसर, राज.शास्त्र विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी
• प्रो. श्रीप्रकाशमणि त्रिपाठी	पूर्व विभागाध्यक्ष, राज.शास्त्र विभाग, दी.द.उ. गोरखपुर वि.वि., गोरखपुर
• प्रो. गोपाल प्रसाद	अध्यक्ष, राज.शास्त्र विभाग, दी.द.उ. गोरखपुर वि.वि., गोरखपुर
• प्रो. राजेश सिंह	पूर्व विभागाध्यक्ष, राज.शास्त्र विभाग, दी.द.उ. गोरखपुर वि.वि., गोरखपुर
• डॉ. अमित कुमार सिंह	सहआयुक्त, व्यापार कर, गोरखपुर
• डॉ. अमित कुमार उपाध्याय	असि.प्रो., दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
• डॉ. महेन्द्र कुमार सिंह	असि.प्रो., दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय,गोरखपुर

कक्षाध्यापन (विद्यार्थियों द्वारा)

कक्षा	कक्षाध्यापन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. प्रथम	NA	06,14,22	09,17	04,17	09,18	02,13, 20	04,11,22
बी.ए. द्वितीय	19,26	02,10,20	05,09,14	01,15	06,15,22	11,18	02,09,18
बी.ए. तृतीय	19,26	02,10,20	05,14	01,15	06,15,22	11,18	02,09,18

मासिक मूल्यांकन (विद्यार्थियों द्वारा)

कक्षा	मासिक मूल्यांकन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. प्रथम	NA	30	25	31	25	28	29
बी.ए. द्वितीय	NA	28	23	23	29	26	27
बी.ए. तृतीय	NA	28	23	23	29	26	27

ग्राम्य दर्शन

वर्तमान सत्र में चार बार (रविवार) महाविद्यालय के चार विभागों के साथ गोद लिए विद्यार्थियों सहित भ्रमण।

तिथि

- 04 अगस्त 2019
- 06 अगस्त 2019
- 12 जनवरी 2020
- 17 मई 2020

पी.पी.टी. कक्षाएं

पी.पी.टी. के माध्यम से कक्षाध्यापन।

अर्थशास्त्र विभाग

कार्यशाला – 21 जनवरी 2020 डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र, प्रभारी मनोविज्ञान विभाग, महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर

विद्यार्थी कक्षाध्यापन – प्रत्येक सप्ताह में एक दिन विद्यार्थी द्वारा निर्धारित विषय पर कक्षा में पढ़ाया जाता है।

प्रत्येक माह में निर्धारित तिथि :

कक्षा	कक्षाध्यापन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. प्रथम	NA	06,14,22	07,17	04,17	09,18	02,13,20	04,11,22
बी.ए. द्वितीय	19,26	02,10,20	05,14	01,15	06,15,22	11,18	02,09,18
बी.ए. तृतीय	19,26	02,10,20	05,14	01,15	06,15,22	11,18	02,09,18

मासिक मूल्यांकन : प्रत्येक माह (अगस्त–2019 से जनवरी–2020) के अन्तिम सप्ताह में पढ़ाये गये व्याख्यानों में से विश्वविद्यालय परीक्षा में आने वाले सम्भावित प्रश्नों का प्रश्न पत्र बनाकर मासिक मूल्यांकन करना।

प्रत्येक माह में निर्धारित तिथि :

कक्षा	कक्षाध्यापन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. प्रथम	NA	30	25	31	25	28	29
बी.ए. द्वितीय	NA	28	23	23	29	26	27
बी.ए. तृतीय	NA	28	23	23	29	26	27

ग्राम्य दर्शन

वर्तमान सत्र में चार बार (रविवार) महाविद्यालय के चार विभागों के साथ गोद लिए विद्यार्थियों सहित भ्रमण।

तिथि

- 04 अगस्त 2019
- 06 अगस्त 2019
- 12 जनवरी 2020
- 17 मई 2020

पी.पी.टी. कक्षाएं

प्रत्येक माह (जुलाई 2019 से जनवरी 2020) में पी.पी.टी. पर भी कक्षाएं पढ़ाई जायेगी।

हिन्दी विभाग

- विशिष्ट व्याख्यान — 04 सितम्बर, 2019
- विशिष्ट व्याख्यान (हिन्दी दिवस) — 14 सितम्बर, 2019
- विशिष्ट व्याख्यान कार्यशाला — 31 अक्टूबर, 2019

- हिन्दी व्याख्यान प्रतियोगिता 18 नवम्बर, 2019
- उदीयमान कवि गोष्ठी 20 नवम्बर, 2019
- हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता 22 नवम्बर, 2019
- शैक्षिक भ्रमण 12 जनवरी, 2020
- हिन्दी शोध व्याख्यान प्रतियोगिता 18 जनवरी, 2020
- दो दिवसीय कार्यशाला 22–23 जनवरी, 2020

नोट – प्रत्येक माह में एक या दो व्याख्यान अतिथि शिक्षक पढ़ाये, विभाग इसका प्रयास करेगा।

व्याख्याताओं की सूची

- प्रो. सिद्धार्थ शंकर त्रिपाठी
- डॉ. आद्या प्रसाद द्विवेदी
- डॉ. भरत प्रसाद त्रिपाठी
- डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय
- प्रो. सदानन्द प्रसाद गुप्त
- प्रो. अरविन्द त्रिपाठी
- प्रो. अनन्त मिश्र
- प्रो. रामदरश राय
- प्रो. अनिल राय

कक्षा	कक्षाध्यापन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. प्रथम	NA	06,14,22	07,17	04,17	09,18	02,13,20	04,11,22
बी.ए. द्वितीय	19,26	02,10,20	05,14	01,15	06,15,22	11,18	02,08,18
बी.ए. तृतीय	19,26	02,10,20	05,14	01,15	06,15,22	11,18	02,09,18
कक्षा	मासिक मूल्यांकन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. प्रथम	NA	30	25	31	25	28	29
बी.ए. द्वितीय	NA	28	23	23	29	26	27
बी.ए. तृतीय	NA	28	23	23	29	26	27

फीड बैक (पृष्ठ पोषण) कक्षाएं

15–23 फरवरी, 2020

स्वमूल्यांकन प्रपत्र

प्रत्येक माह में शिक्षक द्वारा अपने मासिक दायित्वों एवं कार्य का विवरण प्रपत्र के माध्यम से प्राचार्य जी को उपलब्ध।

शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र – सत्र में दो बार शिक्षक उन्नयन के क्रम में विद्यार्थियों द्वारा प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरा जायेगा।

ग्राम्य दर्शन

- 04 अगस्त, 2019
- 02 अक्टूबर, 2019
- 07 फरवरी, 202
- 24 मई, 2020

स्वैच्छिक श्रमदान – स्वैच्छिक श्रमदान में प्रतिभाग करेंगे

मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास

- विशिष्ट व्याख्यान
  (अ) 25 सितम्बर, दिन-बुधवार, बी.ए. भाग-1,2,3 तथा एम.ए. भाग-1
  विषय : पं. दीनदयाल उपाध्याय का समाज दर्शन
  वक्ता : श्री विद्याधर मिश्र, राजकीय पी.जी. कालेज, सन्तकबीर नगर
  (ब) 21अक्टूबर, दिन-सोमवार, बी.ए. भाग-1,2,3 तथा एम.ए. भाग-1
  विषय : आजाद हिन्द फौज
  वक्ता : डॉ. संजय श्रीवास्तव, डी.ए.वी. कालेज, गोरखपुर
  (स) 19 दिसम्बर, दिन-गुरुवार, बी.ए. भाग-1,2,3 तथा एम.ए. भाग-1
  विषय : स्वतंत्रता आन्दोलन में पं. राम प्रसाद विस्मिल, अशफाक उल्ला खाँ व रोशन सिंह का योगदान
  वक्ता : डॉ. के.के. पाठक, अखिलभाग्य पी.जी. कालेज, रानापार गोरखपुर
- शोध व्याख्यान प्रतियोगिता — 11 जनवरी 2020, दिन-शनिवार को सम्पन्न
- कार्यशाला — 27 जनवरी, (बी.ए. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय तथा एम.ए भाग-1)
  विषय : छत्रपति शिवाजी की हिन्दू पद-पादशाही की स्थापना की परिकल्पना
- शिक्षक-प्रतिपुष्टि प्रपत्र — आत्ममूल्यांकन एवं सुधारात्मक प्रवृत्ति हेतु विद्यार्थियों द्वारा दिसम्बर माह के किसी भी कार्यादिवस में, विद्यार्थियों द्वारा दिसम्बर माह के किसी भी कार्यदिवस में विद्यार्थियों की अधिकतम संख्या को देखते हुए उनसे पूर्व निर्धारित प्रोफार्मा पर शिक्षक अभिमत लिया जाएगा।

कक्षाध्यापन एवं मासिक मूल्यांकन

कक्षा	कक्षाध्यापन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. प्रथम	NA	07,16	02,07,17	03,16	09,18	02,13,20	04,11,22
बी.ए. द्वितीय	20,27	03,13,27	06,16	03,16	07,16,23	12,19	03,10,20
बी.ए. तृतीय	20,27	03,13,21	06,16	03,16	07,16,23	12,19	03,10,20
कक्षा	मासिक मूल्यांकन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. प्रथम	NA	24	25	31	25	28	29
बी.ए. द्वितीय	NA	29	24	30	30	27	28
बी.ए. तृतीय	NA	29	24	30	30	27	28

शैक्षिक भ्रमण

बी.ए. भाग 2 एवं बी.ए. भाग 3 के विद्यार्थियों का शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम 12 जनवरी, 2020 को सम्बन्धित जगहों (बुटवल व लुम्बनी) पर हुआ।

उपचारात्मक कक्षाएं

विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा परिणाम आने के उपरान्त फरवरी माह में 15 से 24 तक शैक्षिक दृष्टिकोण से आशानुरूप प्रदर्शन न कर पाने वाले विद्यार्थियों हेतु उपचारात्मक कक्षाएं संचालित करने की योजना है।

ग्राम दर्शन कार्यक्रम

- 04 अगस्त 2019
- 06 अक्टूबर 2019
- 09 फरवरी 2020
- 17 मई 2020

शिक्षाशास्त्र

- विशिष्ट व्याख्यान
  - (अ) 20 अगस्त, दिन–मंगलवार, बी.एड. के संयुक्त तत्वावधान में
    विषय : जनसंख्या शिक्षा का महत्व
  - (ब) 15 अक्टूबर, दिन–मंगलवार, बी.ए. भाग–1,2,3
    विषय : उच्च शिक्षा का तीसरा आयाम :– प्रसार
  - (स) 19 नवम्बर, दिन–मंगलवार, बी.ए. भाग–2 (बी.एड्. विभाग के संयुक्त तत्वावधान में)
    विषय : सांख्यिकी का महत्व

कक्षाध्यापन एवं मासिक मूल्यांकन

कक्षा	कक्षाध्यापन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. प्रथम	NA	07,17	02,07,17	04,17	09,18	02,13,20	04,11,22
बी.ए. द्वितीय	19,26	05,14,23	06,16	15,23	07,16,23	12,19	03,10,20
बी.ए. तृतीय	19,26	05,14,27	06,16	15,23	06,15,22	11,18	02,07,11,20
कक्षा	मासिक मूल्यांकन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. प्रथम	NA	30	25	31	25	28	29
बी.ए. द्वितीय	NA	28	30	30	30	27	28
बी.ए. तृतीय	NA	28	30	30	29	31	25

उपचारात्मक कक्षाएं

विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा परिणाम आने के उपरान्त फरवरी माह में 18 से 22 तक शैक्षिक दृष्टिकोण से विश्वविद्यालय परीक्षा के लिए बेहतर तैयारी करने के लिए उपचारात्मक कक्षाएं संचालित करने की योजना है।

ग्राम दर्शन कार्यक्रम

वर्ष में चार अवकाश की तिथियों पर विभाग गोद लिए गए गॉव में जन-जागरण हेतु जाएगा।

अन्य कार्यक्रम

बी.एड्. विभाग के कार्यक्रमों मे सहभागी के रूप में सहयोग।

सभी योजनाएं प्रस्तावित है समयानुसार परिवर्तन संभव है।

Dept. of English Literature

Dept. teachers according to lesson plan & will try to complete the syllabus on time. Extra classes will be managed during the working days & hours.

1. **Class Teaching :** After every fifth working sixth day's classes are run by the students which helps in personality & academic development of the students. The team of class teaching is declared on the previous class teaching day. Lecturer helps them to be ready with their allotted topic.

   This year's class teachings schedule is:

Class Teaching & Monthly Evaluation Schedule

Class	Date - Class Teaching						
	July	August	September	October	November	December	January
B.A. I	NA	07,16	02,09,19	05	01,11,19	03,14,21	06,13,23
B.A. II	20,27	03,13,21	06,16	03,16	07,16,23	12,19	03,10,20
B.A. III	20,27	03,13,21	06,16	03,16	07,16,23	12,19	03,10,20

Monthly Evaluation : Monthly Evaluation helps Lectures to assess that revealed or the taught portion of the month was understood by the students before it's too late. Evaluation shows that how many have failed to grasp a particular chapter & a lecturer can reteach it. If a few are confused, the lecturer can provide individualized help. It also helps students to get ready for the examinations & to know their weak points. The year monthly evaluations are held on:

Class	Date - Monthly Evaluation						
	July	August	September	October	November	December	January
B.A. I	NA	24	26	18	26	30	30
B.A. II	NA	29	24	30	30	27	28
B.A. III	NA	29	24	30	30	27	28

Power-point classes : This year Dept. has decided not to take any class on P.P.T. because Dept. has uploaded the whole syllabus of B.A. I, II & III year on the Dept,s Blog. So the students who want to take the benefit of power point class they have to access the website of the college.

Guest Lectures & workshop :

"Something different than the usual always seems interesting!"

Guest lectures & workshops enhances the educational experience of the students. It provides them

opportunity to learn new, when students are guided by the professors or the guest lectures they learn a ton, with such aim Dept. has planned to organise guest lectures workshop for the students on:

- 07th Sept. 19, Saturday
- 25th - 27th Jan. 20, Workshop
- 18th Nov. 19, Monday
- 28th Jan. 20, Tuesday

Proposed Subject Experts

• Prof. Ajay Shukla	Prof. Dept. of English Lit., DDU Gorakhpur University
• Dr. Shikha Singh	Asst. Prof. Dept. of English Lit., DDU Gorakhpur University
• Dr. Santosh Singh	Asst. Prof. Dept. of English Lit., Madhav Prasad Tripathi Mahila Govt. Degree College, Sant Kabir Nagar.
• Dr. Deepti Pandey	Asst. Prof. Dept. of English Lit., Kewala Sunder P.G. College Satipar, Gorakhpur.
• Dr. Ganesh Srivastava	Asst. Prof. Dept. of English Lit., Hira Lal P.G.College, Khalilabad.
• Dr. Rajesh Srivastava	Asst. Prof. Dept. of English Lit., Govt. P.G. College, Dhara, Kushinagar.
• Dr. Neelima Dubey	Asst. Prof. Dept. of English Lit., Bhagwan Dutt Girls Degree College, Gauri Bazar, Deoria.
• Dr. Priyanka	Asst. Prof. Dept. of English Lit., Gangotri Devi Mahila Mahavidyalya.

Competitions : Competition promots, improved teamwork & collaboration, enhances social & emotional learning, develops academic heroes, beneficial peer comparisons & increase intrirsic motivation. So to bring all these, Dept. will also organise some competitions as:

• Essay Competition	22nd Oct 2019	Tuesday
• Elocution Competition	20th Nov 2019	Wednesday
• Story-writing competition	07th Dec 2019	Saturday
• Extempore	09th Jan 2020	Monday
• Lecture competition	15th Jan 2020	Wednesday

Problem Solving class & Remedial Class : IV Period wil be declared as Problem solving class for the Students of B.A I, II & III year. The period of 15th Feb-24th Feb will be declared as remedial class after pre-university exam.

Feed back from the students : Dept. will take feed back of students on prescribed format twice in a year i.e. in the month September & January to improve the teaching methodology & to know what are the expectations of the students from the class & college.

Adopted Students : Each & every dept. of the college adopted five students to look after their academic & personality development & an emotional & sentimental relationship is developed just like parents & child.

Though the dept. is always in contact with the adopted students, but this year dept. will try to sit together at least once in month with the adopted students as a group.

Adopted village visit : Beautiful scenes of nature, fresh-air, hospitable people & quiet & peaceful life-all these things are the real beauty of a village. This time Dept. has decided to introduce the students to the villagers with a new perspective. Dept. will visit the village just as a picnic spot where students will not only observe the natural way of life but also will be inspired for the community

social works. Dept. will visit adopted village in the month of :

- 04 August
- 02 October
- 07 February
- 24 May

Swachik Shramdaan : Dept. will participate in swachik shramdaan to develop the habit of cleanliness & to make them feel that labourers are in no way inferior to us & not any job is inferior than the other one.

Apart from this provides our mind the pleasure of satisfaction, our personality of idealness & benefits the body in so many ways.

Dept. will try to invite the guest lectures to take at least one class each & every month.12th January 20

समाजशास्त्र विभाग

- विशिष्ट व्याख्यान — समाजशास्त्र विभाग द्वारा विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन दिनांक 19.12.2019
  प्रस्तावित विषय :''कमजोर वर्गो के विकास में सामाजिक न्याय की भूमिका''
- व्याख्यान प्रतियोगिता — समाजशास्त्र विषय के छात्र/छात्राओं में शोध अभिरूचि बढ़ाने हेतु शोध व्याख्यान प्रतियोगिता दिनांक 23.12.2019

अतिथि व्याख्यान - समाजशास्त्र विषय के छात्र/छात्रओं हेतु प्रत्येक माह में दो अतिथि व्याख्यान पाठ्यक्रम योजना के

- **श्री प्रकाश प्रियदर्शी** असि.प्रो., समाजशास्त्र विभाग, दी.द.उ. गोरखपुरवि.वि., गोरखपुर, 10.08.2019
- **डॉ. मनीष कुमार पाण्डेय** असि.प्रो., समाजशास्त्र विभाग, दी.द.उ. गोरखपुरवि.वि., गोरखपुर, 07.09.2019
- **श्री दीपेन्द्र मोहन सिंह** असि.प्रो., समाजशास्त्र विभाग, दी.द.उ. गोरखपुरवि.वि., गोरखपुर, 15.10.2019
- **डॉ. मनीष पाण्डेय** असि.प्रो., समाजशास्त्र विभाग, नेशनल पी.जी. कालेज, बड़हलगंज, गोरखपुर, 07.11.2019
- **डॉ. पवन कुमार** असि.प्रो., समाजशास्त्र विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर, 19.12.2019
- **श्री प्रकाश प्रियदर्शी** असि.प्रो., समाजशास्त्र विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर, 13.01.2020

कक्षाध्यापन तिथियाँ

कक्षा	कक्षाध्यापन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. प्रथम वर्ष	NA	08,17	03,11,20	12	04,13,20	07,16,23	07,16
बी.ए. द्वितीय वर्ष	22,29	6,14,22	07,17	04,17	09,18	02,13,20	04,11,22
बी.ए. तृतीय वर्ष	22,29	6,14,22	07,19	05	01,11,19	03,14,21	06,13,23
एम.ए. प्रथम वर्ष	NA	08,17	03,11,20	12	04,13,20	07,14,21	06,13,23
एम.ए. अन्तिम वर्ष	22,29	6,14,22	07,17	04,17	09,18	02,13,20	04,11,22

मासिक मूल्यांकन तिथियाँ

कक्षा	मासिक मूल्यांकन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. प्रथम वर्ष	NA	26	27	21	27	31	24
बी.ए. द्वितीय वर्ष	NA	30	25	31	25	28	29
बी.ए. तृतीय वर्ष	NA	30	26	18	26	30	30
एम.ए. प्रथम वर्ष	NA	26	27	21	27	30	30
एम.ए. अन्तिम वर्ष	NA	30	25	31	25	30	29

मनोविज्ञान विभाग

- मनोविज्ञान विभाग के छात्र/छात्राओं हेतु कार्यशाला – दिनांक 04.11.2019, 20.12.2019, 30.12.2019
- मनोविज्ञान विभाग के छात्र/छात्राओं की व्याख्यान प्रतियोगिता – दिनांक 18.01.2020
- मनोविज्ञान विभाग के छात्र/छात्राओं की उपचारात्मक कक्षाएं – दिनांक 01–07.02.2020
- महाविद्यालय के विद्यार्थियों हेतु मनोवैज्ञानिक परामर्श की व्यवस्था।
- मनोविज्ञान के विद्यार्थियों को परामर्श कौशल का प्रशिक्षण

मनोविज्ञान के छात्र/छात्राओं द्वारा कक्षाध्यापन एवं मासिक मूल्यांकन निम्नांकित तिथियों पर

कक्षा	कक्षाध्यापन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. प्रथम	NA	08,17	03,11,20	12	03,14,21	09,17	01,08,17
बी.ए. द्वितीय	22	06,14,22	07,17	04,17	09,18	02,13,20	04,11
बी.ए. तृतीय	22	06,14,22	07,17	04,17	09,18	02,13,20	04,11
कक्षा	मासिक मूल्यांकन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. प्रथम	छ।	26	27	21	28	24	25
बी.ए. द्वितीय	29	30	25	31	25	28	22
बी.ए. तृतीय	29	30	25	31	25	28	22

सांस्कृतिक विभाग द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रम (विभागीय कार्यक्रम)

- 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस
- 02 अक्टूबर नुक्कड़ नाटक
- 31 अक्टूबर निबन्ध प्रतियोगिता (सरदार बल्लभ भाई पटेल जयंती)

- 18 नवम्बर मेंहदी, हिन्दी भाषण, गायन, संस्कृत भाषण
- 19 नवम्बर गोरखवाणी, हिन्दी आशुभाषण
- 20 नवम्बर प्रश्नमंच, कम्प्यूटर प्रश्नमंच, उदीयमान कविगोष्ठी
- 21 नवम्बर सामान्य ज्ञान, हस्तकला (अनुप्रयुक्त वस्तुओं से)
- 22 नवम्बर फूड विदाउट फायर, हिन्दी निबन्ध
- 23 नवम्बर गाँधी भजन
- 11 जनवरी पेंटिग प्रतियोगिता
- 26 जनवरी गणतंत्र दिवस
- 31 जनवरी वाद-विवाद प्रतियोगिता
- 23 फरवरी समावर्तन

नोटः- ❖ रंगोली, प्रतियोगिता प्रस्तावित है, किसी विशेष कार्यक्रम के अवसर पर।
❖ कार्यक्रम में आवश्यकतानुसार परिवर्तन सम्भव।

वाणिज्य विभाग

- 17 अक्टूबर : अतिथि व्याख्यान-वक्ता डॉ. बृजेश कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर, डी.ए.वी.पी.जी. कालेज, गोरखपुर
- 18 अक्टूबर : अतिथि व्याख्यान- वक्ता डॉ. नीरज कुमार सिंह, विभागाध्यक्ष, डी.वी.एन.डी.सी., गोरखपुर
- 13 जनवरी : एकदिवसीय कार्यशाला- वक्ता डॉ. परमात्मा यादव, इस्लामिया कालेज ऑफ कामर्स, गोरखपुर
- 25 जनवरी : शोध व्याख्यान प्रतियोगिता (मुख्य अतिथि- श्री रामाकान्त दूबे, रक्षा अध्ययन विभाग, महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर)
- स्नातक प्रथम वर्ष स्वागत समारोह - 22 सितम्बर 2019
- परास्नातक प्रथम वर्ष स्वागत समारोह - 14 अक्टूबर2019
- स्नातक अंतिम वर्ष विदाई समारोह - 01 फरवरी 2020
- परास्नातक अंतिम वर्ष विदाई समारोह - 02 फरवरी 2020
- कक्षाध्यापन : प्रत्येक ग्रुप में चयनित छात्रों द्वारा साप्ताहिक कक्षाध्यापन।
- मासिक मूल्यांकन : माह के अंत में प्रत्येक प्रश्न पत्र का मासिक मूल्यांकन।
- मासिक मूल्यांकन परिणाम : प्रत्येक माह के 05 तारीख तक मासिक मूल्यांकन, परिणाम घोषित करना।
- स्वमूल्यांकन परिणाम : प्रत्येक माह के 05 तारीख तक स्वमूल्यांकन प्रपत्र जमा करना।

- शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र : वर्ष में दो बार 05 सितम्बर व 23 जनवरी को छात्रों द्वारा शिक्षक प्रतिपुष्टि भरवाया जाना।
- प्रगति आख्या : प्रत्येक माह के 10 तारीख तक प्रगति आख्या पूर्ण करना।
- गोद लिए गये छात्र : 10 अगस्त से पूर्व प्रत्येक शिक्षक द्वारा 05-05 छात्रों का गोद लिया जाना।
- प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम : 1. कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम
  2. लेखांकन प्रशिक्षण प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम
  3. कार्यालय प्रशिक्षण प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम
- ग्राम दर्शन : 08 सितम्बर, 06 अक्टूबर, 08 दिसम्बर, 19 जनवरी।
- स्वैच्छिक श्रमदान : साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम।
- विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा : फरवरी के प्रथम सप्ताह में।
- प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम परीक्षा : विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा के साथ।
- उपचारात्मक : 15 से 24 फरवरी।
- विभागीय पूर्व छात्र सम्मेलन : जून माह में।

बी.एड्. विभाग

जुलाई-2019

09 बी.एड्. विभाग की वार्षिक योजना बैठक

10-20 अनिवार्य सामान्य कक्षाएं (महाविद्यालय परिसर एवं बी.एड्. पाठ्यक्रम)

10-21 अंग्रेजी कार्यशाला - श्रीमती कविता मन्ध्यान

अगस्त-2019

दिनांक	दिन	समय	विषय	कार्यक्रम/कक्षा	प्रस्तावित वक्ता
06	मंगलवार	11.20-12.10	अधिगम के सिद्धान्त	विशिष्ट व्याख्यान बी.एड् I, II	डॉ. प्रज्ञेश मिश्र
20	मंगलवार	12:30-01:20	राष्ट्रीय शिक्षा नीति	संगोष्ठी	प्रो. एन.पी. भोक्ता एवं अन्य
28	बुद्धवार	01:20-02:10	जनसंख्या शिक्षा	विशिष्ट व्याख्यान	डॉ. विजय चौधरी

सितम्बर-2019

दिनांक	दिन	समय	विषय	कार्यक्रम/कक्षा	प्रस्तावित वक्ता/ प्रशिक्षणार्थी
21	शनिवार	09:40-10:30	योग	प्रशिक्षण	डॉ. प्रदीप राव

25	बुधवार	01:20–02:10	शिक्षण के प्रतिमान एवं उपागम	कार्यशाला बी.एड् II	डॉ. राजशरण शाही

अक्टूबर–2019

दिनांक	दिन	समय	विषय	कार्यक्रम/कक्षा	प्रस्तावित वक्ता
02	बुधवार		स्वच्छता कार्यक्रम ग्राम्य भ्रमण	बी.एड् I एवं II	
15	मंगलवार	01:20–02:10	बालकों में समाजीकरण शिक्षा की भूमिका	बी.एड् I एवं II	डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय
31	बृहस्पतिवार	11:20–12:10	निबन्ध प्रतियोगिता	बी.एड् I एवं II	

नवम्बर–2019

दिनांक	दिन	समय	विषय	कार्यक्रम/कक्षा	प्रस्तावित वक्ता
07	बृहस्पतिवार	12:30–03:00	आर्ट एड क्राफ्ट प्रदर्शनी	बी.एड् I	
14	शुक्रवार		स्वास्थ्य शिविर ग्राम मंझरिया	बी.एड् I एवं II	
16	शनिवार	09:40–10:30	योग		डॉ. प्रदीप राव
19	बुधवार	01:20–02:10	शिक्षा मनोविज्ञान में सांख्यिकी प्रासंगिकता	व्याख्यान बी.एड्. I	डॉ. सुभाष गुप्ता
23	शनिवार	09:40–10:30	योग	कार्यशाला	सुश्री नेहा पटेल
23	शनिवार	01:20–02:10	गाँधी भजन	संगीत कार्यक्रम बी.एड् I एवं II	
30	शनिवार	09:40–10:30	योग	कार्यशाला	डॉ. प्रदीप राव / डॉ. जयन्तनाथ
30	शनिवार	09:40–10:30	गाँधीजी का शिक्षा दर्शन	व्याख्यान बी.एड्. I	डॉ. यशवन्त राव

दिसम्बर–2019

दिनांक	दिन	समय	विषय	कार्यक्रम	प्रस्तावित वक्ता
09	सोमवार	10:30–11:20	लोकतंत्र	व्याख्यान बी.एड I	डॉ. कृष्ण कुमार
21	शनिवार	09:40–10:30	स्वच्छता अभियान	बी.एड् I एवं II	

जनवरी–2020

दिनांक	दिन	समय	विषय	कार्यक्रम	प्रस्तावित वक्ता
09	बृहस्पतिवार	01:20–02:10	पेंटिग कम्पटीशन ऑन थाट्स ऑफ गाँधी	व्याख्यान बी.एड्. I, II	

22	बुधवार	10:30–01:30	प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम परीक्षा	बी.एड्. I, II	
23	बृहस्पतिवार	09:40–10:30	क्रियात्मक अनुसंधान	व्याख्यान बी.एड् II	डॉ. रेखा श्रीवास्तव
30	बृहस्पतिवार	01:20–02:10	महात्मा गाँधी की पुण्यतिथि पर व्याख्यान		श्रीमती अंजू चौधरी
31	शुक्रवार	11:00–12:00	शिक्षक प्रशिक्षण में कला की भूमिका		डॉ. कुमुद सिंह

फरवरी–2020

दिनांक	दिन	समय	विषय	कार्यक्रम	प्रस्तावित वक्ता
01	शनिवार	–	शैक्षिक भ्रमण (लुम्बिनी)	बी.एड्. I, II	
06–11		–	उपचारात्मक कक्षा	बी.एड्. I, II	
11	मंगलवार	09:40–10:30	गाँधी जी के विचारों पर वाद विवाद	बी.एड्. I, II	
18	मंगलवार	–	शान्ति और समानता	व्याख्यान बी.एड्. I, II	डॉ. आरती सिंह

मार्च–2020

दिनांक	दिन	समय	विषय	कार्यक्रम	प्रस्तावित वक्ता
15	शनिवार	01.00–03:00	श्रमदान कार्यक्रम	बी.एड् I	

अप्रैल–2020

दिनांक	दिन	समय	विषय	कार्यक्रम	प्रस्तावित वक्ता
06	सोमवार	02.10–03:00	समानता एवं शान्ति पर स्लोगन लेखन	व्याख्यान बी.एड्, I, II	
10	शुक्रवार	11.00–12:00	समाजिक समरसता और महात्मा गाँधी	संगोष्ठी बी.एड्, I, II	
14	मंगलवार	02.10–03:00	राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी और बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर के दृष्टि में भारतीय समाज	व्याख्यान बी.एड्. I	

अगस्त–2020

दिनांक	दिन	समय	विषय	कार्यक्रम	प्रस्तावित वक्ता
05	बुधवार	02.10–03:00	पोस्टर प्रतियोगिता	पोस्टर प्रतियोगिता बी.एड्. I, II	

सितम्बर-2020

दिनांक	दिन	समय	विषय	कार्यक्रम	प्रस्तावित वक्ता
17	बृहस्पतिवार	02.10-03:00	पौधरोपण	पौधरोपण बी.एड् I, II	

22-28 जनवरी, 2020 - बी.एड्. स्काउट गाइड परिचयात्मक प्रशिक्षण शिविर

शिक्षण विधियाँ

- व्याख्यान विधि
- प्रोजेक्टर विधि
- सामूहिक परिचर्चा
- समनुदेशन विधि
- मासिक मूल्यांकन
- उपचारात्मक अनुदेशन
- स्कूल-इंटर्नशिप
- ग्राम्य दर्शन
- शैक्षिक भ्रमण

अन्य गतिविधियाँ/प्रयोग

मासिक मूल्यांकन : प्रत्येक माह में प्रत्येक प्रश्न-पत्र का मासिक मूल्यांकन अलग-अलग तिथियों में।

प्रगति आख्या : प्रत्येक माह के 08 तारीख तक विद्यार्थी प्रगति आख्या पूर्ण करना।

स्वमूल्यांकन प्रपत्र : प्रत्येक माह के 08 तारीख तक शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र जमा करना।

शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र : सत्र में दो बार सितम्बर एवं दिसम्बर माह में प्रत्येक शिक्षक द्वारा शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरवाया जाना।

प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम : जीवन मूल्य : बी.एड्. प्रथम वर्ष में संचालित एवं हमारे पूर्वज : बी.एड्. द्वितीय वर्ष में संचालित।

ग्राम्य दर्शन : अगस्त 2019, सितम्बर 2019, अक्टूबर 2019, दिसम्बर 2019

स्वैच्छिक श्रमदान : महाविद्यालय द्वारा आयोजित साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम में प्रतिभाग।

भाग-3 : क्रीड़ा विभाग

सत्र 2019-20 में क्रीड़ा विभाग द्वारा महाविद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन प्रस्तावित है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

महंत अवेद्यनाथ स्मृति शतरंज प्रतियोगिता (16-17 सितम्बर, 2019)

उद्घाटन समारोह - 16 सितम्बर समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण - 17 सितम्बर

महंत दिग्विजयनाथ स्मृति कैरम प्रतियोगिता (03-04 अक्टूबर, 2019)

उद्घाटन समारोह - 03 अक्टूबर समापन समारोह एवं पुरस्तकार वितरण - 04 अक्टूबर

युवा महोत्सव

योगिराज बाबा गंभीर नाथ स्मृति कबड्डी प्रतियोगिता (16-18 नवम्बर, 2019)

उद्घाटन समारोह - 16 नवम्बर कबड्डी प्रतियोगिता बालक वर्ग - 16 नवम्बर

कबड्डी प्रतियोगिता बालिका वर्ग – 18 नवम्बर समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण – 18 नवम्बर

योगिराज बाबा गंभीर नाथ स्मृति वालीबॉल प्रतियोगिता (19-20 नवम्बर, 2019)

उद्घाटन समारोह – 19 नवम्बर वालीबॉल प्रतियोगिता बालक वर्ग – 19 नवम्बर

वालीबॉल प्रतियोगिता बालिका वर्ग – 20 नवम्बर समापन समारोह एवं पुरस्तकार वितरण – 20 नवम्बर

महंत अवेद्यनाथ स्मृति कैनवस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता (23-26 दिसम्बर, 2019)

उद्घाटन समारोह – 23 दिसम्बर समापन समारोह एवं पुरस्तकार वितरण – 26 दिसम्बर

महंत दिग्विजनाथ स्मृति बैडमिण्टन प्रतियोगिता (06-07 जनवरी, 2020)

उद्घाटन समारोह – 05 जनवरी बैडमिण्टन प्रतियोगिता बालक वर्ग – 07 जनवरी

भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत

वार्षिक क्रीड़ा समारोह (22-23 जनवरी, 2020)

कबड्डी प्रतियोगिता बालिका वर्ग – 22-23 जनवरी

प्रथम दिवस दिनांक- 22 जनवरी, 2020

9:00 प्रात: उद्घाटन समारोह	–	9:30 प्रात: 800 मीटर पुरुष फाइनल
9:40 प्रात: 800 मीटर महिला फाइनल	–	9:50 प्रात: गोला क्षेपण पुरुष फाइनल
9:50 प्रात: 100 मीटर हीट, महिला	–	10:30 प्रात: गोला क्षेपण महिला फाइनल
10:30 प्रात: 100 मीटर हीट, पुरुष	–	11:00 प्रात: लम्बी कूद महिला फाइनल
11:30 प्रात: लम्बी कूद पुरुष फाइनल	–	12:10 अपराह्न: 100 मीटर पुरुष फाइनल
12:20 अपराह्न: 100 मीटर महिला फाइनल	–	12:30-01:00 अपराह्न भोजनावकाश
01:00 अपराह्न: भाला क्षेपण पुरुष फाइनल	–	01:30 अपराह्न: भाला क्षेपण महिला फाइनल
02:00 अपराह्न: 1500 मीटर पुरुष फाइनल	–	02:30 अपराह्न: 400 मीटर महिला फाइनल

द्वितीय दिवस दिनांक - 23 जनवरी, 2020

7:00 प्रात: 5000 मीटर पुरुष फाइनल	–	9:00 प्रात: 200 मीटर हीट पुरुष
9:30 प्रात: 200 मीटर महिला हीट	–	10:00 प्रात: चक्का क्षेपण पुरुष फाइनल
10:30 प्रात: चक्का क्षेपण महिला फाइनल	–	11:00 प्रात: 400 मीटर पुरुष फाइनल
11:15 प्रात: ऊँची कूद पुरुष फाइनल	–	11:45 प्रात: ऊँची कूद महिला फाइनल
12:15-12:45 अपराह्न भोजनावकाश	–	12:45 अपराह्न: 200 मीटर पुरुष फाइनल
12:55 अपराह्न: 200 मीटर महिला फाइनल	–	01:10 अपराह्न: समापन समारोह
12:10 अपराह्न: 100 मीटर पुरुष फाइनल	–	12:20 अपराह्न: 100 मीटर महिला फाइनल
12:30-01:00 अपराह्न भोजनावकाश	–	01:00 अपराह्न: भाला क्षेपण पुरुष फाइनल

भाग-4 : राष्ट्रीय सेवा योजना

27 जुलाई 2019	पौधारोपण कार्यक्रम, जल संरक्षण कार्यक्रम
1-7 अगस्त 2019	(ब्रेस्ट फीडिंग वीक) जागरुकता कार्यक्रम साप्ताहिक कार्यशाला
09 अगस्त 2019	उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम
28 अगस्त 2019	SSG 2019, स्वच्छ सर्वेक्षण 2019 फीडबैक
05 सितम्बर 2019	शिक्षक दिवस पर व्याख्यान
08 सितम्बर 2019	विश्व साक्षरता दिवस
16 सितम्बर 2019	विश्व ओज़ोन संरक्षण दिवस
24 सितम्बर 2019	राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस
02 अक्टूबर 2019	प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान फिट इण्डिया ब्लॉग रन कार्यक्रम
19 अक्टूबर 2019	एकदिवसीय कार्यशाला
31 अक्टूबर 2019	रक्तदान महादान - विशिष्ट व्याख्यान
01 नवम्बर 2019	रक्तदान शिविर
17 नवम्बर 2019	एक दिवसीय कार्यशाला - 'सामाजिक समरसता एवं संविधान'
17 नवम्बर 2019	भाषण प्रतियोगिता- सामाजिक समरसता एवं संविधान
26 नवम्बर 2019	वाद-विवाद प्रतियोगिता- संविधान दिवस पर
27 नवम्बर 2019	चारगावा में आयोजित- ग्राम पंचायत पार्लियामेंट
28 नवम्बर 2019	निबंध प्रतियोगिता- जातिवाद राष्ट्रीय एकता के लिए खतरा
30 नवम्बर 2019	योग कार्यशाला
01 दिसम्बर 2019	एकदिवसीय शिविर - प्रथम
02 दिसम्बर 2019	पर्यावरण नियंत्रण दिवस
06 दिसम्बर 2019	डॉ. भीम राव अम्बेडकर पुण्यतिथि
07 दिसम्बर 2019	साप्ताहिक योग कार्यशाला
15 दिसम्बर 2019	एकदिवसीय शिविर -द्वितीय
24 दिसम्बर 2019	मदन मोहन मालवीय जयन्ती (पूर्व दिवस)
12 जनवरी 2020	स्वामी विवेकानन्द जयंती (भारत-भारती पखवारा)
22 जनवरी 2020	पोस्टर प्रतियोगिता
23 जनवरी 2020	निबन्ध प्रतियोगिता
25 जनवरी 2020	सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, मतदाता दिवस
26 जनवरी 2020	गणतंत्र दिवस
31 जनवरी 2020	एक दिवसीय विशेष -तृतीय

02–08 फरवरी 2020	सप्तदिवसीय विशेष शिविर
08 मार्च 2020	अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

गोद लिए गये गॉव मंझरिया में सेवा कार्य सत्र भर विभिन्न तिथियों में किया जायेगा।

भाग–5 : अवकाश सूची 2019–20

क्र.सं.	त्यौहार का नाम	घोषित दिन	दिनांक
1.	नागपंचमी	01	5 अगस्त
2.	बकरीद*	01	12 अगस्त
3.	कृष्ण जन्माष्टमी	01	23 अगस्त
4.	मोहर्रम*	01	10 सितम्बर
5.	अनन्त चतुर्दशी	01	12 सितम्बर
6.	पितृ विसर्जन	01	28 सितम्बर
7.	दशहरा	05	07–11 अक्टूबर
8.	चेहल्लूम*	03	19 अक्टूबर
9.	दीपावली	04	24–27 अक्टूबर
10.	गोवर्धन पूजा	03	28 अक्टूबर
11.	भैया दूज/चित्रगुप्त पूजा	01	29 अक्टूबर
12.	छठपूजा	01	02 नवम्बर
13.	कार्तिक एकादशी	01	08 नवम्बर
14.	ईद–ए–मिलाब / वारावफ़ात	01	10 नवम्बर
15.	गुरूनानक जयन्ती / कार्तिक पूर्णिमा	01	12 नवम्बर
16.	क्रिसमस दिवस	01	25 दिसम्बर
17.	मकर संक्रान्ति	02	14–15 जनवरी
18.	मौनी अमावस्या	01	24 जनवरी
19.	बुढ़वा मंगल	01	28 जनवरी
20.	महाशिवरात्रि	01	22 फरवरी
21.	होली	04	10 मार्च
22.	रामनवमी	01	02 अप्रैल

2. **दायित्त्वसह कार्य विभाजन** - परम्परागत रूप से कार्य विभाजन में निम्न तीन विधियाँ अपनायी गई।
   (क) शिक्षक स्वयं से अपना कार्य चुनकर अपने को प्रभारी घोषित कर दें।
   (ख) कोई शिक्षक किसी कार्य हेतु किसी भी अन्य शिक्षक का नाम प्रस्तावित कर दें।
   (ग) प्राचार्य द्वारा किसी कार्य हेतु किसी को प्रभारी बना दिया जाय।

वर्तमान सत्र में अधिकांश शिक्षकों ने अपनी रूचि के अनुसार स्वयं अपना दायित्व चुना, कुछ का नाम अन्यों द्वारा प्रस्तावित किए जाने पर सम्बन्धित शिक्षक की सहमति पर दायित्व निर्धारित हुए तो अन्त में कुछ कार्य/दायित्व प्राचार्य द्वारा दे दिए गए। बैठक में निम्नवत् दायित्व निर्धारित किया गया-

महाविद्यालय प्रशासन

1.	**प्रवेश/परीक्षा**	डॉ. राजेश शुक्ल
2.	**मुख्य नियंता/अनुशासन**	डॉ. आरती सिंह
3.	**राष्ट्रीय सेवा योजना**	डॉ. सौरभ कुमार सिंह / श्रीमती किरन सिंह
4.	**पुस्तकालय**	डॉ. रमाकान्त दूबे / श्री प्रतीक दास
5.	**प्रयोगशाला**	डॉ. आर.एन. सिंह
6.	**तकनीकी विकास**	डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा
7.	**बागवानी**	डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव
8.	**स्वच्छता/विद्युत**	श्री विनय कुमार सिंह / डॉ. अभिषेक सिंह
9.	**नैक एवं तत्सम्बन्धी कार्य**	डॉ. विजय कुमार चौधरी
10.	**सांस्कृतिक कार्यक्रम**	सुश्री दीप्ति गुप्ता / श्रीमती विभा सिंह / सुश्री रचना सिंह
11.	**पठन/पाठन**	डॉ. प्रदीप कुमार राव
12.	**वेबसाइट**	डॉ. अविनाश प्रताप सिंह
13.	**क्रीड़ा**	डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र / डॉ. अभिषेक सिंह
14.	**गोद लिए गए गाँव**	श्रीमती कविता मन्ध्यान
15.	**सामूहिक व्यक्तित्व विकास योजना**	डॉ. विजय कुमार चौधरी, श्री श्रीकान्त मणि, श्रीमती कविता मन्ध्यान
16.	**रोवर्स-रेंजर्स**	श्री नवनीत कुमार सिंह
17.	**छात्रसंघ**	श्री नन्दन शर्मा
18.	**कार्यालय**	डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय / श्री हनुमान प्रसाद उपाध्याय
19.	**अभिभावक संघ**	श्री संजय कुमार जायसवाल
20.	**पुरातन छात्र परिषद्**	डॉ. शिव कुमार वर्नवाल
21.	**प्राथमिक उपचार केन्द्र**	श्री सुबोध कुमार मिश्र

22.	**सिलाई कढ़ाई**	सुश्री अपूर्वा त्रिपाठी
23.	**कम्प्यूटर प्रशिक्षण**	डॉ. रामसहाय
24.	**प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम**	श्रीमती शिप्रा सिंह
25.	**प्रार्थना सभा**	श्रीमती पुष्पा निषाद / सुश्री दीप्ति गुप्ता
26.	**सूचना एवं परामर्श**	डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र
27.	**ध्येय-पथ**	सुश्री श्वेता चौबे / श्रीमती नुपूर शर्मा
28.	**शोध/प्रकाशन/मुद्रण**	श्री नवनीत कुमार
29.	**छात्र-महिला सुरक्षा समिति**	श्रीमती मनीता सिंह
30.	**रख-रखाव**	डॉ. अरूण कुमार राव
31.	**ई.पी.एफ.**	डॉ. सुभाष कुमार गुप्त
32.	**छात्रवृत्ति**	डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह
33.	**प्रसार/मीडिया**	डॉ. राहुल मिश्रा
34.	**गणवेश**	डॉ. अनुभा श्रीवास्तव / डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव
35.	**पर्यावरण/पालिथीन मुक्त परिसर**	डॉ. अजय प्रताप निषाद
36.	**छात्रावास**	श्री विनय कुमार सिंह
37.	**आई.क्यू.ए.सी./AISHE**	डॉ. अभिषेक वर्मा / श्री संजय जायसवाल
38.	**प्रमुख कार्यक्रम/आयोजन**	श्री श्रीकान्त मणि त्रिपाठी
39.	**क्रय समिति**	डॉ. आर.एन. सिंह
40.	**सेवायोजन प्रकोष्ठ**	श्री विरेन्द्र कुमार तिवारी / श्री हरविन्द कुमार श्रीवास्तव
41.	**एन.सी.सी.**	डॉ. कृष्ण कुमार
42.	**अतिथि एवं जलपान**	श्री मंजेश्वर
43.	**दिव्यांग छात्र-समस्या-समाधान प्रकोष्ठ**	डॉ. शैलेन्द्र कुमार ठाकुर

3. **प्रवेश एवं परीक्षा** - प्रवेश समिति एवं परीक्षा समिति का पुनर्गठन किया गया। प्रवेश के सन्दर्भ में गत 02 मई को सम्पन्न समीक्षा बैठक में लिए गए निर्णय की पुनः पुष्टि की गई। 30 जुलाई तक प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण कर 01 अगस्त से परम्परागत निर्णयानुसार प्रथम वर्ष की कक्षाएँ संचालित करने का निर्णय लिया गया। सभी कक्षाओं में द्वितीय, तृतीय वर्ष का प्रवेश 14 जुलाई तक पूर्ण कर उनकी कक्षाएं 16 जुलाई से प्रारम्भ होगी। पूर्ववत् परीक्षानीति को स्वीकृति प्रदान कर दी गई।

प्रवेश हेतु साक्षात्कार की पूर्व से चली आ रही व्यवस्था के अनुसार छात्र प्रवेश परामर्श का गठन नहीं हो सका, क्योंकि गत सत्र में लोकसभा चुनाव के कारण वार्षिक परीक्षा के फरवरी माह में प्रारम्भ होने से विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा सम्पन्न नहीं हो सकी। इस विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा के टापर्स ही उक्त

प्रवेश परामर्श समिति के सदस्य होते हैं। प्रवेश समिति द्वारा यह निर्णय लिया गया कि साक्षात्कार के आधार पर संस्तुत किए गए विद्यार्थी का ही प्रवेश संयोजक/प्राचार्य द्वारा लिया जाएगा। प्रवेश के समय ही प्रवेशार्थी को समय-सारणी, परिचय पत्र, पुस्तकालय कार्ड, छात्रवृत्ति फार्म उपलब्ध करा दिया जाएगा। प्रवेश सम्बन्धी सभी प्रक्रियाएं एक ही स्थान पर पूर्ण होंगी।

4. **समय-सारणी** - डॉ. विजय कुमार चौधरी, डॉ. आर.एन. सिंह, डॉ. शिव कुमार बर्नवाल, डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, डॉ. अरुण राव एवं श्री मंजेश्वर द्वारा समय-सारणी अद्यतन कर प्रवेश प्रारम्भ होने से पूर्व छपा लिया जाएगा। समय-सारणी बनाते समय गत-सत्र में आई कठिनाइयों का निवारण अवश्य कर लिया जाए।

5. **पठन-पाठन**- महाविद्यालय का ध्येय ही गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करना है। इस कारण से पठन-पाठन प्रभावी एवं उच्च कोटि का हो सके, इसके लिए पाठ्यक्रम योजना की शतप्रतिशत पालन की सुनिश्चित व्यवस्था पूर्व की भाँति लागू रहेगा। पाठ्यक्रम योजना के अनुसार प्रथम वर्ष की कक्षाएं 01 अगस्त से तथा द्वितीय एवं तृतीय की कक्षाएं 16 जुलाई से प्रारम्भ कर अध्यापन किया जायेगा। कक्षाएं 50-50 मिनट की पूर्व की भांति चलेंगी। प्रयोगात्मक कक्षाओं का भी संचालन पाठ्यक्रम योजनानुसार 16 अगस्त से नियमित संचालित होगा। 30 जनवरी तक सभी विषयों के समस्त पाठ्यक्रम को पूर्ण करना होगा। यदि किन्ही कारण से 30 जनवरी तक किसी विषय के प्रश्न पत्र का पाठ्यक्रम पूर्ण न होने की सम्भावना हो तब सम्बन्धित शिक्षक प्राचार्य से अनुमति के आधार पर अतिरिक्त कक्षा पढ़ाकर 30 जनवरी तक पाठ्यक्रम पूर्ण करेंगे। फरवरी माह में विश्वविद्यालय परीक्षा पद्धति पर ही विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा आयोजित की जायेगी, ताकि इस परीक्षा से विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय परीक्षा से पहले पूर्वाभ्यास का एक अवसर प्राप्त हो सके तथा उनकी परीक्षा के तैयारी ठीक प्रकार से हो सके।

6. **पुस्तकालय-वाचनालय**- पुस्तकालय प्रभारी द्वारा स्टाक-वेरिफिकेशन पूर्ण होने की सूचना दी गई। प्रभारी द्वारा बताया गया कि पुस्तकालय नए सत्र के लिए नए पाठ्यक्रमों/नए प्रकाशनों/आवश्यकतानुसार अन्य आवश्यक पुस्तकों के साथ अद्यतन कर लिया गया है। वाचनालय में 100 विद्यार्थियों के एक साथ बैठकर पढ़ने की व्यवस्था सुनिश्चित की जा चुकी है। निर्णय हुआ कि पुस्तकालय-वाचनालय गत सत्रों की तरह चलाया जाय। पुस्तकालय में यदि कोई पुस्तक उपलब्ध नहीं है, जिसकी आवश्यकता किसी छात्र-शिक्षक को है, तो वह छात्र-शिक्षक पुस्तक बाजार से महाविद्यालय के नाम बिल पर क्रय कर, पुस्तकालयाध्यक्ष के माध्यम से पुस्तक पुस्तकालय में चढ़वाकर उसका नकद मूल्य प्राप्त कर, पुस्तक अपने नाम जारी करा सकता है। सभी विषयों के प्राध्यापक अपने-अपने विषय के कम से कम दो-दो राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका (जर्नल) की सदस्यता हेतु प्रस्ताव पुस्तकालय को 30 जुलाई तक अवश्य दे दें। शिक्षक अपने विषय/प्रश्नपत्र से सम्बन्धित महत्वपूर्ण शीर्षकों एवं पाठ्यसामग्री की

साफ्ट कापी पुस्तकालय को उपलब्ध करायें। ऐसी पुस्तकें जो आउट आफ प्रिन्ट हो गयी है यदि वे ऑनलाइन उपलब्ध हैं तो उन्हें प्रिन्ट कर पुस्तकालय में उपलब्ध करायी जाए। पुस्तकालय में प्रतिदिन पुस्तकों का आगत-निर्गत व्यवस्था का अद्यतन करने के लिए साफ्टवेयर परिवर्तित कर लागू किया जाय। पुस्तकदान की यशस्वी परम्परा को और व्यापक बनाने हेतु समाज के लोगों से सम्पर्क कर पुस्तकदान के लिए आग्रह किया जाय।

7. **प्रयोगशाला-** प्रयोगशालाएँ अद्यतन रखी जाएं। उनमें स्वच्छता एवं सुरक्षा सुनिश्चित की जाएं। आवश्यकतानुसार प्रयोगशालाओं में आवश्यक प्राथमिक उपचार सामग्री रखा जाना तय किया जाएं। प्रयोगशाला में दो बार सामग्री क्रय की जाएं (एक बार अगस्त-सितम्बर में तथा दूसरी बार दिसम्बर-जनवरी में)। प्रत्येक प्रयोगशाला में आवश्यकतानुसार अद्यतन तकनीकों का प्रयोग बढ़ाया जाएं। इस सत्र में भौतिकी, इलेक्ट्रानिक्स, प्राणि विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, रक्षा अध्ययन, भूगोल, रसायन मे कुछ नवीन उपकरण क्रय किए जाने पर आम सहमति बनी। इस सन्दर्भ में शिक्षकों-विद्यार्थियों की संयुक्त क्रय-समिति द्वारा माँग पत्र तथा स्तरीय फर्मों से तीन कोटेशन पर ही कार्यवाही प्रारम्भ करने का निर्णय हुआ जिससे प्रबन्ध समिति/प्रबन्धक महोदय से स्वीकृति लेकर उपकरण क्रय किए जा सकें। यह निर्णय भी हुआ कि प्रयोगशालाओं में कुछ उपकरण छात्रसंघ भी अपने मद से क्रय करे, इस दिशा में भी प्रयत्न किए जाए। भौतिक विज्ञान, प्राणि विज्ञान, वनस्पति विज्ञान प्रयोगशाला में प्रयोगात्मक पाठ्यक्रम पढ़ाने हेतु प्रोजेक्टर लगाया जाए। अन्य विषय में प्रयोगात्मक कक्षा हेतु प्रोजेक्टर का प्रयोग उपयोगिता के आधार पर सुनिश्चित किया जाय। भौतिक विज्ञान प्रयोग हेतु डार्क रूम की दिवाल को काले रंग का किया जाय तथा डार्क रूम के लिए कोई दूसरा बड़ा स्थान दिया जाए। प्रत्येक प्रयोगात्मक विषय की भण्डार पंजिका की जाँच एवं सत्यापन सत्र के अन्त में मार्च माह में प्रयोगशाला प्रभारी एवं प्राचार्य से अवश्य करा लें।

8. **कक्षाध्यापन में नए प्रयोग-** कक्षाध्यापन में सहायक सामग्री के रूप में ग्रीन बोर्ड, प्रोजेक्टर, चार्ट, नक्शा, मॉडल, प्रदर्शनी इत्यादि का प्रयोग पूर्ववत चलता रहेगा। प्रोजेक्टर युक्त कक्षाओं की संख्या बढ़ायी जाएगी। नए मूवेवल प्रोजेक्टर (Moveable Projector) खरीदे जाय। सभी विषय के सभी प्रश्नपत्रों के व्याख्यान का पी.पी.टी. बनाकर महाविद्यालय के बेवसाइट के शिक्षकब्लॉग पर प्रत्येक शिक्षक द्वारा अपलोड किया जाय। इसके अतिरिक्त अन्य पाठ्य सामग्री जो छात्र उपयोगी हो उसे भी शिक्षक अपने ब्लॉग पर अवश्य डालें। पाठ्यविषय को और भी रूचिकारी बनाने हेतु कुछ शीर्षकों को आडियो-विडियो के माध्यम से कक्षाध्यापन किया जाए। इसी प्रकार पाठ्यक्रम से सम्बन्धित डाक्यूमेंट्री और नाट्य रूपान्तरण के माध्यम से भी विषय को विद्यार्थी के बीच रखने का प्रयास किया जाए। भाषा की कक्षा (हिन्दी, अंग्रेजी) विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए नि:शुल्क चलायी जाए। प्रत्येक विभाग में प्रतिमाह कम से कम दो व्याख्यान विश्वविद्यालय सहित अन्य प्रतिष्ठित शैक्षिक संस्थानों के शिक्षकों द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के किसी शीर्षक पर अवश्य करायी जाए। इसी प्रकार अन्तरानुशासनात्मक

पद्धति के अन्तर्गत एक विषय के विद्यार्थियों को दूसरे विषय की जानकारी प्रदान कराने का प्रयास किया जाए। प्रत्येक कक्षा में शिक्षक द्वारा अनौपचारिक बातचीत क्रम में अनुशासन, समाज, राष्ट्र की चर्चा जीवन दृष्टि के सन्दर्भ में अवश्य जाय।

9. **विभागीय कार्य योजना**- योजना बैठक में यह तय किया गया कि प्रत्येक विभाग पूर्व की भाँति अपने विभाग की वार्षिक कार्य-योजना बनाए। व्याख्यान, संगोष्ठी, कार्यशाला, प्रतियोगिताएं इत्यादि की वार्षिक योजना पाठ्यक्रम योजना को ध्यान में रखते हुए बनायी जायेगी। विभागीय रपट नैक मूल्यांकन के अनुरूप अद्यतन रखी जायेगी। विभागीय शिक्षकों का बायोडाटा अद्यतन किया जाता रहे। विद्यार्थियों की प्रगति-रिपोर्ट में दर्ज उपस्थिति, मासिक मूल्यांकन, कक्षाध्यापन, विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा, विश्वविद्यालय परीक्षा के विवरण के साथ आचरण एवं व्यवहार का भी मूल्यांकन किया जाए। प्रगति-रिपोर्ट के आधार पर विद्यार्थियों की समीक्षा, तदोपरान्त उनके बारे में अपने प्रयत्न की रूपरेखा बनायी जायेगी।

विभाग द्वारा गोद लिए गए विद्यार्थी का पूर्ण विवरण एवं शिक्षक के प्रयत्न से उनमें गुणात्मक सुधार का तथ्यात्मक विवरण रखा जाएगा। गोद लिए गए विद्यार्थियों के विकास की स्पष्ट योजना बनायी जायेगी। विभागीय पुस्तकालय, प्रयोगशाला का अनवरत विकास किया जाएगा।

10. **विविध प्रयोगों में विकासात्मक प्रवृत्ति की दिशा**- महाविद्यालय में पठन-पाठन एवं विद्यार्थियों के समग्र विकास की दृष्टि से लागू मौलिक प्रयोगों की विस्तृत समीक्षा की गई। उन प्रयोगों/योजनाओं के उद्देश्य, कार्यपद्धति एवं परिणाम के आधार पर वर्तमान-सत्र में उसे लागू करने का निर्णय लिया गया। प्रमुख प्रयोगों/योजनाओं के सन्दर्भ में निम्नवत् निर्णय लिया गया-

(क) विद्यार्थी द्वारा साप्ताहिक कक्षाध्यापन-

उद्देश्य- विद्यार्थियों में अभिव्यक्ति के वाचिक/मौखिक क्षमता का विकास तथा विषय में अभिरूचि विकास प्रश्नोत्तर के माध्यम से तर्क, विचार, चिन्तन को सशक्त बनाना।

कार्यपद्धति- सप्ताह के प्रथम दिन अर्थात कक्षाध्यापन से लगभग 5 दिन पूर्व कक्षाध्यापन करने वाले विद्यार्थियों के नाम तथा उनका विषय कक्षा में तय कर घोषित कर दिया जाय। अध्यापक उन विद्यार्थियों की कक्षा के बाहर तैयारी कराए। कक्षाध्यापन के दिन एक-एक कर विद्यार्थियों से पूर्व निर्धारित विषय पर अध्यापन कराया जाए। कक्षाध्यापन कर चुके विद्यार्थी को दूसरा अवसर तब तक नहीं दिया जाएगा, जब तक कि सभी विद्यार्थियों का एक चक्र पूरा ने हो जाए। कक्षाध्यापन करने वाले विद्यार्थियों का विवरण शिक्षक द्वारा उन्हें पूर्णांक 10 अंक में अंक देने के साथ रखा जाएगा।

उक्त उद्देश्य एवं कार्यपद्धति की समीक्षा की गई। अधिकांश शिक्षकों द्वारा इस योजना का प्रामाणिक विवरण न होने से परिणाम का स्पष्ट चित्र नहीं उभर सका। वर्तमान सत्र में इस योजना का परिणाम सुनिश्चित किया जाएगा।

(ख) **सारांश**- विद्यार्थियों को प्रत्येक कक्षा में शिक्षक द्वारा अपने व्याख्यान की छायाप्रति इस सत्र में नहीं दी जाएगी। इसके वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में महाविद्यालय के बेवसाइट के शिक्षकब्लाग पर अपलोडेड पी.पी.टी द्वारा विद्यार्थी सम्बन्धित विषय की पाठ्य सामग्री प्राप्त कर सकते हैं। शिक्षक ब्लॉग पर ही शिक्षक सारांश भी अपलोड कर सकते है।

(ग) **साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान**-

उद्देश्य- इस योजना का उद्देश्य छात्र-छात्राओं, शिक्षकों-कर्मचारियों में श्रम के प्रति श्रद्धा भाव पैदा करना है। कोई कार्य छोटा-बड़ा नहीं, सभी कार्यों का अपने-अपने सन्दर्भ में समान महत्त्व सिद्धान्त की प्रतिष्ठा करना। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों में आत्म-सम्मान का भाव पैदा करना तथा उन्हें यह एहसास कराना कि जो कार्य वह करते है वह छोटा कार्य नहीं है उसे प्राचार्य, शिक्षक, विद्यार्थी भी करते है। संस्था के प्रति सभी में अपनापन के भाव को विकसित करना।

कार्यपद्धति- प्रत्येक शनिवार को मध्यावकाश स्थगित तथा मध्यावकाश के बाद की चार कक्षाओं के 50-50 मिनट का समय घटाकर 40-40 मिनट का कर दिया जाता है। इस प्रकार 60 मिनट अर्थात् एक घंटा (12.10 से 1.10 तक) साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान का होता है। यह श्रमदान राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों के लिए अनिवार्य है। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यालय में स्वैच्छिक श्रमदान हेतु इच्छुक शिक्षक-कर्मचारी तथा विद्यार्थी पंजीकरण कराते है। पंजीकृत शिक्षकों के नेतृत्व में 10-10 विद्यार्थियों की टोली बनायी जाती है। प्रत्येक टोली के श्रमदान का स्थान-कार्य शुक्रवार तक प्रभारी द्वारा टोली प्रभारी को दे दिया जाता है। टोली प्रभारी के नेतृत्व में शनिवार को स्वैच्छिक श्रमदान के पज़्चात उपस्थिति सदस्य टोली प्रभारी के पास उपलब्ध कराये गए उपस्थिति-पत्र पर हस्ताक्षर कर देते है। प्रत्येक माह के अन्त में यह उपस्थित पत्र राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यालय में जमा कर दिया जाता है। यह योजना यथावत वर्तमान सत्र में भी लागू रहेगी।

(घ) **प्रार्थना सभा**- प्रार्थना सभा में पूर्व की भांति राष्ट्रगान, ईश वन्दना, सरस्वती वन्दना और राष्ट्रगीत के साथ महापुरुषों से सम्बन्धित महत्वपूर्ण तिथियों पर संक्षिप्त व्याख्यान यथावत् सम्पन्न होगा जबकि निर्धारित तिथियों में श्रीमद्भगवतगीता का वाचन हेतु श्लोक चयनित करके लिपिबद्ध किया जाय और इन्हीं श्लोकों का वाचन और उसकी हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत में व्याख्या की जाय। प्रत्येक शनिवार प्रार्थना सभा के अन्तर्गत प्राणायाम एवं योगाभ्यास कार्यक्रम सम्पन्न होगा। वाद्ययन्त्र के साथ प्रार्थना सभा को और भी जीवन्त करने का प्रयास किया जाय। प्रार्थना का समय 09:20 से 09:40 अर्थात् 20 मिनट का होगा।

(ङ) **शिक्षक आचार संहिता**- सत्र 2019-20 हेतु सर्वसम्मति से शिक्षक आचार संहिता अद्यतन की गयी। माना गया कि शिक्षक के लिए आचार संहिता की आवश्यकता नहीं है। शिक्षक आचार संहिता शिक्षक स्वप्रेरणा से अपने-अपने ऊपर लागू करेगा। अतः स्वीकृत शिक्षक आचार संहिता की महाविद्यालय

प्रशासन स्तर पर कोई मान्यता नहीं रहेगी। किन्तु शिक्षकों द्वारा स्वयं पालन न करने पर उक्त शिक्षक पर आचार संहिता महाविद्यालय प्रशासन स्तर पर स्वत: लागू हो जाएगी।

शिक्षक आचार संहिता 2019-20

1. शिक्षक स्वयं विद्यार्थियों के लिए प्रतिमान बनें।
2. प्रात: 09:15 पर सभी शिक्षकों की उपस्थिति अनिवार्य है। 09:20 से पूर्व उपस्थिति पंजिका पर हस्ताक्षर न होने पर लाल रंग की रेखा खींच दी जायेगी, तत्पश्चात् आने का समय डाल दें, हस्ताक्षर न करें। जाते समय हस्ताक्षर करें तथा समय डालें। तीन दिन विलम्ब होने पर एक दिन आकस्मिक अवकाश मान लिया जायेगा।
3. प्रार्थना सभा 09:20 से 09:40 तक चलेगी। अनुशासन व्यवस्था के अतिरिक्त सभी शिक्षक अनिवार्यत: सम्मिलित होंगे।
4. महाविद्यालय परिसर में किसी भी शिक्षक की उपस्थिति के आसपास अनुशासन की जिम्मेदारी सम्बन्धित शिक्षकों की होगी।
5. प्लास्टिक प्रतिबंधित एवं नशा मुक्त परिसर का नियम स्वयं पर लागू करें।
6. पाठ्यक्रम योजना का शत-प्रतिशत पालन करें। 02 मई से पूर्व अगले सत्र के सभी कक्षाओं की पाठ्यक्रम योजना प्राचार्य के पास उपलब्ध करा दें।
7. प्रायोगिक कक्षाओं के पाठ्यक्रम शत-प्रतिशत पूर्ण हो। प्रायोगिक कक्षाओं में सभी विद्यार्थियों के कक्षावार मोबाइल नम्बर रखें जायें।
8. महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपने ब्लाग पर पी.पी.टी., सारांश एवं अन्य पाठ्य सामग्री अपलोड करें।
9. प्रत्येक व्याख्यान से पूर्व पिछले व्याख्यान पर प्रश्नोत्तर का समय दें।
10. कक्षा में मोबाइल लेकर किसी भी कीमत पर न जाएं।
11. अधिकतर व्याख्यान प्रोजेक्टर पर पढ़ाएं जायं।
12. पुस्तकालय की सभी पुस्तकें 2 मई से पूर्व प्रतिवर्ष कर भाँति जमा कर अदेयता प्रमाण पत्र अवश्य प्राप्त कर लें। पुस्तकालय की किसी पुस्तक के बकाया होने की दशा में ग्रीष्मावकाश स्वीकृत नहीं होगा।
13. महाविद्यालय के किसी प्रकार के आर्थिक आय-व्यय, अग्रिम आदि का समायोजन 20 मार्च तक अवश्य करा लें।
14. जो दायित्त्व सौंपा जाय उसे निर्धारित समय से शत-प्रतिशत पूर्ण करें।
15. पूर्व निर्धारित कार्यक्रम हेतु अवकाश एक दिन पूर्व स्वीकृत कराएं। अवकाश स्वीकृत कराए बिना अथवा बिना किसी सूचना के अनुपस्थित होने पर अवैतनिक अवकाश मान लिया जायेगा।

16. बचे हुए आकस्मिक अवकाश का प्रतिदिन के वेतन की दर से नकद भुगतान अगले सत्र में अगस्त माह में कर दिया जायेगा।
17. विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में प्रश्नपत्र निर्माण, उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन आदि कार्य शिक्षक के स्वाभाविक दायित्व के अन्तर्गत आएगा, उसके लिए किसी प्रकार का अतिरिक्त भुगतान नहीं होगा।
18. विश्वविद्यालय परीक्षा मानकानुसार/नियमानुसार सम्पन्न कराना शिक्षक का उत्तरदायित्व है। अतः परीक्षा के समय शहर छोड़ते समय सूचना अवश्य दें।
19. महाविद्यालय के सभी आयोजनों, कार्यक्रमों, राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविरों के उद्घाटन, समापन समारोह आदि में शिक्षक की उपस्थिति अनिवार्य होगी। उचित कारण पर आकस्मिक अवकाश दिया सकता है।
20. महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के समस्त आयोजनों/कार्यक्रमों में प्रबन्ध तन्त्र के निर्देशानुसार उपस्थिति एवं सहयोग अनिवार्य होगी।
21. 15 अगस्त, 2 अक्टूबर, 26 जनवरी को सभी की उपस्थिति अनिवार्य होगी। अनुपस्थित रहने पर आकस्मिक अवकाश माना जायेगा। किन्तु ध्वजारोहण में कहीं भी सम्मिलित होने का प्रमाण-पत्र देना होगा।
22. स्वैच्छिक श्रमदान में शिक्षक प्रतीकात्मक रूप से छात्रों का प्रतिमान बनें। विद्यार्थियों को गोद लेने की योजना को भी शिक्षक स्वेच्छानुसार लागू कर सकते हैं। गोद लिये विद्यार्थियों की सूचना अवश्य दे दें।
23. समय-समय पर जारी संशोधनों एवं नये निर्देशों का पालन अनिवार्य होगा।

(च) शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र- विद्यार्थियों द्वारा शिक्षकों के सन्दर्भ में भरा जाने वाला यह एक प्रारूप है। इस प्रारूप के द्वारा प्रत्येक शिक्षक के कक्षाध्यापन एवं कक्षा में आचरण-व्यवहार पर विद्यार्थी अपना-अपना अभिमत देते है।

उद्देश्य- विद्यार्थियों के अभिमत के आधार पर शिक्षक द्वारा स्वयं का व्यक्तित्त्व विकास।

कार्यपद्धति- वर्ष में दो बार (सितम्बर-दिसम्बर) छात्र-छात्राओं द्वारा शिक्षक प्राचार्य के माध्यम से अपने बारे में शिक्षक-प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरवाते हैं। प्राचार्य द्वारा प्रत्येक शिक्षक की कक्षा में विद्यार्थियों को प्रारूप उपलब्ध कराया जाता है, जिसे भरकर विद्यार्थी कक्षाप्रतिनिधि के माध्यम से अगले दिन प्राचार्य के पास जमा करेंगे। प्राचार्य विद्यार्थी द्वारा भरे गये प्रपत्रों का अवलोकन करने के उपरान्त सम्बन्धित शिक्षक को अवलोकन हेतु उपलब्ध करा देते है। इस प्रारूप के आधार पर शिक्षक अपना स्वमूल्यांकन करता है। इसके उपरान्त यह प्रपत्र प्राचार्य के पास संग्रहीत कर लिया जाता है।

(छ) शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र- यह शिक्षक द्वारा मासिक भरा जाने वाला प्रारूप है।

उद्देश्य- शिक्षक द्वारा प्रतिमाह निर्धारित प्रारूप के माध्यम से स्वमूल्यांकन कर स्व-विकास करना।

कार्यपद्धति- योजना बैठक में शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र पर विचार-विमर्श कर सर्वसम्मति से यह

प्रारूप प्रतिवर्ष जारी होता है। शिक्षक द्वारा जुलाई से फरवरी माह तक प्रत्येक माह का शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र भरकर अगले माह के प्रथम दो कार्य दिवस के अन्दर प्राचार्य कार्यालय को जमा करना होता है। प्राचार्य द्वारा समीक्षोपरान्त इसे शिक्षक की व्यक्तिगत पत्रावली में लगवा दिया जाता है।

(ज) **पाठ्यक्रम योजना**– सभी शिक्षकों द्वारा अपने विषय के प्रत्येक प्रश्नपत्र की वार्षिक पाठ्यक्रम योजना निर्धारित प्रारूप पर बनायी जाती है। इस सत्र के लिए विगत 02 मई तक प्रत्येक विभाग द्वारा अपनी–अपनी कक्षा के पाठ्यक्रम बनाकर प्राचार्य कार्यालय में जमा कर दिया जाएगा और 30 जून तक इसे टाईप करके महाविद्यालय के बेवसाइट पर अपलोड कर दिया जाएगा।

उद्देश्य– समय से (30 जनवरी तक) पाठ्यक्रम पूर्ण करना। पाठ्यक्रम का कोई हिस्सा छुटे न, किसी विषय को आवश्यकता से अधिक समय तथा किसी को कम समय मे न पढ़ाना पड़े। विद्यार्थी को यह पता रहे कि वह अपनी कक्षा में किस तिथि को क्या पढ़ेगा।

कार्यपद्धति– अनुभव के आधार पर शिक्षकों द्वारा बनाए गए प्रारूप पर दिनांक, शिक्षक का नाम, विषय, प्रश्नपत्र, शीर्षक के साथ वार्षिक पाठ्यक्रम योजना को 3+2+1 के सिद्धान्त पर तैयार किया जाता है। तीन माह तक प्रथम तीन कार्यदिवस प्रथम प्रश्नपत्र, तत्पश्चात दो कार्य दिवस द्वितीय प्रश्न पत्र, तीन माह बाद प्रथम तीन कार्यदिवस, दूसरा प्रश्न पत्र, दो दिवस पहला प्रश्न पत्र, महीने के तीन सप्ताह छठवें कार्य दिवस पर छात्र–छात्राओं द्वारा कक्षाध्यापन तथा माह के अन्तिम सप्ताह के छठवें कार्यदिवस पर मासिक मूल्यांकन किया जायेगा। पाठ्यक्रम योजना वेबसाइट पर सभी के लिए उपलब्ध होगी।

(झ) **गोद लिए गए विद्यार्थी**– प्रत्येक शिक्षक द्वारा पांच छात्र–छात्राएं गोद लिए जाते हैं। इन विद्यार्थियों के पठन–पाठन एवं आचरण–व्यवहार के विकास की जिम्मेदारी सम्बन्धित शिक्षक की होती है।

उद्देश्य– चिन्हित एवं लक्षित विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में शिक्षक का योगदान

कार्यपद्धति– सत्रारम्भ में शिक्षकों द्वारा अपनी–अपनी कक्षाओं से चार–चार विद्यार्थी चुने जाते हैं तथा एक विद्यार्थी प्राचार्य द्वारा प्रत्येक शिक्षक को दिया जाता है। शिक्षक द्वारा इन पाँचों विद्यार्थियों के पूर्ण परिचयात्मक विवरण फोटो सहित इस हेतु बनायी गई पंजिका पर दर्ज होता है। शिक्षक गोद लिए विद्यार्थी के साथ आत्मीय सम्बन्ध विकसित करता है। वर्तमान सत्र में गोद लिए गए विद्यार्थियों के सन्दर्भ में यह निर्णय लिया गया कि राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक, छात्रावासी, कक्षा प्रतिनिधि में से ही छात्र–छात्राएं गोद लिए जाएंगें। एक बार गोद लिया गया विद्यार्थी इस महाविद्यालय में अध्ययनरत रहते हुए उसी शिक्षक के पास बना रहेगा। रिक्त स्थानों पर प्रायः स्नातक प्रथम वर्ष के विद्यार्थी को ही गोद लिया जाएगा।

(ञ) **गोद लिए गए गाँव**– प्रत्येक विभाग द्वारा आस–पास के गाँव में से एक गाँव गोद लिया गया है।

उद्देश्य– आस–पास के गावों के साथ महाविद्यालय का आत्मीय सम्बन्ध विकसित करना, उनसे सीखना तथा उन्हें सीखाना। स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण सामाजिक समरसता इत्यादि राष्ट्रीय सामाजिक

विषयों पर जन–जागरण।

कार्यपद्धति– प्रत्येक विभाग द्वारा गोद लिये गए गाँव का पूर्ण विवरण विभागीय रपट में उपलब्ध है। गाँव के परिवारों का विवरण, अमीर–गरीब, साक्षर–निरक्षर, रोजगार–बेरोजगार, वृद्ध, दिव्यांग इत्यादि की पूर्ण सूचना विभाग के पास होती है। गाँव में जन–जागरण एवं उसके प्रभाव के लिए विभाग प्रयत्न करता है। वर्ष में न्यूनतम चार बार विभाग के शिक्षक–विद्यार्थी (अगस्त का प्रथम रविवार, वाल्मीकि जयन्ती, फरवरी का प्रथम रविवार, परीक्षा के बाद का प्रथम रविवार) गाँव में जाएंगे।

(ट) **मासिक मूल्यांकन**– प्रत्येक माह के अन्तिम सप्ताह में शिक्षक द्वारा अपने पढ़ाए गए पाठ्यक्रम के आधार पर विद्यार्थियों की लिखित परीक्षा के द्वारा कक्षा में मासिक मूल्यांकन किया जाता है।

उद्देश्य– विद्यार्थियों को नियमित पाठ्यक्रम की तैयारी हेतु प्रेरित करना। मुख्य परीक्षा के समय विद्यार्थियों को तनावमुक्त रखना।

कार्यपद्धति– शिक्षकों द्वारा वर्तमान सत्र के विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा के प्रश्न–पत्र बनाकर 6 भागों (अगस्त, सितम्बर, अक्टूबर, नवम्बर, दिसम्बर, जनवरी का मासिक मूल्यांकन) में बराबर–बराबर विभक्त कर मासिक मूल्यांकन का प्रश्न पत्र तैयार किया जाता है। 30 अंक के 6 मासिक मूल्यांकन के आधार पर प्रत्येक विषय के 180 अंक पर मूल्यांकन किया जाता है। प्रत्येक माह 5 अंक आचरण एवं व्यवहार पर शिक्षक द्वारा दिया जाएगा। इस प्रकार पूरे सत्र में 30 अंक आचरण व्यवहार के होंगे। मासिक मूल्यांकन के इन्ही प्रश्नों पर विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा सम्पन्न होती है। वर्तमान सत्र में यह व्यवस्था पूर्ववत् लागू रहेगी।

11. **बी.एड्. विभाग द्वारा संचालित प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम**– महाविद्यालय के बी.एड्. विभाग द्वारा दो प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम–'जीवन मूल्य', 'हमारे पूर्वज' संचालित किए जाते है।

उद्देश्य– विद्यार्थियों के आचरण–व्यवहार में भारतीय जीवन–मूल्यों का विकास करना। भारतीय संस्कृति के महापुरुषों की लम्बी श्रृंखला से परिचित कराना एवं अपनी सांस्कृतिक विरासत के प्रति आत्मगौरव एवं श्रद्धा का भाव उत्पन्न करना।

कार्यपद्धति– उक्त दोनों प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम बी.एड्. के लिए अनिवार्य तथा अन्य कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए स्वैच्छिक है। यह कक्षा सामूहिक परिचर्चा पद्धति से चलायी जाती है। कोई एक शिक्षक इस कक्षा का संचालन करता है। निर्धारित पाठ्यक्रम से प्रत्येक विद्यार्थी को अपना मत लिखकर घर से लाना होता है।

12. **गृहविज्ञान विभाग द्वारा संचालित प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम**– योगिराज बाबा गम्भीरनाथ नि:शुल्क सिलाई–कढ़ाई एवं पेंटिंग प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के गृहविज्ञान विभाग द्वारा किया जाता है।

उद्देश्य– संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्त्व के अन्तर्गत आस–पास के महिलाओं को आर्थिक दृष्टि से

स्वावलम्बी बनाना।

कार्यपद्धति– महाविद्यालय द्वारा इस प्रशिक्षण पाठ्यक्रम हेतु एक प्रशिक्षिका की नियुक्ति की गई है। अगस्त से जनवरी तक छः माह के इस पाठ्यक्रम की परीक्षा फरवरी माह में होती है। परीक्षा के तत्कालबाद परिणाम घोषित कर दिया जाता है समावर्त्तन संस्कार के अवसर पर उक्त प्रमाण–पत्र प्रशिक्षार्थियों को दिया जाता है। उक्त पाठ्यक्रम भी यथावत चलता रहेगा। वर्तमान सत्र से श्रेष्ठतम प्रशिक्षार्थी को सिलाई मशीन पुरस्कार स्वरुप प्रदान किया जाएगा।

13. **कम्प्यूटर विज्ञान विभाग द्वारा संचालित प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम**– संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व के अन्तर्गत ही ''निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण'' पाठ्यक्रम महाविद्यालय के कम्प्यूटर साइंस विभाग द्वारा संचालित किया जाता है।

उद्देश्य– आस–पास के गरीब बच्चों/छात्र–छात्राओं को कम्प्यूटर के माध्यम से आधुनिक तकनीकी ज्ञान के प्रति जागरूक करना।

कार्यपद्धति– 40–40 प्रशिक्षार्थियों का दो वर्ग इस पाठ्यक्रम में पंजीकृत किया जाता है। 15 जून से 30 जून तक 'पहले आओ–पहले पाओ' की नीति पर गाँव का जो भी बच्चा, किसी भी स्कूल की छात्र–छात्राएँ सर्वप्रथम आवेदन करते है उनमें से 40 को प्रवेश दिया जाता है। 01 अगस्त से इनकी कम्प्यूटर कक्षाएँ प्रारम्भ कर दी जाती है। पुनः 16 अगस्त को इनमें से रिक्त स्थानों के लिए एवं दूसरे 40 के वर्ग का आवेदन लिया जाता है और प्रथमतः आने वालो का पंजीकरण कर दिया जाता है। 3 बजे से 4 बजे तक यह कक्षा कम्प्यूटर साइंस की प्रयोगशाला में चलती है। वर्तमान सत्र में भी यह कक्षा पूर्ववत् चलायी जाएगी।

14. **निःशुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र**– महाविद्यालय ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ निःशुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र का संचालन सत्र 2010 से किया जा रहा है। इस उपचार केन्द्र में डाक्टर एवं दवा गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय गोरखनाथ की ओर से उपलब्ध कराया जाता है। महाविद्यालय के आस–पास के गाँवों के गरीब और कमजोर व्यक्तियों तथा महाविद्यालय के विद्यार्थियों हेतु उपचार एवं निःशुल्क दवा की व्यवस्था होती है। आवश्यकता होने पर गम्भीर रोग से पीड़ित मरीजों को गुरु श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय में रेफर कर उनका उपचार कराया जाता है। इस सत्र में नगर के कुछ प्रतिष्ठित चिकित्सकों को भी इस उपचार केन्द्र पर आमंत्रित करने की योजना बनाकर बुलाने की व्यवस्था किया जायेगा।

15. **क्रीड़ा**– श्रेष्ठ समाज के लिए शिक्षा के साथ स्वास्थ्य का सुदृढ़ होना अपरिहार्य है। इसी उद्देश्य में महाविद्यालय आउटडोर एवं इनडोर गेम की व्यवस्था की गयी है। इस सत्र में बालीवाल, फुटबाल, क्रिकेट, बैडमिण्टन, कैरम, चेस इत्यादि गेम के साथ एथेलेटिक्स पर भी अधिक जोर देने का निर्णय लिया गया। सत्र में समय–समय पर जैसे महापुरुषों की जयन्ती, पुण्यतिथि, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थाओं से सम्बन्धित तिथियों पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाय।

16. **छात्रसंघ**– छात्रसंघ का संचालन छात्रसंघ द्वारा बनाए गए संविधान के अनुसार चलेगा। छात्रसंघ के माध्यम से विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता एवं निर्णय लेने की प्रवृत्ति के विकास हेतु महाविद्यालय प्रशासन में छात्र सहभाग और विभिन्न समितियों के माध्यम से निर्णय में सहभागिता द्वारा व्यक्तित्व विकास की व्यवस्थित योजना महत्वपूर्ण है।

17. **राष्ट्रीय सेवा योजना**– राष्ट्रीय सेवा योजना में साक्षात्कार के आधार पर पूर्व की भाँति ही स्वयंसेवकों का चयन किया जाएगा। पूर्ववत् सभी प्रकार के आयोजनों/गतिविधियों/ कार्यक्रमों के साथ इस सत्र का महत्वपूर्ण लक्ष्य होगा 'आदर्श ग्राम योजना'। इस योजना को ग्राम मंझरिया में लागू किया जाएगा जिसके अन्तर्गत गाँव में स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण, नशा उन्मूलन, सरकारी योजनाओं का लाभ इत्यादि के सम्बन्ध में जनजागरण प्रमुख कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा।

18. **एन.सी.सी.**– सर्व सम्मति से यह निर्णय लिया गया कि एन.सी.सी. हेतु महाविद्यालय आवेदन करे। बालक वर्ग हेतु डॉ. कृष्ण कुमार पाठक तथा बालिका वर्ग हेतु श्रीमती कविता मन्ध्यान की सहमति पर उनका नाम तय कर दिया गया। आवदेन की पूरी कार्यवाही हेतु डॉ. कृष्ण कुमार पाठक अधिकृत कर दिय गए। इस सत्र में एन.सी.सी. संचालित करने हेतु प्रयास अनवरत जारी है।

19. **वेबसाइट/फेसबुक/ट्यूटर/यूट्यूब**– महाविद्यालय की वेबसाइट अद्यतन रहे तथा आवश्यकतानुसार उसमें संशोधन-परिवर्तन किया जाए। इस सत्र में महाविद्यालय की वेबसाइट को और सम्पन्न करने के क्रम में प्रत्येक शिक्षक का ब्लॉग बनाया गया है जिस पर शिक्षक अपने-अपने पाठ्यक्रम के अनुसार सभी व्याख्यान पी.पी.टी. बनाकर अपलोड करेंगे तथा अन्य सम्बन्धित पाठ्य सामग्री भी ब्लॉग पर अपलोड किये जायें। इसकी जानकारी विद्यार्थियों को उपलब्ध करायी जायेगी ताकि विद्यार्थी बेवसाइट से भी पाठ्य सामग्री प्राप्त कर सके। वेबसाइट को निरन्तर व्यवस्थित एवं संवद्धित करवाने हेतु इस सत्र में ही डॉ. अविनाश प्रताप सिंह को अधिकृत किया गया। महाविद्यालय की सम्पूर्ण गतिविधियां फेसबुक, ट्यूटर एवं यूटयूब पर भी प्रसारित किया जाय।

20. **तकनीकी प्रसार**– महाविद्यालय में कम्प्यूटर, सूचना-सम्प्रेषण तकनीकी (ICT), प्रोजेक्टर, स्मार्ट क्लास, वाई-फाई इत्यादि का समुचित संचालन जारी रहेगा। आवश्यकतानुसार इसका प्रसार भी किया जाए।

21. **कार्यालय**– ''विद्यार्थी हित सर्वोपरि'' नीति केन्द्रित कार्यालय कार्य करेगा। किसी भी विद्यार्थी को अपने किसी कार्य हेतु कार्यालय में दूसरी बार न आना पड़े। प्रथम आगमन पर ही कार्य सुनिश्चित हो। आय-व्यय बैंक की तर्ज पर प्रतिदिन अद्यतन रखा जाय तथा आय-व्यय का हिसाब पूर्ण कर ही कार्यालय बन्द हो। शिक्षक-कर्मचारी का कोई भी कार्य रोका न जाय, उसका त्वरित समाधान हो। कार्यालय की पूरी कार्यपद्धति पारदर्शी होगी।

24. **NAAC/AISHE**– महाविद्यालय ने अपने सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से वर्ष 2015 में यू.जी.सी. और भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था NAAC द्वारा मूल्यांकन कराया था। यह मूल्यांकन प्रत्येक

पाँच वर्ष उपरान्त नैक द्वारा किये जाने की सुनिश्चित व्यवस्था है। महाविद्यालय में अगले सत्र में पुनः नैक द्वारा मूल्यांकन किया जायेगा। महाविद्यालय में आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ट (IQAC) प्रारम्भ से ही कार्य कर रहा है। साथ ही नैक मूल्यांकन हेतु (IQAC) के साथ डॉ. विजय कुमार चौधरी की देखरेख एक समिति का गठन किया गया है।

25. **महत्वपूर्ण कार्यक्रम**- एक समिति का गठन किया गया। महत्वपूर्ण कार्यक्रम एवं समिति निम्नवत है-

- स्वतन्त्रता दिवस समारोह
- पुण्यतिथि समारोह
- युवा महोत्सव
- संस्थापक समारोह (शिक्षा परिषद)
- भारत-भारती पखवारा
- वार्षिक क्रीड़ा समारोह
- समावर्तन संस्कार समारोह

26. **वार्षिक बजट**- बैठक में सत्र 2017-18 हेतु प्रस्तावित बजट पर विचार विमर्श कर सर्व सम्मति से पारित कर दिया गया।

सत्र 2019-20

मद	आय (सत्र 2018-19)	सम्भावित आय (सत्र 2019-20)
विकास*	3406000	4000000
शिक्षण*	8176000	9000000
पुस्तकालय*	1724000	2000000
प्रयोगशाला*	1482000	1600000
क्रीड़ा*	839300	1000000
विद्युत मेन्टेनेन्स*	709200	900000
बी.एड्. प्रथम	4510000	5100000
बी.एड्. द्वितीय	2760000	2600000
योग	**23606500**	**26200000**

*एम.ए. हिन्दी, एम.ए. गृहविज्ञान, एम.ए. इतिहास, सांख्किीय बी.ए. कम्प्यूटर एप्लीकेशन एवं एम.एस-सी. प्राणि विज्ञान, वनस्पति विज्ञान इत्यादि के द्वितीय वर्ष में नये प्रवेश से छात्र बढ़ेंगे।

*बी.ए. एवं बी.एस-सी. में छात्र संख्या बढ़ेगी।

सम्भावित व्यय (सत्र 2019-20)

प्रस्तावित वेतन पर व्यय	17730000
महाविद्यालय में अन्य व्यय लगभग	2000000
विकास पर	6470000
योग	**26200000**

समावर्तन–2020

छात्रसंघ प्रतिनिधि

विषय	कक्षा	नाम
रसायनशास्त्र	बी.एस-सी. I	सुश्री नेहा सिंह
	बी.एस-सी. II	सुश्री शालिनी सिंह
	बी.एस-सी. III	सुश्री प्रजापति ममता
	एम.एस-सी I सेमेस्टर	सुश्री अनिता पाल
	एम.एस-सी. III सेमेस्टर	श्री दिनेश पाल
गणित	बी.एस-सी. I	श्री गौरव कुमार
	बी.एस-सी. II	श्री अंकित कुमार मौर्य
	बी.एस-सी. III	श्री शिवम श्रीवास्तव
भौतिकी	बी.एस-सी. I	श्री विपिन सिंह
	बी.एस-सी. II	सुश्री सपना सिंह
	बी.एस-सी. III	श्री विशाल कुमार
प्राणि विज्ञान	बी.एस-सी. I	सुश्री सुकन्या पाण्डेय
	बी.एस-सी. II	श्री आलोक सिंह
	बी.एस-सी. III	सुश्री पूजा चौरसिया
	एम.एस-सी I सेमेस्टर	सुश्री नेहा त्रिपाठी
	एम.एस-सी. III सेमेस्टर	सुश्री करिश्मा निषाद
वनस्पति विज्ञान	बी.एस-सी. I	सुश्री अनुपम पाण्डेय
	बी.एस-सी. III	श्री शिवम कु. जायसवाल
	बी.एस-सी. III	सुश्री श्वेता मिश्रा
	एम.एस-सी I सेमेस्टर	लागू नहीं
	एम.एस-सी. III सेमेस्टर	सुश्री पुनीता पाल
कम्प्यूटर साइंस	बी.एस-सी. I	श्री पुनीत कुमार सिंह
	बी.एस-सी. II	श्री शत्रुजीत यादव
	बी.एस-सी. III	सुश्री अंजली चौरसिया
सांख्यिकी	बी.एस-सी. I	श्री कुंवर अमन सिंह
	बी.एस-सी. II	सुश्री हेमा गुप्ता
	बी.एस-सी. III	सुश्री शिवांगी सिंह
हिन्दी	बी.ए. I	श्री शिवानन्द निषाद
	बी.ए. II	श्री किशन कुमार अग्रहरि
	बी.ए. III	श्री अनिल कुमार यादव
	एम.ए. I	लागू नहीं
अंग्रेजी	बी.ए. I	श्री नितेश प्रजापति
	बी.ए. II	श्री सर्वेश्वर कान्त चन्द्रा
	बी.ए. III	सुश्री शिल्पा सिंह
राजनीतिशास्त्र	बी.ए. I	श्री नितिन मणि त्रिपाठी
	बी.ए. II	श्री सत्य प्रकाश तिवारी
	बी.ए. III	श्री सौरभ ओझा
	एम.ए. I	सुश्री ज्योति
	एम.ए. II	सुश्री शमसिया खातून
इतिहास	बी.ए. I	श्री विकास कुमार गुप्ता
	बी.ए. II	श्री आलोक कुमार
	बी.ए. III	श्री आयुष मद्धेशिया
	एम.ए. I	लागू नहीं
समाजशास्त्र	बी.ए. I	श्री सूरज गुप्ता
	बी.ए. II	श्री प्रकाश पाण्डेय
	बी.ए. III	श्री आशुतोष कु. चौहान
	एम.ए. I	-रिक्त-

छात्रसंघ प्रतिनिधि

विषय	कक्षा	नाम
	एम.ए. II	लागू नहीं
प्राचीन इतिहास	बी.ए. I	श्री संतोष कुमार यादव
	बी.ए. II	सुश्री रंजना चौरसिया
	बी.ए. III	सुश्री सरोज विश्वकर्मा
	एम.ए. I	लागू नहीं
	एम.ए. II	लागू नहीं
अर्थशास्त्र	बी.ए. I	सुश्री शालू कुमारी
	बी.ए. II	श्री विशाल मौर्या
	बी.ए. III	श्री शैलेश चौहान
भूगोल	बी.ए./बी.एस-सी. I	श्री विशाल राय
	बी.ए./बी.एस-सी. II	श्री कृष्ण मोहन (बी.ए)
	बी.ए./बी.एस-सी. III	सुश्री निशा
	एम.ए. I	सुश्री खुशबू
	एम.ए. II	श्री शैलेन्द्र प्रजापति
मनोविज्ञान	बी.एस-सी. I	सुश्री सिल्की कुमारी
	बी.एस-सी. II	सुश्री किरन गुप्ता
	बी.एस-सी. III	श्री सुनील कुमार सिंह
रक्षा अध्ययन	बी.एस-सी. I	श्री आयुष सिंह
	बी.ए. II	श्री अरूण शर्मा
	बी.एस-सी. III	सुश्री रागिनी राय
शिक्षाशास्त्र	बी.ए. I	श्री संदीप यादव
	बी.ए. II	सुश्री श्वेता प्रजापति
	बी.ए. III	सुश्री गीतांजली सिंह
गृह विज्ञान	बी.ए. I	सुश्री शिप्रा रानी
	बी.ए. II	सुश्री दिव्या कुमारी
	बी.ए. III	सुश्री अम्बिका सिंह
	एम.ए. I	लागू नहीं
बी.एड.	बी.एड्. I	श्री प्रदीप शुक्ला
	बी.एड्. II	श्री विजय कुमार
लेखांकन एवं	बी.कॉम. I	सुश्री सन्ध्या शर्मा
सांख्यिकी	बी.कॉम. II	सुश्री अंकिता गुप्ता
	बी.कॉम. III	सुश्री शगुन गुप्ता
व्यावसायिक	बी.कॉम. I	सुश्री मुस्कान गुप्ता
प्रशासन	बी.कॉम. II	सुश्री अंजली दूबे
	बी.कॉम. III	सुश्री प्रिया वर्मा
आर्थिक एवं	बी.कॉम. I	सुश्री साईमा खातून
राजकोषीय	बी.कॉम. II	सुश्री सारिका पटेल
प्रशासन	बी.कॉम. III	लागू नहीं
	एम.कॉम. I	श्री रामसकल प्रसाद
	एम.कॉम. II	श्री कृष्ण कुमार सिंह
इलेक्ट्रानिक्स	बी.एस-सी. I	लागू नहीं
	बी.एस-सी. II	श्री शिवम कुमार चौधरी
	बी.एस-सी. III	लागू नहीं
संस्कृत	बी.ए. I	लागू नहीं
	बी.ए. II	लागू नहीं
बी.जे.	बी.जे. I	लागू नहीं
बी.सी.ए.	बी.सी.ए. I	लागू नहीं

छात्रसंघ

श्री नन्दन शर्मा, प्रभारी

अध्यक्ष	श्री विजय कुमार
उपाध्यक्ष	प्रतिनिधित्व निरस्त
महामंत्री	श्री प्रकाश पाण्डेय
पुस्तकालय मंत्री	सुश्री प्रजापति ममता

छात्र नियंता समिति

डॉ. आरती सिंह, प्रभारी
श्री जितेन्द्र प्रजापति, सहप्रभारी

श्री आशुतोष चौहान	बी.ए. भाग तीन
श्री किशन कुमार अग्रहरि	बी.ए. भाग दो
श्री सुनील कुमार सिंह	बी.एस-सी. भाग तीन
सुश्री शिल्पा सिंह	बी.ए. भाग तीन
सुश्री खुशबू	एम.ए. भाग एक

छात्रा समिति

श्रीमती मनीता सिंह, प्रभारी
डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव, सह प्रभारी

सुश्री किरन गुप्ता	बी.एस-सी. भाग दो
सुश्री मुस्कान गुप्ता	बी.कॉम. भाग एक
सुश्री ज्योति	एम.ए. भाग एक
सुश्री शालू कुमारी	बी.ए. भाग एक
सुश्री प्रिया वर्मा	बी.कॉम. भाग तीन
सुश्री सरोज विश्वकर्मा	बी.ए. भाग तीन
सुश्री सपना सिंह	बी.एस-सी. भाग दो

सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति

सुश्री दीप्ती गुप्ता, प्रभारी
श्रीमती विभा सिंह, सह प्रभारी

श्री सत्य प्रकाश तिवारी	बी.ए. भाग दो
श्री आलोक कुमार	बी.ए. भाग दो
श्री सर्वेश्वर कान्त चन्द्रा	बी.ए. भाग दो
सुश्री रागिनी राय	बी.एस-सी. भाग तीन
श्री विकास कुमार गुप्ता	बी.ए. भाग एक
सुश्री नेहा सिंह	बी.एस-सी. भाग एक

स्वच्छता एवं बागवानी समिति

डॉ. अभय श्रीवास्तव, प्रभारी

सुश्री अनुपम पाण्डेय	बी.एस-सी. भाग एक
सुश्री गीतांजलि सिंह	बी.ए. भाग तीन
सुश्री श्वेता मिश्रा	बी.एस-सी. भाग तीन
सुश्री सुकन्या पाण्डेय	बी.एस-सी. भाग एक
सुश्री शिप्रा रानी	बी.ए. भाग एक
सुश्री रंजना चौरसिया	बी.ए. भाग दो

प्रार्थना समिति

श्रीमती पुष्पा निषाद, प्रभारी
सुश्री रचना सिंह, सह प्रभारी

सुश्री संध्या शर्मा	बी.कॉम. भाग एक
सुश्री अंजली दूबे	बी.कॉम. भाग दो
सुश्री सारिका पटेल	बी.कॉम. भाग दो
श्री बिपिन सिंह	बी.एस-सी. भाग एक
श्री प्रदीप शुक्ल	बी.एड्. भाग एक

समावर्तन–2020

पुस्तकालय समिति

डॉ. रमाकान्त दूबे, प्रभारी
श्री प्रतीक दास, सह प्रभारी

श्री शिवम कुमार चौधरी	बी.एस-सी. भाग दो
श्री आयुष मद्धेशिया	बी.ए. भाग तीन
श्री संदीप यादव	बी.ए. भाग एक
सुश्री अंजली चौरसिया	बी.एस-सी. भाग तीन
सुश्री प्रजापति ममता	बी.एस-सी. भाग तीन
सुश्री पूजा चौरसिया	बी.एस-सी. भाग तीन

प्रयोगशाला समिति

डॉ. आर.एन. सिंह, प्रभारी

सुश्री सिल्की कुमारी	बी.एस-सी. भाग एक
सुश्री करिष्मा निषाद	एम.एस-सी. III सेमे.
श्री शिवम कु. जायसवाल	बी.एस.सी. भाग दो
सुश्री अम्बिका सिंह	बी.ए. भाग तीन
श्री आलोक सिंह	बी.एस-सी. भाग दो
श्री शैलेन्द्र प्रजापति	एम.ए. भाग दो

सोशल मीडिया समिति

डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, प्रभारी
श्री सर्वेश्वर कान्त चन्द्रा, सह प्रभारी

श्री सौरभ ओझा	बी.ए. भाग तीन
श्री नितिन मणि त्रिपाठी	बी.ए. भाग एक
श्री कृष्ण कुमार सिंह	एम.कॉम. भाग दो
श्री राम सकल प्रसाद	एम.कॉम. भाग एक
श्री अनिल कुमार यादव	बी.ए. भाग तीन
श्री सूरज गुप्ता	बी.ए. भाग एक

दीवार पत्रिका समिति

श्रीमती नूपुर शर्मा, प्रभारी
श्री विजय कुमार (छात्रसंघ अध्यक्ष), सह प्रभारी

सुश्री शगुन गुप्ता	बी.कॉम. भाग तीन
सुश्री अंकिता गुप्ता	बी.कॉम. भाग दो
श्री शिवम श्रीवास्तव	बी.एस-सी. भाग तीन
श्री नितेश प्रजापति	बी.ए. भाग एक
सुश्री समसिया खातून	एम.ए. भाग दो
श्री शिवानन्द निषाद	बी.ए. भाग एक

तकनीकी समिति

श्री प्रदीप वर्मा, प्रभारी
श्री ब्रह्मानन्द पाण्डेय, सह प्रभारी

श्री कृष्ण मोहन	बी.ए. भाग एक
श्री कुंवर अमन सिंह	बी.एस-सी. भाग एक
श्री आयुष सिंह	बी.एस-सी. भाग एक
श्री विशाल कुमार	बी.एस-सी. भाग तीन

व्याख्यान/कार्यक्रम समिति

श्री श्रीकान्त मणि त्रिपाठी, प्रभारी
श्रीमती कविता मन्ध्यान, सह प्रभारी

श्री अंकित मौर्य	बी.एस-सी. भाग दो
श्री विशाल मौर्य	बी.ए. भाग दो
श्री विजय कुमार	बी.एड्. भाग दो
श्री प्रकाश पाण्डेय	बी.ए. भाग दो
श्री संतोष कुमार यादव	बी.ए. भाग एक

समावर्तन–2020

नियन्ता मण्डल

मुख्य नियन्ता	डॉ. आरती सिंह
सदस्य	डॉ. अरूण कुमार राव
	श्री मंजेश्वर
	डॉ. अभिषेक सिंह
	श्री शैलेन्द्र प्रजापति
	श्री जितेन्द्र प्रजापति

शिक्षक संघ

अध्यक्ष	डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह
उपाध्यक्ष	श्री हरविन्द्र कुमार श्रीवास्तव
महामंत्री	डॉ. सुभाष कुमार गुप्ता
संयुक्त मंत्री	श्रीमती मनीता सिंह
कोषाध्यक्ष	श्रीमती प्रियंका मिश्रा
सदस्य	डॉ. राजेश शुक्ल
	श्री नवनीत सिंह
	डॉ. यशवन्त राव
	श्री श्रीकांत मणि त्रिपाठी

पुरातन छात्र परिषद

डॉ. शिव कुमार बर्नवाल, प्रभारी

अध्यक्ष	सुश्री संजू सेन
उपाध्यक्ष	श्री राहुल सिंह
महामंत्री	श्री मनीष त्रिपाठी
सहमंत्री	श्री मनीष दूबे
कोषाध्यक्ष	श्री अरविन्द शुक्ल
सदस्य	श्री संदीप पाण्डेय
	श्री दीपेन्द्र प्रताप सिंह
	सुश्री आराधना वर्मा
	श्री विनय कुमार सिंह
	श्रीमती प्रियंका मिश्रा
	श्री सुबोध कुमार मिश्र

स्वच्छता समिति

श्री विनय कुमार सिंह, प्रभारी
डॉ. अभिषेक सिंह, सह प्रभारी

सुश्री शिवांगी सिंह	बी.एस-सी. भाग तीन
सुश्री शालिनी सिंह	बी.एस-सी. भाग दो
श्री अमृतांशु तिवारी	बी.एस-सी. भाग एक
श्री शैलेष चौहान	बी.ए. भाग तीन
सुश्री निशा	बी.ए. भाग तीन
सुश्री पुनिता पाल	एम.एस-सी द्वितीय सेमे.

क्रीड़ा समिति

डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र, प्रभारी
डॉ. अभिषेक सिंह, सह प्रभारी

सुश्री हेमा गुप्ता	बी.एस-सी. भाग दो
श्री गौरव कुमार	बी.एस-सी. भाग एक
श्री शत्रुजीत यादव	बी.एस-सी. भाग दो
श्री दिनेश पाल	एम.एस-सी. III सेमे.
श्री अरुण शर्मा	बी.ए. भाग दो
श्री विशाल राय	बी.ए. भाग एक

शिक्षक-अभिभावक संघ

श्री संजय कुमार जायसवाल, प्रभारी
डॉ. रामसहाय, सह प्रभारी

अध्यक्ष	श्री विपिन कुमार यादव
उपाध्यक्ष	श्री अमन कुमार
महामंत्री	श्री इन्द्रजीत दूबे
सदस्य	श्री दुर्गा राय
	श्री गोपालजी गुप्ता
	श्री कमलेश कुमार गुप्ता
	श्रीमती कुसुम देवी
	श्रीमती पुष्पा देवी
	श्रीमती रीना मिश्रा
	श्री अशोक कुमार सिंह
	श्री मुरारी प्रसाद गौड़

नेपाल शोध एवं अध्ययन केन्द्र

अध्यक्ष/निदेशक	डॉ. प्रदीप कुमार राव	प्राचार्य
शोध सहायक	डॉ. अभिषेक सिंह	प्रवक्ता, रक्षा अध्ययन
परामर्श समिति	डॉ. कृष्ण कुमार गौतम	काठमाण्डू (नेपाल)
	डॉ. काशीनाथ	बुद्ध टूरिज्म विश्वविद्यालय काठमाण्डू (नेपाल)
	श्री राकेश मिश्र	तराई पत्रकार काठमाण्डू (नेपाल)
	श्री सुरेश मल्ल	नेपाल
	श्रीमती नलिनी गयवाली	सामाजिक कार्यकर्ता (नेपाल)
	श्री दीपक अधिकारी	सामाजिक कार्यकर्ता काठमाण्डू (नेपाल)
	डॉ. हर्ष सिन्हा	दी.द.उ. गो. विश्वविद्यालय गोरखपुर (भारत)
	डॉ. रेनू सक्सेना	जामिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली (भारत)
	श्री अजीत कुमार	सामाजिक कार्यकर्ता (भारत)
	श्री हरेन्द्र प्रताप	सदस्य विधान परिषद, पटना, बिहार (भारत)
	श्री अरूण जी	सामाजिक कार्यकर्ता, नई दिल्ली (भारत)

गुरु श्री गोरक्षनाथ शोध एवं अध्ययन केन्द्र

अध्यक्ष/निदेशक	डॉ. प्रदीप कुमार राव, प्राचार्य
शोध समन्वयक	श्री सुबोध कुमार मिश्र
परामर्श समिति	प्रो. शिवाजी सिंह, गोरखपुर
	डॉ. कन्हैया सिंह, आजमगढ़
	डॉ. सदानन्द प्रसाद गुप्त, लखनऊ
	डॉ. सन्तोष शुक्ला, जे.एन.यू., नई दिल्ली
	प्रो. अम्बिका दत्त शर्मा, सागर
	प्रो. मुरली मनोहर पाठक, गोरखपुर
	प्रो. योगेन्द्र प्रताप सिंह, प्रयागराज

आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ

नाम	पद
प्रो. यू.पी. सिंह (पूर्व कुलपति), अध्यक्ष	सदस्य
प्रो. राम अचल सिंह (पूर्व कुलपति), बाह्य विशेषज्ञ	सदस्य
डॉ. राजशरण शाही (शिक्षक), बाह्य विशेषज्ञ	सदस्य
श्री मनीष त्रिपाठी, अध्यक्ष, पुरातन छात्र परिषद	सदस्य
श्री विपिन कुमार यादव, अध्यक्ष, अभिभावक संघ	सदस्य
श्री गजेन्द्र प्रताप सिंह, समाजसेवी	सदस्य
श्री ज्योति मस्करा, उद्योगपति	सदस्य
डॉ. विजय कुमार चौधरी, शिक्षक	सदस्य
डॉ. आर.एन. सिंह, अनुशासन	सदस्य
डॉ. शिव कुमार बर्नवाल, शिक्षक	सदस्य
डॉ. राजेश कुमार शुक्ल, शिक्षक	सदस्य
श्रीमती कविता मन्ध्यान, शिक्षक	सदस्य
डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, शिक्षक	सदस्य
डॉ. अभिषेक कुमार वर्मा, शिक्षक	समन्वयक/सचिव
डॉ. प्रदीप कुमार राव, प्राचार्य	अध्यक्ष

मानव संसाधन विकास मंत्रालय की स्वच्छता रिपोर्ट सूची में महाविद्यालय

Swachh Campus 2019

Institutional Achievements

MHRD

Department of Higher Education
Ministry of Human Resource Development
Government of India

Foreword

Our Educational Institutions are torch bearers of change. Now they are turning into harbingers of national movement for promoting cleanliness. Their keen interest to keep campuses clean and take this message to the communities with whom they are engaged with has been an important contribution this year 2019. Universities and Higher Educational institutions turning into green smart campuses are focusing on cleanliness, waste management, water conservation as well as wastewater management. Saving water and electricity, conserving energy, harvesting rain water, tapping solar energy and promoting cleanliness are indicators to measure a smart campus. Such endeavours by Higher Education Institutions need to be welcomed and supported time to time.

Exercise to rank Universities and Higher Educational Institutions (HEI) on the basis of cleanliness and hygiene has become annual now. They are focusing on factors such as student: toilet, ratio, kitchen hygiene, campus green cover, solid and liquid waste management, garbage disposal, solar energy usage and other relevant areas. Some of the best practices followed by them are documented here at the instance of the Department of Higher Education in Ministry of Human Resource Development Government of India.

Dr W G Prasanna Kumar

Chairman MGNCRE

Swachh Campus 2019

INDEX

S. No	Higher Education Institutions	Page
1.	ABVIITM Gwalior Madhya Pradesh	7
2.	AJK College of Arts and Science Coimbatore Coimbatore Tamil Nadu	11
3.	Algappa University Sivanganga Tamil Nadu	15
4.	Amrita Vishwa Vidyapeetham Coimbatore Tamil Nadu	19
5.	Assam Don Bosco University Assam	22
6.	Anand College of Education Agra Uttar Pradesh	27
7.	BSA Rahman Crescent Institute of Science and Technology Chennai Tamil Nadu	30
8.	The Bhopal School of Social Sciences (BSSS) Bhopal Madhya Pradesh	35
9.	Cauvery B Ed College Bengaluru Karnataka	38
10.	Centurion University of Technology and Management Gajapati Odisha	41
11.	Chandigarh University Mohali Punjab	44
12.	Chitkara University Himachal Pradesh	47
13.	Desh Bhagat University Fatehgarh Punjab	52
14.	Dev Sanskriti Vishwavidhyalaya Haridwar Uttarakhand	56
15.	Dr DY Patil Vidyapeeth Pune Maharashtra	59
16.	Dr Vishwanath Karad MIT World Peace University Maharashtra	65
17.	GITAM Vishakhapatnam Andhra Pradesh	70
18.	Graphic Era Hill University Dehradun Uttarakhand	74
19.	GLA University Mathura Delhi	79
20.	Guru Nanak Dev University Amritsar Punjab	81
21.	Gujarat National Law University Gujarat	84
22.	Hindustan Institute of Technology and Science (HITS) Chennai Tamil Nadu	88
23.	IIS University Jaipur Rajasthan	93
24.	IIIT Delhi	97
25.	IIT Gandhinagar Gujarat	105
26.	IIT Guwahati Assam	110
27.	IIM Kozhikode Kerala	115
28.	IIT Madras Tamil Nadu	119
29.	IIT Tirupati Andhra Pradesh	123
30.	ITM Gwalior Madhya Pradesh	127
31.	Jayoti Vidyapeeth Women's University Jharna Rajasthan	132
32.	Karpagam Academy of Higher Education Coimbatore Tamil Nadu	139
33.	Koneru Lakshmaiah Education Foundation Guntur Andhra Pradesh	142
34.	KLE Academy of Higher Education and Research Belgavi Karnataka	144
35.	Krishna Institute of Medical Sciences KIMS Karad Maharashtra	150
36.	Lovely Professional University Kapurthala Punjab	153
37.	Madurai Kamaraj University Madurai Tamil Nadu	157
38.	Madras Christian College Chennai Tamil Nadu	160

Swachh Campus 2019

S. No	Higher Education Institutions	Page
39.	Maharana Pratap P.G College Gorakhpur Uttar Pradesh	164
40.	Maharshi Dayanand University Rohtak Haryana	168
41.	Manipal University Jaipur Rajasthan	172
42.	Manomaniam Sundarnar University Tirunelveli Tamil Nadu	176
43.	Mehr Chand Mahajan DAV College for Women Chandigarh	179
44.	Mizoram University Aizawl Mizoram	184
45.	Nirmala College Muvattupuzha Kerala	187
46.	Nehru Arts and Science College Thirumalayampalayam Tamil Nadu	192
47.	NIIT Neemrama Alwar Rajasthan	196
48.	OP Jindal University Knowledge Park Raigarh Chattisgarh	202
49.	OP Jindal Global University Sonipat	206
50.	PRIST College Thanjavur Tamil Nadu	212
51.	PSGR Krishnammal College for Women Coimbatore Tamil Nadu	215
52.	Rajagiri College of Social Sciences Kochi Kerala	218
53.	Rajiv Gandhi National University of Law Patiala Punjab	224
54.	RMK Engineering College Tamil Nadu	227
55.	RR Bawa DAV College for Girls Punjab	231
56.	Siksha O Anusandhan Bhubaneswar Odisha	235
57.	Symbiosis International Pune Maharashtra	239
58.	Sri Krishna Arts and Science College Coimbatore Tamil Nadu	248
59.	Shoolini University Solan Himachal Pradesh	252
60.	Sri Sathya Sai Institute of Higher Learning Anantapur Andhra Pradesh	258
61.	St. Philomena College Puttur Karnataka	266
62.	SRM Institute of Science and Technology Kattankulathur Tamil Nadu	271
63.	SRM University Sonepat Haryana	274
64.	Suresh Gyan Vihar University (SGVU) Jaipur Rajasthan	276
65.	Sri Rama Krishna Arts and Science Coimbatore (SRCAS) Tamil Nadu	280
66.	Sumandeep Vidyapeeth Vadodara Gujarat	282
67.	VIT Vellore Tamil Nadu	286
68.	Vel Tech Chennai Tamil Nadu	290
69.	Vignan's Foundation for Science Technology & Research Guntur Andhra Pradesh	295

Swachh Campus 2019

Maharana Pratap P.G. College Jungle Dhusan
Gorakahpur Uttar Pradesh

Maharana Pratap P.G. College is situated in Gorakhpur in Uttar Pradesh state of India. The course of study followed in the college in accordance with the syllabus prescribed by Gorakhpur University. Arts, Science and Commerce streams are offered at the Graduation level.

Student Strength	**2163**
Faculty Strength	**65**

Residential Facilities

The college has one boys Hostel with 50 modern toilets. The toilet student ratio is 1. The hostel has 24 hours uninterrupted water and power supply.

Solid and Liquid Waste Management

The college generates two types of waste: solid and wet waste. The college also collects some amount of horticulture waste such as dried leaves or plant clippings. Certain amount of glass, fiber, and paper, plastic and biodegradable waste i s also collected from all around the campus. Out of the waste collected, wet waste is used for composting and the dry waste is collected by Nagar Nigam for recycling. Waste from toilets in the campus flows into t he teak garden.

Hostel Kitchen Facilities

The college hostel provides healthy and nutritious food. The Hostel has a modern kitchen and a dining hall to accommodate 50 students at a time. The kitchen provides vegetarian food and utmost importance is given to cleanliness and hygiene.

Swachh Campus 2019

Campus Greenery

30% of the college is lush green. In all, there are around 2500 trees and plants of different variety. The biodiversity includes Neem ,amla , Jamun, tulsi, Aleovira etc. The college has developed certain rare species like-Sarpgandha which is used to cure acidity and is a uterine tonic, Bhringaraj which is used in the cure of headache and fever, Kelikand used in the cure of snake bite, Jaundice and lepr osy etc. The greenery in college campus is being maintained with the help of a garden committee of the Garden In charge and 5 student members.

Solar Power

Three Solar lamps have been installed in the college campus to provide outdoor lighting during evening and night.

Adopted Village: 28 Villages

The 21 departments of college and NSS have adopted a total of 28 village. The names of adopted villages are as follows:-ChhotiRetwahiya, BadiRewathaiya ,Haiderganj, Jungle Aurahi, DahlaHarsevakpur, Shahpur, MahuaChafi,Jungle Tikonia,Basantpur , Khutawa, kakrahiya, Meerganj, Lalganj,chotiJamunia,BadiJamunahiya, Dhodha, Laxmipur, Rampur, Bhagwanpur, HaripurShekhwania, Kewatahia, Dhusia, Tinkonia, Manjharia, Hasanganj. All these villages are situated in 15km radius of the college in Gorakhpur District.

Benefitted Families: Around 5500 people of 850 families were covered from these villages.

Swachh Campus 2019

Activities Undertaken in the Villages:

These villages were adopted by the college with the aim to develop the villages in an integrated manner. This includes economic development, infrastructure development and other aspects of human development i.e., hygiene, education, health, drinking water supply, medical facilities and awareness of government schemes etc. The college has installed India Mark Hand pumps in the adopted villages to supply safe drinking water to villagers. The college has also initiated cleanliness drives in all these adopted villages on many occasions. Health camps have been organized and medicines distributed free of cost to the villagers by the college.

Swachh Campus 2019

Swachh Campus 2019

Outcomes

- The college has one boys Hostel with 50 modern toilets. The toilet student ratio is 1
- The wet waste in the college is composted and the solid waste is picked up by the Nagar Nigam
- The Hostel has a modern kitchen and a dining hall to accommodate 50 students at a time
- The kitchen provides vegetarian food and utmost importance is given to cleanliness and hygiene
- 30% of the college is lush green
- There are around 2500 trees and plants of different variety in the campus
- The college has developed certain rare species of trees which can be used to treat diseases like acidity, headache, fever, snake bite, jaundice and leprosy etc
- Three Solar lamps have been installed in the college campus to provide outdoor lighting during evening and night
- The college along with the NSS has adopted 28 villages in the 15 km radius of the college
- Around 5500 people of 850 families from these villages have benefited from the various programs run by the colleges
- The college has installed India Mark Hand pumps in the adopted villages to supply safe drinking water to villagers
- The college has also initiated cleanliness drives in all these adopted villages on many occasions. Health camps have been organized and medicines distributed free of cost to the villagers by the college

Swachhta Rankings 2019

Achieving Full ODF in Villages

Swachhta in Indian Villages
Engagement of Higher Education Institutions

MHRD
Department of Higher Education
Ministry of Human Resource Development
Government of India

S. NO.		STATE	DISTRICT	NAME OF THE HEI	ODF VILLAGE(S)
				UNIVERSITY, MEERUT	HLI,SATWAI
1833	8	UTTAR PRADESH	GAUTAM BUDDHA NAGAR	JSS ACADEMY OF TECHNICAL EDUCATION, NOIDA	BISHANPURA, KHORA GHAZIABAD, KACHERA WARSHABAD
1834	9	UTTAR PRADESH	GORAKHPUR	MAHARANA PRATAP MAHAVIDYALAY, JUNGLE DHUSHAN, GORAKHPUR	MANJHARIYA
1835	10	UTTAR PRADESH	AGRA	ANAND COLLEGE OF EDUCATION KETHEM, AGRA	ARSENA
1836	11	UTTAR PRADESH	LUCKNOW	INTEGRAL UNIVERSITY, LUCKNOW	BHAKAHAMAU, PAIKARAMAU, SAADAMAU, BHIKHANPURWA, DASAULI
1837	12	UTTAR PRADESH	KANPUR NAGAR	ANANDA SCHOOL OF NURSING	SARSAUL, NARWAL
1838	13	UTTAR PRADESH	HARDOI	S.C. BOSE MAHAVIDYALAYA, KAHALI TERWA, GAUSGANJ,	KAHALI
1839	14	UTTAR PRADESH	VARANASI	SARASWATI HIGHER EDUCATION AND TECHNICAL COLLEGE OF ENGINEERING, VARANASI	BABATPUR
1840	15	UTTAR PRADESH	BARABANKI	SHRI RAMSWAROOP MEMORIAL UNIVERSITY	MATI, HADAURI, SRINANGAR, BASTI AND KHAZOOR
1841	16	UTTAR PRADESH	JHANSI	SR GROUP OF INSTITUTIONS COLLEGE OF PHARMACY, JHANSI	3
1842	17	UTTAR PRADESH	GHAZIABAD	K N G D MODI ENGIEERING COLLEGE, MODINAGAR	PALLOTA
1843	18	UTTAR PRADESH	VARANASI	AMBITION INSTITUTE OF TECHNOLGOY	PARAO
1844	19	UTTAR PRADESH	MEERUT	NEELKANTH VIDYAPEETH NH-58, PAWLI KHAS, MODIPURAM, MEERUT	PABARSHA
1845	20	UTTAR PRADESH	MEERUT	NEEL KANTH INSTITUTE OF ENGG. & TECHNOLGOY	PABLI KHAS
1846	21	UTTAR PRADESH	BALLIA	DR MAHAVEER SINGH NURSING	BASARIKAPUR, RAMPUR, KACHHUA

SWACHHTA RANKINGS 2019 - Achieving Full ODF in Villages by HEIs MGNCRE

154 | **MHRD** -

Swachhta Rankings 2019

Promoting Effective Solid and Liquid Waste Management

Swachhta in Indian Villages
Engagement of Higher Education Institutions

MHRD
Department of Higher Education
Ministry of Human Resource Development
Government of India

S. NO.		STATE	DISTRICT	NAME OF THE HEI	VILLAGE/LOCALITY/TOWN
2015	46	UTTAR PRADESH	GAUTAM BUDDHA NAGAR	AMITY UNIVERSITY, UTTAR PRADESH	SLUM, SECTOR 110, VILL GEJHA, VILLAGE - RAMNER, TEHSIL DANKUR, GB NAGAR
2016	47	UTTAR PRADESH	MIRZAPUR	ANURAG SHIKSHAN EWAM PRASHIKSHAN SANSTHAN DARRA CHUNAR MIRZAPUR UP	BAGHI ,SAHASPURA
2017	48	UTTAR PRADESH	GAUTAM BUDDHA NAGAR	LLOYD LAW COLLEGE, GREATER NOIDA	SHAFIPUR, GREATER NOIDA
2018	49	UTTAR PRADESH	LUCKNOW	ISABELLA THOBURN COLLEGE (PROFESSIONAL STUDIES)	RUDHAI(BAKSHI KA TALAB)
2019	50	UTTAR PRADESH	CHANDAULI	GANJI PRASAD MAHAVIDYALAYA, DIHWA, MUGALSARAI, CHANDAULI	DIHWA
2020	51	UTTAR PRADESH	HARDOI	S.C. BOSE MAHAVIDYALAYA, KAHALI TERWA, GAUSGANJ,	KAHALI
2021	52	UTTAR PRADESH	KANPUR NAGAR	SHRI SHAKTI DEGREE COLLEGE, SHAKHAHARI, HARBASPUR,	SANKHAHARI/GHATAMPUR
2022	53	UTTAR PRADESH	ETAWAH	CAP. VISHAL SINGH DEGREE COLLEGE, BHARTHANA,	KANDHESI PACHAR
2023	54	UTTAR PRADESH	GORAKHPUR	MAHARANA PRATAP MAHAVIDYALAY, JUNGLE DHUSHAN, GORAKHPUR	MANJHARIYA
2024	55	UTTAR PRADESH	VARANASI	SHYAM TARA MAHILA MAHAVIDYALAYA, KOSRA, MIRZAMURAD, VARANASI	KOSRA
2025	56	UTTAR PRADESH	VARANASI	JATADHARI MAHAVIDYALAYA, MARUFPUR, CHANDAULI	MARUFPUR
2026	57	UTTAR PRADESH	AGRA	ANAND COLLEGE OF EDUCATION KETHEM, AGRA	ARSENA
2027	58	UTTAR PRADESH	FIROZABAD	OM DEGREE COLLEGE,SHIKOHABAD	SHIKOHABAD
2028	59	UTTAR PRADESH	MEERUT	VENKATESHWARA COLLEGE OF EDUCATION PAWLA, INCHOLI, MEERUT	PABLA

महाविद्यालय में सत्र 2019-20 में आयोजित दोनों राष्ट्रीय संगोष्ठियों के कुछ प्रमुख छायाचित्र

डॉ. मेधंकर रवि

प्रो. राजवंत राव

डॉ. ओमजी उपाध्याय

प्रो. डी.के. सिंह

प्रोफेसर उदय प्रताप सिंह एवं डॉ. बालमुकुन्द पाण्डेय

डॉ. अजय कुमार सिंह

प्रो. शिवाकान्त सिंह

व्याख्यान देते डॉ. प्रदीप कुमार राव

महायोगी गुरूश्री गोरक्षनाथ स्वर्ण पदक

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह-2018 के मुख्य महोत्सव में भारत के माननीय राष्ट्रपति महोदय के कर कमलों द्वारा महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर को सर्वश्रेष्ठ संस्था का 'महायोगी गुरूश्री गोरक्षनाथ स्वर्णपदक' एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया इस अवसर पर उ.प्र. के माननीय राज्यपाल एवं माननीय मुख्यमंत्री की गरिमामयी उपस्थिति में पुरस्कार प्राप्त करते महाविद्यालय के प्राचार्य

हमारे प्रयास

- प्रातः सरस्वती वन्दना, प्रार्थना, वन्देमातरम, राष्ट्रगान एवं श्रीमद्भगवद्गीता के पाँच श्लोक के साथ महाविद्यालय की दिनचर्या प्रारम्भ।
- प्रत्येक महापुरूष की जयन्ती अथवा पुण्यतिथि पर प्रार्थना सभा में उन पर संक्षिप्त परिचयात्मक उद्बोधन के साथ उन्हें श्रद्धांजलि।
- 16 जुलाई से स्नातक/स्नातकोत्तर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की कक्षाएं प्रारम्भ।
- प्रति वर्ष पाठ्यक्रम योजना का प्रकाशन एवं तद्नुरूप 30 जनवरी तक पाठ्यक्रम पूर्ण करने की योजना का क्रियान्वयन।
- 16 अगस्त से प्रयोगशालाएं शुरू।
- छात्रसंघ का चुनाव सितम्बर प्रथम सप्ताह तक।
- प्रवेश समिति में छात्र-छात्राएँ सदस्य एवं संयोजक।
- छात्र, छात्राओं, प्राध्यापक, कर्मचारी आदि द्वारा प्रत्येक शनिवार को स्वैच्छिक श्रमदान।
- प्लास्टिक मुक्त परिसर।
- सप्ताह में एक दिन छात्र-छात्राओं द्वारा कक्षाध्यापक।
- छात्र-छात्राओं का मासिक मूल्यांकन।
- प्रतिदिन विद्यार्थियों को सारांश द्वारा कक्षाध्यापन।
- महाविद्यालय प्रशासन में छात्र-छात्रा सहभाग अर्थात् नियन्ता मण्डल, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, खेल, सांस्कृतिक कार्यक्रम इत्यादि समितियों में छात्र सदस्य।
- विद्यार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों का गणवेश निर्धारित।
- विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में प्रथम तीन छात्र-छात्राओं को पुस्तकालय की विशेष सुविधा, प्रवेश समिति की सदस्यता, उनकी उत्तर पुस्तिकाएं पुस्तकालय में अवलोकनार्थ रखा जाना।
- छात्र-छात्राओं द्वारा शिक्षकों का मूल्यांकन, शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र द्वारा।
- फरवरी माह में विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा।
- शिक्षकों द्वारा छात्र-छात्राओं को गोद लेने की प्रक्रिया।
- सत्र में दो बार शिक्षक-अभिभावक एवं पुरातन छात्र परिषद् की बैठक।
- प्रतिवर्ष अगस्त माह में साप्ताहिक राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ स्मृति व्याख्यान माला।
- नवम्बर माह में शोध व्याख्यान प्रतियोगिता।
- प्रतिवर्ष 'विमर्श' (वार्षिक) एवं 'मानविकी' (अर्द्धवार्षिक) नामक शोध पत्रिका एवं समावर्तन पत्रिका एवं छात्रसंघ पत्रिका 'चेतक' का प्रकाशन।
- प्रत्येक सत्र में राष्ट्रीय संगोष्ठी/कार्यशाला का आयोजन।
- ग्रामीण महिलाओं के स्वालम्बन हेतु योगीराज बाबा गम्भीरनाथ निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र का संचालन।
- महाविद्यालय के समस्त छात्र/छात्राओं एवं ग्रामीण छात्राओं हेतु निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण।
- गुरू श्री गोरक्षनाथ शोध एवं अध्ययन केन्द्र का संचालन।
- नेपाल शोध एवं अध्ययन केन्द्र का संचालन।
- हमारे पूर्वज एवं जीवन मूल्य प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम का संचालन।
- प्रत्येक विभाग द्वारा एक गाँव को गोद लेकर जनजागरण अभियान द्वारा संस्थागत सामाजिक दायित्व का निर्वहन।
- आदर्श ग्राम योजना के अन्तर्गत प्रयोग के तौर पर मंझरिया गाँव का सम्पूर्ण विकास।
- महन्त अवेद्यनाथ निःशुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र का संचालन।
- मासिक ई-पत्रिका ध्येय पथ का प्रकाशन।
- परीक्षा से पूर्व समावर्तन संस्कार (दीक्षान्त) समारोह का आयोजन।

समावर्तन उपदेश

सत्यं वद। धर्मं चर। स्वाध्यायान्मा प्रमदः। सत्यान्न प्रमदितव्यम्। धर्मान्न प्रमदितव्यम्। कुशलान्न प्रमदितव्यम्। भूत्यै न प्रमदितव्यम्। स्वाध्यायप्रवचनाभ्यां न प्रमदितव्यम्। देवपितृकार्याभ्यां न प्रमदितव्यम्। मातृदेवो भव। पितृदेवो भव। आचार्यदेवो भव। अतिथिदेवो भव। यान्यनवद्यानि कर्माणि तानि सेवितव्यानि।

तैत्तिरीय उपनिषद् १.११

''सत्य बोलना। धर्म का आचरण करना। स्वाध्याय में प्रमाद न करना। सत्य से न हटना। धर्म से न हटना। कुशल कार्य में प्रमाद न करना। महान् बनने के सुअवसर से न चूकना। पठन-पाठन के कर्त्तव्य में प्रमाद न करना। देवता और पितरो के कार्य (यज्ञ और श्राद्ध आदि) से प्रमाद न करना। माता को देवी समझना। पिता को देवता समझना। आचार्य को देवता समझना। अतिथि को देवता समझना। अन्यान्य दोष-रहित कार्यों को करना।''

संकल्प

मैं .....

पुत्र/पुत्रीश्री/श्रीमती .....

स्नातक/स्नातकोत्तर कला/विज्ञान/वाणिज्य/बी.एड्. में इस महाविद्यालय से अपनी शिक्षा पूर्ण कर रहा/रही हूँ।

- मैं संकल्प लेता/लेती हूँ कि उपर्युक्त समावर्तन उपदेश का पालन करूँगा/करूंगी।
- जीवन में शुचिता एवं ईमानदारी के साथ पारिवारिक एवं सामाजिक जीवन के उत्तरदायित्वों का निर्वाह करूँगा/करूँगी।
- मैं भारत का एक योग्य नागरिक बना रहूँगा/बनी रहूँगी। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रति मेरी निष्ठा रहेगी।
- मैं कभी कोई ऐसा कार्य नहीं करूँगा/करूँगी जिससे राष्ट्रीय एकता-अखण्डता को चोट पहुँचे।
- मैं कभी कोई ऐसा कार्य नहीं करूँगा/करूँगी जिससे मेरे माता-पिता तथा सगे-सम्बन्धियों की कीर्ति धूमिल हो।
- भारत की सनातन संस्कृति में मेरी अटूट निष्ठा बनी रहेगी।
- भारतीय जीवन मूल्यों का सम्मान करते हुए उसके संवर्धन हेतु सदैव प्रयत्नशील रहूँगा/रहूँगी और अपने व्यक्तिगत जीवन में उनका पालन करूँगा/करूँगी।

हस्ताक्षर प्राचार्य

हस्ताक्षर छात्र/छात्रा